HRA AN VISIUN Che Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 17]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 26, 1980 (वैशाख 6, 1902)

No. 17]

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 26, 1980 (VAISAKHA 6, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग III--खण्ड 1 PART III---SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा प्रायोग

नई विल्ली-110011, विनांक 31 मार्च 1980 सं० ए० 38015/1/79-प्रशासन-II—श्री एम० पी० गृह ने 31 मार्च, 1980 (अपराह्म) से निवर्तन होने पर अपनी सेवा निवृत्ति के परिणाम स्वरुप संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (अंगला) के पव का कार्यभार छोड़ दिया है।

एस० बालचन्द्रन भवर सचिव संघ लोक सेवा भागोग

गृह मंत्रालय

महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110001, दिनांक 3 अप्रैल, 1980

सं० डी० एक-12/77-स्थापना—श्री भूम सिंह ने, जब वह मिजोराम पुलिस में प्रतिनियुक्ति पर थे, उनके सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्थरूप .उप-पुलिस प्रधीक्षक के० रि० पु० बल के पद का कार्यभार 31-8-1979 (प्रपराह्म) को त्याग दिया।

सं० घो॰ दो-1348/77-स्थापना—राष्ट्रपति ने श्री पी० घार० मीना, उप-पुलिस श्रधीक्षक, 28 वाहिनी, के० रि० पु० 1—36GI/80 बल, को केन्द्रीय सिविल सेवा (ग्रस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम, 5(i) के भनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 20-11-1979 के भ्रपराह्म से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

सं० मो० दो-1461/80-स्थापमा---राष्ट्रपति मेजर बी० एस० मोरे (भवकाश प्राप्त) को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में सहायक कमाण्डेन्ट के पव पर भागामी भावेश जारी होने तक पुनर्नियुक्ति करते हैं।

2. मेजर बी० एस० शोरे केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की ए० डस्स्यू० एस० नं० 1, हैदराबाद में दिनांक 28-2-1980 के पूर्वाह्न से सहायक कमाण्डेन्ट के पद का कार्यभार संभाला ।

के० श्रार० के० प्रसाद सहायक निवेशक (प्रशासन)

ERED NO. D—(D)—73

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 अप्रैल 1980

सं० 11/99/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, पश्चिम बंगाल सिविल सेवा के भ्रधिकारी श्री जयन्त राव को पश्चिम बंगाल, कलकत्ता, में जनगणना कार्य निवेशालय में तारीख 12 मार्च, 1980 के पूर्वाह्म से भ्रगले भादेशों तक प्रतिनियुनित

(4527)

पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जन गणना कार्यं के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री राव का मुख्यालय कलकत्ता में 👔 गाँ।💤 🍃 🥕

संव 11/110/79-प्रसाठ-1---राष्ट्रपति, गुजरात सिविल सेवा के प्रधिकारी श्री पीठ जेठ झाला को गुजरात, प्रष्टुमदाबाद में जनगणना कार्य निवेशालय में तारीख 13 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से अगले श्रादेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री पी० जे० झाला का मुख्यालय भ्रहमदाबाद में होगा।

दिनांक 2 श्रप्रैल 1980

सं० 7/4/79-प्रशा०-I-1187-राष्ट्रपति, नई विस्तृति में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में निम्नलिखित प्रधिकारियों को तारीख 3 दिसम्बर, 1977 से सहायक निदेशक (तकनीकी) के पद पर स्थायी तौर पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

- 1. श्री लाल कृष्ण
- 2. श्री एस० एस० एस० जायसवाल
- 3. श्री एस० के० श्रग्रवाल
- 4. श्री बी० एल० भान

सं० 11/118/79-प्रशा०-1-1188—-राष्ट्रपति, महाराष्ट्र सिविल सेवा के अधिकारी श्री एस० बी० चौबाल को महाराष्ट्र, बम्बई में जनगणना कार्य निदेशासय में तासीख 1 मार्ख, 1980 के पूर्वाह्म से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण, द्वारा उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री चौकाल का मुख्यालय वस्वई में होसा।

दिनांक 3 भ्रप्रैल 1980

सं० 11/57/79-प्रशा०-I-I-1197— राष्ट्रपति, गुजरात राज्य सरकार के अधिकारी श्री एक० जी० शाह को गुजरात, शहमदाबाद में जनगणना कार्य निदेशालय में लाखे ये मार्च, 1980 पूर्काह्म से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण हारा उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री शाह का मुख्यालय श्रहमदाबाद में होगा।

दिनांक 5 भ्रप्रैल 1980

सं० 11/102/79-प्रशा०-१—-राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निरंधक जन-गणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरूप श्री श्रार० के० भाटिया को उसी कार्यालय में तारीष्य 27 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की भवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर धरा जाए, जो भी भवधि पहले हो पूर्णतः श्रस्थाई और तदर्थ श्राधार पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सह पै नियुक्त करते हैं।

2. श्री श्रार० के० भाटिया का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा ।

सं० 11/102/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंत्रीकार के कार्यालय में सहायक सिर्धेशक जन-गण ना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री और पी० शर्मा को उसी कार्यालय में तारीख 27 मार्च, 1980 के पूर्वा से एक वर्ष की अवधि के लिये या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तक्ष्ये श्राधार पर उप निदेशक जन गणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

 श्री भ्रो०पी० शर्मा का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा ।

दिनांक 7 धर्मेल 1980

सं 0 10/22/78-प्रणा०-I—राष्ट्रपति, समाज कल्याण मंत्रालय में प्रनुसंधान प्रक्षिकारी के पद पर कार्यरत छाँ० के० पी० इट्टामन को नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तारीख 15 मार्च, 1980 के प्रपराह्न से 1 वर्ष की प्रविध्व के लिये या जब तक पव नियमित ग्राधार पर भरा जाए, इनमें से जो भी ग्रवधि पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण हारा तदये ग्राधार पर वरिष्ठ ग्रनुसंधान ग्रधिकारी के पद पर सहर्ष नियक्त करते हैं।

डाँ० इट्टामन का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 11/11/79-प्रशा०-I—राष्ट्रंपति, निर्पुरा सिविल सेवा के अवध्वारी श्री एस० के० गांमुली की निपुरा, अगरतला में जन्मधाना कार्य निदेशारूक में लगीख 14 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनवणमा कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री गांगुली का मुख्यालस सम्परतला में होता ।

सं० 11/8/80 श्रमा०-ा राष्ट्रपतिः, कहाराष्ट्र सिकिल सेवा के श्रम्भिताराः श्री जी० डी० दीचे को महाराष्ट्र, सम्बद्ध में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीखा 15 सार्च , 1980 के पूर्वाह्र से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशकः जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री दीचे का मुख्यालय नासिक में होगा।

पी० पद्मनाभ, भक्ता के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय
(भ्राधिक कार्य विभाग)
भारत प्रतिभूति मृद्रणालय
नासिक रोड, दिनांक 22 मार्च 1980

सं० 1589/ए—श्री जी० एस० सपकाके, धनुभाग ब्रधिकारी, केन्द्रीय मुद्राक भंडार, ना० रोड, को केन्द्रीय मुद्राक भंडार में (सितीय श्रेणी राजपतित पद) सहायक मुद्रांक नियंसक के पद पर सुधारित वेतन श्रेणी दं 650-30-740-35-810-दं रो०-35-880-40-1000-दं रो०-40-1200 में तदर्थ रूप में 1-3-1980 के पूर्वाह्म से 30-6-80 तक श्रथवा तब तक नियंमित रूप में जब तक इसके पूर्व ही उक्त पद की पूर्ति न हो जाए नियुक्त किया जाता है।

विनांक 30 मार्च 1980

सं 1590/एम०—श्री श्रार ए० पटेल, सहायक टिकिट नियंत्रक, केन्द्रीय मुद्रांक भंडार, ना० रोड, 29-2-80 के श्रपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए।

ना० राममूर्ति। ज्योष्ठ छप महाप्रबन्धक, भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 1 भन्नैल 1980

फा० सं० बी० एन० पी०/सी०/5/80—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक बी०एन० पी०/सी०/5/79, दिनांक 23-12-79 के अनुक्रम में श्री आर० सी० अग्रवाल की सकनीकी प्रधिकारी (मुत्रण एवं प्लेट निर्माण) के पद पर तवर्ष आधार पर की गई नियुक्ति की अविध उन्हीं शर्ती पर दिनांक 25-3-1980 से आगामी तीन माह के लिए या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो बढ़ाई जाती हैं।

फा० सं० बी० एन० पी०/सी०/5/80—इस कार्यालय की ग्रिधिसूचना क्रमांक बी० एन०पी०/सी०/5/79, दिनांक 29-11-79 के भ्रनुक्रम में निम्नलिखित तदर्थ नियुक्तियों की भ्रविध उन्हीं शतीं पर दिनांक 31-3-1980 तक बढ़ाई जाती है।

ऋ०सं०	नाम	पद	जिस्र पर तदर्थ
		ग्राधार	पर वास्तविक
		निय	यु क्ति हुई

		आवार पर पास्तापण
		नियुक्ति हुई
	सर्वश्री	
1.	एम० पोनुथु राई	तकनोकी श्रधिकारी
		(मुद्रणव प्लेट निर्माण)
2.	डी० ग्रार० कोड।वर	वधा
3.	व्हाय० जनार्धन राव	यथा
4.	रामपाल सिंह	यथा
5.	एन० भ्रार० जयरामन	 यथा
6.	समरेन्द्र दास	 यथा
7.	मृ्दुल दत्ता	तकनी की भ्र धिकारी
		(ग्र भिकल्पन एवं उत्कीर्णन)
8.	श्ररण कुमार इंगले	तक्क तीकी श्र धिकारी
		(स्था ही कारखाना श्रनु० एवं
		प्र ोगशाला)
9.	जे ० एन० गु प्ता	तकनी की श्रधिकारी
	_	(स्याही कारखाना उत्पादन)
		पी० एस० शिवराम,

महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग महालेखाकार का कार्यालय, उड़ीसा भुवनेश्वर, दिनांक 19 फरवरी 1980

सं० 85—इस कार्यालय के निम्नलिख तस्थायी धनुभाग अधिकारियों को कार्यवाही लेखा अधिकारी के रूप में रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर उनके नाम के साथ दर्शाए गए तिथियों से नियुक्ति के लिए महालेखाकार ने सहर्ष स्वीकृति दी है।

1. श्री एम० एस० सरकार	25-1-1980 मध्याह्न
2. श्रीजी० एस० प्रकाशराव	25-1-1980 मध्याह्न
3. श्री वी० भ्रार० जी० के० सी०	25-1-1980 मध्या ह्र
भट्ट	
4. श्री पी० के० बोच्चुकुटी	25-1-1980 मध्याह्न
5. श्री वी० एस० श्रार० शर्मा	.25-1-1980 मध्याह्न
 श्री च० म्रार० सूर्यनारायण 	4-2-1980 पूर्वाह्न
7. श्री एस० के० घटर्जी,	1-2-1980 पूर्वाह्न
उनकी परस्पर वरीयता ऊपर उ	उल्लेखित है तथा उनकी
पद्मोरनति सर्वोच्च /उच्च न्यायालय में प	ड़े हुए मामलों के निर्णय
के गर्ताधीन श्रस्थायी श्राधार पर हुई है	ŢĹ,

दिनांक 25 फरवरी 1980

सं० प्रणा०-प्राई०ए० डी०-1-29-गोप०-4635—महालेखा-कार द्वारा सहर्ष निम्नलिखित कार्यवाही लेखा प्रधिकारियों को उनके नाम के साथ दर्शाए गए तिथि से लेखा प्रधिकारी के संवर्ग में मूल रूप से नियुक्ति दी गयी।

1. श्री जी० के० पटनायक	28-12-1978
2. श्री सी०ग्रार० मिश्र	1-6-1979
3. श्री एच० डी० मित्र	26-6-1979
4. श्री एम० के० चिदम्बरम	1-11-1979
5. श्री ए० के० मजुमदार	1-11-1979
6. श्री वी० कृष्णराव	1-2-1980
	के० पी० येंकटेण्यरन

वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०)

महालेखाकार का कार्यालय, श्रांध्र प्रदेश

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

मं० प्रणा० 1/8/132/80-81/2--- नहालेखानार श्रांध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यात्य के अवीन लेखा सेवा के स्थानी सदस्य थ्रो एस० नागस्या की महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद हारा वेतनमान रु० 840-40-1000-ई० वी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 18-2-80 के अपराह्म में अग्र पह आगे प्रादेश न दिए आएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदीकृति उससे विराठ सदस्यों के दाने परप्रविकृत प्रभाव डालने वाली पही है।

रा० ह्रिह्ण्स, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय निवेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिमांक 5 ग्रप्रैल 1980

सं० 53/ए-प्रणासन/130/79—भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद में स्थायी रूप से अन्तर्लयन के परिणाम स्वरूप, श्री एस० पी० सिंह, अस्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी, (स्थायी अनुभाग अधिकारी (धाडिट) का ग्रहणाधिकार अवसान इस विभाग में, मूल नियम 14-ए (डी) के अधीन, दिनांक 1-9-79 (पूर्वाह्र) से हो गया है।

के॰ बी॰ दास भौमिक संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं नई दिल्ली

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक नई दिल्ली-110022, दिनांक 3 भग्रेल 1980

सं० 19293/प्रशा०-I—58 वर्ष की धायु प्राप्त कर लेने पर, श्री एम० एन० नारायणन, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक को विनोक 31-8-80 (ध्रपराह्म) ं से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर विया जाएगा तथा तदनुसार उनका नाम रक्षा लेखा विभाग के संख्याबल से दिनांक 31-8-80 (ध्रपराह्म) से हटा दिया जाएगा।

सं० 18295/प्रणा०-I--- 58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री देव राज सहगल, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक को दिनांक 31-10-1980 (प्रपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्त-रित कर दिया जाएगा तथा तदनुसार उनका नाम रक्षा लेखा विभाग के संख्या बल से दिनांक 31-10-80 (श्रपराह्न) से हटा दिया जाएगा ।

सं० 18343/प्रणा०-I—-58 वर्ष की भ्रायु प्राप्त कर लेने पर, श्री जे० एल० बाली, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक को दिनांक 30-11-79 (ग्रपराह्म) से पेंगन स्थापना को भ्रन्तरित कर दिया गया तथा तदनुसार उनका नाम रक्षा लेखा विभाग के संख्या वल से दिनांक 30-11-79 (ग्रपराह्म) से हटा दिया गया ।

के० पी० राव, रक्षा लेखा भ्रपर महानियंद्रक (प्रशासन)

रक्षा मंद्रालय

ए० डी० ग्रो० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा ग्रार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकता, दिनांक 28 मार्च 1980

सं० 8/80/U/E-1 (एन० जी०)—श्री बी० के० चटर्जी, मौलिक एवं स्थायी सहायक/अस्थायी ए० एस० श्रो० को मेडिकल कोर्ड द्वारा सरकारी सेवा से स्थायी तौर पर अयोग्य घोषित किए जाने पर डी० जी० श्रो० एफ० ने सी० सी० एस० पेंगन

मयम 1978 (प्रकाशन) के नियम 38 के प्रावधान के अंतर्गत उन्हें असमर्थता पेंशन की मंजूरी वी है। श्री षटर्जी को विनाक 20-2-80 से अर्थात मेडिकल बोर्ड द्वारा उन्हें सरकार के अन्तर्गत अग्निम सेवा से स्थायी तौर पर आयोग्य प्रमाणित किए जाने की तारीख से, पेंशन स्थापना में स्थानान्तरित किया जाता है।

> डी० पी० चक्रवर्ती ए०डी० जी० ग्रो० एफ०/प्रशासन इस्ते महानिदेशक, ग्रार्डनेन्स फॅबटरियां

भारतीय भार्डनेन्स फैक्टरियां सेवा महानिदेशालय, भ्रार्डनेन्स फैक्टरियां कलकत्ता, दिमांक 31 मार्च 1980

सं० 11/80/जी—वार्धवय निवृत्ति भ्रायु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री जी० एफ० मेसकारे नहास, स्थानापन्न प्रबन्धक। मौलिक एवं स्थायी उप-प्रबन्धक दिनांक 31 दिसम्बर, 1979 (भ्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 12/80/जी०---वार्धक्य निवृत्ति मायु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री जी० के० रानाडे स्थानापन्न उप-प्रबन्धक । मौलिक एवं स्थायी सहायक प्रबन्धक दिनांक 31 जनवरी, 1980 (ग्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए ।

दिनांक 2 मप्रैल 1980

सं० 13/जी०/80—श्री डी० वाई० मोघे, क्षेत्रीय निदेशक (उत्तरी क्षेत्र) (स्थायी इंडी० डी० जी०/एस० जी०, स्तर-I) दिनांक 11-5-1979 (प्रपराह्म) से स्वेष्छा से सेवा निवृत्त हुए ।

सं० 14/जी०/80—श्री आई० के० नायक, ग्रापर महा-निदेशक मेम्बर ग्राइंनेन्स फैक्ट्ररी बोर्ड (स्थायी डी० डी० जी०/ एस० जी० स्तर-1) दिनांक 7-1-80 (ग्रपराह्म) से स्वेच्छा से सेवा निवृत्त हुए ।

सं० 15 /जी०/80—58 वर्ष के बाद छ: महीने की सेवा वृद्धि की समाप्ति पर श्री एस० एस० बासु स्थानापन्न की डी० डी० जी० ओ० एफ० (स्थायी, ए० डी० जी० ग्रेड-1) विनोक 20-9-79 (ग्रपराङ्ख) से सेवा निवृत्त हुए ।

सं० 16/जी०/80—वार्धक्य निवृत्ति भ्रायु (58 वर्ष) प्राप्त होने पर श्री जी० सी० खन्ना, स्थानापन्न प्रवन्धक (मौ-लिक एवं स्थायी उप-प्रवन्धक), विनांक 31~1-80 (ग्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए ।

सं० 17/जी०/80—वार्धक्य निवृत्ति ग्रायु (58 वर्ष) प्राप्त कर श्री के० सी० कुमरा स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (स्थायी सहायक प्रबन्धक) दिनोक 31-12-79 (ग्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए ।

सं० 18/जी०/80---वार्धक्य निवृत्ति श्रायु (58 वर्ष) प्राप्त कर श्री मिस्कीन हुसैन, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (मौलिक फोरमैन) दिनांक 31-8-79 (अपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए। सं० 19/जी०/80—वार्धक्य निवृत्ति द्यायु (58 वर्ष) प्राप्त पर श्री टी० ग्रार० सिबल, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 30-11-1979 (ग्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

> बी० के० मेहता सहायक महानिदेशक, प्रार्डनेन्स फैक्टरियां

उद्योग मंत्रालय

(ग्रीबोगिक विकास विभाग)

विकास भ्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, विनांक 3 भ्रप्रेल 1980

सं० 12/170/61-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति जी, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, बम्बई के श्री एस० एच० निरोखेकर, स्थाई सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (यांत्रिक) एवं स्थानापन्न उप निदेशक (यांत्रिक) को निवर्तन की ग्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31 दिसम्बर, 1979 (ग्रपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त होने की श्रनुमति प्रदान करते हैं।

महेन्द्रपाल गुप्त उप निदेशक (प्रशासन)

वस्त्र प्रायुक्त काकार्यालय

बम्बई-20, धिनांक 12 मार्च 1980

सं० सी० ई० म्रार०/1/80—स्तृती वस्त्र (नियंत्रक) भ्रादेश 1948 के खंड 22 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्द्वारा वस्त्र न्नायुक्त की म्रधिसूचना सं० सी० ई० म्नार०/1/68 दिनांक 2 मई 1968 में निम्नलिखित संशोधन करता हूं भर्यात :—

उक्त ग्रधिसूचना के पैराग्राफ 2 में :---

(एक) सद (बी) की उप-सद (पांच) ग्रौर उसकी टिप्पणी के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किए जाएंगे ग्रर्थात्:--

"(पांच) जो ग्रीमतन 34.49 काउंट तक के सूत से बुना गया हो ग्रीर इसमें किसी भी प्रकार की छाी मलमल ग्रीर छाी वायल, जिसके प्रत्येक दुकड़े की लम्बाई 5 मीटर से कम न हो, भी शामिल है।"

"टिप्पणी : इस मद के निभिक्त छनी सलमल ग्रौर छनी वायल से तास्पर्य सादी बुनाई का कोई भी वस्त्र है जो इकहरे सूत से विनिर्मित हो ग्रौर जिसके ताने में 28 काउंट से कम का सूत न हो ।"

(वो) मद (सी) की उपमद (चार) केस्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा प्रथित :-- "(चार) जिसकी चौड़ाई 84 सेंटीमीटर से लेकर 120 सेंटीमीटर (दोनों सहित) तक हो।"

(तीन) यह म्रश्चिसूचना तस्काल प्रभावी होगी । एम० भदुरै नायगम भ्रपर वस्त्र स्रायुक्त

पटसन ग्रायुक्त का कार्यालय

कलकत्ता-700069, दिनांक 7 ग्रप्रैल 1980

सं० जूट(ए)/187(1)/71—पटमन ध्रायुक्त, कलकत्ता एतब्द्वारा श्री टी० एस० चक्रवर्ती, को दिनांक 14 नवम्बर। 1979 से पटसन ध्रायुक्त कार्यालय, कलकत्ता में कार्यकारी ध्रिधकारी के मूल हैसियत पर नियुक्त करते हैं।

> म्रार० एन० चक्रवती पटसन म्रायुक्त

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन प्रनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1980

सं० प्र० 1/1(948)—इस कार्यालय केस्थापी वरिष्ठ प्राधिक भ्रत्वेषक श्री बाबूलाल को इस कार्यालय में दिनांक 12-3-1980 के पूर्वाह्म से सहायक निदेणक (सांख्यिकी) (प्रेड I) के रूप में तदर्यभाधार पर नियुक्त किया जाता है ।

विनांक 31 मार्च 1980

सं० प्र० 1/1(585)—-राष्ट्रपति, श्री बी० एस० चावला उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के भेड-II) को विनांक 20-3-80 के पूर्वाह्म से पूर्ति तथा निपटान महा-निदेशालय नई दिल्ली में तदर्थ प्राधार पर पूर्ति निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-I) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री चायला की पूर्ति निवेशक के रूप में तदर्थ पदोन्नति से उन्हें तदर्थ ग्राधार पर पदोन्नत ग्रेड में वरीयता श्रयवा नियमित नियुक्ति का कोई हक नहीं होगा।

सं० प्र-1/1(873)—राष्ट्रपति पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (भारतीय पूर्ति सेवाग्रुप "ए" के ग्रेड-III) श्री श्राई० एस० गर्ग को दिनांक 20-3-80 के पूर्वाह्य से इसी महानिदेशालय नई दिल्ली में उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवाग्रुप "ए" के ग्राड-II) के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री गर्ग को उपनिदेशक पूर्ति के रूप में तदर्थ आधारपर पदोक्षत ग्रेड में यरीयता श्रयका नियमित नियुक्ति का कोई हक नहीं होगा ।

> कृष्ण ं किमोर उप निदेशक (प्रणासन) कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

(प्रणासन अनुभाग-6)

नई धिल्ली, दिनांक 1 श्रप्रैल 1980

सं० प्र-6/247/(324)/61-III—राष्ट्रपति, वर्णपुर निरीक्षणालय के श्रधीन उप निदेशक निरीक्षण (धासु) दुर्गापुर के कार्यालय में सहायक निरीक्षण श्रधिकारी (धासु) श्री एं० के० हाजरा को धिनांक 27-2-80 (पूर्वाह्म) से श्रीर श्रीगामी श्रादेशों के जारी हीने तक निरीक्षण निदेशक वर्णपुर के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धासु) (भारतीय निरीक्षण सेवा श्रुष ए धासु शाखा के ग्रेड-III) के पद पर तथ्य श्राधार पर नियुवन करते हैं।

श्री हाजरा ने उप निदेशक निरीक्षण (धातु), दुर्गापृर के कार्यालय में सहायक निरीक्षण श्रीव कारी (धातु) का परभार दिनांक 25-2-80 (श्रेपराह्न) की छोड़ दिया श्रीर दिनांक 27-2-80 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण निदेशक (धातु) वर्णगुर के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) का परभार सम्भाल लिया ।

पी० डी० सेठ उप निदेशमा (प्रशायन) इते निदेशक पूर्ति तथा निगटान

इप्पात, खान ग्रीरकोयना मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय खनन ब्यूरो

नाणपुर, दिनांक 31 मार्च 1980

सं० ए-19012/(125)/80-स्था० ए०—विभागीय पदी-भ्रति समिति की सिफारिश पर श्री सरबेश्वर मिह स्थाई वरिष्ठ तक्ष्मीकी सहायक (भूबैज्ञानिक) को दिनांक 18 मार्च 1980 के पूर्वीह्म से ग्रागामी ग्रादेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में वर्ग "ग्रा" के पद में स्थानायन सहायक खनल भूबैज्ञानिक के रूप में पदोन्नति प्रदान की जाती है।

> एम० व्ही० श्रनी कार्यालय श्रध्धक्ष भारतीय खान व्यूरो

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई थिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1980

र्सं० ए० 19019/23/79-के० स्वा० बी०-1— स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० राम किणम को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में 11 मार्च 1980 पूर्वाह्न से ग्रस्थाई ग्राधार पर ग्रायुर्वेदिक फिजिणियन के पद पर 'नियका किया है ।

> एन० एन० घोष उप निदेश हा प्रशासन

नई भिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल 1980

सं० ए० 12026/18/79-प्रशासन-I---स्वारध्य सेवा महानिदेशक ने श्री पुष्प कुमार की 26 फरवरी 1980 के श्रमराह्म से आगामी श्रादेशों तक लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज एवं श्रीमती सुचना कुपलानी अस्पताल, नई दिल्ली में सांविधकी एवं जनांकिकी के लेक्बरर के प्रधार निगुका किया है।

> गाम लाल कुठियाला उप निदेशक प्रशासन

पानोग पुतिनर्गण मंत्राक्षय विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद-121001 दिनांक 2 अप्रैल 1980

सं० ए० 19023/58/78-प्रशा-III—इस निदेशालय में विपणन अधिकारी (वर्ग I) के पद पर निस्नलिखिन अधिकारियों की अल्पकालीन नियुक्ति को 30-6-80 या जब तक नियमित प्रबन्ध होते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है:—

- (1) श्री एस० बी० चक्रवर्ती
- (2) श्री एस० बी० कृष्णमूर्ति
- (3) श्री श्रार० वी० कुरुप
- (4) श्री एस० डी० फड़के।

सं० ए० 19025/4/80-प्रशा-III—महायक विपणन प्रधिकारी (वर्ग-1) के पद पर निम्नलिखित प्रधिकारियों की प्रल्पकालीन नियुक्ति को 30-6-80 तक या जब तक पद नियमित ग्राधार पर भरे जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है:—

- (1) श्री जी० वी० राममूर्ति
- (2) श्री पी० डी० गिरासे
- (3) श्री के० जयनन्दन
- (4) श्रीमती भ्रार० ललिता।

बी० एल० मनिहार निदेशक प्रशासन, कृते कृषि विपणन सलाहकार

केंद्रीय जल और विद्यत अनुसंघान शाला

पुणे-411024, दिनांक 2 भ्रप्रैल 1980

सं० 602/6/80-प्रशासन—निभागीय पदोन्नति समिति (युप 'ख') (राजपितत) से की गई सिफारिश पर निदेशक, केंद्रीय जल श्रीर विद्युत् अनुसंधान शासा, पुणे, एतद हारा निम्नानुसार व्यक्तियों को सहायक अनुसंधान शिधकारी

(वैज्ञानिक-भौतिकी) के पद पर केंद्रीय जल भौर विद्युत् श्रनुसंधावणाला, पुणे में केंद्रवमान रूपये 650-30-740-35-810-दं रो०-35-880-40-1000-दं रो०-40-1200 नियमित रूप से स्थानापन पदी पर दिमांक 22 जनवरी 1980 के पूर्वाह्म से नियुक्ति करते हैं:

- 1. श्री ए० व्ही ० वेदपाठक
- 2. भी पी० वही० मंध्यू।

उपर्युक्त मधिकारियों को दिनांक 22 मार्च 1980 के पूर्वाह्न से सहायक अनुसंधान प्रधिकारी (भौतिकी) के पदों के लिए दो साल की परिवीक्षांवधि रहेगी।

सं० 602 8 89 जन्मसम् - विभागीय पदोस्तर्क समिति (सुमः खं) (राष्ट्रसिक्तः) से की वई सिफारिश पर निवेशक, केंद्रीय जल और विद्युत-अनुसंधानशाला, खड़कवासला, पुणे एतव् क्रांतर श्र्वी एतव एत्तर क्ष्यों की सहायक अनुसंधान क्रांधिक कारी (वैज्ञान्तिक-निक्ति) के पव पर केंद्रीय जल और विद्युत् अनुसंधान क्यांस्ता, पुक्ते में वेत्तनसान क्यंये 650-30-746-35-810-द० रोज-35-880-40-1000-द० रोज-40-1200 नियमित क्ष्य से स्थानक्षक पढ़ों पर दिनांक 22 मार्च 1980 के पूर्वाह्न से नियमित क्ष्य से स्थानक्षक पढ़ों पर दिनांक 22 मार्च 1980

श्री एन० एन० कोटी, सहायक अनुसंधान श्रीधकारी (गणिति) के स्मिष् केंद्रीय जल श्रीर किञ्चत् श्रमुसंधानशाला, पुणे में दिनाक 22-3-80 (पूर्विक्ष) से दो साल की परिवीक्षाविध रहेगी।

सं० 602/19/80-प्रशासन—विभागीय पदोल्स्ति समिति (ग्रुप 'ख') (राजप्रतित) से की गई सिफारिश पर निदेशक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला, पुणे एतद्द्वारा श्री एम० एल० नश्य की सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक) रसायन के पद पर केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला, पुणे में वेतनमान रूपए 650-30-749-35-810-द० रो.०-35-880-40-1000-द० रो-40-1200 नियमित रूप से स्थानापन्न पदों पर विनांक 22 मार्च 1980 के पूर्वन्ह से नियुक्त करते हैं।

श्री एम० एल० नाथ, सहायक श्रनुसंधान ग्रिधकारीं (वैज्ञानिक-स्प्रायन) के लिए केंद्रीय जल श्रीर कियुत श्रमुसंधाक- शाला, पुणे में दिनांक 22-3-1980 (पूर्वाह्न) से दो साल भी परिविधानिक स्ट्रेमी।

एम**्रध्नार**० गिडवानी, प्रणासन श्रधिकारी **कृते** निदेशक

भाभा परमाणु अनुसंघान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 10 मार्च 1980.

सं ०. 5/1/79 स्था० 11/909—नियंत्रक, भाभा परमाणु श्रनुग्रंधाक केन्द्र निम्नलिखित अधिकारी तदर्थ रूप से उनके नाम के सामने श्रंकित समयाव्यक्ति के लिए स्थानायक मुरक्षा मणि-कारी के पद पर निवृक्त करते हैं:---

		समयावधि		
क्रमांक नहम तथा पवनाम	स्थानक्रमञ्जू रूप में नियुक्ति	ं	तक	
 श्री वी० के० मू सहायक सुरक्षा अधिकारी। 			26-10-79 (म्रपराह्न)	
2. श्री वीं० केळ मूं सहायक सुरक प्रधिकारी ।	· , · •	7- 1-80 (দুবদ্ধি)	8-2-80 (श्रफराह्म)	

सं० 5/1/79-स्था० II/910—नियंत्रक, भाभा परमाणु धनुसंधान केन्द्रश्री एल० बी० गावडे, सहायक को स्थानापन्न सहायक कार्मिक प्रधिकस्रीः पद पर दिनांक 15-1-1980 (पूर्वाह्न) से 29-2 1980 (प्रपाह्न) तक तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

कु० एच० बी० विजयकर, उप स्**यक्त**का श्रक्षिकारीः

परमाणु ऊर्जा विभाग (परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 3 मर्प्रेल 1980

कं प० का प्र-1/23/79-प्रणासन— परमाणु ऊर्जा विधान के परमाणु खनिज प्रभाश के निदेशक श्री सोहैल फाहमी को परमाणु खनिज प्रभाग में 14 मार्च, 1980 के पूर्वाह्म से लेकर ग्रमले श्रादेश होने तक श्रस्थापी रूप से वैज्ञानिक श्रधिकारी/ ग्रभियन्ता ग्रेड एएस० बी॰" नियुक्त करते हैं।

> **एन**० एस० राव, वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा भ्रधिकारी

पर्यटन तथा नार्गेर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग नई विरुली-3, दिनांक 2 ग्रप्रैल 1980

सं० ई० (1) 03380 — मौसम विज्ञात के महानिदेशक के मुख्यालय, धारत सौसम विज्ञान विभाग, नर्स विल्ली में नियुपत एन० कुमार निदेशक निवर्त्तन श्रीथु पर पहुंचने पर दिनाक 30-11-1979 के अपराक्ष से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

. दिनांक 5 **मध्ये**,ेेेेे 1⊦980

सं०ई० (1) 03286—-श्री सी० ग्रार० वी० रमन मौसम विज्ञान उपमहानिवेशक जो कि भारत मौसम विज्ञान विभाग में मॉनेक्स परियोजना के निवेशक का कार्य कर सहे

	30 के अपराह्न से निवर्तन आयु सेवा से निवृत्त हो गए।	(1) (2)	(3)
17 18 11 17 17 17 17	के० मुखर्जी	9. सुझील कुमार	महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय, (मुख्यालय) ।
	मौसम विज्ञानी कृते मौसम विज्ञान महानिदेशक	10. पी० एस० मल्लिक 11. मार० के० सूद	क्षेद्रीय संचार नियंत्रक, कलकत्ता । नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र,
	विभानन का कार्यालय	" 12. जे० वी० सरमा	इलाहाबाद । वै० सं० स्टेशन, सफदरजंग
नई विल्ली, दिनां	क 1 प्रत्रेल 1980		एयरपोर्ट, नई दिल्ली।
सं० ए० 31011/1/77-	ई० सी०राष्ट्रपति जी निम्न-	13. एम० एम० पौलोस	बै० से० स्टेशन, हैदराबाद।
लिखित 27 अधिकारियों को	ा दिनांक 26-4-1979 से धान्य तनन विभाग में स्थायी रूप में	14. ए० जी० नरसिम्हां	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।
मायश हान तक नागर विभ तकनीकी मधिकारी के ग्रेड में		15. के० सुरेख	वै ० सं ० स्टेशन, पालम ।
क्रमसं० नाम	तैनाती स्टेशन	16. ए० जगदेशन	नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण, मद्रास।
(1) (2) सर्वश्री	(3)	17. रूप चन्द	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।
1. ग्रार० एस० गहलोत	वैमानिक संचार स्टेशन,	18. एस० के० गोविलकर	वै० सं० स्टेशन, बम्बई।
•	शहमदावाद ।	19. एस० जयरमन	वै० सं० स्टेशन, बम्बई।
2. वी० के० खंडेलवास	नागर विमानन प्रशिक्षण, केन्द्र इलाहाबाद ।	20. राकेश कुमार	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।
3. एम० ए० वेणुगोपाल	रेडियो निर्माण भौर विकास	21. एस० वैंकटेश्वरम	क्षेत्रीय नियंत्रक संचार, बम्बई।
(सेवानिवृत) 4. एस० के० सरस्वती	्एकक, नई दिल्ली। रेडियो निर्माण धौ र विकास	22. के० एस० नरसिम्हां	नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण, सम्बर्ध।
(जी० सी० ई० लिमिटेड	एकक, नई विस्ली।	23. विजय पंतार	वै सं० स्टेशन, पालम ।
के पास प्रतिनियु क्ति पर ।)	•	24. के० के० नारायण (रिटायर्ड)	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता ।
5. एस० पी० हरदास	वैमानिक संचार स्टे नन, गोहाटी।	25. ए० के० पन्सल	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।
6. बी० एन० एम० राव	वैमानिक संचार स्टेजन, कलकत्ता।	26. के० पी० बी० नायर	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक नई दिल्ली।
7. वी० के० चौधरी	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई।	27. डी० मनबालगन	रेडियो निर्माण एवं विकास
 एस० कृष्णास्वामी 	क्षेत्रीय संचार नियंत्रक, मद्रास।		एकक, नई दिल्ली।

विनोक 7 मप्रैल 1980

सं० ए० 31011/1/78 ई० सी०---राष्ट्रपति के निम्नलिखित 32 मधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से नागर विमानन विभाग में संचार मधिकारी के पद पर स्थायी रूप में नियुक्त किया है:---

क०सं० नाम		तैनाती स्टेशन	स्यायी नियुक्ति की तारीख
(1) (2)		(3)	(4)
1. श्री दिलीप सिंह (सेवा निवृत)	•	. वै० सं० स्टेशन सफ्दरजंग एयर-पोर्ट, नई दिल्ली	1-4-70
2. श्री एच० नीलकन्ठ ग्रय्यर (से० नि०)		. वै० सं० स्टेमन, मद्रास	1-4-70
3. श्री एस० एम० गुप्ता (से० नि०)	•	. महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय)	1-4-70
4. श्री एस० के० रायचौधरी (से० नि०)	•	. वै०सं०, स्टेमन दम दम, कलकत्ता	1-4-70
5. श्री ब्राई०पी० के० मेनन (से०नि०)	•	. वै०सं० स्टेशन, यंगलीर	1-4-70
6. श्री कियु टेकचन्दानी .	•	. वै ० सं० स्टेशन, नई विल्ली	1-4-74
7. श्रीवी० के० कालड़ा	•	. वै० सं० स्टेशन, बम्बई	1-4-74

(1) (2)		(3)	(4)
8. श्रीएस० के० गुप्ता (से० नि०)		. वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	1-4-74
 श्री एस० सी० गोस्वामी 		. क्षे॰ सं० नियंक्षक , नई दिल्ली	1-4-74
10. श्रीम्रार०पी० णर्मा .		, महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय)	1-4-74
11. श्री डी० ग्रार० गुप्ता (से० नि०)		. महानिदेशक नागर विमान (मुख्यालय)	1-4-74
12. श्री एल० भ्रार० गर्ग .		. के ० रे ० स्टोर डिपो, नई दिल्ली	1-4-74
13. श्री ए० डी० डींगरा (से० नि०)		. वै० सं० स्टेशन, नई विल्ली	1-4-74
14. एन० के० पुरी		, महानिवेशक नागर विमानन (मुख्यालय)	1-1-75
15. श्री एस० वी० राघवन (से० नि०)	•	. वै० सं० स्टेशन, मब्रास	1-1-75
16. श्री एस० एच० खान		. व० सं० स्टेशन कलकत्ता	1-1-75
17. श्री एस० ग्रार० राघवेन्द्र राव		. व० सं० स्टेशन, कलकत्ता	1-4-75
18. श्रीपी०के०सिंघल .		. वै० सं० स्टेगन नई दिल्ली	1-4-76
19. श्रीएम०सी० जैन (से०नि०)	. ,	. महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय)	1-4-76
20. श्री के० एस० कृष्णामृति		. क्षे० सं० नियन्त्रक, मद्रास	1-4-76
21. श्री एस० ए० नारायण (से० नि०)		. वै० सं० स्टेगन, बंगलीर	1-4-76
22. एस० के० महेण्वरी		. महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय)	1-4-76
2.3. श्रीबी० जी० शाह (से० नि०)		. वै० सं० स्टेमन, बम्बई	1-4-76
24. श्री धरण तलवार .		. के० रडियो स्टोर डिपो, नई दिल्ली	1-4-76
25. श्री ग्रार० सी० चितकारा		. क्षे० सं० नियंत्रक, बम्बई	1-4-76
26. श्री एन० बी० माथुर .		. क्षे ० सं० नियन्त्रक, कलकत्ता	1-4-78
27. श्री एम० दीनदयाल .		. वै० सं० स्टेशन, मद्रास	1-7-78
28. श्रीपी० ग्रनिलकुमारं.		, महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय)	1-7-76
29. श्री एन० सदार्शिव शर्मा		. वै० सं० स्टेमन, त्रिवेन्द्रम	1-7-78
30. श्रीपी०पालस (से०नि०)		. वै०सं०स्टेशन, नई दिल्ली	1-7-76
31. श्री ग्रार० के० महेश्वरी		. महानिदेशक नागरविमानन (म ुख ्यालय)	1-7-78
32. श्री ग्रार० एच० सुब्रह्मण्यन		. क्षे॰ सं०, नियंत्रक, बम्बई	1-7-76

भार० एन० वास, सहायक निवेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 14 मार्च 1980

सं० ए० 32013/13/79-ई-1—राष्ट्रपति ने श्री ग्रार० पी० सिंह, उपनिदेशक, विमानसुरक्षा, नागर विमानन विभाग को 19 नवम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से ग्रन्य ग्रादेश होने तक इसी कार्यालय में तदर्थ ग्राधार पर निदेशक, विमान मुरक्षा के पद पर नियुक्त किया है।

2. एतव्दारा इस कार्यालय की दिनांक 7 मार्च, 1980
 की ग्रधिसूचना सं० ए० 32013/13/79-ई०, रह् की जाती
 है।

सी० के० वत्स, सहायक निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क सभाहर्तालय

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग

गुन्टूर-4, दिनांक 29 जनवरी 1980

सं० 1/80—केन्द्रीय उत्पादन मुल्क के निम्निलिखित स्थाई व ग्रेड के निरीक्षकों को ध्रगले आदेश होने तक, केन्द्रीय उत्पादन मुल्क समाहर्तालय, गुन्टूर में, स्थानापन्न रूप से अधीक्षक ग्रुप "ख" (राजपित्रत) नियुक्त किया गया है। उन्होंने अपने-अपने नाम 2—36G1/80

के सामने दिखाई गई तिथि से ग्रौर स्थान पर ग्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुरूक ग्रुप "ख" (राजपन्नित) के रूप में उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

ज्य	ासं० म्रधिकारीकानाग	₹				स्टेशन	श्रधीक्षक के० उ० ग० ग्रेड "ख" (राजपन्नित) के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
सर्वेश	भी						
1.	जी०देवल्लु .					राजामुन्दरी डिवीजन	11-7-79
	जी० वीभद्र राव			•		चिलाकुँसुरीपेट-I गुन्दुर क्षेत्र का डिवीजन-II	12-7-79
3.	एम० ग्रेषागिरी राव					नीवाडावाले क्षेत्र एलरू दिवीजन	5-7-7 9
	पी० बी० वीरा राधवरा	व				तेनाली क्षेत्र गुन्ट्र-II डिवीजन	7-7 -7 9
5.	भौ० पाइदराज्		•	•		विशाखापसनम् डिवीजन-I	17-8-79
6.	एच० एम० एफ० रहीम	शेक		•		किशाखापत्तनम डिवीजन-II	22-10-79
7.	के० वी० परसिम्हाराव					विमाखापत्तनम् मण्डल-I	2-1-80
							(पूर्वाह्न)
8.	एस० वी० रंगनाथन			•		मुख्यालय कार्यालय गुन्टुर	14-1-80
9.	मौ० बदरूदीन			•		विशासापत्तनम मण्डल-II	16-1-80
10.	ई० वी० राधवराव			•		विशाखापसन्म मण्डल-I	10-1-80
11.	एन० डी० रामनराव				•	विशाखापत्तनम मण्डल- <u>।</u>	1.2, 1-80
							(पूर्वाह्न)
12.	ए० गोथगिरी		•			एलरू क्षेत्र-I, एलरू मण्डल	9-1-80
13.	टी० वी० एल० नरसिम्ह	राव		•	,	विजयवाड़ा मण्डल	19-1-80
14.	एन० बी० वी० सम्बाशि	वराव		4		चिलाकालूरीपेट-I गुन्टुर-II क्षेत्र का मण्डल	10-1-80
15.	पी० सत्यनारायण गुप्ता			•		सस्तोपल्ली क्षेत्र मण्डल II गुन्टुर	9-1-60
16.	के० सुन्दररामा राव [ँ]			•	•	जंगारी दीगुदीम एलरू मंडल का क्षेत्र	4-2-80
	एम० गोवर्धन राव			•		श्रंगोले मण्डल का सिंगरयाकोडा क्षेत्र	19-1-80

सं 2/80 केन्द्रीय उत्पादन गुल्क समाहर्शालय, गुन्टुर के निम्नलिखित प्रधीक्षक, ग्रुप "ख" (राजपित्रत) ग्रपने-श्रपने नाम के सामने दिखाई गई तिथि से, वार्धक्य के कारण, सेवा निवृत्त हो गए ।

क्रम सं० प्रक्षिकारी का नाम			स्टेशन	सेवा निवृत्ति की तिथि		
सर्वेश्री				 ······································		
1. बी० जे० विजेन्द्र राव				गुन्टुर-🎛 मण्डल	31-1-79	(पूर्वाह्न)
2. एम० पी० सूरमा		•	,	एलरू शहरी क्षेत्र एलरू मण्डल	31-3-79	1)
 के० प्रसाद राव 			•	चिलाकासुरी पेट-I गुन्टुर का मण्डल क्षेत्र II	30-6-79	,,
 पी० शोरी रेड्डी 				तेनाली क्षेत्र मण्डल गुन्दुर-II	30-6-79	,,
 के० विजयम 		•		राजामुन्दरी मण्डल	30-6-79	3.1
6. बी० ए० सोनायाजुलु		•	•	नाडियाडवाला क्षेत्र एलरू मण्डल	30-6-79	,,
7. जी० गोपालाकृष्णामूर्ति				विजयवाड़ा मण्डल	30-6-79	11
 पी० पुतराईया 				रामचन्द्रपुरम, राजामुन्वरी क्षेत्र का मण्डल	30-6-79	,
9. पी० ए० गजपति राव			•	श्री लाकुलम-I क्षेत्र विणाखापसनम-II मण्डल	30-1-79	,,
10 जे० राममूर्ति				मुख्या लय, गुन्टुर	30-11-79	,,
 मौ० नयीमुद्दीम 				एसरू । क्षेत्र एलरू मण्डल	31-2-79	,
12. ए० रामवास				श्रंगोला मण्डल	31-2-79	,,

सं 3/80—श्री मेट्टुपल्ली वेंकट सुब्बा रेड्डी को, संघ लोक सेवा भायोग द्वारा चयन किए गए उम्मीदवार को केन्द्रीय उत्पा-दन मुल्क के भ्रष्टीक्षक श्रेणी ''ख'' (राजपन्नित) के रूप में नियुक्त किया गया है। वे विशाखापत्तनम दिवीजन- में दिनांक 7-1-1980 (पूर्वाह्न) को कार्यभार ग्रणह करने के लिए उपस्थित हुए।

सं० 4/80:—िनिम्नलिखित प्रशासन ध्रिधकारी/सहायक मुख्य लेखा अधिकारी ग्रुप "ख" (राजपन्नित), वार्धक्य के कारण, अपने अपने नाम के सामने दिखाई गई तिथियों से, सेवा निवृत्त हुए।

ऋम सं० भ्रधिकारी कानाम तथा पदनाम	स्टेशन	सेवा निवृत्ति की तिथि
सर्वेश्री		
		(पूर्वाह्म)
1 वीरभद्र राघ	मुख्यालय गुन्दुर	31-8-79
 ए० पूरनचन्द्र राव प्रशासन भ्रधिकारी 	मण्डल-ा गुन्दुर	30- 9- 79

सं० 5/80—केन्द्रीय उत्पादन मुल्क के निम्नलिखित ग्रुप "ख" (राजपितत) के श्रधीक्षकों का, उनके नाम के सामने वर्गायी गई तिथि को, जब कि वे कार्यस्थल पर कार्यरत थे, निधन हो गया।

कम सं० ग्रधिकारी क	ानाम				स्टेशन	निधन की तिथि
सर्वश्री						
1. वाई रमैया .	•	•	•	•	गुन्टुर-III गुन्टुर-I का क्षम्न	7-6-79
2. के० भरू गेण्वर र	ाव .	•	•	•	—–य थो परि—–	26-10-79

सं० 6/80—विशाखापत्तन मंडल कार्यालय-I के ग्रुप "ख" (राजपितत) ग्रिधीक्षक श्री डी० चन्द्रपाल को, मूलभूत नियमावली के नियम 56 (जे०) के उपबंधों के ग्राधीन, दिनांक 31-12-1979 के ग्रापराह्म, से सेवा निवृत कर दिया गया ।

सं० 7/80—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, गुन्दुर, के मुख्य कार्यालय श्रधीक्षक, श्री टी० चिन्मयाचारी को प्रशासन श्रधिकारी ग्रुप "ख" (राजपितत) के रूप में पदी- भ्रत किया गया श्रीर उन्होंने दिनांक 28-12-1979 को (श्रपराह्म) विशाखापत्तनम-II के मंडल (डिवीजन) कार्यालय में, उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सी० भुजंगस्वामी, समाहर्ता

निरीक्षण एवम् लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा तथा केंद्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली, विनांक 2 अप्रैल 1980

सं० 7/80—-श्री एच० डी० मजूमदार ने, जो कि पहले कलकत्ता, समाहर्नालय में ग्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, ग्रुप "ख" के पद पर कार्यरत थे, निवेशालय के दिनांक 21-2-1980 के ग्रादेश सी० सं० 1041/41/79 द्वारा स्था- नान्तरित होने पर, नि० व० लें० प० नि० सी० के० उ० शु० के कलकत्ता स्थित, पूर्वी प्रादेशिक एकक में, दिनांक 12-3-1980 (ग्रपराह्म) से निरीक्षण श्रधिकारी (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुरूक) ग्रुप "ख" के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० 8/80—श्री एम० के० समव्वर ने, जो कि पहलें केन्द्रीय उत्पादन एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय, पश्चिम बंगाल में प्रश्नीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, ब्रुप "ख" के पद पर कार्यरत थे, निदेशालय के दिनांक 21-2-1980 के भावेश सी० सं० 1041/41/79 द्वारा स्थानांतरित होने पर, नि० व ले० प० नि० सी० के० उ० शु० के कलकत्ता स्थित, पूर्वी प्रावेशिक, एकक में, दिनांक 14-3-1980 (पूर्वाह्म) से निरीक्षण मधिकारी (सीमा एवं केंद्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप "ख" के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

ह० अपठनीय निरीक्षण निदेशक

नौवहन भौर परिवहन मंत्रालय नौवहन महानिवेशालय बम्बई-400001, दिनांक 5 ग्रप्रैल 1980 (वाणिण्य नौवहन)

सं० 3(7) सी० म्रार० ए०/74 --- राष्ट्रंपति संच लोक सेवा म्रायोग की सिफारिश पर श्री डी० डी० जाधव, सहायक निदेशक, नाविक नियोजन कार्यालय, बम्बई को तारीख 17 मार्च, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक नियमित रूप से उप नाविक पाल, कलकत्ता के रूप में नियुक्त करते हैं।

> के० एस० सिध् नौबहन उप महानिदेशक

निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, दिनांक 5 श्रप्रैल 1980

सं० 33/11/76-६० सी०-9—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री जी० एस० बाबा को केंद्रीय लोक निर्माण विभाग में रुपये 700—40-900—द० रो०-40-1100 → 50-1300 (सामान्य भत्तों सिहत) के वेतनमान में रुपये 700/-प्रतिमास वेतन पर सामान्य नियम एवं शतों पर 12-3-80 (पूर्वाह्न) से उपयास्तु विव के श्रस्थायी पद पर (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप-ए) दिनोक 12-3-1980 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

 उन्हें इस विभाग में सम्मिलित होने की तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रखा जाता है।

सं० 33/12/78-ई० सी०-9—निर्माण महानिदेशक, के० लो० नि० वि०, संघ लोग सेवा आयोग के नामित श्री एस० के० भट्टनागर को सहायक वास्तुविद् के नाते अस्थायी पद पर रुपये 650/- प्रतिमास वेतन पर रुपये 650-30-740-35-810- द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनान में 28 फरवरी, 1980 (पूर्वाह्न) से सामान्य नियम एवं शर्तों पर सहवं नियुक्त करते हैं। उनका वेतन शीध ही नियमानुसार पुननियत किया जाएगा।

उन्हें ऊपर दर्शाए अनुसार उनकी नियुक्ति की तिथि से सहायक वास्तुविद् के नाते दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रखा जाता है ।

> कं ० ए० ग्रनंथनारायणन प्रशासन उप निदेशक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मन्नालय

(कम्पनी कार्यविभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 और ''जया कर्माणयल एजेंट्स एण्ड कन्सलटनट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

पांडिचेरी दिनांक 3 प्रप्रैल 1980

· सं ० 68---किमानो स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 उप-धारा (5) की स्रनुसार एतदहारा यह सूचना वी जाती है कि जया कर्माणयल एजेंटस एण्ड कनसलटनट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से हटा विया गया है भौर उक्त कंपनी विघटित हो गई है।

> बूदाटि कोटेश्वरराव कम्पनी रजिस्ट्रार

कम्पनी म्रधिनियम 1956 एवं मैसर्स बी० के० युज प्रोडक्ट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 26 मार्च 1980

सं० 13865/560(5)——कम्पनी ब्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ब्रनुसरण से एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैसर्स बी० के० वुड प्रोडक्ट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विधिटत हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 एवं मैसर्स पुसोलाना मशीनरीज् प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 26 मार्च 1980

सं० 15742/560(4)—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतव्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के अवसान पर में सर्त पुनोजाना मशीनरीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिया निक्या गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उकत कम्पनी विष्टित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 एवं मैसर्स रेलाक्सा टेक्सटाइल्स एण्ड गारमेन्ट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई दिनांक 26 मार्च 1980

सं० 17299/560(5) — कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्दारा सूचना दी जाती कि मैसर्स रेलाक्सा टेक्सटाईल एण्ड गारमेंट प्राईवेट लिमिटेड का नाम स्राज रिजस्टर से काट दिया गया है भौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० एन० गुप्ता, कम्पनियों का श्रतिरिक्त रजिस्ट्रार महाराष्ट्र ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 भौर कोयम्बटूर पयनीर इंजीनियरिंग कम्पनी लिमिटेड के विषय में।

मद्रास दिनांक 1 अप्रैल 1980

सं० डीपन/5260/56/20--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के धनुसरण में एतब्द्वारा यह भूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ब्रबसान पर कोयम्ब-टूर पयनीर इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिणत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा भीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर सिव राम ट्रांसपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 5 श्रप्रैल 1980

सं० 3827/560(3)/80— कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के श्रवसान पर सिव राम ट्रांसपोर्ट्म प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण विश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

एव० बनार्जी कम्पनियों का सहायक रजिस्टार कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर प्यनियर बूबरीज लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 5 श्रप्रैल 1980

सं० 6691/560(3)-पी०सी०IV-कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवसान पर पयनियर बूबरीस लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिंगत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

के० पंचापकेशन्, कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कार्यालय श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-¹

श्रायकर विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 2 प्रप्रैल, 1980

मं० को प्रार्ड/पब/दिल्ली/बी/78-79/7---ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 287 की उपधारा (1) तथा विक्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) के दिनांक 10-8-77 के ग्रादेश का ग्रनुसरण करते हुए, ग्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली-1, नई बिल्ली लोक हिल में उचित समझकर एनद्दारा उन निर्धारितयों के नाम तथा ग्रन्थ विवरण प्रकाशित करते हैं जिन पर विक्तीय वर्ष 1978-79 के दौरान कम से कम 5,000 रु० की पेनल्टी लगाई गई थी:---

ऋम सं०	नाम ग्रीर पता	प्रास्थिति	निर्धारण वर्ष	धारा	राशि (रुपये में)
1. 22-022-सीवी-1634	मैसर्स घ्रलोक उद्योग सर्विसेज	कम्पनी	1974-75	273 (बी)	36,220
	लि० 5,-पी०एन०बी० बिल्डिंग,		1974-75	271(1)(बी)	47,660
	पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली		1974-75	271(1)(सी)	2,67,347
2. 22-004-सी टी-5631	मैसर्ज भ्रलोक उद्योग वनस्पति	कम्पनी	1974-75	271(1)(T)	1,52,250
	एण्ड प्लाइवुड लि०, 5-पी०एन०			271 (1) (बी)	30,460
	बी० बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट,				
	नई दिल्ली				
	ग्रब पता इस प्रकारहैः— 6-ए राजासुबोध				
	मलिक स्क वेय र (सातवीं मंजिल),				
	कलकत्ता।				

मं० समन्वय/प्रकाशन/दिल्ली-ए/78-79/12—निम्नलिखित सूची में (ए) में उन व्यक्तियों तथा हिन्दू भविभक्त परिवारों के नाम दिये गये हैं जिनका वर्ष 1978-79 में दो लाख रुपये से श्रधिक श्राय पर कर-निर्धारण हुआ है तथा (बी) में उन फर्मों, व्यक्तियों, के पंगम या कम्पनियों के नाम दिये गये हैं जिनका कर-निर्धारण 10 लाख रुपये से अधिक श्राय पर हुआ है। (एक) में "ग्राई" व्यक्ति की हैसियत का तथा "एच" हिन्दू श्रिविभक्त परिवार का, "सी" कम्पनी का, "एफ" फर्म का

तथा "ए" व्यक्तियों के संगम का सूचक है। (दो) में कर-निर्धारण वर्ष, (तीन) में विवरणी में दिखाई गई भ्राय, (चार) में कर-निर्धारित भ्राय, (पांच) में निर्धारिती द्वारा देय कर, (छह) में निर्धारिती द्वारा दिया गया कर दिखाया गया है:----

- (1) पी० वाई०~1808, ए० के० पुरी, भागीदार सोफिस्टिका इस्टरप्राइजिज, 90 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली (एक) म्राई (दो) 1976-77 (तीन) 2,09,050 (चार) 2,09,060 (पांच) 1,36,976।
- (2) 22-030-पी० एक्स-8804, भ्रब्दुल रहमान, सी०-181, दयानन्व कालोनी, नई विल्ली (एक) भ्राई० (दो) 1976-77 (तीन) शृन्य (चार) 2,64,000 (पांच) 1,79,839 (छह) शृन्य।
- (3) 22-004-पी० जेड-4895, ए० सी० गुलाटी, भागीदार मैंसर्ज ए० दुग्गल एण्ड कम्पनी, डी० बी० गुप्ता, रोड, नई दिल्ली (ए) प्राई (दो) 1978-79 (तीन) 1,894,50 (चार) 2,02,120 (पांच) 1,15,542 (छह) 1,06,800।
- (4) पी० एक्स-1545, ए० एन० श्राहूजा, भागीदार मेंसर्स श्राहूजा रेडियो, 3778, एन० एस० मार्ग, दिख्या गंज, दिल्ली (ए) श्राई (दो) 1976-77 (तीन) 3,98,490 (चार) 4,00,555 (पांच) 2,84,990 (छह) 2,84,990।
- (5) एफ० बाई०-7224, मैंसर्ज बत्तरा झावर्स, 3976-रोशन ध्रारा रोड दिल्ली (एक) एफ (वो) 1977-78 तथा 1978-79 (तीन) 18,30,750, 24,36,934 (चार) 18,47,560, 24,81,940 (पांच) 4,72,355, 6,58,909 (छह) 4,72,355, 6,58,909।
- (6) पी॰ एक्स॰-3715, सी॰ एम॰ चायला, भागीदार मैंसर्ज यूनियर्सल बुक स्टाल, 4-श्रंसारी रोड दरिया गंज, दिल्ली (एक) स्राई (दो) 1976-77 (तीन) 2,08,840 (चार) 2,17,632 (पीच) 1,44,134 (छह) 1,37,366।
- (7) एफ० वाई-7123, मैंसर्स ग्लोर्ट सुपर पाईस एब38, एन० डी० एस० ई० पार्ट-II, नई दिल्ली। (एक) एफ० (दो) 1977-78 (तीन) 40,93,867 (चार) 41,25,810 (पांच) 10,73,813 (छह) 10,65,383।
- (8) 22-007-सीजेड-5436 एण्डो यूरोपियन मशीनरी (प्रा० लि॰), कूचा उस्ताद दाग, चांदनी चौक, दिल्ली (एक) सी (दो) (1978-79 (तीन) 17,04,068 (चार) 16,82,292 (पांच) 11,48,163 (छह) 11,66,540।
- (9) पी॰ जेड-0670 जगदीश चन्द्र, भागीदार मैंसर्ज मद्रास सोप मिल्स, 34-सी, वजीरपुर इण्डस्ट्रियल एरिया, दिल्ली (एक) ब्राई (दो) 1976-77 (तीन) 2,89,240 (चार) 2,99,200 (पीच) 2,06,937 (छह) 2,06,937।
- (10) पी० एन-1383, कान्सो देवी, भागीदार मैंसर्ज मद्रास सोप मिल्ज, 34-सी, वजीरपुर इण्डस्ट्रियल एरिया, दिल्ली (एक) श्राई (दो) 1976-77 (तीन) 2,40,850 (चार) 2,48,630 (पांच) 1,67,997 (छह) 1,67,997।
- (11) 22-007-सी॰ टी॰-4768, मैंसर्ज माइको भ्रब् सिवज (म्राई॰) प्रा॰ लि॰, 65-जोरबाग, नई दिल्ली (एक) सी॰ (दो) (1978-79 (तीन) 15,29,200 (चार) 15,40,978 (पांच) 9,70,818 (छह) 9,70,818।
- . (12) ए० जेड-6492, मैंसर्ज महेन्द्रा इण्डोमेंट ट्रस्ट, 11-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली (एक) ए (दो) 1975-76 (तीन) 2,98,312 (चार) 2,98,750 (पांच) 2,05,078 (छह) 2,04,732।
 - (13) एक वाई०-2715, मैसर्ज मद्रास सोर मिल्स, 34-सी वजीरपुर इजण्डस्ट्रियल एरिया, दिल्ली (एक) एक (दो) 1976-77 (तीन) 10,86,910 (चार) 11,22,100 (पांच) 2,80,834 (छह) 2,80,834।
 - (14) पी॰ एक्स॰-1562, एन॰ एस॰ ब्राहूजा, भागीदार मैसर्ज आहूजा, रेडियो, वरियागंज, विरुली (एक) ब्राई (दो) 1976-77 (तीन) 2,70,570 (चार) 2,71,944 (पांच) 1,85,935 (छह) 1,85,935।
 - (15) 22-007-सी॰ एक्स-5046, नेशनल सीड कारपोरेशन, भ्राफ इण्डिया, नई दिल्ली (एक) सी (दो) 1974-75 (तीन) 49,77,780 (चार) 91,59,262 (पांच) 52,89,472 (छह) 52,89,472।
 - (16) पी ० जेड ०-2866, पी ० सी ० गुप्ता, भागीदार सिया राम बार्द्स, सिंघया हाउस के सामने, नई दिल्ली (एक) माई (दो) 1976-77 (तीन) 3,65,730 (चार) 3,82,330 (पांच) 2,71,338 (छह) 2,58,160।
 - (17) पी० एन०-6260, श्याम सुन्दर, भागीदार मैंसर्ज मदास सोन मिल्स, 34-सी, वजीरपुर इण्डस्ट्रियल एरिया, दिल्ली (एक) माई (दो) 1976-77 (तीन) 2,90,270 (चार) 2,99,350 (पांच) 2,07,051 (छह) 2,07,051।
- सं क कोम्रार्ड/पव/दिल्ली/सी/77-78/1369---म्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 287 की उपधारा (1) तथा विक्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) के दिनांक 10-8-77 के श्रादेश के श्रनुसरण में श्रायकर षायुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली

लोक हित में उचित समझकर उन करदाताओं के नाम प्रकाणित करते हैं जिन पर वित्तीय वर्ष 1978-79 के अन्तिम दिन श्रर्थात् 31-3-1979 को 1,00,000/- ६० या श्रिधिक बकाया है।

ऋम संख्य	ा करदाता का नाम श्रौर पता	दो वर्ष	ग्रौर उससे अधिक की बकाया राणि
1.	मैसर्स ग्रलोक उद्योग सर्विसेज लि०, 5-पी० एन० बी० बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्	ग ि	15,27,441
2.	<mark>नैसर्स ग्रलो</mark> क उद्योग वनस्पति एण्ड प्लाईवुड लि०, 5 पी० एन० बी० बिल्डिंग, पालियामेंट स्ट्री	ट,	
	नई दिल्ली	•	7,84,912
	नैसर्स चांद फाइनेंस एण्ड चिट फण्ड (प्रा०) लि० द्वारा यशपाल भसीन, एफ-41, वेस्ट पटेल नगर, न	रई	
	दिल्ली		2,18,000
	मैंसर्स ग्रीन ग्रुप एण्ड फाइनेंस चिट फंड द्वारा मैंसर्स एल० के० भण्डारी एण्ड कम्पनी, सी० एन-132, कन	ाट	
	सर्कस, नई दिल्ली	•	1,30,388
5.	मैसर्स इन्विरा इलैक्ट्रिक (प्रा०) लि० द्वारा के० डी० वाठिया, 4, साइनगीग स्ट्रीट, कलकप	.TT	3,78,576
6.	मैसर्स इन्द्रप्रस्थ फाइनेंस एण्ड चिट फण्ड (प्रा०) लि० द्वारा श्री एस० सी० सुनेजा, एडवोकेट, एग	₹-	
	4-ए, जंगपुरा एक्सर्टेशन, नई दिल्ली		1,78,264
	डा० जे० धर्म तेजा, द्वारा मैंसर्स रघुनाथ राम एण्डकम्पनी, सी० एन०-3 हनुमान, रोड, नई दिल्र श्रव पता इस प्रकार है:——	ी	5,48,13,675
	भ्रपार्टमेंट नं० 65, 38-एवेन्यू 1219-डी० बी०-एल० म्राई० जी० नोन, जनेवा, स्विटजरलैंड।		
8.	मैसर्स पर्ल साइकिल इण्डस्ट्रीज लि॰ पार्ट (परिसमापनाधीन) द्वारा ग्राफिशियल लिक्बीडेटर, 1	6,	
	रिंग रोड, नई दिल्ली		40,34,193
9.	मैसर्स युनाइटेड इण्डिया जनरल फाइनेंस (प्रा० लि०) द्वारा म्राफिशियल लिक्वीडेटर, भार	त	•
	एकाउट्स बिल्डिंग, नई दिल्ली ।		6,81,825
10.	श्री दामोदर प्रसाद गुप्ता, 109, दरियागंज, दिल्ली		1,37,271
11.	मैसर्स इण्डियन श्रायरन एण्ड हार्डवेयर क०, चावड़ी बाजार, दिल्ली		1,46,375
	मैसर्स लक्षमण दास राम चन्द प्रो०, श्री तारा चन्द चावड़ी बाजार, दिल्ली .		7,45,000

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैचराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी, 1980

सं० भ्रार० ये० सी० नं० 1008---यतः मुझे के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है, जो स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब अनुसूची में ग्रीर पूर्णकृप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 16-7-1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अथितः —

- (1) श्री चक्रार्शना श्रीनियासा चक्रार्ति, विजयवाड़ा (धन्तरक)
- (2) श्रीमती नेर्स् वें हटा सुब्बस्मा, विजयवाड्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः —- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

विजयवादा रिजस्ट्री श्रश्चिकारी में पक्षिक श्रांत 31-7-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4868 में निगमित श्रनुमृची संपत्ती।

> **कै**ं कें बीर, सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयंकर आयुक्त, (निरीक्षण) ग्राजैन रेंग, हैदराबाध

तारीखः: 11-2-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1980

सं० म्रार० ये० सी० नं० 1009—यतः मुझे कै० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है, जो स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप सेवर्णित है), रजिस्ट्रकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अथितः——
3—36GI/80

(1) श्री (i) कोतूरू क्क्षा गणपित ग्रत्मा रामारावु (ii) के० वेंकटा मुख्यारावु, (iii) के० चद्रा शेखर-भार्गव श्रीमित अन्नापूर्णम्मा और के० डि० जि० ए० रामारावु, विजयवाड़ा मैनर व गार्डियन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री (i) तडापु वेंकटा हनुमन्ताराव, (ii) टि॰ सुगुणा सुसीला भाराती (iii) टी॰ रतन्ना श्रीानवास (iv) टि॰ रामारावु (v) टि॰ रामानिष्णा तीन (iii) से पांच (v) मैनर वर्ड गाडियन टि॰ वि॰ हनुमन्ताराव विजयवाड़ा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री श्रिधिकारी सेपाक्षिक श्रंत 5-7-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4804 में निगमित श्रनुसूची संपत्ती।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-2-1980

प्ररूप आइ⁴. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1980

सं० म्रार० ये० सी० नं० 1010--यतः मुझे के० के० वीर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है, जो स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- (1) श्री एस० बि० पि० वि० चलपतिरावु, मद्रास (ग्रन्सरक)
- (2) श्री चुक्कपत्ली वेंकटेक्वराराबु, विजयबाड़ा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक गै।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री ग्रिधिकारी से पाक्षिक श्रंत 31-7-1979 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 4910 में निगमित श्रनुसूची संपत्ती।

> के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद्य

तारीख: 11-2-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1980

सं० ग्रार० ये० सी० नं० 1011—-ग्रतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० है, जो स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूत्री में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 4-7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गृके अनुसरण में, मृं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिसित व्यक्तियों अधितः——

- (1) श्रीमती चिंता चिंदेम्मा, एसूर । (भन्तरक)
- (2) श्री सुखी जीलमाजी, विजयवाड़ा। (ग्रन्तरिती)
- (3) श्री (i) जबहरलाल डयामा, (ii) र्णानीलाल मगीलाल, (iii) पिल्ला परसारामय्या (बह टयक्ति जिसके श्रधिभोग से सपत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपु:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री म्रधिकारी से पाक्षिक मैत 4-7-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4724 व 4583 में निगमित म्रनुसूची संपत्ती।

के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी स्**हायुक आयुक्त आयुक्त, (**निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-2-80

महिरः

प्ररूप आर्द्द. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1980

आर० ए० सी० नं० 1012—यतः, मुझे के० के० वीर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है, जो स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विशाखापटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 18-7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधित्ः—

- (1) श्रीमती एस० प्रादिलम्क्षि, हैदराबाद । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री एन० तम्माय्या, विशाखपटनम, । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

विशाखापटनम रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 31-7-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 5616 में निगमित श्रनुसूची संपत्ती।

> के० के०वीर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) क्रर्जन रेंज,हैवराबाव

तारीख: 11-2-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एम.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजनरेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1980

सं० ग्रार० यें० सी० नं० 1013—स्वनः मुझे के० के०वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्ट्रौर जिसकी सं० है, जो स्थित है (श्रीर इनमे उनाबद्ध श्रन्भूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, विणाखपटनम में भारतीय रिजस्ट्रकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 27-7-1979

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मूरियधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अथित्:—

- (1) श्रीमती रुखिबाई विशाखापटनम (भन्तरक)
- (2) श्रीमती मानम तायारम्मा, विषाखापटनम (भ्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्बों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनसची

विणाखपटनम रिजिस्ट्री श्रिधकारी से पाक्षिक श्रंत 31-7-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 5146 में निगमित श्रनुसूची संपत्ती।

> के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख**: 11-2-1980

प्ररूपे आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1980

सं श्रार० ये० सी० नं० 1014---यतः मुझे के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000./ रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संज है, जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, काकिनाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 27-7-1979

को प्रशिक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; शीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
- अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः—

- (1) श्रीमती ग्रब्थिरेड्डि, सरोजिनि, काकिनाड़ा (ग्रस्तरक)
- (2) श्रीमती संकरा सत्यानारायणम्मा, काकिनाड़ा (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सक³गे।

रपष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अतसची

काकिनाड़ा रजिस्ट्री घ्रधिकारी से पाक्षिक अंत 31-7-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 5603 में निगमित ग्रनुसूची संपत्ती।

> कें कें वीर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त, (निरक्षिण) प्रजीन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-2-1980

माहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1980

सं० भार० ये० सी० नं० 1015—यतः मुझे के० के०वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है, जो स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, काकिनाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 7-1979

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

- (1) श्री पि० लक्ष्मी, काकिनाड़ा (श्रन्तरक)
- (2) श्री नागम चिना वीराजु, कािकनाडा (प्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाड़ा रिजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 15-7-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं ० 5007 में नियमित श्रनुसूची संपत्ती।

> के० के० वीर, सक्षम प्राधिकीरा सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) <mark>प्रज</mark>नरेंज,हैदराबाद

तारीख: 11-2-1980

माहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1980

सं० प्रार० ये० सी० नं० 1016---यतः मुझी के० के० वीर

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

घौर जिसकी सं०

जुलाई 1979

तथा जो में स्थित है भौर इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय तेनाली में, रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनंकर अधिनियम, या धनंकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री सि० जगन मोहन रायु, तेनाली (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जि॰ विश्वनाथ, तेनाली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:~~

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारी छ से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनस्ची

तेनाली रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 31-7-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2166/79 में निगमित श्रनुसूची संपत्ती।

> के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त, (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-2-1980

प्ररूप आई°. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1980

सं० भार० ए० सी० नं० 1017—यतः मृक्षे, के० के०वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० है, जो स्थित है (ग्रौर इससे उपाबब श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुन्दूर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अगस्त 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एंगे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उदत अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्भरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निर्मालखित व्यक्तियों अथित्ः—
4—36GI/80

- (1) श्रीमती गुम्माडि नागेंद्रम्मा, गुन्टूर (ग्रन्सरक)
- (2) (i) ग्राल्ला सत्यनारायण रेड्डि, (ii) कल्लम हरनाधा रेड्डि, गुन्टूर (iii) श्राल्ला सुंदररामि रेड्डि, गुन्टूर, (iv) एस० लक्ष्मनारायणा, गुन्टूर, (v) कल्लम वेंकटेश्वर रेड्डि, गुन्टूर, (vi) कुसुम श्रंकिरेड्डि, गुन्टूर, (vii) पोलूरि वेंकटेश्वर रेड्डि, गुन्टूर, (viii) गुरुम शेषागिरिराव, गुन्टूर, (ix) भवनम पोति रेड्डि, गुन्टूर, (x) श्रीमती कल्लम वेंकटा सुब्बायम्मा, गुन्टूर । (ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

गुन्टूर रिजिस्ट्री भ्रधिकारी से पाक्षिक भ्रंत 31-8-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1898 में निगमित भ्रनुसूची संपत्ती।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) प्रजनरेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-2-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 18 मार्च 1980

निर्देश सं० 268/79-80—यतः, मुझे, एथ० तिम्मय्या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मंपिला जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सी० टी० एस० 998 श्रीर सी० टी० एस० नं० 997 है, जो महास्मिगपुर, तालूक मुघोल, डिस्ट्रिक्ट बिजापुर में स्थित है (ग्रीर इससे जपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, मुघोल ग्रंडर डाक्युमेंट नंबर 587 दिनांक 17-7-1979 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियस 1908 (1908 का 16) के श्राधीन

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हर्ष्ट िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीत्:---

- (1) श्रीमती सुंदराबाइ पत्नी मणिराम बेलगांवकर, (2) श्री माणिकलाल मणिराम बेलगांवकर, (3) श्री हिरालाल माणिराम बेलगांवकर, (4) श्री मदनलाल मणिराम बेलगांवकर, किसान, महालिंगपुर तात्क मुघोल डिस्ट्रिक्ट बिजापूर (श्रन्तरक)
- (2) (1) बसप्पा इट्टप्पा कोलिगुड्ड, (2) महालिंगप्पा इट्टप्पा कोलिगुड्ड श्रदिनया, महालिंगपुर, तातुक मुघोल डिस्ट्रिक्ट बिजापुर (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ल) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधीनसम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

खुला जगह सि० टि० एस० नंबर 998 जिसका नाप है 5260-86 स्ववेश्वर यार्ड, श्रौर सि० टि० एस० नंबर 997 (सिर्फ पश्चिम कि श्रोर कि जगह) दोनों जगह कि संपूर्ण नाप 76000 स्ववेश्वर फीट है श्रौर जो महालिंगपुर, तालुक मुघोल डिस्ट्रिक्ट विजापुर में स्थित है।

ए**च० तिम्मय्या** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलोर

तारीख: 18-3-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्पालय, महायक अध्यकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 25 जनवरी 1980

निर्देश सं० सी० भ्रार० 62/24251/79-80/एक्यू०/बी०--यतः मुझे पि० रंगनाथन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुत. सं अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 823 है, तथा जो चार्खा "टी०" ब्लाक जयनगर, बेंगलूर में स्थित है (और इससे खपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जयनगर बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 5-7-1979

को पूर्वोदत संपरित के उचित बाजार भूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफले के लिए अन्हरित को यह है और मुक्त यह विकास करने का कारण ही कि यथापूर्यादत लंपरित का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक ही अप अन्तरका (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; ओर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जकत आधानयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 21) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए;

स्यान्डल कोटे के पीछे के० श्रार० पुरम, हासम्न (2) श्री के० एस्० बालाजी, सं० 171, उन्नीस कास्

(1) श्री छी० के० सत्यानारायण सेट्टी, सं० 921,

रंगस्वामी मंबिर स्ट्रीट, बेंगलुर-53 (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

रपष्टीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

(वस्तावेज सं० 877/79-80 तारीख 5-7-1979)। संपत्ती सं० 823, तथा जो डिविजन् सं० 35, चार्खां "टी०" बलाक, जयनगर, बेंगलूर-11 में स्थित है। चकबन्दी--पूर्व में जगह सं० 824। पश्चिम में जगह सं० 822। उसर में सडक। दक्षिण में जगह सं० 846।

> पी० रंगनाथन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्युवितयों अर्थात्:--

तारीख: 25-1-1980

प्ररूप आहू⁵. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगल्र, दिनांक 29 जनवरी 1980 सं० सी० ग्रार० 62/24873/79-80/एक्यू०/बी०---यत: मुझे, पी० रंगनाथन्,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- क्ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 110, है जो संपंगी टघांक रोड, फोर्ट रोड, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इस से उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 9-8-1979

को प्रांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्पास के बिश्त नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- (1) श्रीमती सी० ए० पोश्रप्पा, सं० 1 ब्रुन्टम रोड कास्, बेंगलूर (2) डा० (श्रीमती) पी० मिन्नी छत्तप्पा (3) कुमारी पी० बेला उत्तप्पा, (4) कुमार पी० पोन्नप्पा उत्तप्पा, सं० 2 से 4 रहते हैं सं० 90, तीसरा मैंन् रोड, जयामहल एक्सटेनशन्, बेंगलूर-6 (श्रन्तरक)
- (2) श्री एम्० डी० भेट्टी, श्री पुहन्ना मेट्टी के बेटा, सं० 1064, पांचयां ब्लाक, राजाजीनगर बेंगलूर-10 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

(वस्तावेज सं० 1540/79-80 तारीख 9-8-1979)।
संपत्ती सं० नया नं० 10, तथा जो संपगी टघांक रोड,
फोर्ट रोड, डिविजन सं० 43 बेंगलूर में स्थित है।
चकवन्दी—उत्तर: में संपत्ती टघांक रोड और फोर्ट रोड।
दक्षिण: में सी० भ्रार० टी० बी० नया रोड।
पूर्व में: सी० भ्राय्० टी० बी० नया रोड।
पश्चिम में सन्यासी बुदर्स के संपत्ती।

पी० रंगनाथन् सक्षम प्राधिकारी' सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) श्रर्णन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 29-1-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, महायक आयकर आयका (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 23 जनवरी 1980

सं० सी० भार० 62/24765/79-80/एक्यू०/बी---यतः मुझे, पी० रंगनाथन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 263 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपोत्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 7 है, तथा जो मसूर रोड, चामराजपेट, बैंगलूर-18 में स्थित है (श्रीर इस से उपाद्य श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बसवनगुंडी बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियस, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 31-8-1979

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे छश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) मास्टर के० एम० शुऐबखान (मैंनर) रिप्रेन्ट करते हैं इनके बाप श्रीर गार्डियन् श्री सी० एम० खलीमुल्लाखान सं० 3/2, बेली स्ट्रीट, ऋस्, लाँगफोर्ड टौउन्, बंगलूर-26 (श्रन्तरक)
- (2) श्री (1) जी० देवेन्द्र सेट्टी, (2) जी० सी० प्रभाकट्ट, सं० 406, पांचवा ब्लाक राजाजीनगर बैंगलूर-10 (ग्रन्तरिती)
- (3) कर्नाटक इलेक्ट्रीसिटी बोर्ड (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सुम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ऑश्वीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(तस्तावेज सं० 1484/79-80 तारीख 31-8-1979)। संपत्ती सं० 7, तथा जो मसूर रोड, चामराजपेट, बेंगलूर-18 में स्थित है।

चकवन्दी—पूर्व में श्री बी० श्रार० मुहम्मद शफीउल्लाकी संपत्ती।

पश्चिम में श्री शाह के खाली जगह। उत्तर में फूटपात् ग्रौर बेंगलूर—मसूर रोड। दक्षिण में प्रायवेट संपत्ती।

> पी० रंगनाथन्, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) स्नर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख: 23-1-1980

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, बंगसूर

बंगलूर, दिनांक 18 फरवरी 1980

सं० सी० श्रार० 62/24457/79-80/ये० सी० कियो०/ बी०--यतः मुझे ऐच० तिम्मय्या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 - रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 447/1 बीठ टीठ एसठ है, तथा जो कसाबा बाजार विलंज, मंगलूर में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-7-1979 को पूर्णोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एस अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः असः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः---

- (1) श्री के० रामचन्द्रा नायक पुत्र के० ठकप्पा नायक अगरीकलचरीस्ट पने मंगलूर कसबा बंटवाल तालूक (धन्तरक)
- (2) मेसर्ज, गुरूप्राक्षाव टरेडरस रेप्रेसन्ट कर रहे हैं उनके पारटनर श्री विष्वानाथा कामट, बंदर, मेंगलूर। (ग्रन्तरिती)
- (3) (1) मेसर्ज सेवगूर गाप्पावा कामत स्रौर सन्स
 - (2) मेसर्ज यो० नारायाना मल्लया श्रीर कम्पनी (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पति है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के रास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पध्दोकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अन्स्ची

(दस्तावेज सं० 294/79-80 तारीख 28-7-1979) । घर सम्पत्ति सं० टी० यस० 447/1 बी०, कसबा बाजार विलेज, मेंगलूर। चकवंदी--उत्तर-स्लेग। दक्षिण--जे० डी० लेग।

दक्षिण--जे डिंग्लिन । पूर्व---रोड । पश्चिम---टी० यस० सं० ४४७/1 ये०।

> एच० तिम्मय्या, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) प्रजीन रेंज,बंगलूर

तारीख: 18-2-1980

प्ररूप आइ°, टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर शायकत (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० सी०ग्रार० 62/24128/79380/ण्सीक्यू/6—यतः मुझे, एच० तिम्मय्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ल के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 14 है, तथा जो दसवां त्रास कत्वनपेट बेंगल्र में स्थित है (धौर इस से उपावद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1-7-1979

को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और स्में यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्स संपत्ति का उफित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिघत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक उद्योग प्रकार अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियय, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिषित व्यक्तियों अर्थात्:—— श्रीमती पुट्टम्मा
 श्री बी०एच० सुब्बय्या, सं०: 15, दसवां कास कब्बनपेट, बंगलूर

(ग्रन्तरक)

2. श्री लक्ष्मीनारायणा, सं०: 6, सिद्झा गली, बंगलूर (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 861/79-80 तारीख 1-7-1979)

धर संपत्ति सं०: 14, तथा जो दसवां क्रास कब्बनपेट बंगलूर में स्थित है।

> एच० तिम्मय्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रज, बगलूर

तारीख: 19-2-1980

माहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 फरवरी, 1980

निदेश सं० सी० म्रार० 62/24520/79-80——यतः मुझे, एच० तिम्मय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्तः अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्स जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 12 है, तथा जो 37 वीं रोड काम 8 वीं ब्लाक जयानगर, बंगलूर-11 में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीरपूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जयानगर, बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 31-7-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म⁴, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— 1. श्रीमती वी० अनासुया देवी, सं०: 39, मसीलामानी मुद्दालियार रोड, बालाजीनगर रोपापेटटा मद्रास-600014।

(ग्रन्तरक)

- 2. सर्वंश्री (1) एस० एन० भीमनन्दा
 - (2) एस० एन० भ्रारजना
 - (3) एस० एन० भारत कुमार,
 - (4) एस० एन० श्रनंतापदानाभा
 - (5) एस० एन० रविशंकर
 - (6) एस० एन० पारीजाथम स०: 43, सुलतान पेट बंगसूर-53।

(वह व्यक्ति, जिनके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1152/79-80 तारीख 31-7-79) खाली जगह सं०: 12, 37वीं रोड कास, 8वीं ब्लाक, जयानगर, बंगलूर-11।

> एच० तिम्ममा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख: 19-2-1980

प्रस्थ कार्ड. टी. श्म. एस.-----

आयकंर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वांचालिय, सहांक्षक आयंकर आकृषत (पिरीक्रण)

मर्जन रेंज, बंगलूर

चनित्र, विनाक 20 फरवरी ४980

निर्देश सं० सी० भार० 62/24392/79-80 सतः, भीने एर्ब० तिम्सर्रमा

क्रियों के क्रियों ने यम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वाद (उन्हें अभिनियम) के ही गया है), की भारा 269- के के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 34 है, तथा को 1 कास रोड्, बेहरूनगर, कंक्ष्णूरमें लिक है (चौर इस से उपायक अनुसूची में भौर पूर्णरूप से विभिन्न है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी के काम्मीलय गांधी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रीक्षियम, 1908 (1908 का 16) के सधीन तारीख 21-7-1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि युर्भापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्ब, उसके क्रियमान प्रतिकृत से, एसी दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कंभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/धा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्ये आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, श्री धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

1. श्रीमक्स (t) एम० जी० निरमाला (2) श्री एम० जी० जयातिलकसिंह (3) श्रीमती एम० जी० सुलेखा (4) श्रीमती बी० सुदामा, (5) मिस० एम० जी० गोभा प्रभा, सब का पता है सैं० 497/1, माडल कालीनी जसबंतापुर बगलूर-560022

(भ्रन्तरक)

2. श्री एम राजा मानीक्कन पुत्र श्री टी० एस० मानीक्कम, सं० 17, II पलोर 21वीं कास, कब्बनपेट,

(अन्तरक)

को यह सूचना अपिए करेंकी पूर्व विसे सिम्पेरिंस के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संस्वन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचेंगों के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 पदन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समस्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) दिस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अव्यक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के शैस सिचित में किए जा सकरें।

स्पिक्तिकरणः — इसिमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

(दस्तावेज सं० 1059/79-80 तारीख 21-7-1979) घर सम्पत्ति सं०: 34, I कास नेहरूबगर सेशादरीपुरम, बंगलूर-560020।

चकबन्दी :

पूर्व: 1 कास रोड पश्चिम: केनसरवेन्सी उत्तर: सम्पत्ति 35 दक्षिण: सम्पत्ति 331

> एच० तिम्मय्या सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीच : 20-2-1980

भाहेरः

प्ररूप आहं. टी. एन्. एस ु⊸

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 फरवरी, 1980

निदश सं० सीम्रार 62/24417/79-80/एसीन्यूव/बी—यतः, मुझे एव० तिम्मय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 2128×2129ए, म्युनिसिपल सं०: 47 है, तथा जो दूसरा स्टेज भाठवां मैंन 'डी' ब्लाक राजाजीनगर बंगलूर में स्थित है (भौर इस से उपावक भनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजाजीनगर बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भभीन तारीख 9-7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एरयमान प्रतिफल से, ऐसे एरयमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक एप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निस्सित् व्यक्तियों अधीत्:——

- श्री एच० के० भारद्वाजा एंयंगार, सं० 47, दूसरा स्टेज, राजाजीनगर, 'डी' ब्लाक, माठवां मैन, बेंगलूर। (मन्तरक)
- श्री के० एन० शामसुन्दर, सं० 102, मारगोसा रोड, मल्लेश्वरम, बंगसूर।

(मसरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति, के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकने।

स्म स्वीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्वी

(दस्तावेज सं० 1422/79-80 तारीख 9-7-1979)

घर सम्पत्ति सं०: 47, तथा जो राजाजीनगर दूसरा स्टेज, भ्राठवां मैन बेंगलूर में स्थित है।

चकबन्दी

उत्तर में जगह सं०: 2129 वक्षण में जगह सं०: 2127

पूर्व में जगह सं०: 2283ए और 2284

पश्चिम में सड़क।

एच० तिम्मय्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) सर्जन रेंज, बेंगलर।

तारीख: 20-2-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-

आयुकंर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जनरेज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 26 फरवरी 1980

निर्देश सं० सी० श्रार० 62/138/1/80/79-80/एसीक्यू० बी०---यतः, मुझे, एच० तिमस्य्या

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उकत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निक्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं॰ सर्वे सं॰ 18-बी, 19ए/2 भीर 20 है, तथा जो मरियना तिम्मसागर हुबली में स्थित है (भीर इस से उपाबद मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कामीलम हुबली में रिजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 30-7-1979

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अतः अस, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— श्री वेंकटराव रामराव देशपांडे, तिम्मसागर घोनी, हुबली।

(मन्तरक)

 श्री एन० जी० कुलकर्णी, चेयरमैन,
 श्री सिद्धलिगेश्वर को भापरेटिव हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड, हुबली ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारींत्र से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकरेंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1020/79-80 तारीख 30-7-1979) बिन शेतकी जमीन जिसकी सर्वे सं० 18-बी, 19ए/2. ग्रीर 20 तथा जो मरियना तिम्मसागर हुबली में स्थित है ऊपर की मम्मत्ति में 1/5 भाग । जमीन की परिमिति 10 एकरभीर 17 मुन्टे हैं।

> एव० तिम्मय्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 26-2-1980

माहरः

प्ररूप आर्द टी. एन. एस.-

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-्ष (1) के अधीत सुभन्न

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)** धर्जनरेंज, बेंगलूर

बेंगलूर,दिनांक 26 फरवरी 1980

निर्वेश सं० सी० भार० 62/138ए/1/80/79-80/एस/स्यू० बी०---यतः, मुझे, एच० तिम्मय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 18-वी, 19ए/2, ग्रीर 20 है, तथा जो मरियना निम्मसागर, हुबली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्द्रीकृती श्रक्षिकारी के कार्यालय हुबली में रिजस्ट्रीकरण श्रक्षिनियम, 1908 (1908 का

16) के प्रधीन तारीख 30-7-1979

को पूर्वोक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण, में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1), के अधीन, निम्निलिस व्यक्तियों अधितः— श्री डा० सुरेश वैकटराव देशपाडे, निम्मसागर घोनी, हुबली।

(編編集)

 श्री एन० की० कुशक्रकी, चेरसन्
 श्री सिद्दिलगेश्वर को-प्रापरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, विद्यानगर, हुबली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क्), इस स्कूना के राज्यक्र में प्रकाशन की संबद्धि से 45 दिन की अवधि, या तत्सक्वाधी, व्यक्तियाँ पर स्कूबा की तामीक्र से, 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि, बाद, में, समाप्त होती हो, के भी दर प्रवासत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस त्रुगा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में दिन- के भीतर उक्त स्थावर संपरित में दिन- क्या जमा क्या का का का का का का का का पास लिकिन, में किए जा सके गे।

रगस्वीकार्कः - एसम् प्रमुक्तः शक्तां और पदां काः जाः जक्तः । अधिजिद्यम् क्रेन् अध्यायः 20 क् में परिस्प्रियतः । हैं। वह्नः अध्यायः से विद्याः । व

अनुसूची

(दस्तावेष सं 1021/79-80 तारीख 30-7-1979) विन गेतकी अभीच जिसकी सर्वे नं 18-की, 19ए/2, ग्रीर 20 तथा जो मिल्यना तिम्मसागर, हुबकी में स्थित है। ऊपर की सम्पत्ति में 1/5 भाग 1 जमीन की पश्चिमती 10 एकर ग्रीर 17 गुन्हें है।

एच० तिम्मय्या सक्षम प्राधिकारी सहायुक आयकर आयुक्तः, (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, वेंगसुर ।

तारीख: 26-2-1980

माहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1964 का: 43): का भारा 269-घ.(1) के अभीन-सूच्या--

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्फन मेंज,. बेंगल्प

बेंगलूर,दिनांक 26 फरवरी, 1980

निर्वेशासं > सी ० धार्च ० 62/138-सी/1/8:1/१9-80/-एसीमयू वी ० — यतः मझे एच० तिम्मव्या ः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी 10 सर्वे तं 0 18-वी, 19ए/2 छोर 20 है, तथा जो मरियना तिम्मसागर हुबली, में स्थित है (भीर इस से उपावद भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भिष्ठकारी के कार्यालय हुबली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भिष्ठीन तारीख 30-7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के रूर्यगान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उक्ति बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आम या किसी धनःया। अन्यः आस्ति आहे. को, जिस्क्रुं, भारतीय आसकर अधिनियमः 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनः कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों अर्थात्:—— धी रमेश केंकेटराव देशपांडे, तिस्सागर मोनी, हुबली

(धन्तरक)

2. श्री एन० और कुलकर्णी चेर्मन
श्री सिद्धालिंगस्वर कोग्रापरेटिव हाऊसिंग सोसायटी
लिमिटेड, विद्यावग्रेड, हुवली (अन्तरिति)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन को सक्का में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किंमि किंमि किंमि या तत्सक्काची व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विनं की अवधि , जरे की अवधि । वार की अवधि । वार की अवधि । वार की अवधि । वार की वार में समाप्त होती हो , के भीकर पूचीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन कमें तस्सीक से 45 दिन के भीतन्त्र उन्नत स्थावर संपत्ति में हिट- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यम्बद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियक के अध्याय 20 क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होया जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

(बस्ताबेज सं । 1022/79-80 लाज 30-7-1975)

बिन शेतकी जमीन जिसकी सर्वे स० 18-की, 19ए/2, भौर 20 तथा जो मरियना तिम्मसागर, हुबली में स्थित है। उपर ऊगर की सम्यक्ति में 1/5 भाग। जमीन की परिमिती 10 एकरें भौर 17 गुन्ठे है।

> एच० तिम्य्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयृक्स, (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, बेंगलूर।

तारीख: 26-2-1980

प्ररूप आई टी. एन. एस. -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज, बंगलुर

बंगलूर, दिनांक 26 फरवरी 1980

निर्वेश सं० सी० ग्रार० 62/138-सी/1/80/79-80 एक्वी०/B---यतः मुझे ह० तिम्मय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० सर्वेन ० 18-बी, 19ए/2, घ्रौर 20 है, तथा जो मरियना तिम्मसागर, हुबली में स्थित है घ्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में घ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हुबली में रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 30-7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

 श्री प्रकाश, वेंकटराव देशपांडे तिम्मसागर भोनी, हुबली

(मन्तरक)

2: श्री एन० जी० कुलकर्णी, चेमेंन,
श्री सिद्धौँलगेश्यर कोझापरेटिव है।ऊर्सिंग सोसायटी लिमिटेब, विद्यानगर, हुबली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अंकिंध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकों।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० ! 1023/79-80 ता० 30-7-1979)

बिन शेतकी जमीन जिसकी सर्वे सं० 18-बी, 19ए/2 ग्रीर 20 तथा जो मरियना तिम्मसागर, हुबली में स्थित है। ऊपर की संपत्ति में 1/5 भाग। जमीन की परिमिती 10 एकरें ग्रीर 17 गुन्हें है।

> ह० तिम्मय्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त, (निरक्षिण) प्रजन रेंज, बेंगलुर।

तारीख: 26-2-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के विधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर,दिनांक 26 फरवरी 1980

निर्वेश सं० सी०मार० 62/138-डी/1/80/79-80/एसीन्यू बी०—यत: मुझे ह० तिस्मया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

घोर जिसकी सं० सर्वे सं० 18-वी, 19ए/2 घोर 20 है, तथा जो रियका तिम्मसागर, हुबली, में स्थित है (घौर इस से उपाबद घनुसूची में घौर पूर्ण रूप से विचित्त है), रिजस्ट्रीकर्ता घिषकारी के कार्यालय हुबली में रिजस्ट्रिकरण घिष्टित्यम, 1908 (1908 का 16) के घष्टीन ता० 30-7-1979

को प्वांक्त संपरित के उभित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्रमा ब्रीत-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातुः—— श्री भीमेश वेंकटराव, देशपांडे, सिम्बसागर मोनी, हबली

(मन्तरक)

2. श्री एन० जी० कुलकर्णी चेर्मेन, श्री सिद्धलिंगेश्वर को भ्रापरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड विद्यासागर द्वबली।

(प्रसरीती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्धे में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

अनसची

(दस्तावेज सं० 1024/79-80 ता० 30-7-1979) बिन झेतकी जमीन जिसकी सर्वे सं० 18बी 19ए/2, भ्रोर 20 तथा जो मरियाना तिम्मशागर, हुबसी में स्थित है। ऊपरकी संगत्ति में 1/5 भाग। जमीन की परिमिती 10 एकरें भ्रोर 17 मुन्ठें है।

> ह० तिम्मस्याः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः, (निरक्षिण) प्रार्जन रेंज, बेंगलुर।

तारीख: 26+2-1980 ⁻ मोहर: प्ररूप आर्फ्ट टी. एव. ग्रस. –

अप्रयक्तर चिभिनियम, 1964 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन मस्तिक्षेत्र, जित्तुर, बटका

पटना, दिनांक 1 मार्च, 1980

्रित्रदेश सं∘ III 377/वार्जन्/79-89 — वात: सूसी ज्यातीग्द्र नाम

कायकर विवेतिसम, 1961 (पं96% की 43%) (जिसे इसमें इसके प्रकार (जिसे इसमें इसके प्रकार (जिसे इसमें कि प्रकार (जिसे इसमें कि प्रकार (जिसे इसमें कि स्थान सक्ष्म प्रशिक्त की की, वह कियं की करने का कारण है कि स्थानर संपरित जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी ते वाना मं 4, तीजी नं 45% वार्ष मं 41 सर्वे फाइ नं 665 भीर 66%, खाता नं 98 प्लाट नं 25 होल्डीग नं 10% ए है, तथा को काजीपुर राजेर्फ नगर (पानी टंकी के समीप) पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद प्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण शिविक्ष 1968 (1986 का 18) के भधीन तारीख 7-7-1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जोध या किसी धन का अन्धं आसितयों को, विनह निर्देश अन्धंकर अधिनियण, 1922 (1922 को १1) या उक्त अधिनियण, का वेद-कर अधिनियण, का वेद-कर अधिनियण, का वेद-कर अधिनियण, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उर्वभारा (ग) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—- (1-) श्री सुभाग अन्द्र मेहता उर्फ हनुमान दास भेहता वल्दान स्व० श्री मंगल दास मेहता रोड नम्बर 1, राजेन्द्र नगर, पटना

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती राजू देवी बोकरा जीजे श्री राज करण बोकरा रोड नम्बर 3, राजेन्द्र नगर, पटना-16

(मन्तरीती)

(3) मेससं महावीर इन्डस्ट्रीज (वह न्यनित -विसके कक्षिभोन में सन्मति है)

को यह सूचना जीरी करकी पूर्व किंत सम्पेरित की 'अर्जन के लिए कार्यकाश्क्रियों कारम् हो।

जिया सम्बोरित के अर्थन की सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) देते ब्रिंगमा के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तैंक्षिम की अवधि , जो भी अवधि । बाद की सक्ष्मण की ती कि हो , के कीलर पूर्वोक्त स्वित्व में से बिक्की व्यक्तिक वृक्षकारा;
- (च) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारींचं से 45 दिन के और उसते स्थावर संपर्ति में हित-वर्ष किसी जन्म व्यक्ति स्वारा अभिहिस्तीकारी के पास लिखिस में किए जा सकती।

स्थानिकर्गः ---- इंतर्भे प्रयुक्त शब्दा और पदी का, जो उक्त कीवनिवर्ध के कुथ्याय 20-क भें परिभाषित है, वही अर्थ होना जी उंत अध्याय भें विद्या गया है।

मन्त्रची

जमीन का रकवा 3 कट्ठा 11 धूर मकान सहित जो पानी टंकी रोड नम्बर-1 राजेन्द्र नगर पटमा में स्थित है जो पूर्णरूप से दस्तामेज संख्या 4382 दिनांक 7-7-79 में वर्णित है तथा जिला निवन्त्रन पदाधिकारी पटना के द्वारा गंजीकृत है।

> ज्योतिन्द्र माथ सक्षम प्राधिकारौ सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीचां : 1-3-80

प्ररूप आर्डः टी. एन. एसं.----

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

आच्छ सर्कार

कार्याल्य, सहायक आय्कर आयुक्त (निरक्षिण)

भर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना । पटना, दिनांक 1 मार्च 1980

निदेश सं o III 378/प्रजंन/79-80 -- अतः ज्योतीन्द्र नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गमा है), की धररा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० तौजी मं० 5292 माना नं० 23 खाता नं० 56 भौर 78 खसरा नं० 85 भौर 86 है, तथा जो मैंनपुर सगुना थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है (भौर इससे उपलब्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय दानापुर में रजिस्ट्रीकरण भिधिनयम 1908 (1908 का 16) के भभीन तारीख 9-7-79

को पूर्योक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्यमान प्रतिफल से, एसे छ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूबिधा के लिए;

श्रतः अच, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म⁴, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः—— 6—36GI/80 (1) श्री बंगाली सिंह बल्व संतलाल सिंह, सा० खकु-बपुरा पत्नालय—बिहार भेटनरी कालेज घाया दानापुर जिला पटना

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० एन० सिंह बल्दान श्री सूरज प्रसाद सिंह वास्ते मेसर्स हिार बेल पोयान्ट सीस्टम और फेवरीकेटर ई/50 पीपुल्स कोग्रापरेटिव कालोनी केकड़वाग पटना-20

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्यारा,
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 10 ईकट्टा जो मैनपुर सुगना थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है तथा पूर्णरूप से दस्तावेज संख्या 3324 दिनांक 9-7-79 में वर्णित है तथा निवन्धन पदाधिकारी दानापुर के द्वारा पंजीकृत है।

> ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

सारीख: 1-3-1980

मीहर:

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

मर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना । पटना, दिनांक 1 मार्च, 1980

निर्देश सं • III 379/गर्जन/79-80—मतः मुझे ज्योतीन्त्र

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

मौर जिसकी सं० तौजी नं० 5292 थाना नं० 23, खाता नं० इक्क मौर 78 खैसरा नं० 85, 86 मौर 89 है, तथा जो मैनपुर संजुना याना दानापुर जिला पटना में स्थित है (मौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में मौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय दानापुर में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 18) के मधीन तारीख 9-7-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति जी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की ज़ण्धारा (1) को अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों अथितः—- (1) श्री भ्रमोक कुमार सिन्हा वल्द बंगाली सिंह सा० रूकुनपुरा पत्नालय बिहार मेटनरी कालेख थाना वानापुर जिला--पटना

(मन्तरक)

(2) श्री एस० एन० सिंह वल्यान श्री सूरज प्रसाद सिंह वास्ते मेसर्स विहार वेल पोझायन्टा सीस्ट भीर फीबरीकेटर ई/50 पीपुल्स कोझापरेटिव कालोनी कंकड बाग पटना—20

(पन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन का रक्तबा 10 कट्ठा जो मैनपुर सुगना चाना दानापुर जिला पटना में स्थित है तथा पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 3323 दिनांक 9-7-79 में वर्णित है तथा निबन्धन पदाधिकारी दानापुर के द्वारा पंजीकृत है।

> ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः, (निरक्षिण) धर्जन परिक्षेत बिहार, पटना

तारीख: 1-3-80

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना । पटना, दिनांक 1 मार्च 1980

निदेश सं । III-382/म्रर्जन/79-80-म्प्रतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी नं वार्ड नं 17 (पुराना) 25 (नया), होल्डिंग नं 166-26, प्लाट नं 1553/के, 1553/के एच 1554, 1555 है, तथा जो मालमगंज (खुशकीबाग) में स्थित है (घौर इससे उपलब्ध मनुसूची में घौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता मधिकारी के कार्यालय पूर्णियां में रजिस्द्वीकरण मधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख 3-7-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुरिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

- (1) श्री संतोष कुमार पाल एव श्री प्रामतोष कुमार पाल पिता—श्री गयानाथ पाल, साकिन—खुगकी बाग, पो०—पूर्णिया० टाउन, जिला—पूर्णिया। (ग्रन्सरक)
- (2) श्री महेश्वर प्रसाद सिंह पिता—श्री बटेश्वर प्रसाद सिंह साकिन—मधुबनी पोस्ट/जिला—पूणिया। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

जमीन का रक्तवा 1 बीघा 12 कट्ठा 16 1/4 घुर जो आम, कटहल, एवं लीची के पेड़ सहित मौजा मालमगंज (खुशकीबाग) जिला पूर्णियां में स्थित है तथा पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 11849 दिनांक 3-7-1979 तथा जो जिला प्रवर निवन्धक पदाधिकारी पूर्णिया द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना ।

तारीख: 1-3-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, बिह

पटना, दिनांक 10 मार्च 1980

निदेश सं । III/383/ग्रर्जन/79-80---- ग्रतः मुझे ज्योतीन्द्रा नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 80 खाता नं० 83 रांची ती एएस० नम्बर 188 है, तथा जो काके रोड, रांची में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री श्रधिकारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 24-9-1979

को पूर्योक्त संपित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों सुधृतिः——

- (1) श्रीमती विद्यावती देवी जोहर पनी श्री जी० एल० जोहर एट मुगमा थाना निरसाचट्टी जिला धनबाद वर्तमान नगरा टोली थाना लालपुर जिला रांची (श्रन्तरक)
- (2) श्री क्याम बिहारी त्निपाठी बल्दान श्री रामधारी त्निपाठी कांके रोड, रांची (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्यादीकरणः — इसमें प्रयुक्त काब्यों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

जवीन रकबा 44 डी समल मकान सहित जो कांके रोड रांची में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 7825 विनांक 24-9-1979 में विणित है।

> ज्योतीन्द्रा नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) प्रर्जन परिक्षेत्र ब्रिहार, पटना

तारीख: 10-3-80

मुहिरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 10 मार्च 1980

निदंश स॰ III/384/मजन/79-80--- प्रतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं आर उस पर्लंट नं 877 खाता नं० 9 इत्यादि है नथा जो रातु रोड, रांची में स्थित है (और इससे उपलब्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय रांची में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 20-12-1979

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दहयमान प्रतिफल से, एसे दहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य असित्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती अम्बीकेश्वर ्यक्स राए वल्दान स्व० नागेण्यर वक्स राग्न महल्ला अग्रधगंज थाना डाल टन गंज जिला पलाम वर्तमान—हैसत, रांची

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गजेन्द्र नाथ द्विपाठी बल्दान श्री श्याम बिहारी विपाठी, रातु रोड, रांची

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृक्षांवस सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

जमीन का रकबा 4 कट्ठा 9 छंटाक 34 वर्ग फीट मकान सहित जो मौजा रातु रोड रांची में स्थित है जो पूर्ण रूप से बसिका नम्बर 9416 दिनोक 20-12-79 में बणित है।

> ज्योतीद्वा नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्र आयुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र

> > बिहार, पटना।

तारीख: 10-3-80

त्रक्ष माई • टी • एन • एस •---

जारकर मधिनियम, 1951 (1961 का 43) की जारा 269व (1) के मधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 21 मार्च 1980

निदेश सं ० III 380/प्रर्जन/79-80-प्रतः मुसे, ज्योतीन्त्र

नाथ, धावकर श्रक्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्त्रात 'उक्त पिंधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्रम श्रीधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/-य॰ से शिक्षक है

भीर जिसकी संव होलिंग नंव 391 (पुराना) 625(नया)बार्क नंव 1 प्लाट नंव 9 10 11 1

625(नया) वार्क नं० 1, प्लाट नं० 9, 10, 11, 15, 16, 6, 7, 8, खाना नं० 11, 14 धीर 16 है, तथा जो बारहम सिया, धाना गिरिडिह में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्चा अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 27-10-79 को

पूर्वीवत संपत्ति के चित्रतं वाशार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए धम्निरतं की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वीक्त संपत्ति का जवित वाश्चर मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रः प्रतिकत से प्रधिक है धौर धन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल; निन्निवित छहेश्य से उन्तर धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काशत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाप की बाबत उक्त सक्ति-नियम के सखीन कर देने के सन्तरक के वासिस्य में कमी करने या उससे वचने में श्रुविधा के लिए । और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के सिए;

प्रतः पत्र, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उन्त अधिनियम की घारा 269-थ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्रीकृष्णा इतवेस्टमेन्ट कम्पनी लिमिटेड, 13 घोल्ड कोर्ट टाउन स्ट्रीट, कलकत्ता। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री संजीव सामन्ता पिता श्री भंकर सामन्ता साकिन—मकतंपुर, जिला—गिरिडिह (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्णन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की व्यविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 विन की अविध, जो की प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी, अन्य व्यक्ति द्वारां, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हास्टीकरण: ----इसमें अपून्त पन्यों बीर पनों का, वो उनत प्रशि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में थ्या गया है।

अनुसूची

> ज्योतीन्त्र नाथ सक्षम प्राधिकारी, (निरीक्षी सहायक भ्राथकर मायुक्त) भर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

तारीख: 21-3-1980

प्ररूप बाहु ० टी० एन० एस०----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) मजंन परिक्षेत्र, विहार ।

पटना, दिनांक 21 मार्च 1980 निवेश सं 0 III-385/मर्जन/79-80--- भतः मुझे ज्योती द्र नाथ

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्त्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000 / एक से अधिक हैं।

भौर जिसकी सं० खातानं० 165 खसरानं० 2507, 2515, 2508, इत्यादि है, तथा जो मौजा दहरिया, जिला कटिहार में स्थित है (भीर इससे उपलब्ध मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कटिहार में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 24-7-1979

को पूर्वाक्त सम्पति के उपित बाजार मस्य से कम के इत्यमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पति का उचित बाजार मृल्य, जसके इत्यमान प्रतिफल से एेसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गर्या है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे मधने में सुविधा का लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अवस्तियों को, जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना जाहिए था छिपाने में स्विधाके लिए;

वतः वय, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के, वनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित् व्यक्तियों अर्थात्:---

- (1) श्री गोपीकृष्ण प्रयवाला, वस्त श्री प्रभुदयाल प्रयवाला श्रीमती विमला देवी, पुत्री श्री सीताराम मग्रवाला साकिन-वड़ा बाजार, पत्नालय/जिला कटिहार (मन्तरक)
- (2) श्री भ्रजय कुमार भ्रमवाला वरूद श्री देवी लाल प्रग्नवाला साकिन-बिनोद पुर पत्नालय/जिला कटिहार (मन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधियातत्सम्बन्धीव्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकों गे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्त्यी

जमीन का रकवा चार कटठा मकान सहित जो मौजा दहरिया, कटिहार जिसका खाता नं० 165, खसरा नं० 2507, 2515, 2508, इत्यादि, में स्थित है भौर जो पूर्व रूप से वसिका नम्बर~~ 9816 विनांक 24-7-79 में वर्णित है तथा जिला धवर निबन्धक कटिहार में निबन्धित है।

> ज्योतीन्त्र नाथ सक्षम प्राधिकारी. सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन परिक्षेत्र, बिहार, पटमा

तारीख: 21-3-80

प्ररूप आई० टी० आई० एन० एस०--

आध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, ।

पटना, दिनोक 21 मार्च 1980

निवेश सं० 111 386/अर्जन/79-80---श्रतः मुक्के ज्योतीन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1,961 (1961, का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है।

ग्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 5, नया-11, होस्डिंग नं० 95, प्लाट नं० 101 है, तथा जो मधुबनी, जिला पूर्णियां में स्थित है (ग्रीर इपसे उपलब्ध ग्रमुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिथिकारी के कार्यालय पूर्णियां में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 21-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तिरम की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल को एन्द्रेह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरफ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्केच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया क्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्यिभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतिय काय÷कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गस्य था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृदिक्षा के स्विष्;

अतः ज्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसदम में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिख्त व्यक्तियों, वर्धातः—

(1) श्री सोरेन्द्र नाथ गांगुली बल्दश्री भूपेन्द्र मोहन गांगुली साकिन—नौरतन हट्दाः थाना के० हर पद्मालय/जिला—पूर्णिया ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रजीत कुमार राय एवं श्री श्राधित कुमार राय वरूप भी अकाशी मोह्झा राय, सःकित---÷शीरतम हट्टा पत्रालय जिला----मूर्किंग्याः।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पतित को अर्जन की लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षम् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (का) इस जुलना के राजपक में प्रकाशन की साउकि से 4,5 दिन की अविध मा तरसम्बन्धी व्यक्तिमाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना को राजपत्र में प्रवास्त्र की तारित से 45 दिन को भीतार उक्त स्कावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिक में किए जा सकोंगे।

श्यष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो 'उम्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

जमीन का रकवा नो कहा एक धुर मकान सहित जो मौजा मधुबनी जिला—पूर्णिया मोडूल्ला—नौरतन हट्टा तथा जो वार्ड नं० 5 (नया), होस्डिंग नं० 95 में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से बिसका नं० 12589 दिनांक 21-7-1979 में विणित है जो जिला प्रवर निखन्धक पूर्णिया के द्वारा विषधिता है।

ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋजैन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 21-3-1980

माहरः

प्रकप धाई • टी • एन • एस •---

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-भ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यानय, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

श्रजेन परिक्षेत्र, बिहार पटना, दिनांक 21 मार्च 1980

निदेश स० ।।।-387/म्रर्जन/79-80--म्रतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की भारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका उचित वाजार मूहण 25,000/-च्पए से प्रधिक है

श्रोर जिसकी नं० प्लाट नं० 579 खाता नं० 29 इत्याधि है, तथा जो धनबाद में स्थित है (श्रोर इस से उपलब्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय धनबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 20-7-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकास के लिए सन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकास से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकास का पन्नाह प्रतिकात अखिक है और बन्तरक (सन्तरकों) और सन्तरिती (सन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्न-निश्चित उद्देश्य से उक्त सन्तरण निश्चित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है।——

- (अ) पश्तरण से हुई किती बाय की बाबस, उक्त अधितयम के सक्षीय कर देने के सन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए या, लिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 में की उपधारा (1) के अधीन, निष्कतिबा अधिनामों, अतीत् :--7-36GH80

(।) श्री ग्रमरनाथ मिह बल्द श्री तारा मिह (2)श्रीमती रावण्यारी देवी जौजे श्री ग्रमर नाय मिह (3) कुलदीप मिह—वल्द श्री ग्रमर नाथ मिह माकिन—शिवली बारी; थाना—चिरकुन्डा, पत्नालय/ जिला धनवाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीसती गान्ति देवी जीजे श्री खाजम सिंह साकिन—जोरीडीह, थाना—जोरीडीह, जिला— गिरिडिह (ग्रन्तिरती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की भवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ज्ञारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 विश्व के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवश्व किसी अन्य क्यक्ति द्वारा घंघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पव्यक्तिकरण:---इसमें प्रमुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिवित्यम के प्रव्याय 20-क में परिभावित हैं। वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में विया गया है।

अनुसची

जमीन का रकबा 12 कट्ठा 6 छटौंक दो मंजिला मकान सहित जिसका प्लाट नं० 579, खाता नं०---29 और जो पूर्ण रूप से विसका नं० 5808 दिनांक 20-7-79 में विणित है तथा जिला भ्रवर निबन्धक धनबाद के द्वारा निबंधित है।

> ज्योतीन्द्र नाथ **सक्षम प्राधिकारीः सहायक श्रायकर भागुक्त (निरी**क्षण), श्रजीन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

ता**रीख**: 21-3-80

प्ररूप साई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

गरित सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपूर,दिनांक 26 फरवरी 1980

ानदेण सं० राज०/महा० श्रा० श्रर्जन/642—सत: **मुझे** एम० एन० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधोत सक्षम प्राधिकारी दो यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्रि, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है, (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री हर्ता श्रिध हारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशान से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिश्वी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के भिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लान में वास्तिक रूप से क्या नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दृई किसी झाम की बाबत अवस प्रधितियम के ध्रधीत कर देने के ग्रन्तरक के दाखिस्त्र में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ल) ऐनी ित्सी प्राय या किसी धन या अन्य भाक्तियों की, जिल्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या अन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए या, खियाने में मुविधा के लिए;

अत: श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुमरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की कपधारा (1) के सभीन 'निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

- (1) श्री रामचन्द्र, जीराज, मुखराम पुत्रानश्री छोगाराम निवासी 3ई० छोटी, तहसील श्री गंगानगर (श्रन्तरक)
- (2) श्री निशीध पारीक पुत्र श्री मधन ं कुमार पारीक नियासी 112 एन० ब्लाक श्री गंगानगर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितवदा किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त प्रिवियम', के प्रध्याय के 20क में परिचाषित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

धनुसूची

मु० नं० 516 कि० नं० 14 की एक बीघा कृषि भूमिजो चक 3 ई० छोटी श्रीगंगानगर में स्थित है ग्रीर उप पंजियक, श्री गंगानगर द्वारा कम संख्या 1941 दिनांक 18-7-79 पर पंजीबद्ध विकाय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भायुक्त, (निरीक्षण), भ्रजैन रेज, जयपुर

नारीख: 26 फरवरी, 80

प्रकप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 26 फरवरी 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन — यतः मुझे, एम०एल० चीहान,

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रुपए से भ्रधिक है

श्रौर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है, (श्रौर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रौ पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय श्री गगानगर में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7 जलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रौर प्रन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरक से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रंधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रंधिनियम, या धन-कर ग्रंघिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 289-ग के अनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकों, भ्रथीत्:-- (1) श्री राम वन्द्र जीराज, मुखराम पि० छोगाराम निवासी 3ई० छोटी तहसील श्री गंगानगर

(अन्तरक)

(2) श्री निशीश पारिक पुत्र मदन कृषार पारिक निवासी 112 एन० ब्लाक श्री गंगानगर

(अन्तरिती)

को यद सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के प्रजैन के नम्बन्त्र में शोई भी प्राप्तिंग:---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन को तारी असे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हिनबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पट्टो हरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्का ग्रीध-नियम के ग्राठवाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्राठवाय में दिया गया है।

अनुसूची

मु० तं० 516 कि०न० 14 की 1वीधा ऋषि भूमिनो चक 3 ई० छोटी श्रीगगानगर; स्थित है झौर उप प्रजीयक, श्रीगगा-नगरद्वारा कम संख्या 1896 दिनांक 7-7-1979 पर पंजीबद्ध विकाय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एत० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जयपुर

तारीख: 26-2-1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेन रेंज , जयपुर

जयपुर, दिनांक 26 फरवरी 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० श्रर्जन/644---यत:, एम० एल० चौहान,

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से भाधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्व अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 ज्लाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घ्रधिक है घौर अन्तरक (अन्तरकों) घौर ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे म्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, श्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; भौर/या
- ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों (ख) को, जिन्हें भारतीय म्राय-कर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात:---

- (1) श्री रामचन्द्र, जीराज, मुखराम पुत्रान श्री छोगा राम निवासी 3 ई० छोटी श्री गंगानगर। (ग्रन्सरक)
- (2) श्री निणीथ पारीक पुत्र एम० के०पारीक, निवासी 112 एन० ब्लाक श्री गंगानगर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्व किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा अओहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पब्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मु० नं० 516 कि० नं० 41 एक बीधा कृषि भूमि जो चक 3 ई छोटी श्री गंगानगर में स्थित है श्रीर उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा ऋमसंख्या 1913 दिनांक 17-7-1979 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में भ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 26-2-1980

प्ररूपः पार्यः छो । एन ० एस ० ----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1964 का 4-3-) की धारा 269-घ (1) के संघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 4 मार्च 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० भ्रा० भ्रजन/ 645—यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जी श्रीगंगानगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 9 जुलाई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुसे यह विश्वस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकत के पण्डत् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण में निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक छप से किया नहीं किया नया है।—

- (त) प्रस्तरण से दुई तिसी पाय की बाबत, उबत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में बुविधा के मिए; धौर/या
- (ख) ऐसी निस्ती भाव वा निसी धन या अस्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय कर प्रिक्षितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के किए;

मतः प्रव, उत्ततं प्रविनियम की घारा 269-म के मनुसरण में, में, उत्ततं प्रधिनियम की घारा 269-म की उपघारा (1) के प्रकीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्:—— श्री राम चन्द्र, गिर राज एवं मुखराम पुत्रान श्री छोगाराम निवासी 3 ई छोटी श्रीगंगानगर।

(ग्रन्तरक)

श्री रीपूदानसिंह पुक्त श्री भूप सिंह बिस्नोई निवासी
 112 एन० ब्लाक श्री गंगानगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी भ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रज्य व्यक्ति। द्वारा, प्रश्लोहस्ताकरी के पास लिखिन में किए अश्सकोंने ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पर्दो का, जो जनते अधिनियम के भध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उत्त प्रध्याय में दिया गया है'।

प्रमुखी

मुरब्बा नं० 516 किला नं० 14 की 1 बीधा कृषि भूमि जो चक 3ई० छोटी तह० श्रीगंगानगर में स्थित है धौर उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा कम संख्या 1914 दिनांक 9-7-79 पर पंजिबद्ध विकय पत्नों में धौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 4-3-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

सहायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 3 मार्च 1980

निर्वेश सं० राज०/सहा० धा० धर्जन/—यतः, मुझे एम० एल० चौहान,

श्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रशीत तथन अधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/→ रुपये से श्रिष्ठिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ध्यावर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय व्यावर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख 24 जुलाई 1979 को

पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विषयाम हरने हा कारण है कि यथापूर्वीका सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तं हृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर अन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण ह लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों का, जिन्हें नारतीय प्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उथत प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, में, उकत ग्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नानाखत व्यक्तियों, ग्रयति :--- श्री मुकट बिहारी लाल भार्गव पुत्र श्री विनोदी लाल जी भार्गव निवासी ब्यावर वर्तमान निवासी सरवार पटेल मार्ग, जयपुर।

(भ्रन्तरक)

 मैंसर्स महावीर एण्ड कम्पनी, ब्यावर जिरए श्री मोहन सिंह लौढा एवं श्री लालचन्द सिंधी,ब्यावर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्मति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इन सूजना के राजपत में प्रतासन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, हे भोतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूत्रना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयक्त मध्यों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची .

खसरा नं० 1197 एवं 1448 की 4 बीघा कृषि भूमि जो नयानगर ब्यावर में स्थित है ग्रौर उप पंजियक, ब्यावर द्वारा अमांक 2463 विनांक 24-10-79 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (नरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीखं़ 3-3-1980

अक्षा भाईं• टी० एन० एन•-----

न्नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 3 मार्च 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/649—-यतः, मुझे, एम० एल० चौहान,

प्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्वात् 'उना अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-ख के मधीन सक्षम अधिकारी की, यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्मति, जिनका जिन्त बाजार मून्य 25,000/ रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ब्यावर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ब्यावर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियन, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 24 भक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फन के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्यापूर्वोक्त तंगीत का उभित बाजार मुख्य, उसके वश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिक्षण के प्रस्तु प्रतिशत से प्रक्षिक है और प्रस्तरक (प्रश्वरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्वरितियों) के बीब ऐसे प्रस्तरण के लिए ना ग्राया ग्रा प्रतिकल, निम्निविधित उद्देश्य से उनत प्रस्तरण निधित में वाहा-विक रूप से क्षित नहीं किया गया है:——

- (क) भग्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिन्न नियम के सभीन कर देने के भग्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (क) ऐसी किसी पाप जा किली अन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीर प्रापकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिताने में पृतिया के लिए:

ध्व: **धव, उक्त भिक्तियम की धारा 269-ग के भनुसरण** में, मैं, उक्त प्रश्वितियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित स्वक्तियों, प्रवीत:--- श्री मुकुट बिहारी लाल सुपुत्र पं० विनोदीलाल जी भागंव निवासी ब्यायर हाल निवासी सरदार पटेल, मार्ग, जयपुर।

(भ्रन्तरक)

 मेसर्स महाबीर एण्ड कम्पनी ब्यावर जरिए मोहन सिंह लौढ़ा व श्री लालचन्द सिंधी निवासी ब्यावर।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचता आरी करकेपूर्वीका संपक्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपन सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति बारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेषे ।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त गम्बों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं मधं होगा, जो उस मध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मौजा नयानगर में स्थित खसरा नं ० 1449 व 1450 की भूमि 3 बीघा 14 बिस्वा 5 विस्वांसी जो उप पंजियक, नागौर द्वारा क्रम संख्या 2462 दिनांक 24-10-79 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 3-3-1980

प्रक्ष प्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, विनांक 4 मार्च 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० म्ना० मर्जन/641—यतः, मुझे, एम० एस० भौहान

भायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भ्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो रायपुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबक अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29 श्रक्तूबर 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स श्रधितियम, या धनकर श्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्:—

- (1) मैंसर्स गोलछा फार्मस एक रजिस्टर्ड पार्टनरिशप फर्म द्वारा इसके भागीदार सर्वश्री मोतीचन्य,
 - (2) किशनचन्व
 - (3) नेमीचन्द एवं
 - (4) चेतन मल पुन्नान श्री मनोहरमल निवासी ग्रजमेररोड़, व्यादर ।

(ग्रन्तरक)

 श्री प्रभूताल पुक्ष श्री राम सुख माली गेहलीत, निवासी वेलवाड़ा, रोष्ट, ब्याबर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्मत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रष्ट्याय-20क में परिभाषित है, वहीं भ्रयं होगा जो उन भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नं० 14, 22 एवं 23 की 69 बीघा कृषि भूमि कूबे जिसमें बीजली की मोटर लगी है तथा इंजिन हाउस सिहत, जो ग्राम बाली तहसील रायपुर जिला पाली में स्थित है ग्रीर उप पंजियक, रायपुर द्वारा कम संख्या 294 दिनांक 29-10-1979 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एस० चौहान, सक्षम प्राक्षिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज, जयपुर

तारीखाः 4-3-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 3 मार्च 1980

आविश सं० राज०/सहा० आ० प्रजन/ ----यतः, मुझे एम० एल० चीहान

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

मौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो उदयपुर में स्थित है. (ग्रीर इससे उपायब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है). रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, उदयपुर में रिजस्ट्री-करण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख 30 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और धन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निखित में वास्तिविक रूप से किबत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरक से हुई किसी घाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के घंघीन कर देने के प्रस्तरक के वायिस्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छियाने में सुविधा के लिए;

मतः भ्रव, जकत मिधिनियम, की धारा 269—ग के मनुसरण में, मैं, जकत मिधिनियम की धारा 269—व की जनधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवौत् :——
8—36GI/80

 श्री बृज नारायण पुत्र श्री शिव नारायण नरूला द्वारा, मुख्तारनामा धारक श्री राम लक्ष्मण पुत्र श्री बाली राम गुफ्ता निवासी जयपुर।

(भन्तरक)

 श्री खूबी पुत्र श्री बरदीचन्द परमार, श्रीमती लाडकंबरल पत्नी श्री बसन्तीलाल बादला एवं श्री लक्ष्मीलाल पुत्र कन्हैयालाल बागरेचा काली बावड़ी उदयपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो अक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

कृषि भूमि जिसके खसरा नं 955 है तथा जिसका क्षेत्र 6 बीधा 8 बिस्या है और ग्राम बैडवास तहसील गिरवा में स्थित है जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 2106 दिनांक 30-7-1979 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान, सक्षम श्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपुर

नारीख: 3 मार्च, 1980।

प्ररूप धाईं व टी • एनं • एन • ---

वायकर विधिनियम, 1931 (1961का 43) की धारा 269-व (1) के भ्रापीन मूचना

भारत सरकार

कार्यौलय, सहायक भायेकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 26 फरवरी 1980

आदेश सं० राज०/सहा० ग्रा० भर्जन/—यतः मुझे, एम० एल० चौहान आयकर मिलियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इमर्ने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मध्यति, जिसका उचित बाजार मूख 25000/- वपण् से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० ए०-3 (एफ०) है तथा जो जयपुर

म्रोर जिसका से प्लाट ने ए०-3 (एफ०) ह तथा जा जयपुर में स्थित है (म्रोर इससे उपाइस भनुसूची में म्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरर्ता मधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख 10 जुलाई 1979 को पूर्वीका तम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के कृष्यमान प्रिस्

को पूर्वोक्त तस्पति के उचित बाजार भूक्य से कम के बृथ्यमान प्रिरिक्त के लिये अन्तरित की सई है और मुझे यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके बृथ्यमान पतिकन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत सें अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और प्रनारित (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाना क्या प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक कर से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (का) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः, अब, उस्त अघिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में में उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निक्निसिक व्यक्तियों, अधीत् :--- श्री भाष्कर चौधरी पुत्र श्री मंगल चन्दती चौधरी,
 12 धूलेश्वर गार्डन, जयपुर।

(श्रन्तरक)

2. श्री राधा बन्तभ गुष्ता पुत्र गोपी प्रसाव जी गुप्ता, मोटर सेन्टर एम० आई० रोड, जयपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना प्रारो करके पूर्वोका सम्पनि **के अर्थन** के सिए कार्यवाहियां **करता** हुं।

उथा सम्पत्ति से अर्थन के सम्बन्ध में सीई भी पाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की सर्वीध पा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नासील में 30 दिन की सर्वीध. जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पृथींका व्यक्तियों में न किसी व्यक्ति तारा;
 - (क्ष) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सभ्यक्ति में हितबर किमी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, प्रक्षोत्रस्ताक्करी के पास चिक्तित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रमुक्त शन्दों भीर वरों का, जो उनन पछि-नियम के भव्याय 20-क में परिचाचित है, बही प्रचे होगा, वो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

ण्लाट नं० ए०-3 (एफ०) का पूर्वी स्राधा हिस्सा, सुन्दर पथ, बनीपार्क, जयपुर जो उप पंजियक जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1596 दिनांक 10-7-1979 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल**० चौ**हान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजैन रेंज, जयपुर

तारीख :26-2-1980

भोहर :

धारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 26 फरवरी 1980

निर्देश सं राज /सहा ग्रा० ग्रर्जन/—यतः, मुझे, एम एस वीहान

आयकर धिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त धिविनयम' कहा नया है), की धारा 269-क के धिविन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 25,000/- ६५ए से प्रधिक है

मीर जिसकी सं० प्लाट नं० ए०-3 (एफ०) है तथा जो जयपुर में स्थित है (मीर इससे उपाबब मनुसूची में मीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कालयीय जयपुर में रजिस्ट्री-करण मधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन

तारीख 10 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के बृहयमान प्रतिफल के लिये धग्तरित को गई है जोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृहयमान प्रतिफल से, ऐसे वृहयमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिम्नत अधिक है और अन्तरक (धग्तरकों) और धग्तरिती (धग्यरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया चया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण कि बिजत में वास्तविक चय से कवित नहीं किया गया है :→

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बावत, उक्त बाँकिंगयन के म्रजीत कर देने के मन्तरक के वासिश्व में कभी करने या उससे अवने में सुविका के जिए। और/वा
- (ख) ऐसी किसी बाय या हिसी बन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर ग्रिबनियम, 1922 (1922 का 11) या जगत अधिनियम या अनक्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया बाया किया जाना चाहिए का, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः प्रथ, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ग के धनुस्रण में, में, उक्त प्रविनियम की धारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री भांब्कर बौधरी पुत्र श्री मंगल चन्द बौधरी, निवासी
 भूलेश्वर गार्डन, जयपुर।

(मन्तरक)

2. श्री मखन लाल गुप्ता पुत्र श्री गोपी प्रसाद गुप्ता, मोटर सेन्टर एम० श्राई० रोड, जयपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की कारीब से 45 विश्व की सर्वाध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विश्व की सर्वाध, जो भी सर्वाध वाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवन किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उचत धिश्वनियम, के प्रव्याय 20-क में परिधाबित है, वहीं वर्ष होगा, को उस प्रव्याय में दिया गया है।

अमुसूची

प्लाट नं ० ए-3 (एफ) का पश्चिमी आधा भाग, सुन्दर पथ, बनीपार्क, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1595 दिनांक 10-7-79 पर पंजियद्व विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से क्विरणित है।

एम० एस० चौद्वान सक्षम प्राधिकारी; सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण); मर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 26-2-1980

प्रकप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायंक आयक्तर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्नर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 3 मार्च 1980

निर्वेश सं० राज०/सहा० म्रा० मर्जन/651---यत: मुझे, एम० एल० चौहान

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रीधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भ्रश्नीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-स्पए से भश्चिक है

भीर जिसकी सं० नं० 432 है तथा जो जयपुर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण भिवित्यम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 18 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निस्तिविदा उद्देश्य में उक्त पन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (खा) ऐसी किसी ग्राय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-ग के प्रशुपरग में, मैं उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धाधीन निम्नलिखित स्थिक्तियों, ग्रंथीत्:---

- श्री हेमनदास पुत्र लखमल सिंधी, निवासी प्लाट नं० 432, बीस दुकान के पास झावर्श नगर जयपुर। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती रही देशी पॉल्न श्री राजा राम अग्रवाल निवासी ग्राम मीडा तहसील नावां, जिला नागौर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी
 प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छी करण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों थ्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ तोगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

प्लाट नं० 432 का भाग (ग्राउन्ड फ्लोर का निर्मित भाग ग्रीर खुली जमीन) जो उप पंजियक जयपुर द्वारा कम संख्या 1627 विनांक 18 जुलाई, 1979 को पंजिबद विकय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजनरेंज, जयपुर

तारीख: 3-3-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 3 मार्च 1980

निर्वेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/652---यतः मुझे, एम० एल० चौहान
ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के यधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपये से ग्रिधिक है भौर जिसकी सं० दुकान है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रौर, इससे उपायद ग्रनुस्वी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 10 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्यत्ति के छिचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्यत्ति का छिचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (प्रन्तरिकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के निए तम एया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरमा निज्ञित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की वाबत उक्त भ्रष्टि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय पा हिमी धन या प्राय्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, भ्रज, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीतः—

- (1) श्री हनुमानदास पुत्र लाखूमल सिंधी निवासी प्लाट नं० 432 बीस बुकान के पास, श्रावंश नगर, जयपुर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती गंगा देवी पत्नी श्री राधेश्याम ग्रग्नवाल निवासी ग्राम मीडा तह० नावां जिला नागौर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्णन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:→-इसमें प्रयुक्त सब्दों ग्रौर पर्दों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट मं 9 432 का भाग (ग्राउण्ड फ्लोर में दक्षिणमुखी पांच दुकानें) जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1582 विनाक 10-7-79 पर पंजिबद्ध विकय पन्न में ग्रीर विस्तृत रूप से बिवरणित है।

एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रोंज, जयपुर

तारीख: 3 मार्च, 1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-

भावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर <mark>ग्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 मार्च 1980

निर्देण सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/653—यतः म एम० एल० चौहान

प्रायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिश्रिमियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिश्रीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 172-बी है तथा जो जौधपुर में स्थित है (स्रोर इससे उपावढ समुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय जौधपुर में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, सारीख 20 जुलाई 1979

ताराख 20 जुलाइ 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार पूरूप से कम के दूरपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूरपमान प्रतिफल से, ऐसे दूरपमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर
मन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं कियागया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रीध-नियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्री॥
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों को जिन्ह भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः, अब, उक्त भ्रधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की घारा 269-घ की उपवारा (1) के अभीन निम्मालखित व्यक्तियों, भर्षात्:—— श्री पूरतराज पुत्र श्री जोरावरमलजी नेहरू पार्क स्कीम, जौधपुर ।

(भ्रन्तरक)

 श्री चन्द्र सिंह पुत्र श्री रूप सिंह एवं श्रीमती भंवरी बाई पत्नी श्री चन्दर मिंह, सत्संग भवन के सामने ,
 .5वां रोड, सरदारपुरा, जोधपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रविध जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टी करण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 172- बी जो पांचवे रोड पर सत्संग भवन के सामने सरदारमुरा, जौधपुर में स्थित है और उप पाजियक, जौधपुर द्वारा क्रमांक 1290 दिनांक 20-7-79 पर पाजिबद्ध विकथ पत्र में और विस्तृत रूप से विवयणित है।

एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-3-1980

प्रकप माई० टी ४एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बार 269-च (1) के घंद्रीन म्चना

भारत सरकार

कार्बालय, सद्धायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनोक 15 मार्च 1980

मिर्वेश सं० राजं०/सहा० ग्रा० भर्जन/654—यतः मुझे, एम० एल० चौहान आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रशीन मक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का

हारण है कि स्वातर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-२० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० दाल मिल है तथा जो तह० जहाजपुर में स्थित है, भौर (इससे उपायद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जहाजपुर में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1909 का 16) के भ्रधीन, तारीख 16 जुलाई 1979

को पूर्वीका सम्पत्ति के उतित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान रिफल के लिए मगरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि एथापूर्वीका सम्पत्ति का उतित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशत प्रक्षिक है और उत्तरक (अगरकों) और पण्डरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का तिम्मलिखित उद्देश्य से उत्तर प्रकारन लिखिन में वास्तिक का से कथित तभी किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत जवत अधिक नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिश्व में कमी करने या उपसे बजने में सुविधा के लिए। घीर/या
- (क) ऐसी किरी आप या किसी घन या अस्य आस्तियों की, निक्तें भारतीय अध्यक्तर अधिनिक्स, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्य अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण वा यः विवा जाना चाहिए या, जिलाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुक सरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-वे की उपवारी (1) के अधीन, निम्ननिधित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री प्रकाश चन्द पुत्र श्री शिवराज एवं श्री नवल किशोर एवं शीशकरण पुत्रान शिवराज मालपाणी, निवासी देवली।

(भ्रन्तरक)

 श्री महाबीर प्रसाद पुत्र श्री गोविन्द राम सर्राफ निवासी देवली एवं श्री गुलाब धन्द पुत्र श्री चौषमल मूमिया निवासी बून्वी।

(ग्रन्तरिती)

को य**ह सूचना जारी कर**के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन केलिए कार्यवाहियां करता हूं:

उन्त सम्पन्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इन सूबना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरूताकरी के पास विविद्य में किए जा सकेंगे।

स्पक्ष्यीकरण अ--इसर्में प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, त्रो उनत अधिनियम के भ्रष्याय 20-क में परिचालिश है, वही अर्थ होगा, को उस भ्रष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति जो 'गणेश दास मिल' जो ग्राम कुचेलवाडा तह॰ जहाजपुर जिला भीलवाड़ा में स्थित है भौर उप पंजियक, जहाजपुर द्वारा क्रम संख्या 319/343 दिनांक 16-7-79 पर पंजियबद्ध विकथ पत्र में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहरन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 15-3-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

म्राय हर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 17 मार्च 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० भा० ग्रर्जन/658—यतः, मुझे, एम० एल० चौहान, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन पत्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह्याए से भिधक है

भीर जिसकी सं० में लाट है तथा जो जोधपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16), तारीख 16 जुलाई 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐ। अन्तरण के निर्ना गथा गया प्रतिफल निम्नलिखित उदेश्य थे उतन प्रत्नरण निधित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भक्षि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी िन्सी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के, अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— श्री तिलक काक पुत्र जयनाथ काक द्वारा जनरल पादर आफ अटानीं होल्डर हाजी मोहमद रमजान पुत्र हाजी प्रक्ष्य रहमान, खैराधियों का मोहल्ला हाजी बिल्डग, जोधपुर।

(अन्तरक)

 श्री शिव लाल पुत्र धनराज गोयल, चौपासनी रोड़, जौधपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इप युचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तस्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में गमान्त हो हो हो, के भीजर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्य किसी प्रनावानित ज्ञारा, प्रवीद्श्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्वद्धीक्षरण ---इनमें प्रयुक्त सब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिध-विषय के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रह्म होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट आफ लैंग्ड जो धर्म नारायण जी के झहाते में, मन्डोर रोड़, पावटा जोधपुर में स्थित है और उप पीजयक, जोधपुर द्वारा ऋम संख्या 1297 दिनांक 16-7-1979 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एस० चौहाम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) ग्रजम रेंज, जयपुर

तारीख: 17-3-1980

प्रकृप भाई • टी • एन • एस •---

भागकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की सारा 269-म (1) के समीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर दिनांक 17 मार्च 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० ध्रा० धर्जन/659—यतः, मुझे, एम० एल० चौहान धायकर धिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत धिधनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धरीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने

का कारण है कि स्थावर सम्यति, त्रिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रूपये से अधिक है

भीर जिसकी सं प्लाट है तथा जो जीधपुर में स्थित है (धीर इससे उपायद श्रनुसूची में श्रींर पूर्ण रूप से वर्णित है,), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 12 जुलाई 1979

की पूर्वीक्त सम्यति के उनित बावार पृत्य ये कम के दृश्यमान प्रतिक्रम के निए मानरित को नई है भीर मुने यह विश्वास करने का कारण है कि मयापूर्वीक्त सम्पत्ति का उनित बाबार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिक्रम से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत के पम्प्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अम्बरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय गाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य के उनत भन्तरण निखित में वास्तिक कप से क्षित नहीं किया नवा है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उपत अधिनियम के अधीत कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने पा उपसे बचने में मुविधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी छन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रामिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्षनार्थ ग्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया नया था या किया काना चाहिए था, कियाने में सुविमा के लिए;

धतः **अव, उनत प्रवितियम की घारा 26 \$-ग के घनुसरन** में, में, उनत धिष्टिनयम की घारा 26 **३-व की उपवारा (1)** के धीन निकनित्यित व्यक्तियों, अर्थातः :---9—36G1/80 श्री तिलक काक पुत्र जयनाथ काक द्वारा जनरल पावर माफ घटानी होल्डर हाजी मोहमद रमजान पुत्र हाजी भन्दुल रेहमान, खरादियों का मोहल्ला हाजी विल्डिंग, जौधपुर।

(म्रन्तरक)

 श्री प्रेम राज पुत्र श्री धनराज गोयल, चोपासनी, रोड़, जौधपुर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन क विष् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्यति के ग्राजैन के सम्बन्ध में कीई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यन्त्र में अहारात की तारीख से 45 दित की प्रश्वि, या तत्त्रम्बस्त्री व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दित की प्रविधि जी भी प्रविधि बाद में समाप्त होती ही, के मीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रश्लोहस्ताकारी के पास निकात में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त अन्यों धौर पदों का, जो जनत श्रीवित्यम, के अन्याय 20-क में परिभाषित है, कही प्रयंहीमा जो उस प्रत्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट ग्राफ लेण्ड जो घरम नारायण जी का ग्रहाता, मन्डोर रोड़, पाबटा जौधपुर में स्थित है ग्रीर उप पंजियक, जौधपुर द्वारा कम संख्या 1293 विनोक 12-7-79 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एस०एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर क्रायुक्त (नरीक्षण), ग्रर्जन र्रेज, जयपुर

तारीख: 17-3-80

भोहर:

प्रकृषे प्राचीक क्षीक एम क ए स० ----

अक्षयनपः मक्रिक्टियम्, 1961ः (1961 का 43), की बारा 269 व (1): के अधीक सूचनाः

भारत सरकार

कार्याजय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 मार्च 1980

आदेश सं० राज०/सहा० मा० भर्जन/656—यतः मुझे एम० एल० चौहान

आयकर प्रधितियम, 1981 (1981 का 43) (जिन इसमें इनके पश्चात् 'उन्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 289-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिमका उचित बाजार मृख्य 25,000/-व० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० डी०-42 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (भीर इससे उपावद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 25 जुलाई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि संबार्गित सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके
प्रथमान प्रतिकत में, ऐसे पृश्यमान प्रतिकल का पन्त्र प्रतिकत
से ब्रिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल,
निक्त-तिक्वत उद्देश्य से उच्त अन्तरण विकान में बारतिक क्ष
के किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिक्षितिश्व के भ्रष्टीन कर वेने के अन्तरक के बाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविश्व के लिए। और/वा
- (खं) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा एक्स अधिनियम, या जय-कर अधिनियम, 1957 (1937 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया या का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ने निए;

अतः, अब, उर्ने अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त पिष्टिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती प्रेम सुधा पारेख, 5 म 8, जवाहर नगर, जयपुर।

(भन्तरक)

 श्री गिरधारी लाल घडवानी, 8 सिंधा कालोनी, जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यहसूचना जारी करकेपूर्वोच्त सम्प्रत्ति के अर्थन के निष् कार्यश्रीहृयों करता हूं।

वक्त सम्पत्ति से अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आखेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक्त में प्रकाशन को आरोख से 45 विन की खबधि मा सरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 किन की सुबधि, जो भी सुबधि बाद में समाप्त होती; हो, के भीतर पूर्वोना स्वीयतस्यां में है किसी व्यक्ति हारा;
- (स) १ स्व सूचनाः के राजपक्ष में प्रकाशन की ताकि के हे 45 दिन के भीतर छन्त स्थावर संपत्ति में हित्ब ह किसी प्राप्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्ष रो के पास निवित्त में जिए जा सकेंगे।

श्वकाकिरण :---इसमें प्रयुक्त शम्धों खीर पर्वो का, जो उक्त बिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिधाषितं है, वही अर्थ होगा, जो उस बक्ष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ण्लाट मं० डी०-42, बनीपार्क, अयपुर का भाग जो उप पिजयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1710 दिनांक 25-7-79 पर पंजिबद्ध विकथ पन्न में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, जयपुर

तारीच : 17-3-1980

प्रस्प प्राई० टी० एन० एस०-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मासय, तहाबक प्रायकर कायुक्त (विरोक्षण)

मर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 मार्च 1980

आवेश सं० राज०/सहा० घा० धर्जन/—यतः मुझे एम० एल० चौहान धायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 56 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (भौर इससे उपावद्ध भनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीम, तारीख 5 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने कम कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्बलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में व्यस्तविक इन्त से कार्यत नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी आंध या किसी अन का अन्य आसित्यों की, जिन्हें भारतीय आध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत श्रीविनयम, या अन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रव, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-न के अनुबर्ध में, में, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:— श्रीमती तिल्ली बाई पत्नी श्री मूल चन्द, 102 कंबर नगर, जयपुर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री भुरेश क्यार पुत्र श्री किशक्यन्य प्लाट नं० 30 कंवर नगर, जयपुर एवं श्री दीपक कंवर नावालिग पुत्र श्री कैन्हैयालाल द्वारा कुदरती संरक्षक श्री कन्हैयालाल, प्लाट नं० 30 कंवर नगर, जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेपः--

- (क) इस सूत्रना के पाजमत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिंग के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंने।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त प्रशिनियम', के प्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही प्रये होगा, जो उस प्रव्याय में विया गया है।

अनुसू चि

दुकान न० 56, नेहरू बाजार, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1497 दिशांक 5-7-79 पर पंजियद्व विकास पक्ष में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्राधुक्त (निरीक्षण), कर्जन, रेंज, जयपूर

तारीख: 17-3-1980

प्रकप आई०टी०एन०एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आब्कर आयुक्त (निरीक्ष)
प्रजीन रेंज, जयपुर
अयपुर, विनोक 17 मार्च 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० मा० मर्जम/658—यतः, मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता मधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण मधिमियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, तारी 26 जुलाई 1979 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इर्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उव्दिष्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कृथित महीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) एती किसी आय या किसी धम या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— कन्हैया लाल पुक्ष श्री रामनारायण खण्डेलवाल निवासी ग्राम पापड़ तहसील जमवारामगढ जिला जयपुर (2) श्री ब्रजी नारायण पुत्र श्री भौरीलाल ग्राम नन्दपुरा तहसील जमवारामगढ़।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स डायमण्ड कारपेटस रिजस्टर्ड फर्म द्वारा भागी-वार श्री धरमचन्द जैन रामगंज बाजार, जयपुर। (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्परिस के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, में भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20 क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन का दुकड़ा जो पुरानी भामेर रोड़, जमपुर जो उप पंजियक, जमपुर द्वारा कम संख्या 1802 दिनांक 26-7-79 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में भीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहाम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रैंज, जयपुर

तारीच: 17-3-80

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० ---

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 मार्च 1980

निर्देश सं ० राज०/सहा० आ० प्रर्जन/659---यतः, मुझे, एम० एस० चौहान

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा० से अधिक है

भौर जिसकी सं० डी-115 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण भित्तियम, 1908 (1908 का 16) के भिशीन, तारीख 28 जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के सहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एंसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा का लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

विद्या बिहार पिलानी (राज०)। (ग्रन्सरक)

1. श्री डी० डी० पी० बत्ता श्री सीताराम बत्ता, 125,

 श्री ईश्वरवास गाडी पुत्र स्व० लाला नारायण वास, गिवरवाहा मंडी, जिला फरीदकोट।

(प्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्थाक्कीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अन्सूची

प्लाट नं डी०-115 प्रम्बा बाडी स्कीम, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा पंचीबदा विकय पत्र संख्या 1854 दिनांक 28-7-79 में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एस० चौहात सक्षम प्राधिकारी, सहाबक जायकर आयुक्त (निरीक्ण) ग्रजन रेज, जयपुर

अतः अभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्नितिसित व्यक्तियों अर्थात्:---

तारी : 17-3-1980

माहरः

प्रकप बाई o टी o एन o एस o ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 मार्च 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० म्रर्जन/660—यतः, मुझे, एम० एल० चौहान

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

ग्रौर जिसकी सं प्लाट नं बी-2 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्री-करण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 18 ग्रगस्त 1979

को पूर्वांक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वों क्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा का लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

 श्री तिलक राज पुत्र जयनाथ काक द्वारा जनरल पावर ग्राफ ग्रटानीं होल्डर हाजी मोहमद रमजान पुत्र हाजी ग्रब्दुल रहमान, खैरादियों का मोहल्ला, हाजी भवन, जोधपुर।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती छोटा देबी पत्नी श्री जेठमल, 807 बी॰ पावटा, जोधपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचीं

प्लाट नं० डी-2, धरम नारायण का ग्रहाता, मन्डोर, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 1390 दिनांक 18-8-79 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-3-1980

माहरः

प्ररूप आई ० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 17 मार्च 1980

निदेश सं० राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/६६1——यतः, मझे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1-बी है तथा जो जौधपुर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 6 ग्रागस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कत सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा का लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः—— श्री छत्र सिंह पुँत चम्पकमल भण्डारी, जाटाबास, पावर श्राफ ग्रटानी होल्डर सर्वश्री शिवराम एवं मनहर पुतान श्री लादूरामजी ब्यास, सन्दून की पोल, जौधपुर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मुन्नीलाल गर्ग पुत्र पन्ना लाल निवामी करनपुर वर्तमान निवासी बालनिकेतन के पास, जौधपुर । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टनेकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० 1-बी, धरम नारायण जी का ग्रहाता, मनोर रोड़, जौधपुर जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा क्रम संख्या 1367 दिनांक 6-8-79 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० **चौहान** सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-3-1980

प्रकप बाई० टी० एन० एस०----

भायकर **श्रीध**नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यापय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 मार्च 1980

निदेश सं० राज०/सहा० भ्रा० मर्जन/657—यतः, मुझे, एम० एल० चौहान

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इन के नरकान् 'उना अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रश्नीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारग है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- चपए से अधिक है और जिसकी संव्यवह मंन्यूची में और पूर्ण रूप से धणित है, (ग्रीर इससे उपाबद मनुसूची में और पूर्ण रूप से धणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जौधपुर में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 27 सितम्बर 1979 को

पूर्वोकत संस्रित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है भीर मुझे यह विस्तान करने का कारण है कि यथारू वेंकत सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भग्तरक (प्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किम लिखत उद्देश्य में उक्त प्रनर्शण निष्ति खित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त घछि-नियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उत्तने बचने में सुविधा के लिए; भीर/मा
- (ख) ऐसे किसी माय या किसी घन या ध्रम्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायंकर मंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धनकर मंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, भव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः श्रीमती राम कंवरी पत्नी श्री गंगा विशन, श्री श्रोमप्रकाश एवं श्री शिव प्रकाश पुत्रान श्री गंगा विसन एवं श्रीमती भगर कंवर पुत्री श्री गंगा विसन, जौधपुर ।

(भ्रन्तरक)

श्री गोविन्द राम पुत्र श्री गुरुमुखदास सिधी, लोहाना,
 बी० रोड सरदारपुरा, जौधपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूत्रता जारी हरने पूर्वीकता । सि के प्रजैत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध्या तरसंबंधी श्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूनना के राजात में प्रकाशन को तारी वासे 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्भित में हितवड़ किसी अन्य गरिन द्वारा, प्रश्लीहरूना क्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीजरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उस्त प्रधि-नियम के प्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस प्रव्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 27 सरदारपुरा पर स्थित मकान सम्पत्ति, बी०-रोड़ जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा क्रम संख्या 1853 दिनोक 27-9-79 पर पंजिबद्ध विकय पन्न में झौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम**० एल० चौहान** सक्षम प्राधिकारी महायक घायकर घायुक्त, (निरीक्षण) घजन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-3-1980

मोहर 📜

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरक र

कार्यातय, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 मार्च 1980

भ्रादेश सं० राज[ं]/सहा० भ्रा० भ्रर्जन/ —–यतः, मुझे, एम० एल० चौहान भायकंर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-बं के अधीर सञ्जम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने कां कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य भौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध प्रानुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण घ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 30 जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमात पतिकत के जिए अन्तरित की गई है स्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) प्रौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे घरतरण के लिए तम पाया गया प्रतिकता, निम्नलिखित उद्देश्य क्षे उक्त प्रन्तरम निष्कित में नास्तिकिक रूप से कथित मर्दी किया गया हैं:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई िकसी श्राय की बाबत उक्त ग्रीध-नियम के यक्षीत कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तते बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी पन या अप्य आस्तियों को, जिन्हें आप कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धा-उर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतेत्रार्थ अवस्तिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधी के लिए;

ग्रंत¹, भरें, उका ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, में, उकत ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 10—36 GI/80 सर्वश्री विवडनत्त, मूल चन्द पुत्रात लेखूमल, खत्रास जी का रास्ता, जयपूर।

(ग्रन्तरक)

 सर्वश्री शंकर लाल, ईश्वर लाल पुतान श्री केवलराम, कंवरनगर, जयपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीन्त सम्मत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उपन सम्मत्ति के अर्गन के तम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूत्रना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रतिधिया तत्संत्रधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत ने 30 दिन की प्रतिधि, जो भी प्रतिधि बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (व) इस सूचना के राजुपत्र,में प्रकाशन की ताडी, खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर, सस्पत्ति में हितबदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोक्तरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत श्रधि-नितम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा जो उस श्रष्टपाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट श्राफ लेण्ड जो ब्रह्मपुरी, जागेश्वर महादेव, सीताराम बाजार में खसरा नं० 51/3, 51/4 श्रौर 48/10 पर स्थित है श्रौर उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1877 विनांक 30-7-1979 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्नायक्त (निरीक्षण), स्रजैन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-3-1980

मोहरः

प्रकप भाई० ही० एत० एस०--

अध्यक्तर **मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ** (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 मार्च 1980

भ्रावेश सं० राज०/सहा० भ्रा० भ्रर्जन/160—यतः मुझे, एम० एल० चौहान

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हाके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की सारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/- इपए म अधिक है,

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० बी० है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबक अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कः योलय जयपुर में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 18 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अधित बाजार मृस्य, असके दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत श्रीवक है भीर प्रस्तरक (अस्तरकों) भीर प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) क बीच ऐने प्रस्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में कारह - विक का से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रक्षितियम, के प्रधीन कर देने के घंग्डरक के दायित्व में इप्ती करने या उससे बचने में सुविधा के निए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त धिविनयम की धारा 269-ग के खबुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 369-व की उपवारा (1) के धिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती बस्ती देवी पत्नी डा० रणजीत कुमार गांगुली, श्रलकनन्दा सी-स्कीम, जयपुर।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती मंजु देवी पत्नी श्री कमल कुमार, गोमती भवन, जामली गली, बिबली बेस्ट, बम्बई-92। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्रवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जी भी प्रविध बाद में मनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजरव में प्रकाशन की तारी जा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्तिद्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिश्वनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी, श्रलकनन्दा, चितरंजन लेन, सी-स्कीम, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1641 दिनांक 18-7-1979 पर पंजिबद्ध विकय पक्ष में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० भौहान सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-3-1980

प्रकृष भाई ०टी • एन ० एस ०————— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 13 मार्च 1980

भादेश सं० राज०/सहा० भा० भर्जन—यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/-रु० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० एक शोरूम है तथा जो जयपुर में स्थित है, (भीर इससे जपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के खिनत बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्थोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्छ ह प्रतिशत से सिंधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गरा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (%) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत अक्त अधिनियम के ब्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ध्रम्य धास्तियों को, जिन्हें धायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिधिनियम, या धन-कर सिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः, अब, उस्त बिधिनिथम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की छपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- शी कृष्ण कृमार पुत्र स्व० श्री गुलाब राय प्रग्नवाल स्वयं एवं श्री ग्रमीन खेतान एवं ग्रनामिका नाबालिग पुत्र एवं पुत्री श्री कृष्ण कृमार द्वारा संरक्षक श्री कृष्ण कुमार निवासी खेतान भवन, एम० ग्राई० रोड, जयपुर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सांवरमल पुत्र श्री उमा दत्त सर्राफ, हवा सड़क रेडीकट हाउस, जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुत्रीक्त सम्पत्ति के मर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रार्वन के संबंध में कोई भी श्राक्षेत्र:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की धर्विध मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घर्विध, जो भी घर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्जीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (का) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोड्स्ताक्षरी के पाय लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रमुक्त कर्को घीर पर्को का, जो उन्त घिषितियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, बढ़ी घर्ष होगा, को उस धन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेतान भवन, एम ० म्राई० रोड, जयपुर में एक मो रूम जो उन पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1858 दिनांक 28-7-79 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण); भ्रजन रेंज, जयपुर

तारीख: 13-3-80

मोहरः

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एन०--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा, 269-घ (1) ने मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 13 मार्च 1980

भादेश सं० राज०/सहा० म्रा० भर्जन/655—यतः मुझे, एम० एस० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारां 269-ख के अधीन समन प्राधिकारों की, यह विषयास करने का कारग है कि स्यावर पन्नति जिनमा उचित वाजार मूल्य 25,000/-ष० से अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 27 जुलाई 1979

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के यूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययात्र्वोक्त सम्मति का उविल बाजार मूल्य, उसने बृश्यमान प्रतिकत सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्नह प्रतिसत अधिक है भीर अन्तरिक (अन्तरिकों) भीर अन्तरितों (अन्तरितों) के बोव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक कप से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी गाय की बाबत, उबत ग्रधिन नियम के भग्न कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में पुविधा के सिए; सौर/गा
- (७) ऐसी किसी माय या किसी घन या प्रत्य घारितयों की जिन्हें में प्रेय-हरी प्रिचितियमें, 1922 (1922 कि 11) या उन्ते अधितियमें, 1922 कि 11) या उन्ते अधितियम, या घत-कर प्रिचितियम, 1957 (1957 कि 27) के प्रयोजनार्थ घन्दरिती हारा प्रकट नहीं कियों गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए

ग्रतः ग्रव, उक्त भिक्षितियम की धारा 269-ग के श्रवसरण में, में उक्त भिक्षितियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के ग्रवीन, निक्लिसिवात व्यक्तियों, भर्यात्:— श्री देव करण पुल श्री घेदरचन्द, १११ झातिश मार्चेट, जयपुर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुभाष तनेजा पुत्र श्री गीरधान लाल तनेजा, भगत वाटिका, सिविल लाइन्स, जयपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता हो। जिल्ला कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूत्रना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अबधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियाँ पर सूजना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दारी;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितंत्र के किसी मन्य क्यक्ति द्वारा अधोद्वस्ताखरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पढ्या तरण : --- इसमें प्रयुक्त गठदों भीर पदों का, जो उक्त मिंध-नियम, के अध्याय 20क में परिमाणित हैं, बही मधं होगा, जो उस मध्याय में विया गमा है।

अमुस्ची

कृषि भूमि का एक प्लाट जिसका क्षेत्रफल 667 वर्ग गज है तथा जो सिविल लाईन्स, जयपुर में स्थित है भौर उप-पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1828 दिनांक 27-7-79 पर पंजियद्व विकय पत्न में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, जयपुर

तारीख: 13-3-80

मोहरः

प्ररूप आहु ० टी० एन० पुस्०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 20 मार्च 1980

श्रादेश सं० राज०/सहा० म्रा० अर्जन/668—यतः मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन संक्षम प्रोधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक हैं।

स्रौर जिसकी सं प्लाट नं 26 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 5 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विष्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा का लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनीय अन्तिरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था छिपाने में स्विभू के लिए;

अत[्] अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:--- 1. श्री मोहन लाल समदेव प्लाट न० बी-21, राजापार्क, जयपूर-4।

(भ्रन्तरक)

2. कुमारी दीपा कछावा ब कुमारी सीमा कछावा नाबालि-गान जरिए पिता व वैधानिक संरक्षक श्री चन्द्र मोहन सिंह कछावा, प्लाट नं० 26, रामगली नं० 8 राजापार्क, जयपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जुन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अक्षिण बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इस्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित ह्री, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

प्लाट नं 26, रामगली नं 8, राजापार्क, जयपुर का भाग जी उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रमांक 1499 दिनांक 5-7-79 परपंजिबद्ध विकयपत्त में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज जयपूर।

तारीख: 20-3-1980

माहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

न्नाय हर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रा<mark>युक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रेंज, जयपुर

> > जयपुर, दिनांक 20 मार्च 1980

श्रादेश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/669--यत:, मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- ६पन् मे प्रधिक है

ग्नौर जिसकी सं० प्लाट नं० 26 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 5 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उविता बाजार मूल्य, उत्तके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से अजिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के निए ता गाया गाम प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण निक्षित में वास्तविक इन से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से तुई किसी आय की बाबत अन्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उनधारा (1) के ग्रधीन निम्नतिखा व्यक्तियों, ग्रयीत्:---

- 1. श्री मोहनलाल सचदेव, बी-21, राजापार्क, जयपुर-4। (श्रन्तरक)
- श्रीमती विमला कछावा, 26, रामगली नं० 8, राजापार्क, जयपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मिल के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप:--

- (क) इस सूचता के राजनत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत अधिनयम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्ताह तं० 26, रामगली तं० 8, राजापार्क गली तं० 8, राजापार्क जयपुर का भाग जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 1484 दिनांक 5-7-79 पर पंजियदा विकय पत्र में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० श्रोहान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

सारीख: 20-3-1980

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 21 मार्च 1980

भ्रादेश सं० राज०/सहा० भ्रा० भ्रर्जन/669--यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह त्रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से भिषक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 218ए है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत्त का पन्द्रह प्रतिशत धिक है प्रौर अन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल लिल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रभ्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से बुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः ग्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों धर्थात् :--

- 1. श्री दलपत सिंह पुत्र श्री शिव सिंह राजपूत, डी 218-बी भास्कर मार्ग, बनी पार्क, जयपुर। (श्रन्तरक)
 - श्री जगमाल सिंह पुत्र ठाकुर जोध सिंह जी राजपूत,
 डी० वाई० एस० पी०, चितोड़गढ़ ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा जो उस भध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

प्लाट नं० 218-ए, भास्कर मार्ग बनीपार्क, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1536 दिनांक 10-7-1979 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में स्रोर विस्तूत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 21-3-1980

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्यन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 26 मार्च 1980

ग्रादेण सं० राज०/सहा० आ० ग्रर्जन/ — यतः मुझे एम० एल० चौहान श्रीयकर प्रधितियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्त प्रजितियम' कहा गया हैं), की घौरा 269-ख के धधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण ह कि स्थावर सम्मति, जिपको उचित बाजार मृख्य 25,000/-इपये से श्रीक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 14 है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकरनी पिधिकारी के कार्यालय जयपुर में स्थित है, रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908का 16) के प्रधीन, तारीख 31 ज्लाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अर्जरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजीर मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत के पर्याह प्रतिशत से मौधक है भीर अन्तर्रक (अन्तर्रकों) धौर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्रण के लिए ता पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तरिक कर से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त धिनियम के अधीन इन्दर के के प्रस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (खं) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्राप्तिकर प्रीधनियम, 1922 (1922 की 11) यो उन्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपबारा (1) अधीन निम्निजिबन व्यक्तियों अर्थात्:—

 श्री ग्रानन्थ कुमार कौशिक पुत्र श्री महावीर प्रमाथ कौशिक एवं श्री शिवकुमार कौशिक, जै-35 कृष्णा मार्ग, मी-स्कीम, जयपुर।

(भ्रन्तर्क)

 श्री चन्द्र प्रकाण गर्मा पृत्र श्री श्रार० के० गर्मा, सूरज सिनेमा घासा रोड़, देहुली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियीं मुक्त करिता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस भूजता के राजाल में प्रकाशत की तारीं के से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर भूजना की तामील से 30 दिन की धविधि, जी भी अविध बाद में समाप्त हीती हो, के भीजर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस मूचतो के राजपत्र में प्रकासन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बंधि में दित्व के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पेन्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदीं को, जी उन्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगी, जो उन प्रदेशीय में दिया गयी हैं।

प्रनुसूची

प्लाट ग०आर-14, जमनालाल बजाज मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर जो उप गंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1926 दिनांक 310 जुलाई 1979 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में ग्रीर विस्तृत क्ष्म से विवरणित है।

> एम**् एल**् घौहान सक्षम प्राधिकः सहायक भ्रायकर भ्रायु**क्त (विरो**क्षण) **धर्षन र्थे**ग, जयपुर

तारी : 26-3-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 26 मार्च 1980

श्रादेश सं० राज०/महा० श्रा० प्रर्जन/8673---यतः मुझे, एम० एस० सोहान

बायकर ब्रिश्चिम्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-जा के ब्रिश्चीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ द॰ से ब्रिश्चिक है

भीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है, (भीर इससे उपाबत भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भिधीन, तारीख 27 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिनत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्राधक है और अन्तरक (अन्तरकों) प्रौर धन्तिरती (प्रन्तिरित्यों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निक्षित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रग्तरण से हुई किसी भाग की वाबत, उक्त श्रिक्षित्यम, के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रग्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त ध्रिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में. उक्त ध्रिधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के ध्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्यात् :——
11—36GI/80

 श्री चान्य बिहारी सामोधिया पुत्र श्री भंवरलाल सामोधियः, खेतडी, हाउस रोड, चान्यपोल बाहर, जयपुर।

(भ्रत्तरक)

 सर्वश्री कानाराम, लक्ष्मीनारायण, कजोड़, एवं राम-चन्द्र पुतान जगन यादव, चक्र पीथावास उफ बदरवास तहसील जयपुर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्न सम्मत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्प्रित के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की सारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास
 लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीधनियम', के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम पीथावास उर्फ बदरवास तहसील जयपुर में स्थित 19 बीवा 14 बिस्वा कृषि भूमि का जो फ्राधा भाग जिसमें कृषा भौर पम्पसेट भी है तथा जो उप पिजयक, जयपुर बारा कम संख्या 1813 दिनांक 27-7-1979 पर पिजबाद विकय पत्र में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल**० चोहान** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रॅंज, जयपुर

तारीख: 26-3-1980

प्ररूप माई • टी • एन • एस • ---

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ(1) के अधीन सुचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर ग्रायुक्त (मिरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 26 मार्च 1980

भादेश सं० राज०/सहा० आ० भर्जन/672---यतः मुझे एम० एल० चौहान

भागकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने की कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- द के से प्रिक्ति है भीर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा तथा जो जयपुर में स्थित है, (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रशीन, तारीख 27 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरत की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यपान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तिरती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिवित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आंध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्ब में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या ग्रग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त भिक्षितियम की धारा 269ना के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री चान्य क्षिष्ठारी सामोधिया पुत्र भंवरलाल खेतड़ी हाउस रोड़, चान्दपोल बाहर, जञ्जपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) सर्वे श्री गोपाल, बिरदी चन्द्र, मोहनलाल, नरसी लाल पुत्रान श्री जगन यादव, नक पीथावास उर्फ बदरवास तहसील अयपुर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्मत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

खकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में **कोई भी बा**क्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वीपत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहरूताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर परों का. जी उनत अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है, ।

ऋनुसूची

ग्राम पीथानास उर्फ बदरनास तहसील अयपुर में स्थित 19 बीघा 14 बिस्ना कृषि भूमि का भ्राधा भाग जिसमें कुमा तथा पिन्पंग सेट भी है तथा जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1814 दिनांक 27-7-1979 पर पजिबद्ध निक्रय पत्र में भ्रीर निस्तृतिरूप से निवरणित है।

> एम० एल० चौहान स्**लम प्राधिकारी** स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रोंज, जेथपुर

तारीख: 26-3-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजिन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 29 फरवरी 1980

निर्देश सं० बी० जी० श्रार्०/10/79-80---यतः मुझे श्रो० सि० गोपाल

कायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-स्पर से मिधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि 15 कनाल 11 मरले हैं तथा जो गांव पहला तह० बलवभगढ़ में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: ग्रन, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ग्रिधीम निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री रामिकश्वन, देवी सिंह पुतान श्री शिववयाल निवासी पल्ला तह० बस्तभगढ़।

(अन्तरक)

2. मैसर्स ग्रेटर देहली प्लानर (लिमिटेड) 3-शंकर मार्केट कनाट सरकस नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पुत्रीका सम्पत्तिके प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्वत्ति के ग्रार्गन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस पूजना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्दी व्यक्तियों पर
 सूजना की तामीज से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूत्रना के राजात में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर छन्न स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रश्रीहस्ताक्षरी के पास
 लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्तरकारण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर नदों का, जो उना ग्रधि नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

मम्पत्ति 15 कनाल 11 मरले भूमि जो कि गांव पत्ला तह० बत्लभगढ़ में स्थिन है तथा जिसका जायदाद विवरण रिजस्ट्रीकर्ता बल्लभगढ़ के कार्यालय में रिजस्ट्री क्रैगांक 3141 दिनांक 18-7-79 में दिया गया है।

> गो० सि० गोगल **सक्षम प्राधिकारी,** स**हायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),** अर्थन रेंज, रोहतक

तारीख: 29-2-1980

भोहर:

प्रस्प आई० टी० एन० एस———— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनांक 29 फरवरी 1980

निर्वेण त० बी० जी० घार०/12/79-80--यतः मुझे, गो० सी० गोपाल

धायकर प्रावितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धूसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का छारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 25,000/- चपए से प्रधिक है

भीर जिसकी स० भूमि 187 कनाल 15 मरले हैं तथा जो सराय खवाजा (बल्लभगढ़ में स्थित हैं (और इससे उपाधक ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रिधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथारूवों का सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकात से अधिक है मौर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) यन्तरण से हुई किसी आय की पावत, प्रक्ष प्रधिनियम के भ्रष्टीन कर देने के धन्तरक के पायित्व में कृषी चरने या उससे अचने यें सुविधा के शिए; प्रीर/मा
- (च) ऐसी किसी धाव या किसी वन या धन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त धिधनियम, या धन-कर धिप्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया प्या था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उन्त अधिनियम की घारा 269ग के अनुसरण म, मैं उन्त अधिनियम की घारा 269व की उपधारा के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, भर्षात्: श्री नन्यू पुत्र श्री करुलू निवासी सराय नवाजा जिला गृङ्गाव।

(भ्रन्तरक)

2. मैससे ग्रेटर देहली प्लानर 3 गंकर मार्केट नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सध्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविद्य या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर दूचना की तामील से 30 दिन की श्रविद्य, जो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त श्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी घग्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिबित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:---इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शिक्षिनयम, के श्रध्याय 20-क में परिमाचित हैं, बही खर्व होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है !

अनु सूची

सम्पत्ति 17 कनाल 15 मरले भूमि जोकि सराय खवाजा (बल्लभगढ़) में स्थित है तथा जिसका ग्रश्निक विवरण रजिस्ट्री-कर्ता बल्लभगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3411 दिनांक 31-7-1979 में दिया गया है।

> गी० सी० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, रोहतक

तारीख: 29-2-1980

प्रकप माई • टी • एन • एस •----

व्यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-च (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीकण)

धर्जन रेंज, रोहतक रोहतक,दिनांक 29फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एम० की०/19/79-80--- यतः मुझोगी सी० गोपाल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी स० भूमि 9 कनाल 14 मरले गांव सिह्वाला है तथा जो अम्बाला गांव सिह्वाला में स्थित है और इससे उपाव अ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय अम्बाला में, रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिन्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूह्य से कम के दृश्य मान श्रिक्त के लिए सन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान श्रिक्त से, ऐसे दृश्यभान श्रिक्त के पश्यह प्रतिकृत से श्रिक है और मन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नजिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया वया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के क्षिए; ग्रीर/या
- (का) ऐंसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय क्षाय-कर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उत्तत श्रिः नियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयातुः— श्री सुरजीत सिंह पुत्र इन्द्रसिंह गांव सिहवाला सह्
प्रम्बाला।

(ग्रन्तरक)

2. श्री लाल चन्छ, रामजी लाल व बनारसीदास पुत श्री बुद्ध राम, श्रम्बाला शहर श्री सोम नाथ पुत्र श्री शरधाराम निवासी काली बाड़ी श्रीक श्रम्बाला कौन्द।

(भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की गामील से 30 दिन की घबिष, जो भी घबिष काथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवळ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 9 कनाल 14 मरले भूमि जो कि गांव सिहवाला तह श्रम्बाला में स्थित है तथा जिसका ज्यादा विवरण रिजस्ट्रीकर्गा श्रम्बाला के कार्यालय में रिजस्ट्री ऋमांक 1484 विनांक 14-7-979 में दिया गया है।

> गो० सी० गोपाल सक्षम प्रा**धिकारी,** सहायक **धायकर भायुक्त (निरीक्षण),** श्रर्भन रेंज, रोहतक ।

नारीख: 29-2-1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

मायक् र प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक,दिनांक 29 फरवरी 1980

निर्देश स० ए० एम० बी०/20/79-80---अतः मुझे गो० सि० गोपाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,069/-श्रधिक है मुख्य रपए स ग्रीर जिसकी संवद्गान नंव 5395-इंटन्यू०-3/2192-बी है तथा जो भ्रम्बाला भ्रमाज मण्डी में स्थित है (श्रीर इसरे उपायद्व श्रनमुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, आम्बाला; में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1903 का 16) के श्रधीन, तारी श्रगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यु विश्वाय करत का नारण है हि यथापूर्वीस सम्मात का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, भ्से द्रायकार प्राप्यान के पत्कतु प्रक्रियत से अधिक है क्षीर भरगंतो (अस्त(रेलको) के बीच ऐसे ग्रन्थरण के निष्तय पावा गया प्रतिक्तित निम्नलिखित उद्ध्य से उत्त अना ण लिखित में गरावित रूप से कथित नहीं किया गया है .

- ्का प्रतारम प्रहाँ किसी आप की बाबत, उक्त अधि-लयम के प्रधीन कर देने के मस्तरक के तयिस्त में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (का) ऐसी किसी भाष या किसी घन या अन्य आस्तियों भो, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम 19:2 (1922 ज 11) के छात प्रक्रियम, या धन-वर श्रीधनियम, 18:27 (19:57 का 27) के प्रयोजनार्थ शन्तिरती हारा प्रकट नहीं किया गया या था किया जाया चाहिल था, छिपाने में सुविधा के अए;

अतः, अब, उक्त प्रशिष्य की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उत्त प्रधिनियम की पाग 269-थ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री रमेश कुमार पुत श्री शिवलाल सेठी मार्फंत मैससे शिवलाल कृष्णलाल श्रनाज मण्डी श्रम्बाला शहर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रवीश कुमार पुत्र (पण्डित शादीलाल मेकान नं० नं० 5565-66 वार्ड नं० 3 ध्रम्बाला शहर। (अन्तरिसी)

भो यह सूचना आणि करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूबता के राजात में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन की प्रविध या तत्सं संधी व्यक्तियों पर सूचना की तानी न से 30 दिन की प्रविध जो भी अविध बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी का व्यक्तियों में से किसी ज्यारत डारा;
- (प्र) इप कृतना ६ रामनत में त्रांशान की लारोब से 45 दिन के नीकर खबा स्थाकर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्तरी के पत्स जिन्नित ने किए ता सकोंगे।

स्नब्दोत्तरम - - इसर्वे प्रमुक्त गर्की और पदीं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित, तैं, वही अर्थ हीगा को उस प्रश्नाय में विया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति युकान नं० 5395-डब्ल्यू-3/2192 बी०-11 जोकि प्रनाज मण्डी प्रम्बाला में स्थित तथा जिसका भौर प्रक्षिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ती प्रम्बाला के कार्यालय में रिजस्ट्री-कर्माक 1748 दिनांक 7-8-1979 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल संक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्वन रेंज, रोहनक

तारीख: 29-2-1980

र० से अधिक है

प्ररूप प्रार्धे० टी० एन० एस०--

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्थन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 29 फरवरी 1980

निकेश स० के० एन० एल०/31/79-80--अतः मुझे गो० सि० गोपाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/-

और जिसकी स० मकान न० ६०-110, मोहरूक्षा मुगलान करनाल है तथा जो करनाल में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसची में श्रीर पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनाल में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1909 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः अस, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :---

1. श्री रामधितामल पुत्र श्री भेदिया राम निवासी करनाल।

(भ्रन्सरक)

2. श्री गोपाल दास पुत्र श्री जय राम मकान न०एम० मी०/ XÎV-160 (ई०-10) मोहल्ला मुगलान मुगाप गेट करनाल-132001।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो
 भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा।
- (ख) इस सूचना के राजनत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति सकान न० ई०-110 मोहल्ला मुगलान जोकि करनाल में स्थित है तथा जिपका जायदाद विवरण रजिस्ट्री-कर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्रीक्रमांक 3412 दिनांक 6-8-1979 में दिवा गया है।

> गो० सि० गोवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरिक्षण), ग्रर्जन रेंज, रोहतक

नारी : 29-2-1980

प्रकप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्मालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्णन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनोक 3 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० एम० बी०/21/79-80---यतः मुझे गो० सि० गोपाल

धायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/-द० से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० मकान नं० 320-बी० माउल टाउन है तथा जो श्रम्बाला शहर में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध अनुस्वीमें धौरपूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रम्बाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रमस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोश्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी घाय की वाबत, उक्त घछि-नियम के घछीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य आक्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायंकर भिन्नित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिन्नियम या धन-कर भिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, भव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयंत्: ---

- श्री कस्सूरीलाल, स्रजप्रकाश पुत्रान श्री मुलबाराज निवासी-320-बी० माइल टाउन भम्बाला शहर। (भन्तरक)
- 2. श्री बलदेष राजपुत्र श्री मूल**ख** राजनियासी माडल टाउन ग्रम्बाला शहर।

(अन्तरक)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबत धिनियम के धडमाय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्य होगा, जो उस अडगाय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 320-ष्टी० जोकि माङल टाऊन श्रम्बाला शहर में स्थित है तथा जिसका जायघाध विवरण रजिस्ट्रीकर्ता श्रम्बाला के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2010 दिनांक 13-8-1979 में दिया गया है।

गो सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, रोहतक

तारी : 3-3-1980

प्ररूप माई० टी० एम० एस०----

भायकर भिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 मार्च 1980

निर्देश सं० जे० डी० आर०/6/79-80 अतः मुझे गो० सि० गोपाल

मायकर घिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के भाषीन सभम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हमए से मिष्ठिक है

और जिसकी सं ० मकान दो दुकान व आंगन है तथा जो हमीदा कालोनी यमुना नगर में स्थित है (और इपसे उपावद अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ना अधिकारी के कार्यालय जगाधरी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीन, तारीख जुलाई 1979 का पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रथमान प्रतिफल के लिए प्रश्तरित की गई है भौर मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य उसके वृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पुन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिव क रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तने बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम 1957 (1957 का 27) के आयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः भव उन्त अधिनियम की धारा 269ग के भनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— 12—36GI/80 1. श्री हरबन्स सिंह जोगिन्द्र मिंह पुत्रान श्री माया सिंह मकान नं० 537, खालमा कालेज के पास हभीदा कोलोनी, यमना नगर।

(अन्तरक)

2. श्री जगतजीत सिंह, वलवन्त सिंह, श्री मन्सा सिंह, वलदेव सिंह पुत्रान श्री जगतजीत सिंह मकान 239, भाटियानगर युमना नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजप अमें प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उक्त श्रिक्षि-नियम के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित हैं वही भय होगां जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है ।

अमुसूची

सम्पत्ति महान नं० 239 जोकि भाटिया नगर युमना नगर में स्थित है नथा जिपका जायादाय विवरण रजिस्ट्रीकर्ता जगाधरी के कार्यालय के रजिस्ट्री कमांक 1712 दिनांक 2-7-1979 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सं<mark>क्षम प्राधिकारी,</mark> सहायक द्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोह्तक

तारीख: 5-3-1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०—

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भाषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० एस० आर० एस०/29/79-80- ⊷अत: मुझे, गौ० सि० गोपाल

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/→ रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कृथि भूमि 231 कनाल है तथा जो कोटली (सिरसा) में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारों के कार्यालय, (मिरसा), में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृषयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार पूरुम, उनके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरम् लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरम से तृई िकसी श्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्य में कनी करने या उससे बचने में भृविधा के लिए ; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारती । त्राय कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

पतः, भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त प्रिविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रर्थात् :→ श्री राझा राम, बागराम पुत्र बधेलाराम दर्शन राम, क्रुण्ण राम, पुत्र श्री बागराम, लछमन दाम, लाल चन्द अर्जन दास कालूराम माधा रामपुत्र श्री वसाखा राम सुचान।

(अन्तरक)

 श्री धामूराम , मुन्नी राम करम चन्द पृत्र श्री पालू राम निवासी राधो लुहारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामीज से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति से हितखद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोक्तरण :→-इतमें प्रयुक्त शब्दों स्रौर पदों का, जो उक्त स्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं स्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

सम्पत्ति कृषि भूमि 231 कनाल जो कि गांव कोटली में स्थित है तथा जिसका जायदाद विवरण रजिस्ट्रीकर्ता सिरमा के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2178 दिनांक 12779 में दियागया है।

> गो०सि० गोपाल स**क्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंग, रोहनक

नारीख: 11-3-1980

पोहर :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मद्रास

मद्रार दिनांक 5 मार्च, 1980

निर्देग सं० 27/जूलैं/79, यत[.] मुझे, औ० आनन्द्राम भ्रायकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इप्ते परवात् 'उक्त श्रीधनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रजी। सन्नम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये से म्रधिक और जिसकी सं० 26 कृष्णाप्पा मकान है, जो नाईकैन टेंक स्ट्रीट मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता कृधिकारी के कार्यालय, मद्राम नार्थ (डाक नं० 2828/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण कृधिनियम, 1908 (1908 का 16) के (भ्राधीनजूल 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुग्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है मौर मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे म्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम, के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उनत मिधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उनत श्रधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्री पुरुषोतम पिल्लै ।

(अन्तरक)

श्रीमती राजेस्वरी।

(अन्तरिती)

को यह सूतना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरग:--इसमें प्रवृत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रथी होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2828/79 जे० एस० आर० मदास नार्थ

भूमि और निमार्ण ढोर० नं० 26, कृष्णापा मकान नाईकैन टेंक स्ट्रीट, मुद्रास-600001।

> मो० आनंद्राम सजन प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्गारेंग, नद्रास

तारीख: 5-3-1980

प्रकप धाईं €ी ० एत ० एस ० ----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भावकर प्रायुक्त (निरोक्षण)

श्चर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, धिनांक 5 मार्च 1980

निक्षा सं० 110/8 जूलै/79—यसः, मुझे, ग्रो० ग्रानद्राम बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिलियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000-/ ए० से बाधक है

भौर जिसकी सं० 43 पेतिमन रोड है जो एगमोर मद्रास-8 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पेरियमेंट मद्रास (डाक नं० 752/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जूलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है भीर पृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके डृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रतिरित्ती (प्रक्तिरित्त्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपस् अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायस्त्र में कमी करने या उससे क्वने में सुविश के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 57) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारी प्रकट नहीं किया गया या या किया जन्ना चाहिए चा, छिपाने में सुविज्ञा के किए;

भतः, भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के अजीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, मर्थात्:--- 1. श्री ए० पी० चंद्रसेखरन।

(भ्रम्तरक)

2. श्री श्रमरलाल किशनदास।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आबोप:-

- (क) इस सूचना ने राजपत में प्रकाणन की तारीक्ष से 45 विन की भविष्य गतस्तम्बन्धी व्यवित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष, जो भी भविष्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीबा से 45 विन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रम्य क्यक्ति द्वारा, मंद्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्विता हुआ है।

स्पर्विता हुआ है।

अमुस्ची

डाकूमेंट नं० 752/79 एम० ग्रार० श्रो० पेरियमेट भूमिडोर नं०43 पेतिमन रोड़ मद्राम एगमोर मद्राम-8।

> ग्रो० ग्रानंद्राम सक्तम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

तारोख: 5-3-1980

प्रकृप धाई• टी• एन॰ एस॰-----

आयकर प्रधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज मब्रास

मद्रास-8, दिनांक 5 मार्च 1980

निर्देश स० 109/जूलै/79—न्यतः मुझे, श्रो० श्रानण्डाम भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 2:69-ख के अजीन सप्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वारत तन्यति, जिलका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व• से अधिक है

श्रीर जिसकी स० नमी न० 43, पेंतिमन रोड़ है, जो एकमोर, मद्रास 8 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पेरिममेंट, मद्रास (डाक न० 751/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जूलै 1989

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मून्य से कम के बृथ्यमान प्रतिफल के लिए भन्तिरत की गई है भीर मृते या विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृथ्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे वृथ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत प्रधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तिरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के ध्यकीन कर देने के ध्रन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा पण्य प्रास्तियों को, जिल्हें भारतीय धायकर घछिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त घछिनियम, वा धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्सिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया या किया जाना चाहिए वा, खिपाने में सुविधा के जिए;

चतः यव, उक्त पिंचितियम की धारा 269-न के अनुसरन में, में, उक्त पिंधितियम की धारा 269-च की उपश्चारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवीत्:--- १. श्री ए० एम० पोन्नप्पन।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती मोहनी ग्रमरलाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई नी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजनल में प्रकाशन की तारीब से
 45 दिन की धवंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धवंधि, वो जी
 धवंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपक्ष में अक्सकात की कारीका के 45 दिन के शीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में विकास किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्दस्ताकारी के भास किखित में किए जा सर्वोंने ।

राजी तरण --इपर्ने अयुक्त गडरों और पदीं सा, जो खबत बाधिनियम के धड्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही प्रवे होगा को उन घडनाय में विवा वया है।

अनुसूची

डाक् मेंट नं ० 751/79 एम० स्नार० स्रो० पेतम पेरिममेट मद्रास भूमि स्नौर निर्माण डोर नं ० 43, पेंतियन रोड़, एगमोर मद्रास-8।

> श्रो० श्रानन्द्राम स्वतम प्राधिकारी सहायक श्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, मद्रास

तारीख: 5-3-1980

प्ररूप धाई • टी • एन • एस •

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, अहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास 21, दिनांक 5 मार्च 1980

निर्देश सं० 15/अगस्त/79—-थतः मुझे श्रो० श्रानद्राम आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 45) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नमो न० 22 III लेन है, जो सेबीसम्मन कोमील स्ट्रीट मद्राम 21 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीध-कारी के कार्यालय, रामपूरम, मद्रास (डाक नं० 1149/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख श्रगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह शिष्टास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचत बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच एसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से किवत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पा उससे कबने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या घ्रन्य आस्तियों को जिन्हें भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अता अब, उन्स अधिनियम की धारा 269 ग के अनुनरम में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1 श्री एम० सतानन्दम श्रौर सातिमों
 - (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जी० कमलीस्वरन पंवर एजन्ट एम रामन। (स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियाँ करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कौई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों कोर पर्वो का, जी उक्त मधि-नियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं सर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकूमेंट नं० 1149/79 एस० ग्रार० श्रो० रामपूरम मद्रास

भुमि श्रीर निर्माण डोरन० 22, III लेन, सेन्नीमम्मगन कोथील स्ट्रीट, मद्रास-21

> ग्रो० ग्रानन्द्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, मद्रास-21

तारीख: 5-3-1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोज्जण)

प्रजन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० 36/जूलाई/79 → यतः, मूझे, ओ० श्रानन्दाम, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 37 ईस्ट चिन्नै स्ट्रीट है, तथा जो मदुरै में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुदुमध्यम, मदुरै (डाकुमेंट सं० 1117)/79 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनिपम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन तारीख जूलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरफ के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्थित उद्श्य से उक्त प्रम्तरण निखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) घग्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में भनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त पिधिनियम, की धारा 269-ग के प्रतु-सदण में, में, उक्त अधिनियम की प्रारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, अथीन :--- 1. श्री एच० एस० मृंडा सैट

(श्रन्तरक)

2. श्री के० जी० रामसामी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-ियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

डाकुमेंट नं० 1117/79 एस० झार० श्रो० पुदुमखंपम, मदुरे भूमि श्रौर निर्माण—डोर नं० 37, ईस्ट चित्र स्ट्रीट, मदुरे ।

> श्रो० श्रानन्दम स**क्षम प्राधिकारी** सहायक <mark>श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 7-3-1980

मोहरः

प्रकार आहि। डी॰ एउ० एउ० ----

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के भवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजॅन रेंज, मद्रासः कार्थालय मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निदेश सं० 43/जूलाई/79—यतः, मूझे, भ्रो० भानन्दम, न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उनके अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रभीत सभाग प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानक संगीत जित्रका उन्तित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भ्रिषक है

ग्रीर जिसकी सं० 9/2 (2 डब्ल्यू०/5) मुख्यकारन सालै है, तथा जो I स्ट्रीट, मदुरें में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रम् सूची में भीर पूर्ण रूप से बिजत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ठल्लाकुलम, मदुरें (डाकुमेंट नं० 2713/79) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जूलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिकल के लिए प्रकारित की गई है भीर मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यकान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पत्प्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर प्रकारक (प्रकारकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रकारण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उत्तरे वजने में दुनिशा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी हिसी आय या हिसी धन या अय्य आस्तियों को, निन्हें भारतीय आतहर अधिनियम, 1922 (1922 हा 11) या उक्त अधिनियम, या धन-हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में नुष्का के लिए;

मत, सन, उन्त भिक्षितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधितियम की धारा 269-म की उपक्षारा (1) के संधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, प्रथीत 1. श्रीडब्स्यू० जी०नेपियर

(म्रन्तरक)

- 2. (1) श्री ई० जान रूपकुमार सेम्बेल,
 - (2) श्री आशा कस्तूरी रूप कुमार

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधौहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: - दक्षमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त धिविनयम कि अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्य होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2743/79 एस० ग्रार० भ्रो० ठल्लाकुलम मदुरै भूमि श्रौर निर्माण∽डोर नं० 9/2 (2डब्ल्यू/5) कुहविकारन सालै 1 स्ट्रीट, मदुरै।

> श्रो० श्रानन्दम, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, मदुरै

तारीख: 7-3-1980

प्ररूप भाई • ही • एन ०' एस • ----

थायकर ग्रधिनियम, 1961 .(1961 का 43) नकी बारा 269-घ (1)-के.ग्रधीन सूबना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I, मब्रास मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्वेश सं० 23/जुलाई/79—यतः, मूझे, म्रो० मानन्द्राम, अध्यक्तरः मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, -जिसका 'उचित वाजार मूल्य 25,000/- व्यये से अधिक है भौर जिसकी सं० 39, प्रशातून रोड, है, तथा-जो रामपुरम, मद्रास-13 में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (डाकुमेंट नं० 2739/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जूलाई -1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिलत बाजार स्मृत्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तिरिक की गई है कीर मृते यह विश्वाम करने का कारण है कि स्यमानू क्रेंन क्षेत्रपति का जिलता बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है पौर सन्तरक (क्षण्तरकों) पौर प्रमृत्य प्रतिशत से प्रधिक है पौर सन्तरक (क्षण्तरकों) पौर प्रमृत्य प्रवास क्षणा प्रविक्रल निम्नलिखित से स्वयं प्रविक्रल निम्नलिखित है से क्षणा स्वयं प्रविक्रल निम्नलिखित है से क्षणा स्वयं स्वयं क्षणा के क्षणा निम्नलिखित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के स्निए भीर/या
- (च) ऐसी किसी भाष पर किसी घत या भन्न भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत भिष्ठित्वम, या धनकर भिष्ठितिसम, 1957 (-1957 को 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था खियाने में मुक्तिया के लिए,

्राध्यतः हत्त्रम्बद्धाः चन्न मिश्रितः विश्वन की धारा 269-ग के मन्-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा (269-कः-की: सम्बद्धाः (1) के अधीन निम्नलिजिन स्वन्तियों, अर्थातः :---13—36GI/80 2. जीमंती समारे बै

(ग्रन्तरक)

2. श्री जीव्यक्रामन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी स्वक्तको पूर्व्यक्तिस्तः व्यक्तपत्ति के प्रर्जन के जिए कार्यवाहियोक्तकरताः हूं।

ंतकतः सम्पत्ति≓के वर्जन के सम्बर्ध में कीई भी घाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विनं की अविध या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विनं की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से "किसी व्यक्ति" हारा;
- ्रं(ज) इस्,भूचता के दाजपत में प्रकाशन की ताडीबः से 2.45 विन केंद्रशीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्व. किंसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

श्चाक्रीकरणः :--त्वसर्वे अपूक्त बक्दोंत्कीरः पथीं कात्र जोत्ववतः समि-त्र विषयः के आक्षायः 20-कः में परिचाधितः हैं;ः बाही . सम्बंहोगात्र जो स्वसः अध्यायः में विषयः वया है ।

ः अनुसूँची

ःश्रहाकुमेंट नं० 2739/19 जे० एस० ∵क्सर० मद्रास नार्थ भूमिः भौरः निर्माण क्रकोर ानं० :39, ऋसातून रोड, रामपुरम, नद्रास-33 ।

> ग्रो० ग्रानस्द्राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंक I,ःसन्नास

तारीख: 7-3-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० 49/जुलाई/79---यत:, मुझे, भ्रो० ग्रानन्द्राम वायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने क कारण है कि स्थावर सन्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- द∙ से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 9, ग्रम्मन सन्नदी है, तथा जो स्ट्रीट, मदुरै में स्थित है (धौर इससे उपाबद अनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० मदुरै (डाकुमेंट नं० 2359/79) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, जुलाई 1979 में पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि ययानुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत्र से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर अन्त-रिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) भ्रन्तरण से तुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रीधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ध्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त ध्रधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— 1. श्रीमती एस० भार० रत्तीनम भ्रम्माल

(मन्तरक)

 श्री मैनर के० नागनाथन बै गाडियन
 —कातान चैट्टीयार

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रपुक्त गव्यों भीर पदीं का, जो भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अथ होगा जो उस भाष्याय में दिया गया है।

अन्त्रची

डाकुमेंट नं∘ 2359/79 जे॰ एस॰ झार॰ मदुरै भूमि झौर निर्माण—डोर नं॰ 9, अम्मन सम्नदी मदुरै।

> मो० मानन्द्राम सक्षम प्राक्षिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन र्रेज, मद्रास

तारीख: 7-3-1980

प्रकप भाई। टी। एन० एस।---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीन मुक्ता

भारत सरकार

कार्यौत्तव, महायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
- प्रजैन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० 50/जुलाई/79—यतः, मुझे, भ्रो० भ्रानन्द्रम, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इन्ह पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर नम्मि, जिसका उचित बाबार मूख्य 25,000/- २० से अधिक है,

प्रोर जिसकी सं० 9 प्रम्मन समदी स्ट्रीट है, तथा जो महुरें में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० महुरें (डाकुमेंट नं० 2360/79) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1979 में पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान प्रतिकत्त के निर् ग्रन्तरित की गई है ग्रीर पुने यह विश्वास करने का कारण है कि यथारू वीका संगति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है गौर भन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर भन्तरिती (अन्तरिति में) के रोव रेप ग्रन्तरण के लिए तथ पाया ग्रतिका का नित्ति उद्देश में उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दागित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उकत अधिनियम, की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्रीमती एस० भार० रत्तीनम भ्रम्माल मैनर के० मागनायन

(ग्रन्तरक)

2. श्री वै गाडियन कातान चैट्टीयार

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :- -

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (स) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उन्त मिध-नियम के भाष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा जो उस भाष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2360/79 जे० एस० म्रार० मदुरै भूमि मीर निर्माण—डोर नं० 9, म्र मन सम्रदी स्ट्रीट, मदुरै।

> घो० ग्रानम्बम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 7-3-1980

प्रकृप त्वार्थक दीलक्षण व्यवस्थान----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) मेरिसीरा 269-च (1) के अधीर सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

पर्जनेरेंजे, मद्रास मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं ०- 67/जूलाई/39-- मतः, मुझे; मोकः माक्क्यम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अधिन्यम व्यक्तियंमा कहा नामा है), की बाक्क 269-खल्के जबीनः सं अब प्राविकारी को श्वंह विकास करके का कारण है कि स्थाय सं ाति, विस्कार खिले बाजार मूक्य 25,000/- रु से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 59 सबूत पांडियन धानीलं स्ट्रीट, है, तथा जो मदुर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० भार० -2, मदुर (डाकुमेंट नं० 2743/79) में रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जूलाई 1979

तीराध जूलाइ 1979
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकत्त के निए जन्तरित की गई है, जीर मुझे यह विकास
करने का कारण है कि सभापुर्वोक्त सम्पत्ति का अभित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत्त का
पन्नह प्रति गत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भीर प्रश्तिती
(प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निस्तलिखित छहेच्य से उक्त धन्तरण लिखित में गस्तिक
क्षम से किया नहीं किया गया है:---

- (क) ध्रश्तरण से हुई किसी बाय की नावन उक्त श्राविष्य के श्रधीन कर देने के ध्रश्तरक के दायित्म में कमी करने या छससे वचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीयों आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का -22) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रयाचा या किया जाना चाहिए चा, छिपानें में स्विमा के निए;

अंत अब; खनत अधितियम की धारा 269 के प्रमुखरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपकारा ('1) के अधीर्ण में निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- ा. (1) ⊭श्रीमती⁴ीराजम्माल ग्रौर
 - (2) श्रीमती बी० सुन्दरी

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री एस० कतिरेसन चेट्टियार
 - (2) श्रीमती के श्रम्सयादेवी

(मस्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोपशः सम्पन्ति के धर्जन के निए कार्यशिक्षिण शुरू करता है।

उन्त सम्पति के अर्जन के पंजंध में कोई मी आजन :--

- (क). इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की तारीख पे 45 दिन की सबिध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोतन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (च) इस सूर्यना के राजात में प्रकाशा को तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर नंपति में हित्यत्र किसी भन्य कानित द्वारा भवोत्स्नाक्षरों के पास निविद्यार्थ किए ना यक्तेंगे।

स्पादीकरण क्तर्भे प्रयुक्त आक्दों घोर पर्वो का, जो विकतः प्रधिनियम के जिल्लाय 20-क में परिकाधित है, वही मधे होगा, जो उब प्रद्रयाय में दिया गया है।

अनुसूची

डानुमेंट नं० 2743/79 जे० एस० धार०-1, मदुरै भूमि धौर निर्माणं—डोर नं० 59, सबूत पांडिमन ध्रनिल स्ट्रीट, मदुरै ।

> श्रो० श्रानन्दम, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, महास

तारीखः: 7-3-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, मद्वास

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० 102/जुलाई। / 79--यतः, मुझे, ओ० भ्रानन्दम, भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिलका उचित मुल्य 25,000/-रुपए स श्रधिक है **ग्रौ**र जिसकी सं० 60 **है**, तथा जो श्रप्पासामी मूदली स्ट्रीट, छेरिंगटन रोड, मद्राल-31 में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पेरिमगेट, मद्रास (डाकुमेट स० 721/79) में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यपान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाम गम प्रतिकत तिम्नलिखित उद्देश ने उना प्रगरम निश्वा में नास्तिक हन से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण में दुई किसी भाग की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिख में कमी करने या उत्तरे वचने में युविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी िहती स्नाय या किसी धन या स्रन्य स्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय स्नायकर स्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त स्नधिनियम, या धनकर स्नधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उकत प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:--- 1. श्री श्रार० प्रताप

(म्र-तरक)

2. (1) डा० एन० एम० शक्तिवेल

(2) श्रीमती स्वतन्त्र शक्तिवेल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उना उन्ति के सर्वत के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजात में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मैं नपाप्त हो है हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इन पुत्राः के राजा व में व्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्बक्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्डी करगः च-इतमें प्राप्ता गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिक नियम की श्रध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थहोगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अगुसूची

डाकुमेंट नं० 821/79 एस० श्रार० ग्रो॰ पेरिसगेट, मद्रास भूमि श्रौर निर्माण—डोर नं० 60, श्रप्पासामी मुदली स्ट्रीट, छेरिंगटन रोड, चेटपट, मद्रास-31।

> ग्रो० ग्रानझ्यम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, मद्रास

तारीख : 7-3-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मदास

मब्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निदेश सं० 112/जुलाई/79-यतः, मूझे, श्रो० ध्रानन्दम, ध्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसनें इसकें पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

प्रौर जिसकी स० 193 है, तथा जो पूलमल्ली छ रोड़, मब्रास84 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनूसूची में श्रौर पूर्ण
रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पेरिमगेट,
मद्रास (डाकुमेंट न० 888/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम
1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जूलाई 1979
को पूर्वीक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्ल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुसे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्ल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्ल का पन्द्रह
प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहों किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रव, उन्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उन्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के निम्निषिखत व्यक्तियों, भ्रषीत :--- 1. श्रोमती राजेशवरी बनर्जी

(मन्तरक)

- 2. (1) श्री विष्णूदास
 - (2) श्रीकीमत राम
 - (3) श्री ग्रशोक

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समात्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :----

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत- बख किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्रव्दोक्तरण:---इत्तनं प्रयुक्त सक्दों स्रौर पदों का, जो उत्तन श्रिधितियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्य होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट न० 888/79 एस० आर० ओ० पेरिमगेट महास भूमि और निर्माण——डोर न० 193, पूत्रमल्लि छ रोड महास-84 ।

> मो० म्रानश्दम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण), भर्जन रॅंज मद्वास ।

तारीख 7-3-1980 मोहर: प्ररूप आई• टी• एत॰ एस॰----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-मद्रास

मद्वास, दिनांक 11 मार्च 1980

निदेश सं० 74/जलै 79---यतः, मुझे, ओ० आनन्द्राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1981 का 13) (जिस इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' हहा गया है), की वारा 2.69-ख के अधीत सक्षा प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सप्यत्नि, विस्ता उत्ति। बाजार मुल्य 25,000/- ६० से ⊣धिक है भौर जिसकी सं० 24, तथा जो काका तोफ रट्टीट, मदुरे में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, पुदुमडपम, मदु (डाकुमेंट नं 1222/79) में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उतित बागार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बानार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यपान प्रतिकत्त के उस्द्रह प्रतिवत से विविव है और धनारक (प्रश्तरकों) और मन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण हे लिए तय पाया गरा प्रतिफन, निम्तिविक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किमा गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; खीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिकार, 1937 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती हुन्द प्रस्ट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

भतः, भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की क्षणा 269-भ की उपधारा (1) अधीम निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री एन० एम० वारियार

(ग्र⊧तरक)

2. मैमसे इलाई (फरम)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रजंन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस पूजना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तयां पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवांग, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हा, के भीत र पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजरत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हित-बद्ध किसी अन्य गक्ति द्वारा, अधोड्स्नाक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रवृत्त शक्यों और गवों का, जो उन्त ग्रिशिनयण हैं अध्याय 20-क में परिभाणित हैं, वहीं सर्व होता, जो उस सक्ष्माय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1222/79 एस० ग्रार० ओ० पुतुमंडपम, मदुरे भूमि ग्रोर निर्माण----डोर नं० 24, काका तोफइमदुरें।

> म्रो० ग्रानन्द्वाम सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन I रेंज-, मद्रास

तारीख : 11-3-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्वास, विनांक 11 मार्च 1980

निदेश सं० 92/जुलाई/79—यतः, मुझे, भ्रो० श्रान्त्वाम, श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त ध्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 13/68बी है, तथा जो ग्राबमरबेटरी रोड, जो कोडकानल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोडकानल (डाकुमेंट न० 256/79) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और ग्रन्तरित (ग्रन्तरित्री) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त धिनियम के धिन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयन्कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उदत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, नैं, उदत प्रधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (° ` के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री लूमिस सी० पैस ए० बी० प्रार० एम० वी० गंकर-नारायण मदिलियार ।

(ग्रन्तरक)

2. पिसिकल कल्चूरल सोसायटी ट्रस्ट। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबढ़
 िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

हमडहीकरण: -- इनमें प्रपृक्त सब्दों मीर पदों का जो 'उक्त ग्रशितियम', के अध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 256/79 एस० श्रार० श्रो० कोडकानल भूमि श्रौर निर्माण--29.8 सेटम--प्रारबसरी--13/68 बी, श्राबसरवेटरी रोड, कोडकानल ।

श्रो० श्रानन्दाम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रॅज-1, मद्वास

तारीख 11-3-1980: मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम , 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-1, महास

मद्वास, दिनांक 12 फरवरी 1980

निदेश सं० 7389—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 28, बाग रोड, टी नगर है, तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विश्त है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, टी, नगर, मद्रास (डाकुमेंट नं० 940/79) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है श्रीर श्रन्तरित (श्रन्तरितयों) के बीच एसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
 - (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्नतः ग्रब, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रधीत्:—— 1. श्री पी० शनमुगम

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती कविता रानी

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के <mark>धर्जन</mark> के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की ध्रविध, ओ भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से ।कसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त घ्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं घर्ष होगा जो उस घ्रध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण---28, नया बाग रोड,टी नगर,मद्रास-17 (डाकुमेंट नं॰ 940/79)।

> राधा बालकृष्ण सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 12-2-1980

मोहर :

14-36GI/80

प्रकप धाई • टी • एन • एस • ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंश-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

राधा बालकृष्ण निदेश सं० ७४७४---यतः, मुझे, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए हैंसे प्रधिक है और जिसकी सं० 870 है, तथा जो पूनमल्ली रोड, मद्रास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास भारत (णाकुमेंट नं० 2713/79) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई 1979 यूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफलका पन्द्रह् प्रतिशत से मधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और भन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उमत ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती ग्रारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, मब, जनत प्रधिनियम की घारः 269-म के मनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अपन्तियों, अर्थात्:—

श्रीमती विजय लक्ष्मी सुन्दरम भ्रौर दूसरे

(मन्तरक)

2. पी० एन० श्राहमूरम श्रौर भ्रवर०

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण: -- हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि -नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि---870, पूनमल्ली है रोड, मद्रास (डाकुमेंट सं० 2713/79)।

राधा बाल कृष्ण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जंन रेंग्न-1, मन्नास

तारीख : 7-3-1980

प्रकप माई॰ डी॰ एन॰ एस॰------

नायकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के ग्रीपीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भागूका (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-11, मबास

मद्रास, विनांक 7 मार्च 1980

निर्वेश सं० 8626---यतः मुझे, राधा बाल कृष्ण, घधिनियम, 1961 (1961 新 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत ग्रिधिनयम' कहा गया है), की बारा 269-व के प्रधीन सम्भग प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारव है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- च० से भश्चिक हैं। भौर जिसकी सं० 285, श्री सुन्नमिनय भारती स्ट्रीट है, तथा जो कारेखाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कारेखाल (डाकुमेंट नं० 390/79) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई 1979 को पूर्विक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भ्रस्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया: ---

- (क) अन्तरण सें हुई किसी आय की बाबत, उकत बाधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रध्वरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें घायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्योजनार्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना चाहिए वा, छिपाने में सविधा के सिए;

अतः धर, उक्त अधिनियम की घारा 269-न के अनुसरण में, में, एक्त पधिनियम की बारा 269-व की उपबारा (1) के प्रवीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री वरमामबाल

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती जीबूती नोतेर मूरात बारह

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाश सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बग्ध में कोई भी खाक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधि या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर मूजना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी भविधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताकरी के पास जिल्लित में किए जा सकेंगे।

ह्पच्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पर्दो का, को उक्त घछितियम के घड़्याय 20-क में परिभावित हैं, वही धर्व होगा; को उस प्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण 285, श्री सुक्रमनिय भारती स्ट्रीट, कोरेखाल (डाकुमेंट सं० 390/79)।

> राघा बाल कृष्ण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख 7-3-1980

प्रकृष भाई० टी र एत । एस -----

आयकर अधिनिवम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, विनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० 8642—यतः, मूझे, राया जालकृष्त आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

है जिसकी सं० 20, वीरबद्र स्वामी, कोयिल स्ट्रीट है, तथा जो जिदम्बरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिदम्बरम (डाकुमेंट सं० 1803/79) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूह्य से कम के वृश्यमान असिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूह्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरित (अन्तरित में वृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरित (अन्तरित में व्यापा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है ।—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाम की बाबत उक्त जिन्न नियम के प्रचीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी माय या किसी बन या प्रज्य बास्तियों की, जिन्हें भायकर भिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिनियम, या बनकर भिनियम, या बनकर भिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना वाहिए वा, किया में सुविधा के लिए;

अतः अनः उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण |, मैं, उन्त मधिनियम की धारा 269-म की उप-धारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्री के० बालसुब्रमनिय पिल्लै

(ग्रन्तरक)

2. श्री मूतुलकषिम

(भन्तरिती)

को यह सूचना **बारी करके** पूर्वोक्त सम्पित के अर्जन के सिए कार्यशाहियाँ करता है।

उक्त सम्पति के धर्वन के संबंध में कोई भी माखेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की सर्वाध, जो भी सर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 दितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, घषोहस्ताकरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पादीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जी उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20क में परिमाषित है, वही ग्रथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण--20, वीरबद्रस्वामी कोयिल स्ट्रीट, चिदम्बरम (डाकुमेंट सं० 1803/79)।

> राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 7-3-1980

प्रकप भाई • टौ • एत • एस • -----

मायकर प्रश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्वेश सं० 8643—यतः, मूझे, राधा बाल कृष्ण आयकर धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त धिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत मञ्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 65 है, तथा जो कील स्ट्रीट चिदम्बरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चिदम्बरम (डाकुमेंट स० 1761/79) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जूलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य स कम क दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीयक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसो प्राय की बाबत, उक्त व्यक्ति-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या कियो धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविक्षा के लिए;

अतः प्रव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, में, जनत प्रधिनियम की बारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचात्:--

1. श्री देव कुमार

(भन्तरक)

2. श्रीमती कांविमती श्रम्माल

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी अरके पूर्वोक्त सम्यति के धर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप।--

- (क) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविष्ठ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचता की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी घविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्वावर सम्पत्ति में हितवह किसी ग्रस्थ व्यक्ति ग्रारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रक्षितियम के भ्रष्टयाय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसची

भूमि भ्रौर निर्माण-65, कील स्ट्रीट, चिदम्बरम (डाकु-मेंट सं० 1761/79)।

> राधा बालकुष्न सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 7-3-1980

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भारकर भायुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांकः 7 मार्च 1980

निर्देश सं० 8646—यतः, मुझे, राधा बालकृष्नं अध्यक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सञ्जम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जियका उचिन बाजार मूस्य 25,000/- स्पए से प्रधिक है

स्पए सं ग्रींसक हैं
ग्रीर जिसकी सं० 28 है, तथा जो पी० एल० स्ट्रीट कारखुठि
में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबक्ष धन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से
विज्ञ हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रींधकारी के कार्यालय, कारखुठि
(डाकुमेंट सं० 841/79) में रजिस्ट्रीकरण श्रींधनियम, 1908
(1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जूलाई 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपात बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए धन्तरित की गई है भीर मृत्रो यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपात बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्त्रह प्रतिशत से भिषक है भीर धन्तरक (धन्तरकों)
और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए
तय पामा नया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण
लिखित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) धम्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त धिनियम के घधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भ्रम्य भारितमी को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिर्मिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिर्मिनयम, या घन-कर भिर्मिनयम, या घन-कर भिर्मिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए या, छिमाने में सुविधा के सिए;

अतः, अय, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उनत अधिनियम की बारा 269-घ की वपभारा (1) भ्राधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती वलियम्में श्राचि।

(ग्रन्तरक)

2. श्री वी० ग्रार० एम० विस्वानाथन ग्रीर चोखर्लिंगम (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्रेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन की घरिष या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घरिष, जो भी घरिष बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
 किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास
 जिब्लिय में किए जा सकेंगे।

श्यक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त घितियम के घट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्म होगा जो उस धट्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण--28, पी० एल० स्ट्रीट, कारखूठि (जाकुमेंट सं० 841/79)।

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 7-3-1980

प्रकथ नाई • टी • एन • एव •----

भागकर बविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के सभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्वेश सं० 8741—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णं प्राथकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द्रपये से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० स० सं० 310 ग्रीर 311 चेट्टिपट्टू है, जो श्री पेरुमबदूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचि में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी कार्यालय, श्री पेरुमबदूर (डाकुमेंट सं० 1616/79) में रजि-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख जुलाई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के ब्रथमान प्रतिकल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और धम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) सन्तरण से हुई जिली धाय की बाबत, उन्त स्रीतियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधक्य में क्मी करने या अक्षरे बचने में सुविद्या के जिए। धीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अध्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत धिवनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के बनुबरण में, में, उक्त चिकित्यम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :---

- 1. इण्डियन जुलू कारपोरेशन
- (ग्रन्तरक)
- 2. श्री राम केमिकल काम्पलेक्स

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त ेसम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध खाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोचत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (भ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन को तारी था से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी बन्य श्यक्ति द्वारा, बधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्पब्हीकरण: --- इसमें प्रमुक्त कन्यों ग्रीर पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, नहीं ग्रयं होता, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि भ्रौर निर्माण—चेट्टिपद्टू सर्वे नं० 310, 314 श्री पेसम्बदूर ।

> राधा बालकुष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 7-3-1980

प्रकप बाई • टी • एम • एस •---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्रण)

म्रजंन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० 10276 यतः मुझे, राधा बालकृष्नं, क्षायकर े प्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के धर्मीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- ४पये से अधिक है रामर्लिग नगर जिसकी सं० 15/12, है, जो कुरुणस्वामी नायुडु लें भ्रोड कोयबम्टूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचि में ग्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी के कार्यालय, धांविपुरम (डाकुमेंट सं० 2193/79) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के भ्रधीन जुलाई 1979 को पूर्वोक्त, सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कप के बुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बुध्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से प्रधिक है और धन्तरक (भन्तरकों) भौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच वेसे प्रत्तरण के सिष् तय पाया गया प्रतिकल, निक्नलिखित बहेश्य से उनत अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है।---

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाग को बाबत उक्त मधिनियम, के मधीन कर वेने के भ्रम्तरक के बागित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनि । के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया, या मा किया जाना चाहिए था, छिपाने

अतः ग्रब, उक्त प्रधानयम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।——

- (1) श्री टी० ग्रार० वेनकटरामन (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एन० वी० वेनुगोपाल पै

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजान के संबंध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर द्वाक्त स्थावर सम्प्रति
 में हितवब किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्राथोहकतावारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त आधि-नियम के शह्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

भनुसूची

भूमि श्रीर निमाण 15/12 रामलिंगनगर कृष्णस्यामी नायडु ले श्रीड, कोयम्बट्टर (डाकुमेंट सं० 2193/79)

> राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-धा मद्रास

तारीख 7-3-1980 मोहर: प्रकर पार्द । ती । त्र । एव । ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के सधीन सूचना भारत सरकार

क्षायालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंण- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्वे सं 10297---यतः, भुष्ठः राधा बालकृष्णन् अस्पक्रर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें दसके पण्यास् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका छर्पित बाबार म्ह्य 25,000/- व• से मधिक हैं श्रौर जिसकी सं० 32/163, करूप घाँडर स्ट्रीट है, तथा जो कोयम्बट्र में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत अनुसूचि में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर (डाकुमेंट नं 3329/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जुलाई 1979 को पूर्वोक्त मध्यस्तिके उचित बाजार मूल्य से कम. के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, ससके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के परद्वह प्रतिकत से अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित छद्देश्य से छश्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है। --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नानत उक्त धित्रियम के धनीन कर देने के अन्तरक य दायिश्व में कमी करने वा उससे वचने में मुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी बन या घण्य धास्तवों को जिन्हें भारतीय धायकर धिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत धिकनियम, धा धन-कर घिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

- अतः; :- जब, उनतः - प्रतिनियमः - की - धारा - 209-न - के अनुसरक में, में, उनत अधिनियम की धारा 209-च की उप-आरा (1) के अजीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 15---36GI/80

- (1) श्रीमती न्यानसौनवरी, (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुडवलक्शमी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिएं कार्यवाहियाँ मूरू करता है।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी*्याची*प !---

(क) इस भूवना के राजपत में प्रकाशन की वारी करे 45 विन की घवशि या तत्सवंदी व्यक्तियों पर सूचना की वामी करे 30 दिन की घवशि, जी भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;

> इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख हैं 45 विश के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी सम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताबारी के पास् निचित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्तू ग्रीविनयम के भ्रष्टयाय 20-क में वरिभावित है, वही धर्व होना, जो उस ग्रध्वार्य में विया नया है।

अनुसूची

भूमि श्रीर निमार्ण 32/163, करूपा भौंबर स्ट्रीटं । कोयम्बट्टर (डाक्मेंट सं० 3329/79)

> रोधा बालकृष्णन्। सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुंद्त (निरीक्षण), भूगुर्जन रेज्या मदास

तारी**ख** 7-3-1980 मो**हर**ः प्रकप आई∙ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० 10297—यतः, मुझे राधा बालकृष्णन आयकर प्रधिनियम, 1931 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- ६० से अधिक है

भीर जिसकी सं० 32/163, करुप धौडंर स्ट्रीट है जो कोयम्बट्टर में स्थित है (भीर इससे उपाधक अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीमर्क्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्टर (डाक्सेंट सं० 3327/79 में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16 के भ्रधीन जुलाई 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिगत से प्रधिक है और यन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (पण्तरितियों) के बीच ऐसे घम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नविश्वत उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से किया नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिन्त में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अवश्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिषिनयम, या घन-कर धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अभ्यत्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः प्रव, उक्त प्रक्षिनियम की धारा 289-ग के प्रनुसरण में. में, उक्त प्रक्षिमियम की धारा 269-घ की उपछारा (1) के प्रधीन, !नम्नलिखित भ्यक्तियों, प्रचित्:-- (1) श्री न्यान सौंदरी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पेसराज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के छिए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सम्वत्ति के मंत्रीन के संबंध में कोई भी माओर :--

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्राथ व्यक्ति द्वारा, पक्षोहरूताकारों के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पर्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचावित है, वही प्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निमान 32/163, करूप घौंडर स्ट्रीट कोयम्बट्र (डाकुमेंट सं॰ 3327/79)

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्चन रेंज, मद्रास

तारीख: 7-3-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

मागकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, मद्रास भद्रास, दिनोक 7 मार्च 1980

निर्वेश सं० 10298—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन्, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं 0 19/48, है, तथा जो बिग बजार कोयम्बटूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित्त है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं 0 3286/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जुलाई 1979

1908 (1908 का 16) के अधान जुलाई 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
हे कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उकित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है,
ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविकल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक
कृप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबल उक्त ग्रंडिनियम, के अग्रीन कर देने के बल्डदक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी बन मा अन्य मास्तियों को. जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1987 का 27) के प्रयोधनार्व मन्तिग्ती द्वारा प्रकट नहीं किया बना या किना जाना चाहिए चा, छिपाने में सचिवा के निए;

अतः, धव, उक्त प्रधिनियम की बारा 269 के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269 को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ।——

- (1) श्री सी० वी० जहारा (धन्तरक)
- (2) श्री टी० के० रामन (म्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधितियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि भौर निर्माण 19/48, बिग बजार स्ट्रीट कीयम्बट्टर (बाक्मेंट सं० 3285/79)

राधा बालकृष्णन् सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज , मद्रास ।

तारीख: 7-3-1980

(ग्रन्तरक)

प्रकृप भाई० टी० एम० एस०----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, विनोक 12 मार्च 1980

मिर्वेश सं० 10301---यतः मुझे, राष्ट्रा बालकृष्णनं भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसके पश्चान् 'उनन प्रश्चिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उ**पि**त 25,000/- रुपए से श्रधिक है म्लय म्रीर जिसकी सं० 13/364, है, जो तठागम रोड कोयम्बटूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बदूर (डाक् मेंट सं 1973/79) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उन्नित बाजार मूल्य, उसके बृक्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिशत से भाधिक है भौर यन्त्रक (प्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशिय से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में |कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

मतः मन, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्घातु :---

- (1) भी एन० मनगलम भौर भदरस
- (2) वोलतराम टहलराम (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोपत सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्कन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तएसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजगन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ काकित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सौर निर्माण, 13/364, तठागम रोड कोयम्बट्टर (डाक्मेंट सं० 1973/79)

राधा वालकुष्नं सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुजन रेंज-ग्रा, मद्रास

तारी**ख: 12**-3-1980 मोहर: प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मार्च 1980

निदेश सं० 10301—अतः मुझे, राधा बासक्कष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्णात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/— ७० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० 13/346 है जो तठागम रोड कोयम्बट्टर में स्थित है भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर (डाक्सेंट सं० 1974/79 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भिधितयम, 1908 (1908 का 16) के भधीन 16 जुलाई 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत भिधिक है भीर भन्तरिती (भन्तरितीयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से सुई किसी घाय की बाबत छक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या जिसी धन या भन्य भ्राहितयों को, जिन्हें भ्रायकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

ग्रतः ग्रंब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत :--

- (1) श्री राज मनगलम ग्रीर ग्रदर्स
- (ग्रन्तरक)
- (3) श्रीमती राज राजकुमारी

(ग्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वीकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्मन्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इ.स. सूक्तना के राजपत्र में प्रकाणन की लारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बढ़ किसी अल्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषितः है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया, गया है।

प्रनुसूची

भूमि और निर्माण 13/364, तठागम रोड कोयम्बदूर (डाकुमेंट सं० 1974/79)

> राधा वालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त, (निरीक्षण) धर्जन रेंज, मद्रास

तारीच : 12-3-1980

प्रकृप भाई • टी • एन • एस • ----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

मद्रास, विनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० 10304—यतः, मुझे, राघा बालकृष्णन, क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रघीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये मे अधिक है भीर जिसकी सं० तनगम तियेटर है जो कीलपलूर, कोपी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कोपीचेट्टपालयम (डाकुमेन्ट सं० 1849/79) में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे पस्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल. निम्मलिखित उद्देश्य से उन्त अस्तरण लिबिन में बाहतविक रूप ने कविन नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाव की बाबत अवत प्रक्रितियम के धर्मने कर देने के धन्तरक के दायित्व में सभी करने या उससे वचने में सुविधा के शिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या घण्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मिंबनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या धन-कर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के धनुसरण में, में, उक्त धिक्तियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री चेन्नीमले कींडंर ग्रीर ग्रदर्स (ग्रन्तरक)
- (2) दि कोयम्बटूर थयोसिस सोसाईटी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी लश्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के प्रर्थन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (व) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा प्रकोंगे।

स्पन्डीकरण:--इसर्में प्रयुक्त शब्दों और पदीं का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही भर्ष होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

भूमि भीर निर्माण तनगम चियेटर कोलयमूल थोपी (डाकुमेंट सं० 1849/79)।

राधा बालकुष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रॉज, मद्रास

तारीखः 7 मार्चे 1980

मोहरः

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-------

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा-269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर <mark>ग्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्र**र्थन** रेज, भद्रास

मद्रास, विनांक 7 भार्च 1980

निर्देश सं० 10315—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इपके पश्चात 'उका स्रशितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/→ रूपये से श्रधिक है ग्रौर जिसकी स॰ सं॰ 158/2 ई ग्रौर 158/2 सी है, जो वेठपट्टी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्याक्षय, उद्गाल पेड (डाकुमेन्ट सं० 2297/79) में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का परद्रह प्रतिशत से ग्र**धिक है प्रो**र ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के <mark>बीच</mark> ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बावत उक्त भ्रधि-नियम, के अभ्रोन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के म्रनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथांत:---

- (1) श्री के० रामचन्द्रन
- (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कृष्णस्वामी कोंडर श्रीर अवरस (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रत्रिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि स॰ सं॰ 158/2 ई ग्रीर 158/2 सी बेठपट्टी (डाक्सेंट सं॰ 2297/79) ।

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, मद्रास

तारीक्ष: 7 ार्च 1980

प्ररूप बाई ० टी ० एन ० एस ०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज II, मद्रास मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० 10319—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

भौर जिसकी सं० 417, तलागम रोड है, जो कोयमबटूर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता भिक्षकारी के कार्यालय, कोयमबटूर डाक्मेट सं० 4566/79 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भिक्षतियम, 1908 (1908 का 16) के भिष्टीन तारीख सितम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कार्रण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिशत अधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर धिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अन्न-कर-अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः प्रव, उन्त अधिनियमं की धारौँ 269-गं के भनुसरम में, मैं, उन्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) धन्नीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:---

- (2) श्री के० वी० रालसी चाको (भन्तरक)
- (2) श्री॰ रास मनी (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :→
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित बद्ध किसो अन्य व्यक्ति बारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

भगव्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षितियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ग होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि भौर निर्माण 417, तलागम रोड, कोयमबदूर (डाक् मेंट सं० 4566/79)।

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी, तहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज=ाा, मद्रास ।

तारी**य : 7-3-1980**

नोहर:

प्रकप भाई• टी• एत• एस०⊸--

पायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, विमांक 19 मार्च 1980

निर्वेश सं० 8736—यतः मुझे, राष्टा बालकृष्णन भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के भधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचिन बाजार मृत्य 25,000/-वपए से भिक्त है

भौर जिसकी सं० 57, है जो साऊथ श्रलनघम स्ट्रीट टेनजूर में स्थित है (भौर इससे उपायद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, टेनजूर (डाक्सेन्ट सं० 2358/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1979 की पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल की एसे दृश्यमान प्रतिफल की प्रवृद्ध प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) भीर अस्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ पाया गाप्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखिन में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी पाय की बाबत उक्त प्रिमित्यम के धंधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयक्तर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती हारफ प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

ंगत: गव, उक्त पाधिनियम की घारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन निम्त्रविधित क्यक्तियों, अथीत :--16--36GI/80

- (1) श्री नारायनवास श्रीर ग्रवरेस (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नटराज जापालर (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी सरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजनत में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवेंधि, जी जी भवधि बाद में समाप्त हीती हो, के मीतर पूर्वोचत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलकर्ड किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भवतिहस्तांक्षरी के पत्ति लिखित में किए जा सकेंगे।

हरव्दीतरम: --इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उत्तत प्रधितियम के प्रध्याय 20-क में परिभाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि मौर निर्माण---57, मलनधम स्ट्रीट, टेनजूर (डाक्सेंट सं० 2358-79)

राधा बालकृष्णन, संभम प्राधिकारी, सहायंक आर्येकर आयुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज 11, मद्रास

तारीख 19-3-1980 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1980

निर्देश सं० 7475--यतः मुझे, राधा बालकृष्णन जाबकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 870 है, जो पूनमल्ली हाई रोड मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (डाक्स्मेंट सं० 2878/79), में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन जुलाई 1979)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनाथ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के धधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- (1) श्री पी० एन० श्राह्मुडम ग्रौर श्रदरस (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सी० टी० रामनाधन ग्रौर ग्रदरस (ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की श्रविष्ठ जो भी श्रविष्ठ बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण:---इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थे होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसची

भूमि भवरस---/870, पूरमल्ली हाई रोड, मब्रास (डाक्मेंट सं 2878/79)

> राघा बालकृष्णन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज II, मद्रास ।

तारीख 19-3-1980 मोहर: प्राह्म प्रार्हे और एन० एस०----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**व (**1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, II मद्रास

मद्रास, विनांक 19 मार्च 1980

निर्देश सं० 8652—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- क० से ग्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० सी० 92, है, जो फोर्ट स्टेशन रोड चिन्तामनी तिल्लैनगर ट्रिजी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता मधिकारी के कार्यालय, ट्रिजी (डाकुमेन्ट सं० 1861/79 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के स्रधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश ने उन्त प्रतरा जिन्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करते पाउन से पवने में पुत्रिया के निर्, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रवः, उक्त अधिनियम की भ्रारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भ्रारा 269-घ की उपद्यारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत् :— (1) श्री सिवाकामी ग्रम्माल

(अन्तरक)

(2) सैविराम म्नाच्ची

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की प्रविध या तस्में अंधे व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति ब्रारा प्रश्लोहरताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20 क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भूमि भौर निमाण सी० 92, फोर्ट स्टेशन रोड, तिस्लैनगर (द्रिची-18 (डाकुमेन्ट सं० 1861/79)

> राघा बालकृष्णन्। सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर घायुक्त (निरीक्षण), भ्रजैन रेंज-II, महास

तारीख: 19-3-1980

प्ररूप माई॰ ठी॰ एम॰ एस॰---

भायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-**व (**1) **के मधीन सूच**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज मद्रास

मद्रास दिनांक 19 मार्च 1980

निर्देश सं० 7343—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन भागकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रम्तीन सक्षम ग्राधि हारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिल्ला उचिन बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से ग्राधिक है

धौर जिसकी सं० प्लाट सं० 16, 17, 18 भौर 20 ए० है जो इन्डस्ट्रियल इसटेट गुयन्डी, मद्रास, में स्थित है (भौर इससे उपावक्ष में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता भिक्षकारी के कार्यालय सैदापेट (डाक्रुमेन्ट सं० 1777/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रष्टीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से मधिक है भौर मन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरन जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-क्षियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दार्ण्यत्व में कमी करवे या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर मधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धनकर मधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के समुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सधीत निम्नसिखित व्यक्तियों, प्रयोत्:---

- (1) श्री वी० कृष्णनामूरती जगदीसवरी (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एस० श्रन्नामलै ग्रौर ग्रदरस (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रशासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भत्ति में हित्बक किसी अन्य व्यक्ति बारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किमे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त श्रिष्ठि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टपाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० 16, 17, 18 भीर 20 ए०, इन्छस्ट्रीयल स्टेट गुयन्डी मद्रास (श्राकुमेन्ट सं० 1777/79)।

> राधा बालकृष्णन, समम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज II, मद्रास ।

तारी**ख** 19-3-1980 मोहर: प्रक्ष बाई० टी० एत० एस०----

ब्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीत सुचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक आयाकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1980

निर्वेश सं० 7479—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' हहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है

भौर जिसकी सं० 848, मौजन्टरोड, है जो मब्रास-2, में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ट्रिपिलकेन (डाकुमेन्ट सं० 576/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्तिरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफत निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप ने कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तते बचने में युविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राप्त र प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधितियम, याधन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रकारिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)के प्रधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) आर्थी माता सभा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बी० रामदास सूरया बाई

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तक्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों हो
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्मत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रधीहस्ताकारी के पास शिखित के किये जा सकेंगे।

ह्मच्छीकरम : इसमें प्रदुवत शब्दों भीर पर्वो का जो जक्त भिक्ति नियम के मध्याय 20 ह में परिभाषित हैं वही भूषे होगा जो उस भाष्याय में विया गया है।

अमुसूची

भूमि श्रौर निर्माण-848 मौजन्ट रोड, मद्रास-2 डाकुमेन्ट सं० 576/79)

> राधा बालकृष्णन, सक्षम प्राधिकारी, सञ्जायक ग्रायकर मायुक्त (निरीकण), ग्रजैन रैंज-II महास

तारीख 19-3-1980 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-धु (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1980

निर्देश सं० 7396 → -यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है।

मौर जिसकी सं० प्लाट 13 ई, है, जो धोमस रोड मद्रास-6 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वींगत है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकुमेन्ट सं० 1002/79) में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1979

को पूर्वाक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कृषित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री पी० एस० दनलक्षमी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती नूरजेहान जफारदीन भौर नावालग राषीं व कासम (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित्यव्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि भौर निर्माण C ½ भाग शेयर प्लाट 13ई, मब्रास-6 (डाकुमेन्ट सं॰ 1002/79)

> रा**धा बालकृष्ण**न स**क्षत्र** प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 19-3-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 980

निर्देश सं० 7396—यतः, मुझे, राधा बालकृष्तं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० प्लाट 13डी है जो थ्रोमस रोड मद्रास-6 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता स्रधिकारी के कार्यालय टी० नगर डाकुमेंन्ट सं० 1001/79) में रिजर्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16 के स्रधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री पी० एन० भारमाधम भौर भवरस (भन्तरक)
- (2) श्रीमती नूरजेहान जफारहोन भ्रौर अदर (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20 के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

प्रमुजूची

भूमि भौर निर्माण (5/40 भाग) प्लाट 13डी ग्रिमस रोड, मब्रास 6।

(डाकुमेन्ट सं० 1001)

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) मर्जन रेज-Ш, महास ।

तारीख: 19-3-1980

मोहरः

प्ररूप आर्थ. टी. एम≉ एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1980

निर्वेश सं० 7396—यतः, मुझे राधा बालकृष्न, आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

प्रीर जिसकी सं० पलाट एफ०, हैं जो ग्रीमस रोड, मद्रास-6 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप् से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी के कार्यालम, टी० नगर (डाकुमेंट सं० 1000/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16 के ग्रिधीन जुलाई 1979

को पूर्वाक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रह्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रह्ममान प्रतिफल से, ऐसे ब्रह्ममान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— (1) श्री पी० एस० फ्लनी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती नूरजेहान जफोरद्दीम भौर भदरस (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 विन की अविधि या तर्भक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 70-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्चो

भूमि ग्रौर मकान-13 एफ०, ग्रीमस रोड, मद्रास-6 (1/3 भाग) (डाकुमेंट सं० 1000/79)

> राधा बालकृष्णन, सक्षम ग्रीधकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज

तारीख: 19-3-1980

प्ररूप आई० टी० एन एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1980

निर्देश सं० 7396—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन, अग्रमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० पलाट 13 ई हैं जो ग्रीमस रोड, मद्रास-6 में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रष्टिकारी के कार्यालय टी० नगर (डाक्क्नेंट सं० 999/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रष्टिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रुपीन जलाई 1979

1908 (1908 का 16) के प्रधीन जुलाई 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिशत अधिक है प्रीर अन्तरक (अन्तरकों) प्रीर अन्तरिती
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भन्नि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ब्र) मेंसी किसी भाग मा किसी धन या अन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भनः अब, छक्त मधिनियम, की धारा 269-च के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---17—36GI/80

1. श्री पी० एन० सूरया और अदरस

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती नूरजेहान जफारदीन श्रौर ग्रदरस। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशित की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-वस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोत्रस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पढड़ीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर मदों का, जो खक्त भ्रितियम के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रयं होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि स्नौर निर्माण 13 ई, ग्रीमस रोड, मद्रास-6 (5/40 शेम्रर डाक्मेन्ट सं० 999/79) ।

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

सारी**ख**ः 19-3-1980

प्ररूप आई• टी॰ एन॰ एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-∏, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1980

निर्देश सं० 7397—यतः मुझे राघा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उषित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है।

मौर जिसकी सं० पलाट 13 एफ है जो मीमस, रोक मद्रास-6 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकुमेंट सं० 998/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्त व्यक्तियों, अर्थात्:—-

(1) श्रीपी० भार० विजयकुमार

(अम्तरक)

(2) श्रीमती नूरजेहान जफरावीन

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौंक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्क्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त कथां और पदों का, वा 'उथक अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, वा उस अध्याय में विया गया है।

प्रमुखी

मूमि भौर निर्माण-पलाट 13 एफ, ग्रीमस रोड, महास (1/3 सेयर)।

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर आयुक्त (निरोक्षण) धर्जन रेंज-II, मद्वास

तारीख: 19-3-1980

मोहरः

प्ररूप बाई ० टी० एन० एस०-

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर जायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-∏, मद्रास

मदास, दिनांक 19 मार्च 1980

निर्देश सं० 7396—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

भौर जिसकी सं० प्लाट 13 एफ है, जो ग्रीमस रोड, मद्रास-6 में स्थित है (भौर इससे उपाबद नअनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्राधकारी के कार्यालय टी० नगर (डाकुमेंट सं० 997/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 17 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की गायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/था
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः वद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिवित् व्यक्तियों अर्थात्:---

- (1) श्री पी॰ टी॰ समपतकुमार । (भन्तरक)
- (2) श्रीमती नूरजेहान जफारदीन । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा चो उस अध्याय में दिया गया ही।

भूमि ग्रौर निर्माण-13 एफ, ग्रीमस रोड, नद्रास-6 (1/3 क्षेत्रर)।

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन र्रेज-II, भद्रास

तारीख: 19-3-1980

माहरः

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर मितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 2699 (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रजंन रेंज, महास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1980

निर्देश सं० 7396—यतः मुझे राधा बालकृष्णन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इमर्में इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका छितित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है, ग्रौर जिसकी सं० प्लाट 13 ई है, जो श्रीमस रोड मद्रास-6 में स्थित है शौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकरण श्रधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकुमेंट सं० 996/79) में भारतीय रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है मौर मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित बहेब्य से उक्त प्रश्नरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; खोर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी बन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री पो० ए० सीतफलकमी

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमंतीं मूरजहान

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के श्रंजीत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिमीं पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रेविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध
 किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे !

श्यक्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जी धक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहो अर्व होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रीर निर्माण प्लाट 13 ई श्रीमस रोड, मद्रास-6 (1/3 शेयर) (डाक्सेंट सं० 996/79)

रांधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-II, मद्रास

तारीख: 19-3-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भावकर विधिनियम, 1981 (1981 का 43) की घारा 289-म (1) के भवीत सुचना

मारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर मामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 मार्च 1980

निर्देश सं० 10267—यतः मुझे राधा बालकृष्न आयंकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उका प्रतिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन नजन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नंगति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० 30, मद्रास कालिकट रोड है जो श्रवनाशी, कोथमबटूर में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रवनाशी (डाकुमेंट सं० 1192/79) में रजिट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16, के श्रधीन जुलाई 1979

में पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्सरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है दि यथापूर्वोकन संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रविकास मित्रक है और बन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पण्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन्तिविका उद्देश्य से छक्त अन्तर्रण लिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नक्षी किया गया है:—

- (त) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की नावत उनत प्रधि-नियम के संधीत कर देने के धस्तरक के दायिस्य में सभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किमी प्राय या किमी घन या अन्य प्रास्तियों को. जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्क ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, छिपाने में सुविका के जिए;

अतः यन, उत्तर प्रधिनियम, की धारा 269-य के प्रमुखरण में, में, उत्तर प्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधात्।——

- (1) श्रीमती दैवयानै भ्रम्माल (श्रन्तरक)
- (2) श्री सरसवती भ्रम्माल (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवंत सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (ता) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में सनाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के मीनर उक्त क्यावर संपत्ति में हित~ बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहण्ताकारी के पास निश्चित में किए जा मकींगे।

हरवडीकरण: --इसर्ने अयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुस्ची

भूमि ग्रौर निर्माण 30, मद्रास कालिकट रोड, ग्रवनाशी (डाक्टमेंट सं० 1192/79)

राधा बालकुष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅज, मद्रास

तारीख: 20-3-1980

प्ररूप भाई। टी०एन० एस०----

भागकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, विनांक 21 जनवरी 1980

निर्देश सं० ए० भ्रार०-I/4220-3/जुलाई/79—श्रतः मुझे व्ही एस० शेषाद्रि,

ब्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-रुपये से प्रधिक म्ह्य ग्रौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 84/6 है तथा जो सायन डिबीजन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 19-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के तिए ता गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कियागया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखत व्यक्तियों, अर्थात:—-

- 1. 1, श्री के० एन० भाटिया 2. एन० धार० रंगनाथन
 3. एस० रामकृष्णन 4. के० धार० गुलशन 5. सी एल० वेलचा 6. विरामल मोहनदास 7. के० टी० विजलानी (धान्तरक)
 - राभेण्यर को० ग्रा० हा० सोसायटी लिमिटेड। (ग्रन्तरिती)

3. (1) श्रीमती माया एन० लाखानी (2) श्रीमती मीना-कुमारी बी॰ सोनी (3) श्री शामजी बरजन (4) हारीया (5) श्री एस० मुलजी वालजी (6) श्री बीजलाल हिराचंद छाबलानी (7) से (11) श्री जै॰ प्रार॰ गुलशन (12) श्री नीरांजन ग्रार॰ चावला (12. ए॰) श्रीमती राधाबाई जो छयनानी (13) श्रीमती श्रामा लेलाराम चावला (14) श्री नुर महम्मुद (15) श्रीमती लक्ष्मीबाई जी ग्रहजा (16) श्री एन० ग्रार० रंगनाथन (17) श्री खइराम नारायनदास भाटिया (18) श्री रामचंद के राधाकुष्णन (19) श्री बी० वी० सूर्यनारायना (20) श्री बी॰ राघवन, (21) श्रीमती सरस्वती बाई शानमार्ग (22) श्रीमती मेधाबाई किशनचन्द भाटिया (23) श्री ए० एच० गुलशन (24) श्री एम० ग्रार० ग्रासरानी (25) श्रीमतो भागोबाई ग्रार० ग्रासरानी (26) श्री महेश जी० चेतनानो (27) श्रो श्रीरुप्रार० ग्राप्तरानो (28) श्रोमतो लक्ष्मी पी० खोलनानो (29) श्री तक्ष्मो वद नारूमल (30) श्री नवलराय श्राय० तहेलियांनी (31-32) श्रीमती ईंदिरांखन्ना, (33) श्रो एम० के० पारोख (34) श्रोतती जी० के० शारदा (35) श्रीमतो पारवतो बाई हरीराम खीलवानी (36) श्री किशनवंद भ्रार० नाथन (37) श्रो एल० एन० (38) श्रा मुदरा पांडियन (39) श्रो मोनीलाल रुचीराम जयसोगांनी (बहु ब्यायत, जिसके ग्रधिभोग में सम्मत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के <mark>प्रजीन के</mark> लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्यक्ति में हितवक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रिधि-नियम के श्रष्टगाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रष्टगाय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० 772/62/बंबई उपरजिस्ट्रार ग्रिधिकारी द्वारा दिनांक 19-7-1979 को रजिस्ट्रर्ड किया गया है।

> बी० एस० **शेवाद्रि** सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण), भ्रजेन रेंज-^I, **बस्बई**

तारीख: 21 जनवरी 1980

प्रक्ष प्रार्थ० टी • एन० एस • --

आयकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीत सूचना भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक श्रायकर भागुक्त (निरीकण)

म्रर्जन रें आ. बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 जनवरी 1980

निवेश सं० प्र० ग्रार० 1/4228-11/जुलाई 79---**मतः** मुझे व्ही० एस० शेषाद्रि, अधिमियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सधीत नामप्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- ४० से अधिक है भीर जिसकी सं० सी० एस० नं० 518/10 है तथा जो माट्ग डिवीजन में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 20-7-1979 को पूर्वीक्त संरक्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए ग्रन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यनान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिक्रत अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) घोर घन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे झम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निस्तिनिखल उद्देश्य से छन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत जबत अजिनयम' के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या तकत अधिनियम, या धन-कर अजिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविशा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मिसेज परीनबान रुस्तमणी जानीसी (म्रन्तरक)
- (2) 1. मितूचर पेस्तनजो डोरडि, 2. मिसेज परविन बेहराम कावराना, 3. मिसेज श्रलो मिनोचर डोरडि (श्रन्तरिती)
- (3) 1 श्री जे० सी० डांक्टर, 2. श्री ई० एफ० तारापोर 3. मिसेज के० जे० बक्सतर 4. श्री व्ही० के० श्रॉफ मिसेज डी० के० सफार 5. मिसेज व्ही० सी० दाठवाला, 6. श्री जे० ग्रार० जामसजी 7. श्री ए० एम० गांधी 8. श्री एल० सी० हनसोटिया 9. श्री के० एच० बक्चा 10. मिसेज पी० एम० गांधी 11. श्री टी० डी० दहिवाला 12. मिसेज एफ० बी० करंजा खाला 13. श्री एस० एन० राना 14. श्री एन० आर० जामसजी ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह मूचना आरी करके प्वकित सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हैं।

उन्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की सबिध या तस्संबंधी स्थिक्त में पर सूचना की तामील में 39 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में नेमाप्त होती हो, के भीतर पूर्जीक्त स्थिक्तिमों जें से किसी स्थित द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखात में किए जा सकेंगे।

रपध्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पत्रों का, जो उक्त अधिनियम के घड़्याय 20-क में परिभाषित है, बही मर्थ होगा, जो उस अञ्चाय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० नं० 109/78 (बंबई) उपरजिस्ट्रार श्रिधकारी द्वारा दिनांक 20-7-1979 को रजिस्टर्ड किया गया है।

व्ही० एस० मोषाब्रि सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, बम्बई

तारीख: 28-1-1980

प्ररूप बाई • टी • ए र० एस • ----

पायकर प्रक्षितियम, 196। (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जनवरी 1980

निर्देश सं० ए० स्रार० III/ए० पी० 345/79-80--- स्रतः मुझे व्ही० एस० शेषादि आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के आगन मधान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पति, जिनका उचित्र वानार मूच्य 25,000/- क० ने प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० एस० नं० 54 (फलनी) 53 प्लाट नं० 12 श्रौर फलनी नं० 3 श्रौर 4, 55 (फलनी 6) 76 (फलनी 1 श्रौर 4, 77 (प्लाट नं० 3, 4, 5, फलनी नं० 78) प्लाट नं० 1 79 जे० (फलनी नं० 1 श्रौर एस० नं० 1) हैं तथा जो गुडवली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बंबई में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 18-7-1979 विलख संख्या एस० 2092/78)

को प्रयोकन सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत मिलक है भीर भन्तरित का अन्तरित भी के बीच ऐसे भन्तरित की किए तय पाया गया प्रतिफल, तिम्नलिखित सहैं क्ये से उक्त पन्तरण जिखान में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर ममिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता भिवित्यम, या बन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः बब, उन। अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, जनत अधिनियम की धारा 269च की उपधारा (1) के बबीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री यशवंतसिंग विजयसिंग डोसा (श्रन्तरक)
- (2) श्री किशोर कन्ंगो (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्येचहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के प्रवेत के संबंध में कोई मो धाक्षेप:---

- (क) इस मूचना के रामात्र में प्रकाशन की बारी श के 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामोल से 36 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घन्नोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, को सकत प्रधिनियम के सक्याय 20-क में परि शिवत है, बही प्रयं होगा वो उस अध्याय में विसा गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस॰ 2092/78 उप-रिजस्ट्रार श्रिकारी द्वारा दिनांक 18-7-1979 के रिजस्टर्ड किया गया है।

> व्ही० एस० शेषाद्रि, सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-111, वस्बई

तारीख: 29-1-1980

प्रारूप माई० टी०एन० एस०----

प्रायक्तर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर भागुक्त (निरीक्रण)

ध्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी, 1980

एस० दंगटा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख हे प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कः कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 98 की है तथा जो वरिल डिव्हीजन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 20-7-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतियात प्रधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तब पावा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उनत ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृषित

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उकत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या

नहीं किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए था छिताने में मुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के श्रनु-सरग में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अगीन, निम्तिलिखत अक्तिगों, सर्वात्ः— 18—36G1/80

- (1) श्री सुमतिबाई मारोतिराम धनवदि (श्रन्तरक)
- (2) श्री कल्पना मौतिक गांधी (ग्रन्तरिती)
- (3) (1) मेसर्स ग्रोर-बो॰ प्रा॰ लि॰
 - (2) मेसर्स मेहता कारपेट शोरूम,
 - (3) मेससें मोटर इंडस्ट्रिज कं० लि०,
 - (4) मेसर्स जे॰ एल॰ मोरीसन सन अन्ड जोन्स (इंडिया) लि॰,
 - (5) मेससे टेक्सटाइल कमिटि,
 - (6) मेसर्स बा॰ डमा म्राफ इंडिया लि॰। (वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यहसूचना जारी करके पूर्वीका सन्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में निए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त मध्यों श्रीर पर्दों का, जो उक्त अधि-तियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रनुसूची जैसा कि बिलेख नं० बंबई 2023/73 बंबई उपरजिस्ट्रार भ्रधिकारी द्वारा दिनांक 20-7-1979 का रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एल० रंगटा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, बंबई

तारीख: 6-2-1980

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

आयकर घितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के घीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भावकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 18 जनवरी 1980

फा॰ सं॰ भाय॰ ए॰ सी॰/ग्रजँन/111/79-80—यतः, मुझे, एस॰ के॰ बिलस्या, आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसस पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण

क भवान सक्षम प्राप्तकारा का, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/-क्पये से मधिक है

ग्रौर जिसका मकान नं० 651/0+8 है तथा जो नागपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के

श्रधीन तारीख 25-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तिरत की गई है और मुझे यह शिश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) भौर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपस धिशियम के धनीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, अन्हें भारतीय धायकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिवनियम या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गतः श्रव, उनत अधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उनत अधिनियम की घारा 269-ए की खपधारा (1) के अधीन, निस्निसिखित स्वक्तियों, अवन्त्र

- (1) 1. श्री श्रीपद दिनकर श्रापटे, 2. श्री चाकदल श्रीपद श्रापटे, 3. श्री चंद्रशेखर दिनकर श्रापटे सभी रहने वाले गिरीपेठ, श्रग्रसेन मार्ग, नागपुर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री रामदास रामकृष्णा गायकी, मोदी लाइन नं० 2, सिताबर्डी, नागपुर । (श्रन्तरिती)

को यह सुजना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मति के श्रामैत के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप--

- (क) इस पूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ज) इन भूता। के राजान में प्रकाणा को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर तम्मति में हिनबढ़ कियो अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्दस्ताजरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्राध्डोकरगः --इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पर्श का, जो उक्त ग्रिधिनियम के भ्रष्टवाय 20 -क में परिभाषित हैं, वठी भारे ोगा जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसृधा

मकान नं० 651/0+8 सर्कल नं० 20, वार्डन 70 श्रम्भेन रोड, गिरीपेठ, नागपुर।

एस० के० बिलय्या सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, नागपुर

तारी**ब** : 18-1-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 19 जनवरी 1980

फा० सं० श्राय० ए० सी०/श्रर्जन/112/79-80--यत:, मुझे, एस० के० बिलय्या
भायकर श्रीवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पम्चात् 'उक्त श्रीवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के श्रीवित सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/स्पए से श्रीविक है

श्रीर जिसका सर्व नं० 37, मौजा पाला, त० मोर्गी है तथा जो पाला, त० मोर्गी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी के कार्यालय मोर्गी में रजिस्ट्रीकरण श्रीक्षनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीक्षन तारीख 11-7-1979

को 16) क श्राधन ताराख 11-7-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त भ्रिति-नियम के अधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या ग्रन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ग्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अप्तः अव, उन्त प्रधिनियम की भारा 269-ग के धनुतरण में, मैं, उपत प्रक्रिनियम की द्यारा 269-म की उपधारा (1) के ध्रधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रभीत्:---

- (1) 1. श्रीमती मुमनबाई प्रजाबराय काले ग्रांर भ्रन्य 2. श्रीमती मुणीलबाई चक्रधर रासे ग्रौर भ्रन्य, दोनों रहने वाली मोर्झी, जिला श्रमरावती। (श्रन्तरक)
- (2) 1. श्रीमती निलनी नारायणराव ढोले, 2. श्री नारायण शामराव ढोले, 3. श्री नामदेव नारायणराव ढोले, 4. श्री साहेबराव नारायणराव ढोले सभी रहनेवाले, मोशीं, जि० श्रमरावती। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की प्रविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के बास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मिन्न-नियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, बही भर्व होगा जो उस भ्रष्ट्याव में दिया गवा है।

अनुसूची

11.1 एकड़ कृषि योग्य भूमि जिसका सर्वे मं 37, नौजा पाला, त० मोर्शी, जिला भगरावती।

> एस० के० बिलय्या सभय प्राधिकारी स**हायक कायकर द्यायुक्त** (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, नागपुर

तारी**च**ः 19-1-1980

प्ररूप गाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजैन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 19 जनवरी 1980

फा० सं० ग्राय० ए० सी०/ग्रर्जन/113/79-80---यतः मुझे एस० के० बिलय्या, म्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ब्राचीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- रु॰ से भौर जिसका मकान नं० 681 प्लाट नं० 39-वी है तथा जो नागपुर मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 4-7-1979 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य के कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिमत अधिक है घोर अन्तरक (मन्तरकों) घोर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-

(क) अन्तरण से हुई किसी भागकी बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या

फल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उनत ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उनत ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धधीन निम्नलिखित व्यक्षितयों, श्रयति:——

- (1) श्री जी० एस० मिश्रा, तर्फे ग्रशोक ड्रेसर्स, गोले बाजार, बिलासपुर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मधुबाला के० चां ाक, नागपुर। (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उसस ग्रिक्षिनियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याम में दिया गया है।

मनु सूची

प्लाट नं० 39-बी०, मकान नं० 681, बार्ड नं० 70, तिलक नगर, नगागपुर।

> एस० के० बिलडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, नागपूर

ता**रीव** :19-1-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ठाक्कर बंगला, गिरीपेठ, नागपुर-10 नागपुर, दिनांक 23 जनवरी, 1980

फा० सं० म्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/115/79-80---यतः मुझे एस० के० बिलय्या,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रशीन सत्तन प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० प्लांट नं० 171, म्यूनीसीपल नं० 201/ 0+3, है तथा जो नागपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30-7-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितकत के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह श्रीर प्रक्ति श्रीर अन्तरित श्रीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कत निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उबत भ्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसो श्रीय या किसी धन या श्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः भव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के भन्नीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :--

- (1) 1. श्री रामभाऊ पांबुरंग राहगुडे, 2. श्रीमती शकुन्तलाबाई रामभाऊ राहगुडे 171, धरमपेठ एक्स्टेंशन, नागपुर (ग्रन्सरक)
- (2) श्रीमती जयश्री हमचन्द शाह, (2) श्रीमती कुमुद मञ्जुसुदन शाह, 171, धरमपेठ एक्स्टेंशन, नागपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी हरके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उमत समास्ति के प्रार्गत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताकरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी हरूग :- - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन्न अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 17, म्यनीसीपल नं 201/0+3, बार्ड नं 73, डी० डब्स्यू० 8, धरमपेठ एक्स्टेशन स्कीम, नागपुर।

एस० के० बिलय्या, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 23-1-1980

प्रकप बाई • टी • एन • एस •---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन धुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, ठाक्कर बंगला, गिरीपेठ, नागपुर-10 नागपुर, दिनांक 24 जनवरी 1980

फा॰ सं॰ आई॰ ए॰ सी॰/म्रजन/116/79-80---यतः मृक्षे, एस॰ के॰ बिलय्याः

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रवीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नंगति जिल्ला उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से मधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 22 शिट नं० 56 सी० है तथा जो मौजा तारखेडा, श्रमरावती में स्थित है (श्रौर इससे उनाबन्ध श्रमसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमरावती टाऊन में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 27-7-1979

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत किनितिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर,
- (ख) ऐसी किसी थाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रीधिनयम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अन, उन्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:—

- (1) बछराज फैक्टरीज लिमीटेड, श्री जिवराज जिवनदास, श्रमरावती (श्रस्तरक)
- (2) ट्रस्ट सत्यम शिवम् सुंदरम, प्रेसीइंट, ट्रस्टी, रामदेव जगन्नाथजी त्रिपाठी, ग्रमरावती (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .- -

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर एक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबग्र किसी अन्य व्यक्ति ग्रारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्वब्दी हरण :--इसमें प्रपुत्त मध्दों प्रौरादों हा, जो उन्त मधिनियम, के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्थ होगा, जो उस भ्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं० 22 शिट नं० 56सी० भौजा तारखेडा, पूराना कॉटन मार्केट के पास, श्रमरावती।

> एस० के० बिलव्या स**क्षम ग्रधिकारी** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्र**जैन रेंज**, नागपुर

तारी**च**: 2**4-1-198**0

प्ररूप भाई ० टी० एन० एस०-

मायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांत्रय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ठावकर बंगला, गिरीपेठ, नागपुर-10 नागपुर, दिनांक 30 जनवरी, 1980

सं० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन /79-80--यतः मुझे, एस० के० बिलस्या, म्रायहर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 2.69-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने जिसका उचित का कारण है कि स्थायर सम्पत्ता, बाजार मूल्य 25,000/-रुपये भौर जिसकी सं सिट नं 55 सी , प्लाट नं 23 है, तथा जो राजापेठ, श्रमरावती में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमरावती में रजिस्टीकरण नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 12-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरम के निए उस राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरम लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत ब्रिधिनियम, या धनकर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गा या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम की बारा 269-व के बनुवरण मं, मैं, उक्त धिधिनियम की बारा 269-व की उपबारः (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती ग्रहील्यावाई शिवनारायण सरय्या, रेलवे स्टेशन के पास, ग्रमरावती (ग्रन्तरक)
- (2) श्री शिवाजी शिक्षण संस्था, ग्रमरावती (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहिमां शुरू करता हूं।

उका मन्यति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सुबना के राज्यन्त में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीरपवों का, जो उकत श्रिधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

17,742.81, स्क्वेश्चर फीट जगह, जिसका प्लाट नं० 23, शिट नं० 55सी० रेखवे स्टेशन के पास श्रमरावती।

> एस० के० बिलय्या, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्त प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, नागपुर,

तारी**च** : 30-1-1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 जनवरी, 1980

निर्डेश सं ९ एस ९ 1. 528/टी ० आर०-51/सी ० 542/कल ० -1/79-80 — मतः, मुझे आई० बी० एस० जुनेजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षन प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 14/1 है तथा जो सईद साली लेन, कल० में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रीक्षक है श्रीर भन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उका अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (आ) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुकिधा के लिए;

श्रत, प्रव, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-च के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राचीत्: —— (1)श्रोमित प्रियबाला साहा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नृरूल हुक और एकजन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपक्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण :---इसमें प्रगुक्त मन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही शर्म होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

दो तल्ला मकान साथ 5 कट्ठा 10 छटाक 5 स्को० फुट जिमन जो 14/1, सईद साली लेन, कलकत्ता पर अवस्थित और जो रिजिस्ट्रार माफ एसुरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रिजिस्ट्रीकृत दिलल सं० I-4032 तारीख 25-7-1979 के मनुसार

श्राई० बी० एस० जुनेजा, सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कसकत्ता

तारीख: 19-1-1980

प्रकप माई०टो०एन०एम०--

आयकर **विशिधन, 1961 (1961 का 43) की धा**रा 269-व (1) के संतीन भूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन हेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 जनवरी 1980

निदेश सं ० ए० सी ०/रें ज-2/कल ०/19---यत:, मृझे, के० सिन्हा, भायकर श्रिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इक्षके पश्चात् 'जक्त स्रधिनियम' कहा गया 🤊), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम पश्चिकारी को यह विख्वाय करते कर कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसकः उजित बाजार मुल्य 25,000/- ४० म प्रधिक रे ग्रौर जिसकी सं० 230/1 है तथा जो रामकृष्ण सरीन वेहाला, स्थित है (यौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्वीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 23-7-1979 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार महम से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह बिगार करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृहय, उसके षुष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकत्त का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस थनारण के लिए तम पामा पामा प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य में उन्नत धस्तरण निश्चित में बास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बावत, उक्त अधिनियम के अर्थान कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना नगहर था, डियाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उन्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उन्त भिधिनियम की भ्रारा 269-भ की उपभ्रारा (1) के अभ्रीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयातः—
19—36(31/3)

(1) श्री रथोन्द्र नाथ घोष

(ग्रन्तरक) सोसाइटी

(म्र⊱तरिती)

(2) श्रजन्ता को-श्रपारेटिव हार्जीसग लिमिटेड

को यह सूचना जारो करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवादियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के वंत्रंग में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तस्सविधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबक्क किसी अन्य व्यक्ति दारा, श्रष्टोहस्पाधारी
 के पान निकित ने किये के सकेंगें।

स्तबदीकरण:--भूसमें प्रयुक्त अन्धों प्रौर वर्षों का, जो अनत प्रश्चितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, अड़ी अर्थ होगा को तस प्रध्याय में दिया गणा है।

अनुसूचो

जमिर परिमाण⊶-7 कटा रामकृष्ण सरीन वेहला।

कें० मिन्हा, सक्षम प्राधिकारी. सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रुंज, कलकत्ता

तारीख: 18-1-1980

मोहरः

प्रहरप आई० टो० एन० एस०-----

आधकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आ<mark>युक्त (निरीक्षण</mark>)

श्रर्जन रज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 जनवरी, 1980

सं० ए० सी०/रज-2/कल०/19— यतः, मुझे, के० सिन्हा आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित्र बाजार मूक्य 25,000/- र• से प्रक्षिक है

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो रामकृष्ण सरीन, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 23-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के जिंकत बाजार मूक्य से कम के वृत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिंकत बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत स्रधिक है स्रीर यह कि स्रन्तरक (सन्तरकों) और सम्परिती (सन्तरितियों) के बीच ऐसे सम्परण के लिए तथ पाथा गया प्रतिकन, निम्नलिखित उद्देश्य से जबत सम्परण लिखित में वास्तयिक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या कियाने में सुविधा के लिए ;

भतः भव, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त धिधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीन्:— (1) श्री रणेन्द्र नाथ घोष । (ग्र≑तरक)

(2) श्री भजन्ता को-म्रापरेटिब हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी इटके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिएकार्यवाहियां करता हूं।

बनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरहरू भी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवित, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्राप्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्ष्यधीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'खक्त श्रिः-नियम', के भक्ष्याथ 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो छस भक्ष्याय में दिया गया है ।

अनुसृची

जमिर परिमाण 7 काठा रामकृष्ण सरीन, वेहाला।

के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रंज, कलकत्ता

तारी**च** : 18-1-1980

मोइरः

(भ्रन्तरक)

प्ररूप भाई० टी० एन०एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजैन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 जनवरी 1980

निदेश सं० ए० सी०/रेंज-2/कल०/19 --- यतः मुझे के सिन्हा आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269- व के प्रजीत सजन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,900/- क० के प्रधिक है

भौर जिसकी सं० 230/10 हैं तथा जो रामकृष्ण सरिन में स्थित हैं (भौर इससे उपाबंद अनुसूची में भौर पूर्णकणपेरू से विणित हैं) रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिगत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत का निन्तिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि क नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या धन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुनिधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धार्रा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्यात्:---

- (1) श्री सौमेन्द्र नाथ भोष ।
- (2) श्री ग्रजन्ता को-ग्रंभारेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (त) इस सूनना के राजनत में प्रकाशन की तारी आ से 45 वित की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी सम्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पर्वों का, जो अक्त ग्रिश्वित्यम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसची

जिमर परिमाण 7 काठा, रामकृष्ण सरनि, वेहाला।

के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी, स**हाय**क श्रायक र श्रायुक्त (नि**रीक्षण)** स्रजैन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 18-1-1980

प्ररूप आई० टी० एत० एस० ------

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर प्रायुक्त (तिरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 18 जनवरी 1980

सं० ए० सी०/ रेंज-2/कल०/19—यत: मुझे, के० सिन्हा धायकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है) की धारा 269-ख के धधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से श्रीधक है

ग्रौर जिसकी सं० 230/9 है तथा जो रामकृष्ण सरीन, स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 23-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्राधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बावत, उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, ग्रीर/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रयट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत:——

- (1) श्रीमती ममता घोष ग्रौर दीपक घोष। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रो ग्रजन्ता को-ग्रापरेटिव हार्जीमग मोसाइटी लिमिटेड (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्मन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इन सूत्रना के राजगत्र में प्रकागन की तारीख से 45 दिन की स्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वर्थ**िकरण :**---इसमें प्रयुक्त शब्दों स्त्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रष्ट्याय 20क में परिभावित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन परिमाण 6 काठा 1 छटाक 24 स्कोयअर फुट। रामकृष्ण सरीन, बेहाला।

> के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 18-1-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण) प्रजन रेज-2, कलकत्ता

कलकसा, दिनांक 18 जनवरी 1980

मं० ए० सी०/रंज—2/कल०/19—यतः, मुझे, के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

ष्ठीर जिसकी मं० 230/4 है तथा जो रामकृष्ण सरिन, स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 23-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्तित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

(1) श्रीमती ग्रसिमा मित्र

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रजन्ता को-ग्रापरेटिय हार्डास सोसाइटी लिमिटेड (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

जिमर परिमाण-7 काठा-3 छटांक 23 स्कोयार फुट रामकृष्ण सरिन, वेहाला।

> कें सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) मर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारी**ख** 18-1-1980 मोहरः प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रजैन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च, 1980

सं० 667/एक्यू० म्रार०-III/ 79-80/कल०---यत:, मुझे, म्राई०वी० एस० जुनेजा

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रुपये से धिषक है और जिसकी सं० 2/2 है तथा जो पंडितिया रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय धालिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 23-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृध्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) घौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित संदेश्य से उमत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रिष्ठ-नियम, के ग्रिष्ठीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः, ग्रब, उक्त म्रिमिनियम की धारा 269-ग के म्रनु-सरण में, मैं, उक्त म्रिमिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रमीन निक्निलिखत व्यक्तियों, मर्थात्:—

- (1) श्री शिष्ठ रतन सिंह राठोर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जिबलाल साउ, नारायन साउ सिताराम साउ, नाश्यादेवी (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रार्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध म कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उकत श्रध-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उन श्रध्याय में दिया गया है।

अ**नुसूच**ी

समुचा श्रांशिक दो तल्ला श्रौर तीन तल्ला मकान साथ 3 क**ट्टा** जमीन जो 2/2 पंडितिया रोड, कलकत्ता पर श्रवस्थित।

> ग्राई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन र्रेंज, कलकत्ता।

तारीख: 3-3-80

प्र**क**प माईं॰ टी॰ एन॰ एस॰—

आयकर पंचितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के पंचीत सूचना

भारत सरकार कार्यांक्रय, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० मी० 108/रेंज-IV/कल/79-80—यतः मुझे के० सिंहा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकार को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-रुपये से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 49, 49/1 है तथा जो कालि बनर्जी लेन, हावड़ा स्थित है (श्रौर इससे उपावस प्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से बणित है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय हावड़ा में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 2-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के वृक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझें यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धृष्ण्यान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पत्त्रह प्रतिगत अधिक है भीर प्रन्तरक (ग्रम्त को) भीर प्रम्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से प्रुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रिक्ष-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अव, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के ब्राधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री सौमेन्द्र नाथ बनर्जी, रमेन्द्र नाय बनर्जी (ग्रस्तरक)
- (2) श्री चतुर्भुज ग्रगरवाला (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्यन के किए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त धान्दो भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 23-क में परिकाधित है, वही भर्य होगा, जो उस भन्नाय में दिया गया है।

अनुसूची

49, 49/1, कालि बनर्जी लेन, जिला हावड़ा स्थित 7 कट्ठा 4 छटाक 44 स्को० फीट जमीन साथ मकान का सब कुछ जैसे के 1979 का दलील सं० 1041 में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> के० सिहा, सक्तम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षक) द्यर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीचः 3-3-80

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

प्राप हर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्याजय, महायह अध्यहर प्रापुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च, 1980

निर्देश मं ० ए० मी०-109/रेंज-IV/कल०/79-80—यतः, मुझे, के० सिन्हा

ग्रायकर ग्रिश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिशिनियम कहा गया है) की घारा 269-ख के ग्रिशीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति जित्तका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रिशक है,

श्रौर जिसकी सं० 49, 49/1 है तथा जो कालि बनर्जी लेन, जिला हावड़ा में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णारूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2-7-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त प्रम्पत्ति का छचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उका अन्तरण लिखित में वास्तिव हथ से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किमी आयं की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी उसके या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धनकर श्रिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उबन श्रिश्चितियम ती धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रिधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री सौरेन्द्र नाथ बनर्जी, रमेन्द्र नाथ बनर्जी (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती प्रची देवी प्रगरवाला (ग्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अजन के यम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीन से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किसे जा सकेंगे।

स्पष्टी करगः -- - इतमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

49, 49/1, कालि बनर्जी लेन, जिला हाबड़ा स्थित 5 कट्ठा 12 छटाक 38 स्को० फीट जमीन के सब कुछ जैसे के 1979 का दलिल सं० 1042 में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है।

> के० सिन्हा, संभागप्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 3-3-80

प्रकृप भाई० टी॰ एन॰ एस॰----

आयर्कर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

क्षार्यात्रय, सञ्चायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च, 1980

सं० ए० सी० IV रिंज किल० 79-80—यतः, मुंसे, श्राई० बी० एस० जुनेजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त धर्षिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृष्य 25,090/- ६० से

श्रीर जिसकी सं० फ्लाट सं० बी० 6 है तथा जो 178 ए०, एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रालिपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 12-7-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम ने वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह की श्रीर अन्तरिक (श्रान्तरिक) धीर अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिक (श्रान्तरिकों) धीर अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरिण लिखत में वास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उसत धितियम के घथीन कर देने के धन्तरक के बाधिस्थ में अमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धारितयों को, अन्हें भारतीय आय-कर घिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठिनयम, या धन-कर घिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्या यो या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूर्विशों के लिए;

चतः ग्रन, उनत प्रक्षिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, अनत प्रक्षिनियम की धारा 269-न की नपमारा (1) के अधीन, निम्ननिधित व्यक्तियों अर्थातः—

- (1) हिमालयान को अपारेटिब हार्जीसँग सोसाइटि लिमिटेड (अन्तरक)
- (2) श्री घंचलं कुमार महाचार्य (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्ट सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

जनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूर्वना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सुम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकुद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरताक्षरी के पास लिखित में किए का संबंधि।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को ज्वस श्रिक नियम के अध्याय 20-क में परिकाणित है, बही धर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समुचा फ्लाट सं० बी० 6, छय तल्ला पर जो 178 ए०, एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता पर धवस्थित।

> ग्नाई० वी० एस० जुनेजा, सक्तम प्राधिकारी, सहायक ग्नायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज III, 54, रफी अहमद किदवई कलकत्ता

तारीख: 3-3-1980

प्रकृष धाई० टी० एन० एस०---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

धर्णन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च, 1980

सं० 678/एक्यू० म्रार० III/79-80/कल०--यतः मुझे माई० बी० एस० जुनेजा

थानकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्षण से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लाट सं० ए० 4, है तथा जो 178 ए०, एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णाख्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय श्रालिपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 12-7-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिक्रल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूर्य, उसके वृश्यमान प्रतिक्रल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिक्रल का पत्त्व श्रीक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरितों (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखा में वास्तिक का से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या धन-कर पश्चिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अक्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उनत प्रधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में में, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत, निम्ननिधित अभिनामों अर्थात्:---

- (1) हिमालयान को-ग्रपारेटिय हाउसिंग सोसा^{क्}टि लिमिटेड (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मुक्रत राय चौधरी (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी प्रविध बाव में समाप्त होती हों के भीतर पूर्वोस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीतस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्तीकरण:--इनमें प्रयुक्त गर्स्त ग्रीर गर्दो का, भी उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समुचा पलाट सं० ए० 4, चार तल्ला पर, जो 178ए०, एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकक्षा पर श्रवस्थित।

> श्राई० बी० एस० जुनेजा, सक्तम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज III, 54 रफी अहमद किदवई रोड, कलकत्ता

तारीख: 3-3-1980

मोहरः

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च, 1980

सं० 677/एक्यू० भ्रार-III/79-80/कल०—यतः मुझे भ्राई० वी० एस० जुनेजा आयकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लाट सं० ए० 3 है जो तथा 178 ए०, एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रौर भूपण्डप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय श्रालिपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरधमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरधमान अतिफल से, ऐसे दूरधमान अतिफल का पंद्रह्म प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्राधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्रियाय या किसी घन या भ्रग्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या घन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उनत अधिनियम की धारा ,269-ग के धनु-सरण में, में, बक्त धिधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात्।---

- (1) हिमालयान को-भापरेटिव हाउसिंग सोसाइटि लिमिटेड (भन्तरक)
- (2) श्री विपक रन्जन बनार्जी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त गड्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिपाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

ममुसची

समुचा पलाट सं० ए० 3, तिन तस्ला पर, जो 178ए०; एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता पर झवस्थित।

> म्राई० वी० एस० जुनेजा; सक्षम प्रधिकारी, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज ^{III}, 54, रफी अहमद किदनई रोड, कलकता

तारीख: 3-3-1980

ं प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, कलक्<mark>रा</mark>

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च 1980

सं० 676/एक्यू० भार०-III/79-80/कल०⊶स्तः मुझे भाई० वी,० एस० जुनेजा

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंग्वात् 'उनत प्रधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से मधिक है

श्रीर जिस्की सं० प्लाट सं० सी०-8, और सी० 9 है तथा जो 178 ए०, एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर, पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रालिपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख 12-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अग्तरक (अग्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अग्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अग्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रय्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः श्रवः, उत्ततः श्रधितियमः, की घारा 269-ग के श्रतुसरण में, में, उभतः श्रधितियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थांत →

- (1) हिमालयान को० प्रनारेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड (ग्रन्तरक)
- (2) श्री प्रसान्त कुमार दत्ता। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के **प्रजं**न के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जुन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूजता के राजरत में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की धनिध या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उंका स्थावर समासि में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अजीत्रस्ताकारा के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गर्दों भीर पद्यें का, जो उन्त् प्रधिनियम के अध्याय 20-त में परिभाषित ते, वही प्रथं होगा, जो उस मध्याय में दिवा गया है।

ग्र**नु**सूची

समुचा प्लाट सं० सी० 8 एण्ड सी० 9, 8वीं 9वीं मंजल पर, जो 178 ए०, एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकता पर मृबस्थित।

> माई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 3-3-1980

प्ररूप आहि । टी । एत । एस • -----

आयकर् अधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-ष् (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च 1980

सं० 675/एक्यू० भ्रार० III/79-80/कल०---यतः मुझे धाई० बी० एस० जुनेजा, षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूर्य 25,000/- व्यये से मिलिक है भौर जिसकी सं० प्लाट सं० बी०-2 है तथा जो 178-ए०, **ए**स०पी०मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्क भ्रनुसूची में भौर पूर्णा रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय भ्रालिपुर में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 12-7-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिचा बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रक्षिक है और पन्तरक (प्रस्तरकों) प्रीर प्रन्तरिती (मध्तरितियों) के बीच ऐने प्रस्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में बास्तविक कप से हिमन नहीं किया गया है:--

- (क) अस्तरण से हुई किसी प्राय की वाबत, उक्त प्रश्नित्यम के प्रश्नीन कर देने के घन्तरक के वायित्व में कमी करने या उमसे वचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (च) ऐसी किती आय या किसी धन या अध्य आस्तियों, को जिन्हें मारतीय भायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

खतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)के अधीन, निम्निजितिक व्यक्तियों अर्घात् !——

- हिमालयान को ग्रापरेटिब हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड (ग्रन्तरक)
- 2. श्री भोलानाथ मुखर्जी।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मुर्जेत के संबंध में कोई भी मार्सेंप :----

- (का) इस सूचना के राजपत में त्रकाशन की तारी थ से 45 विन की भविधि या हरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन को भविध, जो भी भविध बाद में समान्त होती हो, के भीतरपूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी वान्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षाति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टी चरन। — इसमें प्रयुक्त शब्दों मीर पर्धों का, जो उत्त मिन्न-नियम के प्रथ्याय 20-क में परिवाधित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिशा गया है।

घनुसूची

समुचा प्लाट सं० बी०-2, दो तल्ला पर, जो 178 ए०, एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता पर श्रवस्थित।

> म्राई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 3-3-1980

मोहरः

प्रकाश भाई • टी० एत० एस •----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ध्रधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च 1980

सं० 674/एक्यू०- न्नार०-III/79-80/कल० म्न्यतः मुझे आई० वी० एस० जुनेजा आयकर पिविन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्चास 'उक्त भिविन्यम' कहा नथा है), की धारा 269-ख के अधीन अन्नम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थार सम्पत्ति जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट सं० ए०-5 है तथा जो 178 ए०, एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्तामें स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय भ्रालिपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन तारीख 12-7-1979 को पूर्वीक्त संगित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान यित जिल के निए अन्तरित की गई है और मृत्ने यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (अंतरकों) और प्रकारिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निनिविधित उद्देश्य से उन्त धन्तरण विधित में वास्तविक रूप ने कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के मन्तरक के दायिस्य में कमी इसने या उसने अचने में सुविधा के खिए। धौर/या
- (ख) ऐसी कियी नात या किसी धन या प्रम्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुकरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के स्थीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत :---

- (1) हिमालयान को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड्। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बिष्णुपद चटर्जी एण्ड निमता चटर्जी (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई मी श्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी धवधि बाद में सगस्पत होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 िन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हित व किसी अन्य अभित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्सा।

स्पब्टीकरण: --इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रचितियम के अध्यान 20-क में यथा-निस्माधित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्यान में दिया गया है।

अनुसूची

समूचा प्लाट सं० ए०-5, पांच तल्ला पर, जो 178-ए०; एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता पर श्रवस्थित।

> म्राई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 3-3-1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च, 1980

सं० 673/एक्बी० श्रार०-II1/79-80/----यतः मुझे श्राई० वी० एस० जुनेजा

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट सं० सी० 8 है तथा जो 178 ए० एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में धौर पूर्णारूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रालिपुर में, रजिस्ट्रीमेंलरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 12-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है यौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राप की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (म) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में: उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- (1) हिमालयान कोश्रपारेटिव हाउसिम सोसाइटी जिमिटेड (ग्रन्तरक)
- (2) श्री णरदिन्दु नारायन दत्त (म्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पुत्रौंक्त समाति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां **गुरू** करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इप सूवता के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्गाय में दिया गया है।

अनुसूची

समुचा फ्लाट सं० सी०-8, चार तहला पर, जो 178ए०, ए० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता पर श्रवस्थित।

> श्राई० वी॰ एस० जुनेजा, सक्तम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-III, कलकसा

तारीख : 3-3-1980

प्ररूप भाईः टीं० एन० ऐसं > -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त अायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रें, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च, 1980

सं० 672/एक्वी० श्रार०-III/79-80/कल०---यत: मुझे श्राई० वी० एस० जुनेजा आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 25,000/- इ॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० बी०-3 है तथा जो 178 ए०, एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णारूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय श्रालपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रीष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12-7-1979 को पूर्वोग्त संपत्त के उचित बाजार मूल्य से कर्म के दूधमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूध्यमान प्रतिकल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिकल का पन्तइ प्रतिशत मधिक है बीर मन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे भन्तरिण के लिए तय पाया बया प्रतिकन, लिन्नलिखन उद्देश्य से उन्त प्रश्नरण निखित में बाहाबिड कर से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, इक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के झन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविक्षा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ओय यो किसी वर्ने या व्याधि असितारी को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः अब, उन्ते अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के धाधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) हिमालयान कोश्रगारेटिव हाउसिम सोसाइटी लिमिटेड। (श्रन्तरक)
- (2) श्री देवज्ञत भट्टाचार्य (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीवत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी बाधीप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अवधि यो तरसंबंधी क्येंक्सियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जी भी अवधि बाद में समाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्येंक्सियों में से किसी क्येंक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं सें 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिसेबद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रबोहरूनीक्षरी के पांस लिखित में किये जा सकेंगे!

स्पेक्टीकरण: इसमें प्रयुक्त कभी धीर पर्दो की, जी उन्त भीधिनियम के भीभीम 20-क में परिभीवित हैं, वही धर्म होगा, जो उस प्रवेशों में दिया गया है।

धनुसची

समुचा व्लाट सं० बी० 3, तिन तहला पर, जो 178 ए०, एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता पर श्रवस्थित।

> श्राई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज,-III कलकत्ता

तारीख: 3-3-1980

प्ररूप धाई० टी० एन• एम०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के भधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च, 1980

निर्देश सं० 671/ए०सी०वयु० ग्रार०-111/79-80/कल०---यतः मुझे भाई० बी० एस० जुनेजा कावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गगाहै।, की धारा 239-चा के ब्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति जिसका उचित बातार मूल्य 25,000/- कं े शिक्षिक है भौर जिसकी सं० प्लाट सं० सी 2 है, तथा जो 178 ए०, एस० पि० मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रालिपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 12-7-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के बुध्यमान प्रतिकत के लिए पन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से ऐसे बुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ये उस्त अस्तरण शिक्षित में तास्त-बिक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधि-नियम के प्रश्लीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविका के लिए। प्रौर/या
- (थ) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रक्रितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधितियम, या धन-कर मधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना थादिए वा, कियाने में सुविधा के निए;

थवः सन, उन्त प्राधितियम की वारा 269-ग के सन्-सरण में, में, उन्त अधिनियम की वारा 269-म की उपवारा (1) के अबीन, निज्निविधित व्यक्तियों, अर्थात् :---21---36GI/80

- 1. हिमालयन को-प्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि॰ (प्रन्तरक)
- 2. श्री राधारमन वास।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी भरके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाषीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ये 45 दिन की मचित्र या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, को भी भविष्ठ बाद में उमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हिन-बढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरम : - -इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्वो का, जो उपन मित्रितियम के प्रस्थाय 20-क में परिभाशित है, वहीं अर्थ होगा जो उस प्रस्थाय में दिया गरा है।

प्रनुस्ची

समुचा प्लाट सं० सी०-2, तल्ला पर, जो 178ए, एस० पि० मुखर्जी रोड, कलकत्ता पर प्रवस्थित ।

> श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-IIII, कलकत्ता-16

तारीख 3 मार्च, 1980 मोहर: :::<u>------</u>

प्ररूप बाई • टी • एन • एस •-----

आयकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च, 1980

भायकर प्रधितियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्वात् 'उका अधितियम' कहा गया है), की भारा 289-ख के अबीत सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/-रूपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ध्लाट सं० बी-6 है, तथा जो 178 ए, एस० पी० मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर हससे उपायद्ध ग्रन्मूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रालपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 12-7-1979 को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफत के तिए ग्रन्तरित की गई है गौर मुझे यह विक्वाय करने का कारण है कि यथोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्द्रह अतिगत से अधिक है और मंतरक (मन्तरकों) ग्रीर पन्तरिती (श्रंतरितीयों) के बीव ऐसे मन्तरण के लिए तय प्रवा गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उचन मन्तरण लिखित म ग्रास्तिक स्था य कवित नहीं किया गया है: ---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसो बाय की वाइत, उक्त प्रधिनियम के ब्रजीन कर देने के ब्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुदिधा के लिए घीए/या;
- (ख) ऐसी कियो आय या कियो अन या धर्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधितियम, 1932 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विधा गया या या किया जाना चाहिए था, छिया। में मुविधा के लिए;

भतः, सब, उबत मिनियमं की घारा 269-गं के मनुसरण में, में, उपत मिनियमं की घारा 269-घं की उपधारा (1) अभीन, निम्नसिखित स्पन्तियों, प्रचीतः :---

- हिमालयान को-न्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड (भ्रन्तरक)
- 2. श्री सुमेन्दु मोहन घोष

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्तेप :-

- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचन, की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध शद भं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी पन्य व्यन्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के भाम विज्ञित में किए जा सकें।

•नव्दीकरगः—इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त प्रधिनिधम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, बड़ो अर्थ होगा जो उप मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समुचा प्लाट सं० बी-9 नवतल्लापर जो 178ए, एस० पि० मुखर्जी रोड, कलकत्ता पर भ्रवस्थित ।

> के० के० बीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख 3 मार्च, 1980 मोहर: प्ररूप प्राई० टो० एउ० एउ०-----

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च, 1980

निर्देश सं० 669/ए० सी०क्यू० /म्रार०-III/ 79-80/कल००-यत: मुझे भ्राई० वी० एस० जनेजा

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० बी-10 है, तथा जो 178-ए, एस० पि० मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रालिपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरित (अन्तरितयों) क बीव ऐसे अन्तरण के लिए तम माना प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्टिनियम के श्रिष्टीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी हिसी प्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को निन्हें भारतीय प्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरितो हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधाके लिए;

ग्रतः ग्रन्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः—

- 1. हिमालयान को-प्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड (ग्रन्तरक)
- 2. श्री पार्थ सारथी बसु

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप:---

- (क) इस सूबना के राजात में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूबना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

हपब्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सम्दर्गे धीर पदीं का, जो जक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्य होगा,जो उस श्रष्टपाय में दिया गया है।

अनुसूची

समुचा पर्लंट सं० बी-10, दशतल्ला पर जो सं० 178 ए, एस० पि० मुखर्जी रोड, कलकत्ता पर भ्रवस्थित ।

> ग्राई० वी० एस० जोनेजा ृसक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ृग्रर्जन रेंज-III,कलकत्ता-16

तारीख 3 मार्च, 1980 मोहर : प्ररूप आई+ ही+ एन+ एस+-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च, 1980

निर्देश सं० 678/ए० सी० क्यू०/घ्रार-III/79-80/कल०---यतः मुझे भाई० वी० एस० जुनेजा नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इंसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबंद तम्पत्ति, जिसका क्यमे मुख्य 25,000/-से भीर जिसकी पर्लंट सं० बी-4 है, तथा जो 178, एस० पि० मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है) (ग्रौर इससे उपाबढ़ मनसूची में भौर जो पूर्ण रुप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्रालिपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनांक 12-7-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के खिलत बाजार मूह्य से कम के वृष्टयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है मीर मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) पौर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निस्नलिखित उद्देश्य से उपत प्रश्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उन्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में गुविधा के थिए; शौद/मा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धनया अन्य जास्तियों को, जिस्हें भारतीय भायकर भिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के सन्-सरण में, मैं, उक्त धिवित्यम की घारा 269-थ की उवधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ।----

- 1. हिमालयान को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड (ग्रन्तरक)
- 2. श्री विमलकुमार बोब

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

वनत सम्यति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि वाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (का) इप सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन के भीतर उक्त स्वायर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ- सक्षेंगे।

स्पडिशकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उनन प्रधि-नियम के घट्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस पडवाय में दिया नार है।

भनुसूची

समुचा फ्लैट सं० थी-4 है, चार तस्ला पर जो 178 ए, के० के० बीर

> ग्राई० वी० एस० ज्नेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जंन रेंज-Ш, कलकत्ता-16

तारीख 3 मार्च, 1980 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरोधना)

म्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकसा, दिनांक 5 मार्च, 1980

निर्देश सं० ए० सी० नय्०/म्रार- /79-80/कस०--यतः मुझे म्राई० बी० एस० जुनेजा
म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात् 'उकत म्रिधिनियम' कहा गया है), को घारा 269-ख
के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/दपए से मधिक है

ग्रीर जिसकी सं नार्थ वेस्ट फ्लैंट हैं तथा जो 102 साउव ने एवेन्यु, कलकत्ता में स्थित हैं (भीर इससे उपावदा भनुसूची में ग्रीर का जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन विनाक 20-7-1979

(1908 का 16) के प्रधीन विनांक 20-7-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रसु प्रतिणत से अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक छन्न में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (स) ऐसे किसी भ्राय या किसी धन या मन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रव, उक्त बिनियम, की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों, भ्रयीत्:—

- 1. लेक एपार्टमेन्ट्स को-म्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० (प्रस्तरक)
- 2. श्री प्रधाल चटर्जी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के ग्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजप न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हराब्दोक्तरण--इसमें प्रपुक्त मध्यों भीर पदों का, जो उक्त भाषि-नियम, के सब्बार 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रवसाय में दिया गया है।

अनुसूची

समुचा नार्थ वेस्ट फ्लैट पांच तल्ला, पर, जी 102 साउदनै एवेन्यु, कलकत्ता पर भवस्थित ।

> भाई० वी० एस० जुनेजा सक्षम ग्रीवकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख 5 मार्च, 1980 मोहर : प्रकप आई० टी॰ एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-III कलकत्ता-16

कलकता, दिनांक 5 मार्च, 1980

निर्देश सं० 681/ए ० सी० क्यू०-धार-III/79-80/कल०यत: मुझे धाई० वी० एस० जुनेजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इनमें इनके पश्चान् 'उन्न धिधिनियम' कहा गया है), की
धार: 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने
का कारण है कि स्थावर सम्यन्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० साउथ वेस्ट फ्लैंट है तथा जो 102, साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपायद्ध ध्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 20-7-1979 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए भ्रम्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ती का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह 15 प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरीती (भन्तरीतियों) के बीच ऐमें अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य सें उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधितियम के प्रधार कर देने के सान रक्त के सिस्दार्में कमी करके या उसम बनाने में स्विधाक किए। धोर या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को भिन्हें भारतीय ग्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पा किया जाना चाहिए चा, फिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बसीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, सर्वात्:—

- लेक एपार्टमेन्ट को-म्रापरेश्टिव हाउसिंग सोसायटी लि० (ग्रन्तरक)
- 2. श्री एस० बि० ग्रभंकर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

जनत संपति के अर्जन के मंत्रंध पें कोई मी आसीप:--

- (क) इस पुत्रता के राजाब में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रत्रिया तत्संबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अ्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी पन्य स्थक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण -- इसर्ने प्रयुक्त शान्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के भव्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुष्

समुचा साउथ वेस्ट फ्लैट, एक तल्ला पर जो 102 साउवर्न एवेन्यु, कलकत्ता पर भ्रवस्थित है।

> श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 5 मार्च, 1980

प्ररूप पाई० टी० एन० एस०----

म्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्वेश सं० ए० सी.-112/रेंज-IV /कल०/79-80---यतः, मुझे, के० सिन्हा

ष्ठायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० नोजि सं० 203 है, तथा जो थाना नागराकाटा जिला जलपाई गुड़ी में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 6 7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया गया है:—

- (क) घ्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के घ्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिताने में स्विधा के लिए;

ग्रतः, भन, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुगरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नमिकित व्यक्तियों अर्थात:— मेसर्स रामेश्वर प्रसाद प्लान्टेशन एण्ड इंजिनियरिंग इन्डस्ट्रीज लिमिटेड,

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स निस्ता भालि टिको० लि०

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धाजन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बार्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ; 🗻

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धो व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भग्य अवित द्वारा, श्रधोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

परगणा-चेंद्रारि, थाना, नागरा काटा, जिला जलपाईगुड़ी, तौजि सं० 203, स्थित 1436.91 एकड़ जमीन के साथ स्ट्रंक्चर्स तथा बिल्डिंग, के सब कुछ जैसे के 1979 का 3693 में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख 11 मार्च, 1980 मोहर: प्रकथ धाई• टी• एत∗ एस•------

पायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269- प (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजैन रेंज- , कलकत्ता

कलकत्ता-16 दिनांक 12 मार्च 1980

निर्वेश सी०ए० सी०वयू०113/रेंज-IV/कल/79-80---यतः मुझे के० सिन्हा

मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269 ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है भीर जिसकी सं० 38/9 है, तथा जो क्षेत्र मित्र लेन, हावड़ा में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से र्वाणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रजिस्ट्री करण मधिनियङ 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनां क 12-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूक्य से कम के वृत्रयमान प्रसिद्धन के जिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारच है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का प्रवित बाबार मूल्य, असके वृत्यमान प्रतिकास से, ऐसे पृत्यमान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिशत से प्रसिक है, पीर यह कि प्रस्तरक (अन्तरकों) और श्रम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रम्तर्थ के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नतिश्वित उद्देश्य के उस्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कवित नहीं किया गया है।---

- (क) ग्रम्तरम से हुई किसी बान की बायत, उपत ग्रावि-नियम, के प्रधीन कर देने के बन्तरक के वाविस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए। बोर/या
- (ख) ऐसी किसी चार्या किसी बन या ग्रम्य भास्तियो को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर द्यधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्घ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ष्या थाया किया जाता चाहिए था, क्रिपाने में मुविधा के किए:

भतः थव छक्त ग्रंथिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपबारा (1) के समीन, निम्नविधित व्यक्तियों, वर्षात् ।----

1. श्रीमती मन्द रानी बोस, हिरालाल बोस

(ग्रन्तरक)

2. श्री पिरोष चन्द्र वत्त

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के प्रजंग के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई ओ धाक्षेप :---

- (अ) इस सूचना के राज्ञपत्र में प्रकालन की तारीख से 45 वित की घवित्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवछि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हित्रबंध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्रोद्दस्ताक्षरी के पास तिबिद्धत में किए अगसकेंगे।

स्पद्धीकारतः :---इसमें प्रयुक्त जन्दों धीरपर्दो का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी धर्च होगा जो उस चन्न्याय में दिया गया 表 1

प्रमुखी

38/9, क्षेत्र मिल्ल लेन, सालकिया, हाबड़ा में 4 कार 1 छटांक, 11 स्कवायर फुट, जमीन का साथ मकान का सब कुछ जैसे 1979 कादलिल सं० 2041 में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित

> के० सिन्हा सक्षन प्राधिकारी सहायक ग्रायकर, ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-IV, 54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता

विनांक : 12 मार्च, 1980

प्रका प्राई० टी० एत० एत०----

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर कायुक्त ू(निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता कलकता-16, दिनांक 12 मार्च, 1980

निर्देश सं० ए० सी० 114/रंज-IV/कल०/79-80---यतः. मुझे, के० सिन्हा भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है श्रौर जिसकी सं० सि० एस० फ्लैट 701, 702, तथा 705 है तथा जो टगोर रोड, भ्रासनसोल, में स्थित है (भ्रौर इससे उपावक अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भ्रासनसोल में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 7-7-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है। श्रौर भ्रन्तरक (श्रम्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (अलरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त म्रिधि-नियम, के म्रधीन कर देने के म्रन्तरक के दायिश्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; म्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिगाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, प्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के शधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, ग्रयीत:—— 22—36GI/80 1. श्री भोंकार सिंह

(ग्रन्तरक)

2. मसर्स काछि पेटेलस मिल्स

(भ्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वीना सम्पत्ति के <mark>अर्जन के</mark> लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया नरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त स्रिधि-नियम के स्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं स्रर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

टगोर रोड, ग्रासन सोल, वर्धमान, में 13 काम्ठा जमीन का साथ मकान का सब कुछ जैसे 1979 का विलल सं० 4033 में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है।

> के० सिन्हा
> मञ्जाम प्राधिकारी,
> महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
> प्रजंन रॅज-IV, 54, रफी अहमद किववाई रोड, फलकत्ता-16

तारीख: 12 मार्च 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

न्नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, महायक पायकर पाप्का (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकसा-16 दिनांक 12 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० सी० $115/\overline{\text{र}}$ ज-IV/कल/79-80—यतः मुझे के० सिन्हा

क्षायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्रति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 30 है, तथा जो निर्ड टालीगंज, पूर्व पुटियारी 24-परगना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रालिपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 20-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के बृथ्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे वृथ्यमान प्रतिफल का प्रवह प्रतिगत से प्रधिक है भीर प्रन्तरिक (प्रन्तरिकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल तिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरग निधित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्राध-नियम के भ्रमीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या ग्रम्थ मास्तियां की, जिन्हें भारतीय भायकर मिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिविनयम, या धनकर मिविनयम, या धनकर मिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

धतः भव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त भिर्मियम की घारा 269-घ की उपवारा (1) के यधीन निक्नलिकिन व्यक्तियों, अर्थानः --

- 1. हासि शनि बोस
 - (भ्रन्तरक)
- 2. लिली ग्रटरशी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के प्रकृत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रत्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित नें किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो अवत श्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है वही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

30 निर्ड टालीगंज, पूर्व पुटियारी, 24 परगना में 2.5 काठा जमीन के साथ मकान का सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं० 3283 में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-IV 54, रफी अहमद कियवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 12-3-1980

प्रकप मार्च- टी- एन- एस----

धायकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकता, दिनांक 12 मार्च, 1980

निर्वेश सं० ए० सि० क्यू०-536/टी० प्रार०-44/सी-39/कल/I
79-80—यत: मुझे, प्राई० वी० एस० जुनेजा
आयकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उन्त प्रवित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख
के प्रवीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका जिंदत नाजार मूक्ष्य 25,000/- क॰
से प्रविक है
और जिसकी सं० 46 है, तथा जो बि० बि० गांगुली स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्य श्रनुसूची में और

भार जिसका स० 46 ह, तथा जा बि० बि० गागुला स्ट्राट, कलकत्ता में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिखत से अज्ञिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गवा प्रतिकल, निश्निक्कित उद्देश्य से उक्त अन्तर्थ निचित वे वास्तिक कर से किया गया है:——

- (क) अन्तरन से हुई कियो भाग की बाबत करत वाधि-नियम के प्रधीन कर दैने के अन्तरक के वायिश में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिये। और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर अखिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाणं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, श्रियाने में सुविशा के बिवे;

अतः प्रय, उक्त अधिनियम की धारा 26'94ग के अनुतर्ण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवर्त :--- 1. श्री एस० ग्राचारीया

(ग्रन्तरक)

 मेसर्स एस० स्नार० एम० इन्बेस्टमेन्ट प्रा० लिमिटेड (श्रन्तरिती)

को यह सूचता जारो करके पूर्वीकत सम्पत्ति के प्रजन के लि**ए कार्यवाहि**यों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई नो शाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मनिश्च या तत्नम्बंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की मनिश्च औं भी पनिश्च बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहा किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, स्थीहरू सक्ष्मी के पास विकास में किये जा सकेंगा

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दां भीर पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के सब्दाय 20-क में परिमादित है, कही मर्थ होगा, जा दर भरताय में दिया गया है।

अमुसूची

46, बिपिन बिहारी गांगुली स्ट्रीट, कलकता में ध्रवस्थित 14 कट्टा 4 छटांक जमीन पर भ्रांशिक एक तल्ला श्रौर श्रांक्षिक दो तल्ला मकान जो 5-7-79 तारीख में डीड नं० 3669 श्रमुसार रजिस्ट्री हुन्ना।

> ग्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारी**ख**: 12-3-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 13 मार्च 1980

निर्देश सं० 686/ए० सी०म्यू०/रेंज-III/79-80/कल०-यतः मुझे, धाई० बी० एस० जुनेजा धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ध्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ध्रिक है

भौर जिसकी सं० 3 डि० है तथा जो बैष्णव घाटा, बाइसेन फलफत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 11-7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) ब्राम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत जिन्तों ग्राधि-नियम के ग्राधीन कर देने के ग्रान्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (च) ऐती किसा बाय या किसी बन या प्रन्य धास्तियों को, जिन्हें प्रायकर ध्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ध्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, ग्रब, उक्त भिधिनियम, की धारा 269—ग के ग्रनुसरण में मैं, उक्त भिधिनियम की भारा 269—घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः —— 1. श्री सुनीति घोष

- (म्रन्तरक)
- 2. श्री प्रदोध कुमार घोष

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्यत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी यन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदो का, जो उक्त श्रिधितियम के श्रश्याय 20-क में श्रिरभाषित है, वही श्रशे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 5 कट्टा 10 छटांक जमीन साथ उस पर बनाया दो तल्ला मकान जो 3 डि० वैष्णव घाटा, बाई लेन, कलकत्ता पर ग्रवस्थित ।

> म्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त निरीक्षण भ्रजन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख:13 मार्च, 1980

प्ररूप भाई० टी० एत० एस०----

आयकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च(1) के मधीन सुवना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 15 मार्च, 1980

निर्देश सं॰ ए० सि॰ $/ \bar{c} = IV/$ कल०/ 7.9-80---यतः सुझे, के॰ सिन्हा

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सञ्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास सरने का सारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उवित्त वाजार मूख्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 231/ए, है तथा जो मानिकतला, मैंन रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 13-7-1979

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (मन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्निलिखिल उद्देश्य से चक्त धरतरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई व्हिसी ग्राय की बाबत, खक्ल ग्रिशिनयम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी श्राय या किसी अन या अन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत भ्रधिनियम, गा धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के स्पि;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रतृसरण में, में, प्रक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्कि व्यक्तियों, श्रर्यात् स्— 1. श्रीमती सालिमन विवि भौर श्रन्य

(प्रन्तरक)

2. श्री ग्रिश्विनी विश्वास

(भन्तरिती)

को यह सुजना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्ति यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में मनाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रम्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित किए जा सकेंगे।

हराडडीकरण:--इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन परिमाण 2 काटा 14 छटांक 39 स्क्थायर फुट, 231/ए, मानेक तला मेन रोड, कलकत्ता पर श्रवस्थित।

के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, कलकत्ता-16

तारीखाः 15 मार्च, 1980

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस० 🗕

भायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० सि० /रेंज-IV/कल०/79-80---यतः मुझे के० सिन्हा,

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पी-276 है, तथा जो मानिक तला में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-7-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितीयों के) बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रमुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री रमेन्द्रनाथ टे।

(भ्रन्तरक)

2. दुलाल फान्ति शाहा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, ओ उक्त श्रिष्ठिनियम के श्रध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

जमीन परिभाण-1 काठा 8 छटांक , पी-276, $\frac{1}{2}$ मानिकतला कलकत्ता ।

के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख: 15 मार्च, 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनोक 15 मार्च, 1980

निर्देश सं० ए० सि०/रेंज-1V/कल०/79-80—यतः मुझे के० सिन्हा,

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पी-276 है, तथा जो मानिकतला, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 30-7-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) प्रन्तरण से "तुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या अन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:--- श्री गोपाल राय चौधुरी, ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जयन्त कुमार साहा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस मूजना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की स्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की स्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै
 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पति में
 हिनबद्र किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोहस्ताक्षरी के पास
 निखित में किए जा सकेंगे।

स्मड्डोकरणः -- -इसमें प्रयुक्त गन्दों घोर पदों का, जो उक्त ग्रीधितियम, के प्रत्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विसा गया है।

वनुसूची

जमीन परिमाण-13 छटाक 35 स्क्वायर फुट पी-276, मानिकतला, कलकत्ता ।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख: 15 मार्च, 1980

प्ररूप ग्राई० डी० एन० एस०--

अ(यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269 व (1) के मधीन युवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकता-16, दिनांक 17 मार्च 1980

निर्वेश सं० ए० सी० $116/\hat{\text{र}}$ ज-IV/कल०/79-80----यतः मुझे, के० सिन्हा,

जायकर श्रिष्टियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिष्टियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिप्टीं सक्षम ग्रिष्टिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्ये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 61/5 है, तथा जो ठाकुरिया स्टेशन, रोड, थाना कस्बा, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रृनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिप्टिकारों के कार्यालय ग्रिलपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्टिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिप्टीन दिनांक 20-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घरतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पर्यह प्रतिशत प्रधिक है भीर अन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तरिशे (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्बलि में बास्तिविक कर से सिवत नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के मधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उसरे वचने में सूबिशा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अधिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया खाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्न अधिनियम की धारा 269-घ के धनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के घधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री प्रताप चन्द्र बनर्जी, लक्ष्मी बनर्जी, मंजुला बनर्जी शान्ति ब नर्जी।

(भ्रन्तरक)

2. लेखा दास गुप्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना गारा करके प्रोवित सम्पत्ति के प्रार्वन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मति के प्रार्वत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षिप:--

- (क) इस मुचना के राजाब में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा स्रश्रोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यहा परिभाषित है, वही श्रयं होगा जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

पन्त्या

थाना-कसबा, मौजा ठाकुरिया 61/5 स्टेशन रोड, स्थित 2 कट्टा 7 छटाक 12 स्क्या० फिट जमीन के सब कुछ जैसे के 1979 का दलिल सं० 3259 में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायक्तर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख: 17 मार्च, 1980

प्रकम भाकि ही० एल० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भवीन सूचनी भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, कलकत्ता

करकिरस-१६ विकीस 17 वार्ष 1980

निर्वेश सं० ए० सी० /117/रेंज-IV/कल०/79-80----यतः मुझे, के० सिन्हा,

धायकर घधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त घधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के घधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-स्पाप से घधिक है

भीर जिसकी सं० 61/4 है, तथा जो स्टेमन रोड, ठाकुरिया में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्द्रीकर्ती मिश्रकारी के कार्यासय, प्रसिप्तर में रिजस्द्रीकरण मिश्रितयम, 1908 (1808 का 16) के मधीन तारीख 20-7-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्पक्त काजार मूल्य के काथ के वृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धृष्यमान प्रतिकल के ऐसे वृश्यमान प्रविकत के पत्ति क्रियान प्रविकत के पत्ति क्रियान प्रविकत के पत्ति क्रियान प्रविकत के प्रविक्त है और धन्तरक (फ्रांतरकों) धौर घन्तरिकी (खन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिभाग निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में बास्त्रिक क्य से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मधिन नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (बा) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घाय घास्तियों को जिन्हें भारतीय घाय-कर घिष्टित्यम 1922 (1922 का 11) या उन्त बिधिनियम, या धन-कर ग्रीविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ घन्सरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः श्रव, उनत प्रविनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं उन्त प्रविनियम की घारा 269-ग की उपघारा (1) के प्रश्नीन निम्नलिबित व्यक्तियों, प्रचीत्:——
23—36G1/80

श्री प्रताप चन्द्र बनर्जी, लक्ष्मी बनर्जी, मंजूला बनर्जी,
 क्रांति चनर्जी।

(भन्तरक)

1. लेखा दास गुप्ता ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पन्ति के प्रार्थम के सम्बन्ध में कोई भी आठीप :---

- (क) इस सूबना के राजगत्न में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की प्रविध्व या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी प्रविध्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुबना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 विंग के जीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबस किसी अथ्य व्यक्ति द्वारा अंत्रीहरूताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यीकरण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिध-नियम, के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्म होना जो उस मध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

थाना-कस्बा, मीजा-ठाकुरिया, 61/4 स्टेशन रोड, स्थित 2 मट्टा 7 छटांक 35 स्क्वायर फिट जमीन के सब कुछ जैसे के 1979 की दलिल सं० 4749 में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> कें सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त, (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख: 17 मार्च 1980

मोइर:

प्रक्ष धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

प्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

श्री दीपक चौधुरी

(प्रन्तरक)

2. श्री कुमारेश चौधरी

(भन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

घर्जन रेज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 19 मार्च, 1980

निर्वेश [सं० 687/ए० सी०क्यू०/रेज-III/कस०/79-80---यतः मुझे, घाई० वी० एस० जुनेजा,

वायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्ने इसके पश्चात् 'उक्त प्रक्रिनियम' कहा यया है), की धारा 269-श्व के प्रधीन समन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारच है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बपमें से प्रक्रिक है मुख्य 25,000/-भौर जिसकी सं० 1 है, तथा जो कृपानाथ लेन, कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकला में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनौक विनांक 7-7-1979

भो पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उक्ति काजार मूख्य से कम के **ष्ट्रयमान प्रतिफल के लिए घरतरित की गई है पीर मुझे यह** विश्वास करने का कारण है कि धयापूर्वीवन सम्पत्ति का चित्रत बाजार मुख्य, जमके दुश्यनान प्रतिकत से, ऐने **बृश्यमान प्रतिफल के पन्धह प्रतिश**त से प्रधिक है ग्रीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर भन्तरिती (धन्तरितियों) के बीज ऐसे भ्रन्तरण के लिए, तब पाया गया भ्रतिकल निम्तलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण निवित में वास्तविक अन्य के कश्चित नहां किया गया है:---

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी झांग्र की बाबत जनत, भ्रधि-नियम के बाबीन कर देने के प्रश्तरक के दायिएन में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (वा) ऐसी किसीमाय याकिसीधन याअन्य आस्तियों की, जिम्हें, भारतीय ग्रायकर ग्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः, ग्रन, उन्त प्रक्षिनियम की धारा 269-न के अनु-सरण में, में, जन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपकारा 🕽 के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रधाँत् :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्येवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाबन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के े पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टी तरण :---इसमें प्रयुक्त जन्दों भीर पदों का, की उक्तं मिवितियम, के प्रध्याय 20-क में परिभावित है, वही भर्य होगा, जो उस ब्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पौर सं० 1, कृपानाथ लेन, कलकत्ता पर भवस्थित भस्यावर सम्पत्ति को प्रविभक्त प्रधीन जो दलिल सं॰ 3712/1979 का भ्रनुसार है।

> भाई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख 17 मार्च 1980 मोहर:

प्रकप भाई • टी • एन • एस • ---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

> धर्जन रेंज-IV, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 20 मार्च 1980

निर्देश सं०ए० सी० 122/रेंज-IV/कल/79-80— यत: मुझे, के० सिन्हा, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके

पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

भौर जिसकी सं० वाग सं० 641 एण्ड 642 है, तथा जो बेलियाटोर गयरा, जिला बांकुरा में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 11-7-1979

(1908 की 16) के झिधान, ताराख 11-7-1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य रे कम
के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई
है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वृश्यमान प्रतिफल के ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह
प्रतिशत से घिक है और मन्तरक (अन्तरकों) मौर अन्तरिती
(मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक
क्य से कथित नहीं किया गया है: --

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त धिक्ष-नियम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रग्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत मिधनियम, या धन-कर भीवनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, सब, स्वतः प्रधिनियम की बारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, धक्त प्रधिनियम की बारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. श्री सिशुभ मन्डल

(मन्दरक)

2. श्री निरन्जन मन्डल

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत में प्रकागन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीक्षिण्यम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित है, वही शर्य होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

जि॰ बांकुरा, पो॰ बांकुरा, गयरा, बेलियाटोर, दाग सं॰ 641, 642 में 5.65 एकड़ जनीन का सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं॰ 3867 में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षी) ग्रर्जन रेंज-1V/कलकत्ता

तारीख: 20 मार्च, 1980

प्ररूप माई० टीक स्न (स्क्र क्रिक स्कार प्रिमियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के मधीन सूक्षता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायकं भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-IV, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 20 आर्क, 1980

निर्देश सं० ए० सी०-121/रेंज-IV/कल०/79-80---यतः मुझें, के० सिन्हा,

धायकर धिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनतः प्राधिनियम' कहा गन्ना है), की काला 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मूक्य 25,000/— कपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलाट सं० 1543 है तथा जो खारिया मैंग रोड खरगपुर, में स्थित है (श्रीर इससे उपायद श्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मिवनापुर, में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयङ, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 2-7-1979 को

पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (ख) ऐती किसी आय या किसी धन या मन्य मास्तियों की जिस्हें भारतीय माय-कर मिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियम, या धन-कर मिश्रिनियम, 1957 (1957 का 2?) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव छक्त अधिनियम की धारा 269 के प्रनुसरण में, मैं छक्त अधिनियम की धारा 269 प्रकी उपधारा, (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मीत् !--- 1. श्रीमती कुम कुम मेसा हेगम

(प्रन्तरक)

2. महिन्द्र कुमार जैन

(मन्तरिती)

को पह सूचना जाने करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृति के लज़न के सम्बन्ध में कोई भी वाबोध :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति शारा;
- (इस) इस सूच्या हे उन्त्रपम में अकामन ही जारील से 45 किन के पीतर जनत स्थानर सूच्याचि में विस्कृत किसी अस्य व्यक्ति कार्य, प्रश्लोहस्ताक्षरी के आस रिक्षिय में किए आ सहेंगे ।

<u>प्रमुख</u>्यी

नांव जंगल, पो० क्रारमपुर, ज़िला क्रिक्कासुर, में 62 स्टेंकस का सब ्ड्रुक्ट जैसे 1979 क्राज्**कीयन** सं० 1812 में भीर पूर्ण कपन्से विकत है।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज-IV; कलकत्ता

तारीख : 120-3-1980 १ मोहर । प्रकप पाई । ही । एत । एत ।

अग्रहर बचिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-च (1) के अधीत सुक्रान्य भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II कलकसा

कलकत्ता, विनांक 24 मार्च, 1980

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-II/कल०/79-80---यतः रे के० किला

मुछे, के० सिन्हा, आयकर धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पूसके ज्यान 'जूनत धिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन स्भूम पृष्टिकाड़ी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर प्रथित, जिसका स्थात बाजार मूल्य 25,000/- क० प्रधिक है और जिसकी सं० 26/7, है तथा जो गरपार रोड, कलकला में स्थित है (और इससे उपाबद मनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कलकला में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 20-7-79

को पूर्णों क्य सम्पर्णि के उत्तित बाकार पृष्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के बिए सम्बद्धित क्रमे गई है सोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्णों कर सम्प्रति का विश्वत बाजार मन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्र ह प्रतिगत से प्रविक्त है छोर अन्त्ररक (स्वत्ररकों) और बन्तरिती (सम्तिरितियों) के क्रींच ऐसे सन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकान, निम्न लिखित जहाँ क्या स्वत्र सण्डराह निचित में वास्तिविक्त क्य से कथित नहीं निया गया है:---

- (क) अस्तरण से दृई किसी आय की बाबत इक्त प्रधितियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक क वायित्व म कमी करने या चलसे वचने में सुविधा के लिए। भ्रौद्यां
- (म) ऐसी किसी साम या किसी मन हा प्रमुत प्रास्त्रियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधितियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अक्षरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

शतः यम, उन्त यश्चितियम की धारा 269-म के यमुसरण में, में, उनत विधितियम, की घारा 269-म की उप्धारा (,1), के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती स्नेह्स्ता घ्रोष

(धन्तरक)

2. भी सुवेन्द्र चटर्भी

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के मर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

खकत सम्माल के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी पा<u>क</u>ोयु:----

- (क) इस सूचला के प्राच्यान में प्रकाशन की ताड़ीब से 45 दिस की बुवाब पा तुस्स्वसी क्ष्मिक्सपों प्रद सूचना की सामील से 30 दिल की प्रवृत्ति, को भी भव्या बाद में समाप्त होती हो, के शीत्र पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति होरा
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी की 45 विम के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित्व व किसी अन्य आक्ति द्वारा, अधीहरताकारी के पास लिकित में किए था सकेंगे।

राजदीक्रएचा :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उस्त व्यक्षितियम के घरमहा 20-च में परिवाधित है, स्क्षी अर्थे होग्छ, जो उस अध्याप में विवा चया है।

त्रवृत्वी

जमीन परिमाण 13 छटाक 30 स्क्वायर फुट 25/7, गरपार रोड, कसकत्ता।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज-II, कलकरा

तारीख: 24-3-1980

मोहर:

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंजII, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 24 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० सि० /रॅज-II/कल०/79-80—यत: मुझे, के० सिन्हा,

भायकर मिध्नियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से मिधिक है

धौर जिसकी सं० 25/5ए, है तथा जो गरपार रोड़, कलकत्ता में स्थित हैं (धौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 20-7-79

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए घरतिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथानुर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य ससके पृथ्यमान प्रतिफल से ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और भ्रम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया मया है।

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिवियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे त्रचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुबिधा के लिए;

ग्रंतः ग्रंब, उनेन अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखन व्यक्तियों, ग्रंबीत्:--- 1. श्रीमती स्नेहलता घोष

(मन्तरक)

2. श्री सुवेन्तु चटर्जी

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पक्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूबना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूधना की तामील से 30 दिन की धविध, ओ भी
 भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबढ़ किसी अपन व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्राब्दोक्तरण :--द्रवर्षे अयुक्त शावों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्य होगा, जो उस ग्रह्माय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन परिमाण 11 छटाक 7 स्ववायर फुट 25/7, गरपार रोड, कलकत्ता ।

> के० सिन्हा सक्षम त्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- , कलकत्ता

तारीख: 24-3-1980

मोहर:

प्रकप माई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांत्रय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रॅज-ा

4/14क, झासफझली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 16 अप्रैल 1980

निर्देश सं॰ माई॰ए०सी॰/एक्यू०-I/एस०आर॰ IV/7→79/

1088—म्प्रतः मुझे, जी० सी० प्रप्रवाल, प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्क प्रधितियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पें से प्रधिक है और जिसकी संख्या मकान व खसरा नं० 652/153, प्लाट नं० 126 है तथा जो धाजाद नगर पश्चिम गांव गोडली इलाका शाहदरा दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबदा ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 6→7→1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त मिध-नियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधनियम, या धनकर भिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, घव, उक्त पिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त पिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निलिखित व्यक्तियों,प्रधीत् :---

- श्री हरनाम सिंह पुत्र गोपाल सिंह निवासी 126, पश्चिमी आजाद नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री दिविन्दरमोहन बनाम मन मोहन (हि॰ १४०५०) पुत्र मर्जुन देव भानन्द निवासी 651/ 23ए, नजदीक डी॰ ए० वी॰ स्कूल गांधी नगर दिल्ली (ग्रब मकान प्लाट नं॰ 126 खसरा नं॰ 652/153 पश्चिमी म्राजाद नगर, शाहदरा दिल्ली। (भन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्यत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की ्तारीख से 4 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वद्धी तरण: - इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिध-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुर्माजला मकान जो मध्य हिस्से के प्लाट नं० 126 पर बना है क्षेत्रफल 168 वर्ग गज, जो खसरा नं० 652/153 का हिस्सा है झाजाद नगर पश्चिम गांव गोंडली, इलाका शाहदरा दिल्ली-51, में निम्न प्रकार स्थित है।

उत्तर--हिस्सा प्लाट नं० 126 दक्षिण---सङ्क 15 फुट पूर्व---बाकी हिस्सा प्लाट नं० 126 पश्चिम---बाकी हिस्सा प्लाट नं० 126।

> जी० सी० भ्रम्नवास सक्षम ग्रीवकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, विल्ली, नई विल्ली-110002।

तारीख: 16-4-1980

मोहरः

प्रकथ आर्च. टी. एन. एत.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, 4/14क, आसफबबी मार्ग, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 5 सप्रैल, 1989

स॰ माई॰ ए॰ सी॰/एक्यू॰-I/एस॰ मार॰-III/7-79/ 275—म्प्रतः मुर्जे, जीं॰ सी॰ मजनाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1.961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सख्या ई०-469 है तथा को ग्रेटर कैलाग-II, नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीविकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीविनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन तारीख 9-7-1979

को पूर्वाकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से इन्हें किसी अस्य की वाबद उक्त अधिक नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय पा किसी कन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकंर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अधीत्:—

- (1) श्री प्राण नाथ नर्म पुत्र स्व० श्री सरदारी लाल नर्मा निवासी क्वाटर नं० 572, सैकटर-VI, प्रार० कें पुरम, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती स्वर्णा सहगल पत्नि एम० झार० सहगल, निवासी डी० 289, डिफैन्स कालोनी नई दिल्ली व श्रीमती संगीता चौपड़ा परिन राजेश चौपड़ा निवासी 22 सेंन्ट्रल लेख, बंगाली मार्किट, नई दिल्ली (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के कुर्बन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी बाधोंप्:---

- (क) इस सूचना के राजवृत्त में प्रकाशन की तारील ते 45 विश्व की अमिश्व या तरकम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अविश्व बाद में समाप्त होती. हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाचन की तारीं के से 45 दिन को भीतर उपत स्थावर संवित्त मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी। को वास विस्तित मों किस्तु मों किस्तु जा-सर्वासे।

स्पक्तीकरणः -- इसमें त्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त क्रीणनिजन के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं क्रणे होंगा जो उस अध्याय में दिया नवत हैं।

बनुसूची

प्रक्रिहोलंड प्लाट नं॰ 4069 ब्लाक ई॰ क्षेत्रफल 248 वर्ग गम जमे रिहासभी क्षमकोनी ग्रेटर कैलांग मं॰ मा कै नाम से जानी जाती है, गांव बाहापुर नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है।

पूर्व-प्लाट नं० ६० ४६७ पश्चिम-प्लाट नं० ६० ४७१ उत्तर-सर्विस केन दक्षिण-सङ्क

> जी० सी० मग्रवास, सक्का प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) मर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

तारीच : 5-4-1980

माहरः

संघ लोक सेवा म्रायोग

नोटिस

सहायक ग्रेड परीक्षा, 1980 नई दिल्ली, दिनांक 26 ग्रप्रैल 1980

सं० एफ० 10/5/79-प I (ख)-1(बो)—भारत के राजपन्न दिनांक 26 अप्रैल 1980 में गृह मंत्रालय (फार्मिक और प्रणासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाणित नियमों के अनुसार निचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/पदों पर भर्ती करने हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा श्रहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, वम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दीसपुर (गोहाटी), हैपराबाद, जयपुर, जम्मू, लखनऊ, भद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटियाला, पटना, पोर्ट ब्लेयर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर, तिवेन्द्रम तथा विदेश स्थित कुछ चुने हुए भारतीय भिशनों में 28 सितम्बर 1980 से एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

श्रायोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारम्भ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षण में प्रिविष्ट उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान श्रथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए श्रनुबन्ध I पैरा II)

- 2. इस परीक्षा के परिणाम के ग्राधार पर जिन सेवाग्रों/पदों पर भर्ती की जाती है उनके नाम ग्रीर विभिन्न सेवाग्रों/पदों से संबद्घ रिक्तियों की श्रनुमानित संख्या निम्नलिखित हैं:—
 - (i) भारतीय विदेश सेवा (ख) (सहायक) का सामान्य संवर्ग का ग्रेड-IV—*50**.
 - (ii) रेल बोर्ड सचिवालय सेवा का ग्रेड-IV (सहायक)---*
 - (iii) केन्द्रीय सचिवालय सेवा का सहायक ग्रेड-*
 - (iv) संशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा का सहायक ग्रेड--103 (इनमें 15 रिक्तियां झनुसूचित जातियों तथा 8 रिक्तियां झनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए झारक्षित हैं)।
 - (v) भारत सरकार के ऐसे ग्रन्य विभागों, संगठनों तथा संबद्ध कार्यालयों में सहायकों के पद जो भारतीय विदेश सेवा (ख) रेल बोर्ड सचिवालय सेवा/ केन्द्रीय सचिवालय सेवा/सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा में सम्मिलत नहीं हैं—*

छपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

*सरकार द्वारा रिक्तियां सूचित नहीं की गई।

- **ग्रनुसूचित जातियों/ग्रनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों का ग्रारक्षण भारत सरकार द्वारा निर्घारित रीति से किया जाएगा।
- 3. कोई उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित किसी एक या एक से श्रधिक सेवाओं/पदों के संबंध में परीक्षा में प्रवेश के लिए श्रावेदन कर सकता हैं। 24—36GI/80

यदि कोई उम्मीदवार एक से ग्रधिक सेवाग्रों/पदों के लिए परीक्षा में प्रवेण पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्न भेजने की ग्रावश्यकता है। नीचे पैरा-6 में उल्लिखित गुल्क भी उसे केवल एक ही बार देना होगा। उस प्रत्येक सेवा/पद के लिए ग्रलग श्रलग नहीं, जिसके लिए वह ग्रावेदन कर रहा हैं।

ध्यान दें:— उम्मीदवार को अपने आवेदन-पन्नों में जिन सेवाओं/
पदों के लिए वह विचार किए जाने का इच्छुक
है, उनके संबंध में अपना वरीयता-अम स्पष्ट
रूप से बताना चाहिए। उसे यह सलाह भी दी
जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार जितनी
चाहे उतनी वरीयताओं का उल्लेख करे ताकि
योग्यता अम में उनके स्थान को ध्यान में
रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताओं
पर भली भांति विचार किया जा सके।

उम्मीदवार द्वारा निर्दिष्ट उन सेवाफ्रों/पदों, जिनके लिए वह प्रतियोगी है, के वरीयता कम में परिवर्तन से संबद्ध किसी धनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा धनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों की घोषणा की तारीख से 30 दिन के धन्दर संघ लोक सेवा भायोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपन्न पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाऊस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपन्न तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण दो रुपए भेज कर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाऊस, नई दिल्ली-110011, को मनीआईर या सचिव संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकचर पर देय भारतीय पोस्टल आईर दारा भेजी जानी चाहिए। मनीआईर/पोस्टल आईर के स्थान पर बैंक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपन्न आयोग के काउंटर पर नकव भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपए की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट: उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे प्रपने आवेदन-पन्न सहायक ग्रेड परीक्षा, 1980 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपन्न में ही प्रस्तुत करें। सहायक ग्रेड परीक्षा करें। सहायक ग्रेड परीक्षा 1980 के लिए निर्धारित आवेदन प्रपन्नों से इतर पर भरे हुए आवेदन-पन्नों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ श्रावेदन-पत्र श्रावश्यक प्रलेखों के साथ सिचव, संघ लोक सेवा श्रायोग, धौलपुर हाऊस, नई दिल्ली110011 के पास 16 जून 1980 या उससे पहले (16 जून 1980 से पहले की तारीख से विदेशों में या श्रंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के नामले में 30 जून 1980 तक) डाक द्वारा श्रवश्य पहुंच जाना

चाहिए या इस तारीख तक काउंटर पर खुद जमा करादें निर्धारत तारीख के बाद प्राप्तहोने वाले किसी भी ग्रावेदन-पन्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या ग्रंडमान एवं निकोबार द्वीप-समूह में या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से, ग्रायोग यदि चाहें तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 16 जून 1980 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या ग्रंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में या लक्षद्वीप में रह रहा था।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए घावेदन-पत्न के साथ श्रायोग की ६० 28.00 (अनुसूचित जातियों ग्रीर ग्रनुसूचित जनजातियों के मामल में ६० 7.00) का गुल्क भेजना होगा जोकि सचिव, सघ लोक सेवा ग्रायोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पीस्टल ग्रार्डर या सचिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग को, नई दिल्ली की स्टेट बैंक ग्राफ इंडिया की मुख्य शाखा पर देय स्टेट बैंक ग्राफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक डाफट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुरूक भारत के उच्च श्रायुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा श्रायोग-परीक्षा शुरूक" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाए श्रीर श्रावेदन-पत्न के साथ उसकी रसीद लगाकर भेजनी चाहिए।

जिन प्रावेदन-पत्नों में यह प्रपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर विदा जाएगा । यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता, जो नीचे के पैरा 7 के अन्तर्गत निर्धारित शुरुक से छूट चाहते हैं।

7. श्रायोग यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुस्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि धावेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च 1971 के बीच की श्रवधि में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (ग्रव बंगला देश) से भारत श्राया हुआ वास्तिवक विस्थापित व्यक्ति है, या बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावितित मूलतः भारतीय व्यक्ति है शौर 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत श्राया है या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप में प्रत्यावितित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और निर्धारित शुस्क दे सकने की स्थिति में नहीं है या नीचे की परिभाषा के धनुसार भूतपूर्व सैनिक है।

"भूतपूर्व सैनिक" का ग्रभिप्राय उस व्यक्ति से हैं जिसने भूतपूर्व भारतीय रियासतों की सगस्त्र सेना सहित संघ को सगस्त्र सेना (मर्थात् संघ की थल, जल ग्रौर वायु सेना) में किसी भी रैंक में (वाहे सामरिक हो या असामरिक 16 जून 1980 के म्रभि-प्रमाणन के बाद कम से कम छह्द मास की मर्वाध तक निरंतर सेवा की हो। किन्तु इसमें भ्रसम राइफल्स डिफेंस सिक्युरिटी कोर, जनरल रिजर्य इंजीनियर कोर्स, जम्मू व काश्मीर मिलीशिया, लोक सहायक सेना भौर सीमांत सेना शामिल नहीं है।

- (i) जो निर्मुक्त हुम्रा हो अग्नर्तो कि ऐसी निर्मुक्ति दूराचार या ग्रक्षमता के कारण पदच्युति या सेवा मुक्ति के रूप में न हो या ऐसी निर्मुक्ति के ग्रागय से रिजर्व में स्थानान्तरित न हुम्रा हो; या ग्रथवा
- (ii) जिसको उपर्युक्त निर्मुक्तिया रिजर्व में स्थानांतरण का पात बनने के लिए 16 जून 1980 की श्रावश्यक सेवावधि को समाप्त करने में श्रभी छह मास से कम सेवा करनी हो।

8. जिस उम्मीदबार ने निर्धारित णुल्क का भुमतान कर दिया हो किन्तु उसे श्रायोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया तो उसे ६० 15.00 (श्रनुसूचित जातियों श्रीर श्रनुसूचित जनजातियों के मामले में ६० 4.00) की राशि वापस कर दी जाएगी।

उपर्युक्त उपबंधित व्यवस्था को छोड़कर ग्रन्य किसी भी स्थिति में भ्रायोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा श्रौर नहीं शुल्क को किसी भ्रन्य परीक्षा या चयन के लिए श्रारिक्षत रखा जा सकेगा।

अ।वेदन पत्न प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवार की
 वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के भनुरोध
 पर किसी भी परिस्थित में विचार नहीं किया जाएगा।

नियमावली के परिशिष्ट I में उल्लिखित परीक्षा की योजना में बताए गए अंग्रेजी भाग I, ग्रंकगणित ग्रौर सामान्य ज्ञान, जिसमें भारत का भूगोल भी सम्मिलित है, के प्रश्न पत्नों में वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न पूछे जाएंगे। वस्तुपरक परीक्षण के विवरण ग्रौर नमूने के प्रश्नों के लिए ग्रनुबंध II पर उम्मीदवारों के सूचनार्थ विवरणिका का संदर्भ दिवा जाए।

भ्रार० एस० ग्रहलूवालिया उप-सचिव संघ लोक सेवा श्रायोग

अनुबन्ध I

उम्मीदवारों को प्रानुदेश

 उम्मीदबारों को चाहिए कि वे श्रावेदन-प्रपत्न भरने से पहले नोटिस श्रीर नियमावली को ध्यान से पढ़ कर देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र हैं या नहीं। निर्धारिक्ष शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती।

धावेदन-पन्न भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के परा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, झंसिम रूप से जुन लेना चाहिए । सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्शन से संबद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा ।

 उम्मीदवार को ग्रावेदन-प्रपत्न तथा पावती कार्ड ग्रपने हाथ से ही भरने चाहिए । ग्रधूरा या गलत भरा हुन्ना ग्रावेदन-पत्न ग्रस्वीकार किया जा सकता है।

सभी उम्मीदवारों को, चाह वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी श्रौद्योगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के श्रन्य संगठनों में हों या गैर सरकारी संस्थाश्रों में नियुक्त हों, श्रपने श्रावेदन-पत्न श्रायोग को सीधे भेजने चाहिएं। श्रगर किसी उम्मीदवार ने श्रपना श्रावेदन-पत्न श्रपने नियोगता के द्वारा भेजा हो श्रौर वह संघ लोक सेवा श्रायोग में वेर से पहुंचा हो तो उस श्रावेदन-पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को श्राखिरी तारीख के पहले शस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में श्राकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या श्रस्थायी हैसियत से या कार्य-भारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं उन्हें या परिवचन (श्रंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से श्रपने कार्यालय/विभाग के श्रध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए श्रावेदन किया है।

- उम्मीदवार को भ्रपने भावेदन-पत्न के साथ निम्न-लिखित प्रलेख भ्रवस्य भेजने चाहिए।
 - (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक आर्थट या गुल्क में छूट के वावे के समर्थन में प्रमाण-पद्म की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (बेखिए नोटिस का पैरा 6 श्रौर 7 तथा नीचे दिया गया पैरा 6)।
 - (ii) म्रायु के प्रमाण-पत्न की म्राभिप्रमाणित/प्रमाणिस प्रतिलिपि ।
 - (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्न की ग्रिभ-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ।
 - (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट ग्राकार (लगभग 5 सें० मी०×7 सें० मी० के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां जिसमें एक प्रति ग्रावेदन पन्न पर तथा दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर चिपका दें।
 - (v) जहां लागू हो वहां स्ननुसूचित जाति/म्ननुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्न की स्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
 - (vi) जहां लागू हो वहां भ्रायु/शुरूक में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्न की भ्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।

- (vii) उपस्थिति पल्लक (झाबेदन पत्न के साथ संलग्न) विधियत भरा हुआ।
- (viii) लगभग 11.5 से० मी०×27.5 सें० मी० भाकार के बिना टिकट लगे हुए दी लिफाफे जिन पर भाषका पता लिखा हो।

नोट:--- उम्मीदवारों को अपने आबेदन-पत्नों के साथ उपर्युवत मद (i), (ii), (iii) , (v), (v^i) में उल्लिखित प्रमाण-पक्षों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपन्नित ग्रधिकारी द्वारा मभित्रमाणित हो मथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार परीक्षा-परिणाम के फ्राधार पर मर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें परीक्षा के परिणामों की घोषणा के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पन्नों को मूल रूप में प्रस्तुत करना होगा । परिषाम सम्भवत: मार्च, 1981 घोषित किए जाएंगे । उम्मीदवारों को ग्रपने प्रमाण-पन्न तैयार रखने चाहिए भ्रौर परीक्षा की घोषणा के बाद शीघ्र ही भ्रायोग को प्रस्तुत कर देने चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय में भ्रपेक्षित प्रमाण-पत्न मुल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी कर वी जाएगी श्रौर रद्द उसका आगे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

- मद (i) से (iv) तक में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं ग्रीर मद (v) ग्रीर (vi) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4 ग्रीर 5 में दिए गए हैं :---
- (i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकिल किए गए भारतीय पोस्टल भार्बर :--

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः, रेखांकित किया जाए तथा उस पर "सचिव, संघ लोक सेवा भायोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय" लिखा जाना चाहिए।

किसी ग्रन्य डाकथर पर देय पोस्टल ग्रार्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएं। विकसित या कटे-फटे पोस्टल-ग्रार्डर मी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल ब्रार्डरों पर जारी करने वाले पोस्टभास्टर के हस्ताक्षर ब्रीर जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को भ्रवस्य ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल भार्डर न तो रेखांकित किए गए हों थ्रौर न ही सचित्र, संघ लोक सेवा भाषोग, को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय किए गए हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है। (ख) निर्धारित गुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा से लिया जाना चाहिए और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया की मुख्य शाखा, नई दिल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत् रेखांकित होना चाहिए।

किसी भ्रन्य बैंक के नाम देय किए गए बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(ii) म्रायुका प्रमाण पत्र—म्रायोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय के यहां से मैट्रिकुलेटों के रिजस्टर में दर्ज की गई हो ग्रीर वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो । जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण हैं, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की भ्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

धनुदेशों के इस भाग में धाए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पन्न के धन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पन्न सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैद्रिकुलेणन/उच्चतर माध्यमिक प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीख नहीं होती या भ्रायु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष भौर महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैद्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न की श्रभिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि के भ्रतिरिक्त उस संस्था के हैंडमास्टर/ प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्न की एक श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से वह मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुन्ना है। इस प्रमाण-पत्न में उस संस्था के दाखिला रिजस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक म्रायु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पल्ल के साथ इन अनुदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पल अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पल्ल में लिखी जन्म की तारीख मैद्रिकुलेशन प्रमाण-पल/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पल में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न है और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्न रद्द किया जा सकता है। नोट 1:—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पल हो, उसे केवल आयु में संबद्ध प्रविध्ट वाले पृष्ठ की अभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2: उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने श्रीर श्रायोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाव किसी बाद की परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की श्रनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पक्ष:—-उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पक्ष की प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्यताग्रों में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्न उस प्राधिकारी (श्रर्थात् विश्व-विद्यालय या किसी श्रन्थ परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्न की श्रिभप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण श्रवश्य बताना चाहिए श्रीर श्रपेक्षित योग्यता से संबद्ध दावे के समर्थन में. किसी श्रन्य प्रमाण-पत्न की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। श्रायोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवता के श्राधार पर विचार करेगा, किन्तु यह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

नोट:—जो उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठे हों जिसमें उत्तीर्ण होने पर वे श्रायोग की इस परीक्षा में बैठने के लिए शैक्षिक योग्यता प्राप्त कर लेंगे किन्तु उन्हें परिणाम की सूचना नहीं मिली है ग्रीर जो उम्मीदवार ऐसी श्रर्हक परीक्षा में बैठने का इरावा रखते हैं वे श्रायोग की इस परीक्षा में प्रवेश पाने के पान नहीं होंगे।

(iv) फोटो की दो प्रतियां:— उम्मीदबार को श्रपने हाल ही के पासपोर्ट श्राकार (लगभग 5 सेंम मी०×7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां श्रवण्य भेजनी चाहिएं। इनमें से एक प्रति श्रावेदन प्रपत्न के पहले पृष्ठ पर श्रीर दूसरी प्रति उपस्थिति पत्नक में निर्धारित स्थान पर जिपका वेनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही के हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें:— उम्मीदवारों को चेताबनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 3 (ii), 3 (iii) 3(iv) 3(v) और 3(vi) में उल्लिखित प्रमाण-पत्न, श्रादि में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो श्रावेदन पत्न अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विषद्ध कोई श्रपील नहीं सुनी जाएगी।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) श्राम तौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या नीचे उरिलखित किसी

प्रत्य प्रधिकारी से जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम प्राधिकारी के रूप में पदनामित किया हो नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्न लेकर उसकी एक श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्न उस जिले के श्रधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार श्रपनी शिक्षा से भिन्न किसी श्रन्य प्रयोजन से श्राम तौर पर रहता है।

भारत सरकार के श्रधीन पदों पर नियुनित के लिए स्रावेदन करने वाले स्मनुस्चित जातियों सौर स्रनुस्चित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण पत्न का फार्म।

	ग जाता है कि श्री /श्रीमती/कुमारी*
	———जो गांव/कस्बा*————
संघ* राज्य क्षेत्र	
जाति/ ज नजाति* के/र्क	ो* हैं जिसे निम्नलिखित के प्रधीन ग्रनुसूचित न जाति के रूप में मान्यता वी गई ह :—
संविधान (ग्रनुसू	चित जातियां) ग्रादेश, 1950*
संविधान (मनुस्	चित अन जातियां), मादेश, 1950*
संविधान (श्रनुसू 1951*	चित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) द्वादेश,
संविधान (धनुस्	चित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र)

[अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई, पुनर्गठन आधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रवेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र पुनर्गठन, अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित]।

भावेश. 1951*

संविधान (जम्मू भौर कश्मीर) झनुसूचित जातियां धादेश 1956*

संविधान (श्रंडमान श्रौर निकोबार द्वीप समूह) श्रनु-सुचित जन जातियां श्रादेश, 1959। श्रनुसूचित जातियां श्रौर

अनुसुचित जन जातियां भावेश (संशोधन) भ्रधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित ।* संविधान (दादरा ग्रीर नागर हवेली) ग्रनुसूचित जातियां भादेश , 1962* संविधान (दादरा ग्रीर नागर हवेली) ग्रनुसूचित जन जातियां भावेश, 1962* संविधान (पांडिचेरी) प्रनुसूचित जातियां ग्रादेश, 1964* जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) संविधान (भनुसूचिस **आ**देश, 1967* संविधान (गोबा, दमन भ्रौर दियु) भ्रनुसूचित जातियां मादेश, 1968***** संविधान (गोवा, दमन भौर दियु) अनुसूचित जन जातियां, मादेश, 1968* संविधान (नागालैण्ड) धनुसूचित जन जातियां मादेश, 1970* -----^{*}-----जिला/मंडल*-----राज्य/संध* राज्य क्षेत्र-----में रहते/रहती* है। हस्ताक्षर ------(कार्यालय की मोहर) सहित स्थान -----तारीख -----राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र

*ओ सब्द लागून हीं उन्हें कृपया काट दें।

- नोट:—यहां "म्राम लोर से रहते/रहती हैं" मन्यों का मर्थ वही होगा जो रिग्नेटेमन म्राफ दि पिपुल एक्ट, 1950 की धारा 20 में है। जाति/जन जाति प्रमाण पत्न जारी करने के लिये सक्षम मधिकारी।
- (i) जिला मैजिस्ट्रेट/म्रांतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलैक्टर/ डिप्टी कामिण्नर/एडिशनल डिप्टी कमिण्नर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपैन्डरी मैजिस्ट्रेट/ सिटी मैजिस्ट्रेट/सर्वा डिविजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा मसिस्टैन्ट कमिण्नर।

†(प्रथम श्रणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट के श्रोहदे से कम नहीं)।

(ii) चीप प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/एडिशनल चीप प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट।

- (iii) रेवेन्यू भ्रपक्षर जिनका श्रोहवा तहसीलदार से कम न हो।
- (iv) उस ध्लाके का सब-डिविजनल ग्रफसर जहां उम्मीदवार श्रौर/या उसका परिवार श्राम शौर से रहता हो।
- (v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमैंट प्रथमर लक्षकीप।
- (5) (क) नियम 6(ख) के प्रत्नर्गत प्रायु में छूट का दावा करने वाले लोग्रर डिथीजन क्लक्षीं/प्रमूपर डिथीजन क्लक्षीं/प्रदेशोग्राफर ग्रेड घ को प्रपने विभाग कार्यालय के प्रधान से निम्नलिखित प्रपन्न पर एक प्रमाण-पन्न मूल अप में प्रस्तुत करना चाहिए:——

हस्ताक्षर	~~~~~~
पदनाम	~
मंत्रालय/विभाग	
कार्थालय की मुहर	

*जो लागून हों उसे काट दें।

- (ख) नियम 6(ग) (ii) अथवा 6 (ग) (iii) के अंतर्गत आपु में छूट और/या नोटिस के गैरा 7 के प्रपुत्तर शुरुक से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति की निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पन्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच वी अवधि में प्रवजन कर भारत आया है।
 - (1) बंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों प्रथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविशों के कैम्प कमांडेंट;
 - (2) उस क्षेत्र का जिला में जिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है;
 - (3) संबद्ध जिलों में णरणाधी पुनर्शीस कार्थ के प्रभारी শ্বাবিংক্র जिला भैजिस्ट्रेट;
 - (4) भ्रपने ही कार्यभार के श्रधीन संबद्ध सब-डिवीजन का सब डिवीजनल भ्रफसर;

- (5) उप शरणार्थी पुनर्भास प्राथुक्त पश्चिमी अंगाल/ निदेशक (पुनर्भास), कलकत्ता।
- (ग) नियम 6(ग) (iv) अथवा 6(ग) (v) के अन्तर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले श्री लंका से प्रत्यावितित या प्रत्यावितित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिये गये इस आशय के प्रमाणपत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है, जो अक्तूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।
- (घ) नियम 6(ग) (vi) ग्रथवा 6(ग) (vii) के अन्तर्गत ग्रायु सीमा में छूट ग्रौर/या नोटिस के पैरा 7 के प्रनुसार शुल्क में छूट का वावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावित्त मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास रंगून द्वारा दिए गए पहचान प्रमाण-पन्न की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत श्राया है ग्रथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण-पन्न की प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से ग्राया हुग्ना वास्तविक प्रत्यावित व्यक्ति है ग्रौर 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत श्राया है।
- (ङ) नियम 6(ग) (viii) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया से आये हुए उम्मीदवार को या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित भारत मूलक उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है लिये गये प्रमाण-पद्म की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है।
- (च) नियम 6(ग) (ix) प्रथवा 6(ग) (x) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महा-निदेशक, पुनर्वास, रक्षा मंत्रालय से नीचे दिये हुए निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्न की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलांने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्नु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यश्र के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ है।

उम्मीदवा	र द्वार	। प्रस्तु	स (किये	जाने	वाले	प्रमाण-पक्त	का
फार्म				Ī				
प्रमाणित	किया	जाता	है	कि	यूनिट			

-के का नं०-

श्री								रक्षा	सेवाम्रों	में	कार्य
कर	ते हर	विदेशी	शस्त्र	देश	के	साथ	संघ	र्ष में/'	*ग्रमांति	ग्रस्त	क्षेत्र
	•		_					-	उस वि		
		ामस्यरूष					9.				

हस्ताक्षर -------पदनाम -------तारीख -----

*जो शब्द लागून हो उसे कृपया काट दें।

(छ) नियम 6(ग) (xi) या 6(ग) (xii) के श्रंतर्गत श्रायु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिये गए प्रमाण-पत्न की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा बल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग हुआ और उसके परिणामस्वरूप निर्मुवत हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्न का फार्म

ह्स्ताक्षर ———— पदनाम ————— तारीख —————

- (ज) नियम 6(ग) (xiii) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले वियतनाड से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को, फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से भ्राया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है भ्रौर वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं भ्राया है।
- (झ) नोटिस के पैरा 7 के अन्तर्गत मुल्क में छूट चाहने वाले भूतपूर्व सैनिक को अपने भूतपूर्व सैनिक होने के प्रमाण-स्वरूप, थल-सेना/वायु सेना/ नौ सेना प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए कार्य मुक्ति प्रमाण-पन्न की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। उक्त प्रमाण-पन्न में उसके समस्त्र सेनाओं में उस की सही तारीख तथा समस्त्र सेनाओं में से उसकी नियुक्ति अथवा समस्त्र सेनाओं के रिजर्व में उसके स्थानान्तरण की तारीख अथवा समस्त्र सेनाओं के रिजर्व में उसकी निर्मुक्ति अथवा समस्त्र सेनाओं के रिजर्व में उसकी निर्मुक्ति अथवा समस्त्र सेनाओं के रिजर्व में उसके स्थानान्तरण की प्रत्याणित तारीख का उल्लेख अवश्य होना चाहिए।
- 6. जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 5(ख), (ग) तथा (घ) में से किसी भी वर्ग के श्रंतर्गत नोटिस के पैरा 7 के श्रनुसार शुल्क में छूट का दावा करता है, उसकी किसी जिला श्रधि-

- कारी या सरकार के राजपितन प्रधिकारी या संसद् सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, यह दिखाने के लिये कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस भाशय का एक प्रमाणित पन्न लेकर उसकी श्रिभिप्रभाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि भी प्रस्तुत करनी होगी।
- 7. जिस उम्मीदवार के मामले में पातता प्रमाण-पत्त द्वावश्यक हो, उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल नभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे ब्रावश्यक पातता प्रमाण-पत्न जारी कर दिया गया हो।
- 8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे म्रावेदन-पत्न भरते समय कोई झूठा ब्यौरा न दें म्रौर न ही किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं।

उम्मीदबारों को यह भी नेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किये गये किसी प्रलेख ग्रथवा उसकी प्रति लिपि की किसी प्रविष्ट को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें, न उसमें परिवर्तन करें, ग्रौर न कोई फेरबदल करें ग्रौर न ही फेर बदल किये गये झूटे प्रमाण पत्न प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या ग्रधिक प्रमाण पत्नों या उनकी प्रतियों में कोई ग्रशुद्धि ग्रथवा विसंगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाये।

- 9. ग्राकेदन-पत्न देर से प्रस्तुल किये जाने पर देशी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जायेगा कि ग्रावेदन प्रपत्न ही अमुक तारीख को भेजा गया था। ग्रावेदन-प्रपत्न का भेजा जाता ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्न पाने वाला परीक्षा में बैंटने का पात हो गया है।
- 10. यदि परीक्षा से सम्बन्ध आवेदन पत्नों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर जम्मीदवार की अपने आवेदन पत्न की पावती (एक्नालिजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिये आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिये।
- 11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन पत्न के परिणाम की सूचना यथाशी द्वा दे दी जायेगी। किन्सु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जायेगा। यिव परीक्षा के आरम्भ होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्न के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिये। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किया जाने के दावे से वंचित हो जायेगा।
- 12. पिछली पांच परीक्षाओं की नियमावली तथा प्रकृत-पत्नों से युक्त पुस्तिकायें प्रकाशन नियंत्नक, सिबिल लाइन्स, दिल्ली-110054 के यहां बिक्री के लिये मिलती हैं और उन्हें उनके यहां से सीधे मेल झार्डर या नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। केवल नकद भुगतान द्वारा इन्हें (i) किताब महल रियोनी सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग 'सी' ब्लाक,

बाबा खड़ग सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 (ii) बिकी केन्द्र, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001, (iii) गर्वर्नमेंट ब्राफ इंडिया बुक डिपो, 8, के० एस० राय रोड, कलकत्ता-I से भी प्राप्त किया जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफस्सिल नगरों में भारत-सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती है।

13. भ्रावेदन-पत्न से संबद्ध पत्न-व्यवहार:—श्रावेदन-पत्न से संबद्ध सभी पत्न आदि सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग, भ्रौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्योरा श्रनिवार्य रूप से दिया जाए:—

- (1) परीक्षा का नाम --
- (2) परीक्षा का महीना श्रौर वर्ष -
- (3) रोल नम्बर प्रथवा उम्मीदवार की जन्म की तिथि, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)
- (5) स्रावेदन-पत्न में दिया गया पत्न-व्यवहार का पता

ध्यान दें: (i)—जिन पत्नों भ्रादि में यह ब्यौरा नहीं होगा संभव है कि उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

ध्यान के (ii):—परीक्षा समाप्त होने के बाद यदि उम्मीव-वार से कोई पत्न/सूचना प्राप्त होती है ग्रौर जसमें उसका पूरा नाम ग्रौर ग्रनुक्रमांक नहीं बिखा है, तो उस पर कोई ध्यान नहीं दिया जाएगा ग्रौर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

14. पते में परिवर्तन: उम्मीदवार को इस बाल की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके भावेदन-पत्न में उल्लिखित पते पर भेजे गये पत्न भ्रादि, ग्रावश्यक होने पर उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर ग्रायोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित भ्योरे के साथ यथाशीध्र दी जानी चाहिए। यद्यपि ग्रायोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करता।

भ्रनुबन्ध-

उम्मीदवारों को सूरवार्थ विवरणिका

क. वस्तु परक परीक्षण

श्राप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं उसको "वस्तुपरक परीक्षण" कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में झापको उत्तर फैलाकर रखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रथन (जिसको झागे प्रश्नाण कहा जाएगा) के लिये कई संभाव्य उत्तर विये जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिये एक उत्तर (जिसको झागे प्रत्युक्तर कहा जाएगा) झापको चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य ग्रापको इस परीक्षा के बारे में जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण ग्रापको कोई हानि न हो।

खापरीक्षण का स्वरूप

प्रश्न पत "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में ऋप संख्या 1, 2, 3 · · · · · · के ऋम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे , a b c · · · · के ऋक में संभावित प्रत्युत्तर लिखे होंगे। श्रापका काम प्रत्येक प्रश्न के लिये एक सही या यदि एक से श्रधिक प्रत्युत्तर सही हैं तो उनमें से सर्वोत्तम प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। (श्रंत में दिये गये नमूने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थिति में प्रत्येक प्रश्नांश के लिये श्रापको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि श्रापको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि श्राप एक से श्रधिक चुन लेते हैं तो श्रापका उत्तर गलत माना जाएगा।

ग उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिये आपको धलग से एक उत्तर पत्नक परीक्षा भवन में विया जाएगा। आपको श्रपने उत्तर इस उत्तर पत्नक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्नक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गये उत्तर जांचे नहीं जायेंगे।

उत्तर पत्नक में प्रथनांशों की संख्याएं 1 से 200 तक जार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रथनांश के सामने a, b, c, d,के क्रम से प्रत्युत्तर छपे होंगे। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रथनांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है, श्रापको उस प्रत्युत्तर के ध्रक्षर को दर्शने वाले आयत को पेंसिल से काला बनाकर उसे श्रंकित कर देना है जैसा कि संलग्न उत्तर पत्नक के नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्नक के श्रायत को काला बनाने के लिये स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

4 (ma) (b) (c) (d) (m)

4 (ma) (b) (c) (d) (m)

4 (m) (d) (m)

4 (m) (d) (m)

4 (m) (d) (m)

इसिलये यह जरूरी है कि प्रश्नांशों के उत्तरों के लिये केवल ग्रज्छी किस्म की एच० बी० पेंसिलें (पेंसिलों) ही लाएं श्रौर उन्हीं का प्रयोग करें।

- 2. ग्रगर भ्रापने गलत निशान लगाया है तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दें। इसके लिये ग्राप भ्रपने साथ एक रबड़ भी लाएं।
- 3. उत्तर पत्नक का उपयोग करते सनय कोई ऐसी ब्रसावधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए या उसमें मोड़ या सलबट ब्रादि पड़ जाए ब्रौर वह देखा हो जाए।

घ. कुछ महत्वपूर्ण नियम

- ग्रापको परीक्षा श्रारंभ करने के लिये निर्धारित समय
 से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा ग्रौर
 पहुंचते ही ग्रपना स्थान ग्रहण करना होगा।
- 2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- परीक्षा शुरू होने के बाद 48 मिनट तक किसी को
 परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षण पुस्तिका श्रौर उत्तर पत्नक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौंप दें। श्रापको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा-भवन से बाहर ले जाने की श्रनुमित नहीं है। इन नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ा दंड दिया जाएगा।

- 5. उत्तर पत्नक पर नियत स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम श्रपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय परीक्षण की तारीख ग्रीर परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या स्याही से साफ लिखें। उत्तर पत्नक पर ग्राप कहीं भी श्रपना नाम नृं लिखें।
- 6. परीक्षण-पुस्तिका में दिये गये सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। इसलिये इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पल्लक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है, तो उस प्रश्नांश के लिये आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। प्यंवेक्षक के दिये गए अनुदेशों का पालन करें। जब प्यंवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कह दें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।
- 7. श्राप श्रपना प्रवेश प्रमाण पत्न साथ लाएं। श्रापको श्रपने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक रबड़, एक पेंसिल शार्पनर श्रौर नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी श्रापको सलाह दी जाती है कि श्राप श्रपने साथ एक किलप बोर्ड या हार्डबोर्ड या कार्ड बोर्ड लाएं जिस पर कुछ भी न लिखा हो। श्रापको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा, माना या श्रारेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिये श्रापको मांगने पर एक श्रलग कागज दिया जाएगा। श्राप कच्चा काम श्रुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम श्रपना रोल नम्बर श्रौर तारीख लिखें श्रौर परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे श्रपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को पास कर दें।

ड. विशेष स्नुदेश

जब प्राप परीक्षा भवन में प्रपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से श्रापको उत्तर पत्नक मिलेगा। उत्तर पत्नक पर प्रपेक्षित सूचना श्रपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक श्रापको परीक्षण पुस्तिका देंगे। परीक्षण पुस्तिका वेंगे। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर श्राप देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है श्रन्थथा उसे बदलवा लें। जब यह हो जाए तब श्रापको उत्तर पत्नक के संबद्ध खाने में श्रपनी 25—36GI/80

परीक्षण-पुस्तिका की ऋम संख्या लिखनी होगी। जब तक पर्यवेक्षक परीक्षण पुस्तिका को खोलने को न कहें तब तक स्राप उसे न तीड़ें।

च कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य श्रापकी गति की श्रपेक्षा शुद्धता को जांचना है फिर भी यह जरूरी है कि श्राप श्रपने समय का दक्षता से उपयोग करें। सन्तुलन के साथ आप जितनी जल्दी श्रागे बढ़ सकते हैं। बड़ें, पर लापरवाही न हो। श्रगर श्राप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिंता न करें। श्रापकों जो प्रश्न श्रत्यत किठन मालूम पड़ें, उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की श्रोर बढ़ें श्रीर उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें

सभी प्रश्नों के श्रंक समान होंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। श्रापके द्वारा श्रकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के श्राधार पर श्रापको श्रंक दिये जायेगे। गलत उत्तरों के लिए श्रंक नहीं काटे जाएंगे।

छ. परीक्षण का मापन

जंसे ही पर्यवेक्षक भ्रापको लिखना बन्द करने को कहें, भ्राप लिखना बन्द कर दें।

श्राप श्रपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक श्रापके यहां श्राकर सभी श्रावश्यक सामग्री न ले जाएं श्रौर श्रापको "हाल" छोड़ने की श्रनुमति न दें। श्रापकी परीक्षण-पुस्तिका श्रौर उत्तर पत्नक श्रौर कच्चे काम करने का कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की श्रनुमित नहीं है।

र्नमूने के प्रक्रन

- मौर्य वंश के पतन के लिये निम्नलिखित कारणों में से कौन सा उत्तरदायी नहीं है?
 - (a) प्राणोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजोर थे।
 - (b) अशोक के बाद सम्प्राज्य का विभाजन हुआ।
 - (c) उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।
 - (d) श्रशोकोत्तर युग में श्रार्थिक रिक्तता थी
 - 2. संसदीय स्वरूप की सरकार में
 - (a) विद्यायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
 - (b) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
 - (c) कार्येपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
 - (d) न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
 - (e) कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

- 3. पाठ्णाला के छात्र के लिये पाठयेतर कार्यकलाप का मुख्य प्रयोजन
 - (a) विकास की मुविधा प्रदान करना है।
 - (b) भ्रनुणासन की समस्याश्रों की रोकथाम ।
 - (c) नियत कक्षा-कार्य से राहत देना है।
 - (d) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना हैं।
 - 4. सूर्य के सबसे निकट ग्रह है,
 - (a) 明新
 - (b) मंगल
 - (c) बृहस्पति
 - (d) बुध
 - 5. वन श्रीर बाढ़ के पारस्परिक संबंध को निम्नलिखित में से कौन सा विवरण स्पष्ट करता है?
 - (a) पेड़ पौब्रे जितने अधिक होते हैं मिट्टी का क्षरण, उतना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।
 - (b) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं, नदियां उतनी ही गाद से भरी होतो हैं जिससे बाढ़ होती है।
 - (c) पेड़ पौधे जितने श्रधिक होते हैं, नदियां उतनी ही कम गाद से भरी होती हैं जिससे बाढ़ रोकी जाती है।
 - (d) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं उतनी ही धीमी गति से बर्फ पिघल जाती है जिससे बाक़ रोकी जाती है।

कर्मचारी चयन श्रायोग मंक्षिप्त विज्ञप्ति

नई दिल्ली दिनांक 26 श्रप्रैल 1980

उच्च श्रेणी ग्रेड सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 1980

सं० 1/8/2/79-समन्वय-II (ग्रनुवाद)—केन्द्रीय सिववालय लिपिक सेवा तथा रेल बोर्ड सिववालय लिपिक सेवा के उच्च श्रेणी ग्रेड की प्रवर सूचियों में वृद्धि करने हेतु कर्मचारी चयन ग्रायोग, नई दिल्ली के द्वारा 22 ग्रौर 23 सितम्बर, 1980 को बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर तथा विदेशों

में स्थित कुछ चुने हुए भारतीय दूतावासों में एक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा ली जाएगी।

- 2. पातता की णतें:---- उम्मीदवार केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा या रेल बोर्ड मचिवालय लिपिक सेवा का नियमित रूप से नियुक्त स्थायी श्रथवा ग्रस्थायी ग्रधिकारी होना चाहिए श्रीर जो निम्नलिखित णतें को पूरा करता हो:---
 - (क) सेवा प्रविध: ---केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा या रेल बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के भ्रवर श्रेणी लिपिक ग्रेड में 1-8-1980 को पांच वर्ष की श्रनुमोदित तथा लगातार सेवा से कम न हो।
 - (ख) मायु:--1-8-1980 को 50 वर्ष से प्रधिक नहीं हो। अनुस्चित जातियों/अनुस्चित स्नादिम जातियों भौर कुछ भ्रन्य निर्धारित वर्गों के लिए ऊपरी श्रायु सीमा में छूट होगी।
 - (ग) टंकण परीक्षा:---जब तक अवर श्रेणी ग्रेड में पुष्टि के लिए संघ लोक सेवा श्रायोग/सचिवालय प्रणिक्षण शाला/सचिवालय प्रणिक्षण तथा प्रबंध संस्थान (परीक्षा स्कंध)/ग्रधीनस्थ सेवा श्रायोग/ कर्मचारी चयन श्रायोग द्वारा ग्रायोजित मासिक/ स्नेमासिक टंकण परीक्षा से छूट प्राप्त न हो, उसे इस परीक्षा की विज्ञप्ति जारी होने की तारीख को श्रथवा इस से पहले ऐसी परीक्षा पास होना चाहिए।
- 3. फीस:--12/- रु० (ग्रनुसूचित जातियों/ग्रनुसूचित ग्रादिम जातियों के लिए 3/-रु०)।
- 4. पूरे विवरण तथा भ्रावेदन-पत्न क्षेत्रीय निदेणक, (उ० क्षे०), कर्मचारी चयन भ्रायोग, लोक नायक भवन, दूसरी मंजिल, खान मार्किट, नई दिल्ली-110003 को 1.00 रुपया के रेखित ("प्राप्त कर्त्ता लेखा") भारतीय पोस्टल भ्रार्डर जो कर्मचारी चयन भ्रायोग को लोधी रोड डाक घर, नई दिल्ली पर देय हों, भेज कर भ्रथवा भ्रायोग के विकी काउंटर पर नकद भुगतान करके प्राप्त कर सकते हैं।
- 5. भरे हुए म्रावेदन-पत्न म्रायोग को 27-5-1980 (10-6-1980 विदेशों में तथा म्रंडमान एवम् निकोबार ढीप समूह में तथा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के लिए) तक म्रवश्य पहुंच जाने चाहिए।

ज्ञान नाथ खन्ना श्रवर सचिव (समन्वय)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-1100011, the 31st March 1980

No. A.38015/1/Admn.II.—Consequent upon his retirement on superannuation with effect from 31st March, 1980 (Afternoon), Shri M. P. Guha has relinquished the charge of the office of the Senior Research Officer (Bengali) in the office of the Union Public Service Commission.

S. BALACHANDRAN, Under Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 3rd April 1980

No. D.1. 12/77-ESTT.—Consequent on his retirement from Government service Shri Bhoom Singh, of CRPF relinquished charge of the post of Dy. S.P., while on deputation to Mizoram Police, on the afternoon of 31-8-79.

No. O.II.1348/77-ESTT.—The President is pleased to relieve Shri P. R. Meena, Dy. S.P. of 28 Bn, CRPF w.o.f. the afternoon of 20-11-79 on expiry of one month's notice under rule 5(i) of the CCS (TS) Rules, 1965.

No. O.II.1461/80-ESTT.—The President is pleased to appoint on re-employment Major B. S. Shorey (Retd) as Assistant Commandant in the Central Reserve Police Force until further orders.

2. Major B. S. Shorey took over charge of the post of Assistant Commandant A.W.S.-1 C.R.P.F. Hyderabad on the forenoon of 28th February, 1980.

K. R. K. PRASAD, Asstt. Dir. (Adm)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 1st April 1980

No. 11/99/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Jayanta Roy, an Officer belonging to the West Bengal Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, West Bengal, Calcutta by transfer on deputation, with effect from the foremoon of 12th March, 1980 until further orders.

The headquarter of Shri Roy will be at Calcutta.

No. 11/110/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri P. J. Ihala, an Officer belonging to the Gujarat Civil Service, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Gujarat at Ahmedabad by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 13-3-1980 until further orders.

The headquarter of Shri P. J. Jhala will be at Ahmedabad.

No. 7/4/79-Ad.I-1187.—The President is pleased to appoint the following Officers as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, in substantive capacity, with effect from 3rd December, 1977.

- 1. Shri Lal Krishan
- 2. Shri S. S. S. Jaiswal.
- 3. Shri S. K. Agarwal
- 4. Shri B. L. Bhan

No. 11/118/79-Ad.I-1188.—The President is pleased to appoint Shri S. B. Chaubul, an Officer belong to the Maharashtra. Civil Service, as Deputy Director of Census Operations, in the Office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 1st March, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Chaubal will be at Bombay.

The 3rd April 1980

No. 11/57/79-Ad.I.1197.—The President is pleased to appoint Shri N. G. Shah, an Officer belonging to the Government of Gujarat, as Assistant Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations,

Gujarat, Ahmedabad by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 4th March, 1980 until further orders.

The headquarter of Shri Shah will be at Ahmedabad.

The 5th April 1980

No. 11/102/79-Ad.I.—The president is pleased to appoint Shri R. K. Bhatia, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Deputy Director of Census Operations, in the same Office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 27th March, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri R. K. Bhatia will be at New Delhi..

No. 11/102/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri O.P. Sharma, Assistant Director of Census Operations, (Technical) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Deputy Director of Census Operations in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 27th March, 1980 or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri O. P. Sharma will be at New Delhi.

P. PADMANABHA, Registrar General, India

The 7th April 1980

No. 10/22/78-Ad.I.—The President is pleased to appoint Dr. K. P. Ittaman, Research Officer in the Ministry of Social Welfare, as Senior Research Officer in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, by transfer on deputation on ad-hoc basis for a period of one year with effect from the afternoon of 15th March, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

The headquarter of Dr. Ittaman will be at New Delhi.

No. 11/117/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Ganguli, an Officer belonging to the Tripura Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Tripura Agartala, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 14th March, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Ganguli will be at Agartala.

No. 11/8/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri G. D. Righe, an Officer belonging to the Maharashtra Civil Service, as Deputy Director of Census Operations, in the Office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay, by Transfer on deputation, with effect from the forenoon of 15th March, 1980, until further orders.

The Headquarter of Shri Dighe will be at Nasik.

P. PADMANABHA, Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE

(DEPTT. OF E.A.)

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 22nd March 1980

No. 1589/A.—The undersigned hereby appoints Shri G. S. Sapkale, Sectional Officer (Class III non-Gazetted), Central Stamp Store, Nasik Road, to officiate as Assistant Controller of Stamps (Class II Gazetted post) in the Central Stamp Store in the revised scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on an ad-hoc basis w.e.f. the forenoon of 1st March, 1980 to 30th Junc, 1980 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

The 30th March 1980

No. 1590/M.—On his superannuation retirement from Govt. service, Shri R. A. Patel relinquished charge of the office of the Asstt. Controller of Stamps, Central Stamp

Store, Nasik Road, with effect from the afternoon of 29th February, 1980.

N. RAMAMURTHY Sr. Dy. General Manager

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 1st April 1980

No. BNP/C/5/80.—In continuation to this Deptt's Notification number BNP/C/5/79 dated 23-12-79 the ad hoc appointment of Shri R. C. Agrawal as Technical Officer (Printing & Platemaking) in Bank Note Press, Dewas is continued for a further period of 3 months with effect from 25-3-1980 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier on the same terms and conditions.

No. BNP/C/5/80.—In continuation to this Department's Notification No. BNP/C/5/79 dated 29-11-79, the following ad hoc appointments have been continued upto 31-3-80 on the same terms and conditions.

Sl No.	Name			Post to which appointed on ad hoc basis initially
	S/Shri			
1.	M. Ponnuthurai		•	Technical Officer (Printing & Platemaking)
2.	D. R. Kondawar			-do-
3.	Y. Janardhan Rao			-do-
4.	Rampal Singh			-do-
5.	N. R. J. iraman			-do-
5.	Sams rendra Dass			-do-
7.	Mridul Dutta	•	-	Technical Officer (Designing & Engraving)
8.	Arun Kumar Ingle	٠	•	Technical Officer (Ink Factory Research & Laboratory)
9.	J. N. Gupta .	•	•	Technical Officer (Ink Factory Production)

P. S. SHIVARAM General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ORISSA

Bhubaneswar, the 19th February 1980

- E.O. No. 85.—The Accountant General is pleased to appoint the following permanent section officers of this office to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 from the dates noted against each until further orders.
 - 1. Sri M. S. Sarkar-25-1-80 A.N.
 - 2. Sri G. S. Prakash Rao-25-1-80 A.N.
 - 3. Sri V. R. G. K. C. Bhatta-25-1-80 A.N.
 - 4. Sri P. K. Kochukutty-25-1-80 A.N.
 - 5. Sri B. S. R. Sarma-25-1-80 A.N.
 - 6. Sri Ch. R. Suryanarayana-4-2-80 F.N.
 - 7. Sri S. K. Chatterjee-1-2-80 F.N.

Their inter-se-seniority will be as indicated above and their promotion is also on ad hoc basis subject to the decision of the High Court/Supreme Court on the cases subjudiced in the Courts.

The 25th February 1980

No. Admn-IAD-1-29-Con-4635.—The Accountant General is pleased to appoint substantively the following officiating Accounts Officers of this office in the cadre of Accounts Officer's from the dates noted against each.

- 1. Sri G. K. Patnaik-28-12-78
- 2. Sri C. R. Misra-1-6-79

- 3. Sri H. D. Mitra-26-6-79
- 4. Sri M. K. Chidambaram-1-11-79
- 5. Sri A. K. Mazumdar-1-11-79
- 6. Sri V. Krishna Rao-1-2-80.

K. P. VENKATESWARAN Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

THE ACCOUNTANT-GENERAL, ANDHRA PRADESH Hyderabad, the 2nd April 1980

No. Admn.1/8-132/80-81/2.—The Accountant General, Andhra Pradesh-1, has been pleased to promote Sri S. Nagaialoun officiating Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 18-2-80 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

P. HARIHARAN

Senior Deputy Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE C.G.D.A.

New Delhi-110022, the 3rd April 1980

No. 18293/AN-I.—On attaining the age of 58 years Shri M. N. NARAYANAN, Assistant Controller of Defence Accounts will be transferred to the Pension Establishment on 31-8-1980 and accordingly be struck off strength of the Defence Accounts Department w.e.f. 31-8-80 (AN).

No. 18295/AN-I.—On attaining the age of 58 years Shri DEV RAJ SEHGAL, Assistant Controller of Defence Accounts, will be transferred to the Pension Establishment on 31-10-1980 (AN) and accordingly be struck off strength of the Defence Accounts Department w.e.f. 31-10-1980 (AN).

No. 18343/AN-I.—On attaining the age of 58 years Shri J. L. BALI, Assistant Controller of Defence Accounts transferred to the Pension Establishment with effect from 30-11-79 (AN) and accordingly struck off strength of the Defence Accounts Department w.e.f. 30-11-79 (AN).

K, P. RAO

Addl. Controller General of Defence Accounts
(AN)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 5th April 1980

No. 53/A-Admn/130/79.—Consequent on his permanent absorption in the Indian Council of Agricultural Research, with effect from 1-9-79 (FN) the lien of Shri S. P. Singh, officiating Audit Officer, substantive Section Officer (Audit) in this Department has been terminated in terms of FR-14-A(d) from the same date.

K. B. DAS BHOWMIK Jt. Director of Audit, DS

MINISTRY OF DEFENCE DGOF HQRS. CIVIL SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 28th March 1980

No. 8/80/A/E-1(NG).—Shri B. K. Chatterjee, Substantive and Permanent Asstt./Ty. ASO having been declared permanently incapacitated for Govt. Service by the Medical Board, the D.G.O.F. has sanctioned invalid pension to him under provision of Rule 38, C.C.S. Pension Rules 1978 (Edition), Shri Chatterjee is transferred to pension establishment w.e.f. 20-2-80 the date on which the Medical Board

certified him as permanently incapacitated for further Service under Govt.

D. P. CHAKRAVARTI ADGOF/Admin.

for Director General, Ordnance Factories

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 31st March 1980

No. 11/80/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri G. F. Mascarenhas Offg. Manager Subst. & Permt. Deputy-Manager retired from service w.e.f. 31st Dec., 1979 (A.N.).

No. 12/80/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri G. K. Ranade, Offg. Deputy Manager Subst. & Permt. Assistant Manager retired from service w.e.f. 31st Jan., 1980 (A.N.).

The 2nd April 1980

No. 13/G/80.—Shri D. Y. MOGHE, Regional Director (NR) (offg. DDG, Level-I) voluntarily retired from service w.e.f. 11-5-79 (AN).

No. 14/G/80.—Shri I. K. NAYAK, Addl. DG/Mcmber, O.F. Board (offg. DDG Level-I) voluntarily retired from service w.e.f. 7-1-80 (AN).

No. 15/G/80.—On expiry of extension of service for six months beyond 58 years Shri S. S. BASU, Offg. DDGOF (Permt. ADG Gr. I) retired from service w.e.f. 20-9-79 (AN).

No. 16/G/80.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri G. C. KHANNAN, Offg. Manager (Substt. & Permt. Dy. Manager) retired from service w.e.f. 31-1-1980 (AN).

No. 17/G/80.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri K. C. KUMAR, Offg. Deputy Manager (Permt. Asstt. Manager) retired from service w.e.f. 31-12-79 (AN).

No. 18/G/80.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri MISIKEEN HUSSAIN, Offg. Dy. Manager (Substt. Foreman) retired from service w.e.f. 31-7-79 (AN).

No. 19/G/80.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri T. R. SIBAL, Offg. Asstt. Manager (Substt. & Permt. Foreman) retired from service w.e.f. 30-11-1979 (AN).

V. K. MEHTA Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 3rd April 1980

No. 12/170/61-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri S. H. Nirokhekar permanent Asstt. Director (Gr. II) (Mechanical) and officiating Deputy Director (Mechanical) in Regional Testing Centre, Bombay, to retire from Govt. service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 31st December, 1979.

M. P. GUPTA Deputy Director (Admn.)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER Bombay-20, the 12th March 1980

No. CER/1/80.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 22 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 I hereby make the following further amendments to the Textile Commissioner's Notification No. CER/1/68,

dated the 2nd May, 1968, namely :-

In paragraph 2 of the said Notification:-

- I. For sub-item (v) of item (b) and NOTE thereof the following shall be substituted, namely:—
 - "(v) Of woven yarn of average count not exceeding 34.49s and includes any type of printed mull and printed voile having a length not below 5 metres per piece."

"NOTE. For this purpose item Printed Mull and Printed voile shall mean any printed fabric of plain weave manufactured with single yarn and with warp count not lower than 28s."

- II. For sub-item (iv) of item (c) the following shall be substituted, viz.:—
 - "(iv) has a width ranging between 84 cms and 120 cms (both inclusive)."
- III. This notification shall come into force with immediate effect.

M. MADURAI NAYAGAM Additional Textile Commissioner

OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta-700096, the 7th April 1980

No. Jute(A)/187(1)/71.—Jute Commissioner, Calcutta hereby appoints Shri T. S. Chakrabarti, as Executive Officer in the office of the Jute Commissioner, Calcutta in a substantive capacity with effect from 14th November, 1977.

R. N. CHAKRABORTY Dy. Jute Commissioner

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION Λ-1)

New Delhi-1, the 18th March 1980

No. A-1/1(948).—Shri Babu Lal, substantive Senior Economic Investigator in this office is appointed as Assistant Director (Statistics) (Grade 1) on ad hoc basis in this office with effect from the forenoon of 12-3-1980.

The 31st March 1980

No. A-1/1(585).—The President is pleased to appoint Shri V. S. Chawla, Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') to officiate on ad hoc basis as Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi, with effect from the forenoon of 20-3-1980.

- 2. The ad-hoc promotion of Shri V. S. Chawla as Director of Supplies will not confer on him any right or claim towards seniority and regular appointment in the grade to which he is promoted on ad hoc basis.
- No. A-1/1(873).—The President is pleased to appoint Shri I. S. Garg, Assistant Director (Gr. I) (Gr. III of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Dte. General of Supplies and Disposals, New Delhi, to officiate on ad hoc basis as Deputy Director of Supplies (Gr. II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate General at New Delhi, with effect from the forenoon of 20-3-80.
- 2. The ad hoc promotion of Shri I. S. Garg as Deputy Director of Supplies will not confer on him any right or claim towards seniority and regular appointment in the grade to which he is promoted on ad hoc basis.

K. KISHORE

Dy. Director (Administration) for Director General of Supplies & Disposals

(Admn. Section A-6)

New Delhi, the 1st April 1980

No. A6/247(324)/61-III.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Hazra, Asstt. Inspecting Officer (Met)

in the office of Dy. Director of Inspection (Met) Durgapur under the Burnpur Inspectorate to officiate on ad hoc basis as Asstt. Director of Inspection (Met.) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' Met Branch) in the office of Director of Inspection, Burnpur w.e.f. 27-2-1980 (FN) and until further orders.

Shri Hazra relinquished the charge of the post of AIO (Met) in the office of Dy, Director of Inspection (Met) Durgapur on 25-2-1980 (AN) and assumed charge of the post of ADI (Met) in the office of Director of Inspection (Met) Burnpur on 27-2-1980 (FN).

P. D. SETH
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 31st March 1980

No. 19012(125)/80-Estt.A Vol.I.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri Sarbeshwar Singh, Permanent Senior Technical Assistant (Geology), Indian Bureau of Mines, is promoted to officiate as Assistant Mining Geologist in this department in Group 'B' post with effect from the forenoon of 18th March, 1980, until further orders.

S. V. ALI Head of Office Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 3rd March 1980

No. A19019/23/79-CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Ram Kishan to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of the 11th March, 1980.

N. N. GHOSH Dy. Director Admn. (CGHS)

New Delhi, the 7th April 1980

No. A.12026/18/79-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Pushp Kumar to the post of Lecturer in Statistics & Demography at Lady Hardinge Medical College & Smt. Sucheta Kirpalani Hospital, New Delhi with effect from the afternoon of 26th February, 1980 on an ad hoc basis and until further orders.

S. L. KUTHIALA Dy. Director Administration (O&M)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad-121001, the 2nd April 1980

No. A-19023/58/78-A.III.—The short-term appointment of the following officers to the posts of Marketing Officer (Group I) in this Directorate have been extended upto 30-6-1980 or until regular arrangements are made, whichever is earlier:—

- 1. Shri S. B. Chakravarty
- 2. Shri S. V. Krishnamurthy
- 3. Shri R. V. Kurup
- 4. Shri S. D. Phadke.

No. A-19025/4/80-AIII.—The short-term appointments of the following Officers to the post of Assistant Marketing

Officer (Group I) have been extended upto 30-6-80 or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier:—

- 1. Shri G. V. Ramomurthy
- 2. Shri P. D. Girase
- 3. Shri K. Jeyanandan
- 4. Smt. R. Lalitha.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

CENTRAL WATER & POWER RESEARCH STATION

Pune-24, the 27th March 1980

No. 602/6/80-Adm.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B) (Gazetted), the Director, Central Water & Power Research Station, Pune, hereby appoints the following persons to the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Physics) in the Central Water & Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a regular basis, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22nd March, 1980.

- 1. Shri A. V. Wedpathak
- 2. Shri P. V. Mathew

The above officers will be on probation for a period of two years with effect from 22nd March, 1980 (forenoon) in the grade of Assistant Research Officer (Physics).

No. 602/8/80-Adm.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B) (Gazetted), the Director, Central Water & Power Research Station, Pune, hereby appoints Shri N. N. Koti to the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Maths) in the Central Water & Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a regular basis, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22nd March, 1980.

Shri N. N. Koti will be on probation in the cadre of Assistant Research Officer (MATHS), Central Water & Power Research Station, Pune, for a period of two years with effect from 22-3-1980 (Forenoon).

No. 602/19/80-Adm.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B) (Gazetted), the Director, Central Water & Power Research Station, Pune, hereby appoints Shri M. L. Nath to the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry) in the Central Water & Power Research Station, Pune, in the scale of pny of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a regular basis, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22nd March, 1980.

Shri M. L. Nath will be on probation in the codre of Assistant Rescarch Officer (Scientific-Chemistry), Central Water & Power Research Station, Pune, for a period of two years with effect from the forenoon of 22nd March, 1980.

M. R. GIDWANI Administrative Officer for Director

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 10th March 1980

No. 5/1/79-Estt. II/909.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned official to officiate on an ad-hoc basis as Security Officer for the period shown against his name:—

Sl. No.	Name & Designation	Name & Designation Appointed to Officiate		Period		
		as	From	То		
1	2	3	4	5		
1.	Shri V. K. Murthy . Asstt. Security Officer	Security Officer	15-9-79 (FN)	26-10-79 (AN)		
2.	Shri V. K. Murthy . Asstt. Security Officer	Security Officer	7-1-80 (FN)			

No. 5/1/79-Estt.II/910.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri L. B. Gawde, Assistant, to officiate on an *ad hoc* basis as Assistant Personnel Officer for the period from 15-1-1980 FN to 29-2-1980 AN.

KUM. H. B. VIJAYAKAR Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 3rd April 1980

No. AMD-1/23/79-Adm.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri Sohail Fahmi as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of March 14, 1980 until further orders.

M. S. RAO Sr. Administrative & Accounts Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 2nd April 1980

No. E(1)03380.—Shri S. Kumar, Director, Headquarters office of the Director General of Meteorology, New Delhi, India Meteorological Department, retired from the Govt. service with effect from the afternoon of 30-11-1979 on attaining the age of superannuation.

The 5th April 1980

No. E(1)03286.—Shri C. R. V. Raman, Deputy Director General of Meteorology, who was performing the functions of the Project Director (Monex), India Meteorological Department, retired from the Govt. service from the afternoon of 29th February 1980, on attaining the age of superannuation.

K. MUKHERJEE
Meteorologist
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 1st April 1980

No. A. 31011/1/77-EC.—The President is pleased to appoint the following 27 officers in a substantive capacity in the grade of Technical Officer in the C. A. D. with effect from 26-4 1979 and until further orders:—

Sl. No.	Name		Station of posting
1	2		3
	S/Shri		
1.	H. S. Gahlot .		A. C. S., Ahmedabad.
2.	V. K. Khandelwal		C. A. T. C., Allahabad.
3.	M. A. Venugopal (Retd.)		Radio Constr. & Dev. Units, New Delhi.
4.	S. K. Saraswati (on deputation to G. C. E. Ltd.)	•	-do-
5.	S. P. Hardas .		A. C. S., Gauhati,
6.	B. N. M. Rao		A. C. S., Calcutta.
7.	V. K Chaudhuri		A. C. S., Bombay.
8.	S. Krishnaswamy,		Regional Controller of Communication, Madras.
9.	Sushil Kumar .		D. G. C. A. (HQ)

1 2	3
10. P. S. Mullick .	. Regional Controller of Com- munication Calcutta.
11. R. K. Sood .	. C. A. T. C., Allahabad.
12. J. V. Sarma .	. A. C. S., Safdarjung Airport, New Delhi.
13. M. M. Poulose	. A. C. S., Hyderabad.
14. A. G. Narasimhan	. Radio Constr. & Dev. Units, New Delhi.
15. K. Surender .	. A. C. S., Palam
16. A. Jagdesan .	. Controller of Aeronautical Inspection, Madras.
17. Roop Chand	. Radio Contr. & Dev. Units, New Delhi.
18. S. K. Govilkar	. A. C. S., Bombay.
19. S. Jayaraman	. A. C. S., Madras.
20. Rakesh Kumar	. Radio Construction & Dev. Units, New Delhi.
21. S. Venkateswaran	. Regional Controller of Communication, Bombay.
22. K. S. Narasimhan	. Controller of Aeronautical Inspection, Bombay.
23. Vijay Panwar	. A. C. S., Palam.
24. K. K. Narayan (Re	etd) A. C. S., Calcutta.
25. A. K. Pansal .	. Radio Construction & Develop- ment Units, New Delhi.
26. K. P. B. Nair .	do-
27. D. Anbalagan	. Radio Construction & Dev. Units, New Delhi.

The 7th April 1980

No. A. 31011/1/78-EC.—The President is pleased to appoint the undermentioned 32 officers in substantive capacity in the grade of Communication Officer in the Civil Aviation Department with effect from the date mentioned against cach:—

SI. No.	Name	Station of posting	Date of substan- tive appoint- ment
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	Dalip Singh (Retd)	A.C.S., Safdarjung Airport, New Delhi	1-4-70
2.	H. Nilakanta Iyer (Retd.)	A.C.S., Madras	1-4-70
3.	S. M. Gupta (Retd) .	DGCA (HQ)	1-4-70
4.	S. K. Roychoudhury (Retd)	A.C.S., Dum Dum, Calcutta.	1-4-70
5.	I. P. K. Menon (Retd) .	A.C.S., Bangalore	1-4-70
6.	Kishu Tekchandani .	A.C.S., New Delhi	1-4-74
7.	V. K. Kaira.	A.C.S., Bombay	1-4-74
8,	S. K. Gupta (Retd) .	A.C.S., Calcutta	1-4-74
9.	S. C. Goswami	R.C.C., New Delhi	1-4-74
10.	R. P. Sharma	D.G.C.A. (HQ)	1-4-74
11.	D. R. Gupta (Retd) .	D.G.C.A. (HQ)	1-4-74
12.	L. R. Garg	C.R.S., Depot, New Delhi.	1-4-74
13.	A. D. Dhingra (Retd) .	A.C.S., New Delhi	1-4-74
14.	N. K. Puri	D.G.C.A., (HQ)	1-1-75
15.	S. V. Raghvan (Retd) .	A.C.S., Madras	1-1-75
16.	S. H. Khan	A.C.S., Calcutta	1-1-75
17.	S. R. Raghvendra Rao	A.C.S., Calcutta	1-4-75
18.	P. K. Singhal	A.C.S., New Delhi	1-4-76

1	2		3	4
19,	M. C. Jain (Retd).		D.G.C.A., (HQ)	1-4-76
20.	K. S. Krishnamcorthy	,	R.C.C., Madras	1-4-76
21,	S. A. Narayan (Retd)		A.C.S., Bangalore	1-4-76
22,	S. K. Maheswari		D.G.C.A., (HQ)	1-4-76
23.	B. G. Shaw (Retd)		A.C.S., Bombay	1-4-76
24.	Arun Talwar .		C.R.S. Depot, New Delhi.	1-4-76
25.	R. C. Chitkara .		R.C.C., Bombay	1-4-76
26.	N. B. Mathur .		R.C.C., Calcutta	1-4-76
27.	M. Dheendayalan.		A.C.S., Madras	1-7-78
28.	P. Anil Kumar .		G.D.C.A., (HQ)	1-7-78
29.	N. Sadasiva Sarma		A.C.S., Trivandrum	1-7-78
30.	P. Paulose (Retd)		A.C.S., New Delhi	1-7-78
31.	R. K. Maheswari		D.G.C.A. (HQ)	1-7-78
32.	R. H. Subramanian		R.C.C. Bombay	1-7-78

R. N. DASS Asstt. Director of Acmn.

New Delhi, the 14th March 1980

No. A.32013/13/79-E.I.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Singh, Deputy Director, Air Safety, Civil Aviation Department, to the post of Director, Air Safety, in the same Department on ad hoc basis with effect from 19th November, 1979 (forenoon), and until further orders.

2. The Notification issued vide this office No. $\Lambda.32013/13/79$ -E.I., dated the 7th March, 1980, is hereby cancelled.

C. K. VATSA Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS Guntur-4, the 29th January 1980

No. 1/80.—The following permanent S. G. Inspectors of Central Excise have been appointed to officiate until further orders as Superintendent of Central Excise Group-B (Gazetted) in the Central Excise Collectorate Guntur. They have assumed charge as Superintendents of Central Excise Group-B (Gazetted) on the dates noted against each:

Sl. No.	Name of the Officer	Station	Date of assump-1 tion of charge as Supdt of Central Excise Grade-B (Gazetted)
1	2	3	4
	S/Shri		
1,	G. Devallu	Rajamundry Divi- sion	11-7-79
2.	G. Veerabhadrarao .	Chilakaluripeta-I Range of Guntur-II Division	12-7-79
3.	M. Seshagiri Rao	Nidadavole Range Eluru Division	5 - 7-79
4.	P. V. Vcera Raghava Rao	Tenali Range, Guntur-II Division	7-7 -7 9
5.	Ch. Pydiraju	Visakhapatnam-I Division	17-8-79
6.	H. M. F. Rahim Shaik .	Visakhapatnam-JI Division.	22-10-79
7.	K. V. Narasimharao .	Visakhapatnam-] Division	12-1-80 A.N.
8.	S. V. Ranganathan .	Hars. Office, Guntur	14-1-80
9.	Md. Badruddin	Visakhapatnam-lI Division	16-1-80

1	2	3	4
10.	E. V. Raghavarao .	Visakhapatnam-I Division	10-1-80
11.	N. V. Ramanarao .	-do-	12-1-80 A.N.
12,	A. Seshagiri Rao	Eluru-I Range, Eluru Division.	9-1-80
13,	T. V. L. Narasimha Rao	Vijayawada Division	19-1-80
14,	N. V. V. Sambasiva Rao	Chilakaluripeta-I Range of Guntur-II Division,	10-1-80
15.	P. Satyanarayana Gupta	Satopalli Range, Guntur-II Division	9-1-80
16.	K. Sundara rama Rao	Jangareddigudem Range of Eluru Division.	4-2-80
17,	M. Govardhana Rao ,	Singarayakonda Range of Ongole Division,	19-1-80

No. 2/80.—The following Superintendents of Central Excise Group-B (Gazetted) retired from service on attaining the age of superannuation with effect from the dates noted against each.

Sl. No.	Name of the Officer	Station	Date of retire- ment from services.
1	2	3	4

			services.
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	B. J. Vijendrarao .	Guntur-II Division	31-3-79 A.N.
2.	M. P. Soorma	Eluru Rural Range Eluru Division	31-3-79 A,N,
3.	K. Prasada Rao	Chilakaluripeta-I Range of Guntur-II Division	30-6-79 A.N.
4.	P. Shouri Reddy	Tenali Range Guntur-II Division	30-6-79 A.N.
5.	K. Vijayam	Rajamundry Division	30-6-79 A.N.
6.	B. A. Somayajulu .	Nidadavole Range Eluru Division	30-6-79 A.N,
7.	G. Gopalakrishnamurthy	Vijayawada Divisicn	31-7-79 A.N.
8.	P. Putraiah ,	Ramach: ndrapuram Range of Rajamundry Division	30-9-79 A.N.
9.	P. A. Gajapathi Rao .	Srikakulam-I Range Visakhapatnam-II Division	30-11-79
		Division	A.N.
10,	J. Ramamurthy	Hqrs. Office, Guntur	30-11-79 A.N,
11.	Md. Naycemuddin ,	Eluru-I Range Eluru Division	31-12-79 A.N.
12.	A. Ramadas	Ongole Division	31-12-79 A.N.

No. 3/80.—Shri Mettupalli Venkata Subba Reddv a candidate selected by the U.P.S.C. has been appointed as Superintendent of Central Excise (Group-B) Gazetted has reported for duty on 7-1-80 A.N. in Visakhapatnam-I Division.

No. 4/80.—The following Administrative Cff cer/Assit. Chief Accounts Officer, Group-B (Gazetted) retired from

service on attaining the age of Superannuation with effect

from the dates noted station each.				
SI. No.	Name of the Officer and Designation	Station	Date of retire- ment	
1.	S/Shri V. Veerabhadrarao,	Hqrs. Office,	31-8-79	
	Asstt. Chief Accounts Officer-II	Guntur	A.N.	
2.	A. Poornachandra Rao, Administrative Officer	Guntur-I Division	30-9-79 A.N.	

No. 5/80.—The following Superintendent of Central Excise Group-B (Gazetted) expired on the dates noted against each while working at the stations as indicated:				
Sl. No.	Name of the Officer	Station	Date of Expiry	
1.	S/Shri Y. Ramaiah	Guntu III Range of Guntur-I Division	7-6- 79	

No. 6/80.—Shri D. Chandrapal, Superintendent of Central Excise Group-B (Gazetted) Visakhapatnam-I Divisional Office was retired from service with effect from 31-12-79 A.N. under the provisions of F.R. 56(J).

-do-

K. Bhrungeswararao

No. 7/80.—Shri T. Chinmayachari, Office Superintendent, Hqrs. Office, Guntur has been promoted as Administrative Officer, Group-B (Gazetted) and assumed charge at Visakhapatnam-II Divisional Office on 28-12-79 afternoon.

C. BHUJANGASWAMY
Collector

26-10-79

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 2nd April 1980

No. 7/80.—Shri H. D. Majumdar, lately posted as Supdt. of Central Excise Group 'B' in Calcutta Collectorate, on transfer to the East Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit (Customs & Central Excise) at Calcutta vide Directorate's Order C. No. 1041/41/79 dated 21-2-80, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' on 12-3-80 (afternoon).

No. 8/80.—Shri M. K. Samaddar, lately posted as Supdt. of Central Excise Group 'B' in the Collectorate of Central Excise and Customs, West Bengal Calcutta, on transfer to the East Regional Unit of the Directorate of Inspection and Audit (Customs and Central Excise) at Calcutta vide Directorate's Order C. No. 1041/41/79 dated 21-2-80, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'B' on 14-3-80 (forenoon).

K. L. REKHI Director of Inspection

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 5th April 1980

MERCHANT SHIPPANG

No. 3(7)CRA/74.—On the recommendation of Departmental Promotion Committee, the Director General of 26—36GI/80

Shipping is pleased to appoint Shri D. D. Jadhav, Asstt, Director, Seamen's Employment Office, Bombay as Dy. Shipping Master, Calcutta, on regular basis with effect from the 17th March, 1980 (F.N.), until further orders.

K. S. SIDHU Dy. Director General of Shipping

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 5th April 1980

No. 33/11/76-ECIX.—The President is pleased to appoint Shri G. S. Bawa a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Deputy Architect (C.C.S. Group 'A') in the CPWD on a pay of Rs. 700/- P.M. in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 (plus usual allowances) with effect from 12-3-80 (FN) on the usual terms and conditions.

He is placed on probation for a period of two years with effect from the date of his joining in this department.

No. 33/12/78-ECIX.—The Director General of Works, CPWD, is pleased to appoint Shri S. K. Bhatnagar, a nominee of the UPSC as Assistant Architect against temporary post on a pay of Rs. 650/- P.M. in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 28th February 1980 (FN) on the usual terms and conditions. His pay will be re-fixed according to rules shortly.

2. He is placed on probation for a period of two years from the date of his appointment as Assistant Architect as shown above.

K. A. ANANTHANARAYANAN Dy. Director of Administration

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Jaya Commercial Agents & Consultants Private Limited

Pondicherry, the 3rd April 1980

No. 68.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name "Jaya Commercial Agents & Consultants Private Limited" has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

B. KOTESWARA RAO
Registrar of Companies,
Pondicherry

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Bekay Wood Products Private Limited

Bombay, the 26th March 1980

No. 13865/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Bekay Wood Products Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Puzzolana Machineries Private Limited

Bombay, the 26th March 1980

No. 15742/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Puzzolana Machineries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Relaxa Textiles & Garments Private Limited

Bombay-2, the 26th March 1980

No. 17299/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Relaxa Textiles & Garments Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. C. GUPTA

Asstt. Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Coimbatore Pioncer Engineering Company Limited

Madras, the 1st April 1980

No. DN/5260/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3), of Section 560 (3) of the Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Coimbatore Pioneer Engineering Company Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

CORRIGENDUM

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Revathi Construction Private Limited

Madras-6, the

1980

No. 3589/560(5)/80.—The name of the Company may please be read as "REVATHI CONSTRUCTIONS PRIVATE

LIMITED" instead of "GOWRI TRANSPORTS PRIVATE LIMITED" appear in the Notification No. DN/3589/560(5)/80 published in the Gazette of India, Part III, Section I dt. 8-3-80 at Page No. 2769.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Siva Ram Transports Private Limited

Madras, the 5th April 1980

No. DN/3827/560(3)/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 () of the Companies 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Siva Ram Transports Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

H. BANERJEE

Asstt. Registrar of Companies, Tamil Nadu, Madras

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Pioneer Breweries Limited

Madras, the 5th April 1980

No. DN/6691/560(3)/79.—Notice is hereby given pursuand to sub-section (3) of Section 560 () of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Pioneer Brewerics Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE

Asstt. Registrar of Companies, Tamil Nadu, Madras

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX. DELHI

New Delhi, the 2nd April, 1980

INCOME TAX DEPARTMENT

No. Coord./Pub./Delhi/B/78-79/7.—In pursuance of sub-section (1) of Section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 961) and the Ministry of Finance (Department of Revenue) order dated 10-8-77 the Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi, being of the opinion that it is expedient in the public interest so to do, hereby publish names and other particulars of assessles on whom penalty of not less than Rs. 5,000/- was imposed during the financial year 1978-79.

Sl. No.		Name and Address	Status	Asstt. year	Section	Amounts Rs.
1		2	3	4	5	6
1.	22-023-CV-1634 .	. M/s. Alok Udyog Services Lrd., 5-P. N. B. Building, Parliament Street, NEW DELHI.	Сотряпу	1974-75 1974-75 1974-75	273(b) 271(1)(b) 271(1)(c)	36,220 47,660 2,67,347
2.	\$2-004-CT- 5631 .	. M/s. Alok Udyog Vanaspati & Plywood Ltd., 5-P. N. B. Bullding, Parliament Street, New Delhi. Now at 6-A, Raja Subodh Mullick Square (7th Floor), Calcutta.	Company	1974-75	271(1)(a) 271(1)(b)	1,52,250 30,450

No. Coord/Pub./Delhi/A-78-79/12.—Following is list showing the name (a) being individuals and H.U.Fs who have been assessed on an income of more than two lakhs of rupees (b) being firms, association of persons or companies who have been assessed on an income of more than ten lakhs of rupees during the financial year 1978-79 (i) Indicates status (I) for Individuals (H) for N.U.F. (c) for Company (F) for Firms (A) for Association of persons (ii) for assessment year (iii) for income returned (iv) for income assessed (v) tax payable by the assessee and (vi) tax paid by the assessee:—

(1) PY-1808, A. K. Purl, P/o. Sophistica Enterprises, 90, Nehru Place, New Delhi (i) I (ii) 1976-77 (iii) 2,09,050

(iv) 2,09,060 (v) 1,36,976 (vi) 1,36,976 (2) 22-030-PX-8804, Abdul Rehman, C-181, Daya Nand Colony, New Delhi (i) I (ii) 1976-77 (iii) NIL (iv) 2,64,000 (v) 1,79,839 (vi) NIL (3) 22-004-PZ-4895 A. C. Gulati P/o. M/s. A. Duggal & Co., D. B. Gupta Road, New Delhi (i) I (ii) 1978-79 (iii) 1,89,450 (iv) 2,02,120 (v) 1,15,542 (vi) 1,06,800 (4) PX-1545 A. N. Ahuja, P/o. M/s. Ahuja Radio, 3778 N. S. Marg, Darya Gani, Delhi (i) I (ii) 1976-77 (iii) 3,98,490 (iv) 4,00,555 (v) 2,84,990 (vi) 2,84,990 (5) FY-7224 M/s. Botra Bros. 3976, R. A. Road, Delhi (i) F (ii) 1977-78 and 1978-79 (iii) 18,30,750, 24,36,934 (iv) 18,47,560, 24,81,940 (v) 4,72,355, 6,58,909 (vi) 4,72,355 6,58,909 (6) PX-3715 C. N. Chawla, P/o. M/s. Universal

Book Stall 5 Ansari Road, Darya Ganj, Delhi (i) I (ii) 1976-77 (iii) 2,08,840 (iv) 2,17,632 (v) 1,44,134 (vi) 1,37,366 (7) PY-7123 M/s. Glob Super Parts, A-38, NDSE, Pt. II, New Delhi (i) F (ii) 1977-78 (iii) 40,93,867 (iv) 41,25,810 (v) 10,73,813 (vi) 10,65,383 (8) 22-007-CZ-5436 Indo-European Machinery (P) Ltd., Kucha Ustad Dag, Chandni Chowk, Delhi (i) C (ii) 1978-79 (iii) 17,04,068 (iv) 16,82,292 (v) 11,48,163 (vi) 11,66,540 (9) PZ-0670 Jagdish Chand P/o. M/s. Madras Soap Mills, 34-C, Wazirpur Industrial Area, Delhi (i) I (ii) 1976-77 (iii) 2,89,240 (iv) 2,99,200 (v) 2,06,937 (vii) 2,06,937 (10) PN-1383 (iv) 2,99,200 (v) 2,06,937 (vi) 2,06,937 (10) PN-1383 Kanso Devi P/o. M/s. Madras Soap Mills, 34-C, Wazirpur Industrial Area, Delhi (i) I (ii) 1976-77 (iii) 2,40,850 (iv) 2,48,630 (v) 1,67,997 (vi) 1,67,997 (11) 22-007-CT-4768 M/s. Micro Abrassives (1) (P) Ltd. 65, Jorbagh, New Delhi (i) C (ii) 1978-79 (iii) 15,29,200 (iv) 15,40,978 (v) 9,70,818 (vi) 9,70,818 (12) AZ-6492, M/s. Mahendra Endowment Trust, 11, Tolstoy Marg, New Delhi (i) A (ii) 1975-76 (iii) 2,98,312 (iv) 2,98,750 (v) 2,05,078 (vi) 2,04,732 (13) FY-2715, M/s. Madras Soap Mills, 34-C, Wazirpur Industrial Area, Delhi (i) F (ii) 1976-77 (iii) 10,86,910 (iv) 11,22,100 (v) 2,80,834 (vi) 2.80,834 (14) PX-1562 N. S. Ahuja P/o. M/s. Ahuja Radio, Darya Ganj, Delhi (ii) I (il) 1976-77 (iii) 2,70,570 (iv) 2,71,944 (v) 1,85,935 (vi) 1,85,935 (15) 22-007-CX-5046 National Seed Corporations of India, New Delhi (i) C (ii) 1974-75 (iii) 49,77,780 (iv) 91,59,262 (v) 52,89,472 (vi) 52,89,472 (16) PZ-2866 P. C. Gupta P/o. Siya Ram Bros. Opp. Sciendia House, New Delhi (i) I (ii) 1976-77 (iii) 3,65,730 (iv) 3,82,330 (v) 2,71,338 (vi) 2,58,160 (17) PN-6260, Shyam Sunder P/o. M/s. Madras Soap Mills, 34-C, Wazirpur Industrial Area, Delhi (i) I (ii) 1976-77 (iii) 2,90,270 (iv) 2,99,350 (v) 2,07,051 (vi) 2,07,051.

No. Coord/Pub./Delhi/C/78-79/1369.—In pursuance of subsection (1) of section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and the Ministry of Finance (Department of Revenue) order dated 10-8-1977 the Commissioner of Income-tax, Delhi-I New Delhi being of the opinion that it is expedient in public interest so to do hereby publishes names of sessesses who are in default of the Rs. 1,00,000/- or more rs on the last day of the Financial year 1978-79 i.e. as on 31-3-1979.

SI. No.	Name & Address of the assessees	Amount of default for the period of 2 years and above.
1	2	3
I	1/s. Alok Udyog Services Ltd., i, P. N. B. Building, Parliament Street, NEW DELHI.	15,27,441

1	- 2	3
2.	M/s. Alok Udyog Vanaspati & Plywood Ltd., 5, P. N. B. Building, Parliament Street, NEW DELHI. (Now at) 6-A, Raja Subodh Mullick Square, Calcutta.	7,84,912
3.	M/s. Chand Finance & Chltfund (P) Ltd. through Yesh Paul Bhasin, F-41, West Patel Nagar, NEW DELHI.	2,18,000
4.	M/s. Green Group & Finance Chit Fund C/o M/s. S. K. Bhandari & Co., Chartered Accountants, M-132, Connaught Circus, NEW DELHI.	1,30,368
5.	M/s. Indira Electric (P) Ltd., C/o Shri D. K. Banthia, 4, Syngogue Street, CALCUTTA.	3,78,576
6.	M/s. Indraprastha Finance & Chitfund (P) Ltd., C/o Shri S. C. Suneja, Advocate M/4-A, Jangpura Extension, NEW DELHI.	1,78,264
7.	Dr. J. Dharma Teja C/o M/s. Raghu Nath Rai & Co Chartered Accountants, 3. Hanuman Road, NEW DELHI. (Now at) Apartment No. 65, 38. Avenue, 1219-DV-LIG Non-Geneva, Switzerland.	5,48,13,67\$
8.	M/s. Pearls Cycle Industries Ltd., (In liquidation) C/o Official liquidator, 16, Ring Road, NEW DELHI.	40,34,193
9.	M/s. United India General Finance (P) Ltd., C/o Official Liquidator, Bharat Scouts Building, NEW DELHI.	6.81,825
10.	Shri Damodar Prasad Gupta, 109, Daryaganj, DELHI.	1,37,271
11.	M/s. Indian Iron & Hardware Co., Chawri Bazar, DELHI.	1,46,375
12.	M/s. Lachhman Das Ram Chand <i>Prop.</i> Shri Tara Chand, Chauri Bazar, DELHI.	7,45,000

M. W. A. KHAN Commissioner of Income-tax, Delhi-I, NEW DELHI. the state of the s

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1980

Ref. No. 1008.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. 23-37-29 situated at Opp. Christian Barial Ground, Bandar Road, Vijayawada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 16-7-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the sald Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chakrayarthula Sreenivasa Chakravarthi, \$/o Late Narasimha Charyulu, Aurvedic Doctor, Gandhinagar, Vijayawada.

(Transferor)

[PART III—Sec. 1

(2) Smt. Nersu Venkata Subbamma, S/o Sri Bhim-sankara Rao, Near Gandhi Statue Kasturbaipet, Vijayawada-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 4868 dated 16-7-79 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1980

Ref. No. 1009.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 27-21-13 situated at Kaleswararao Road, Governorpet, Vijayawada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada in July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (i) Shri Wothuru Dakshna GanapathiAtma Rama
 - (ii) Shri K. Venkata Subba Rao

respectively, Kaleswararao road, Vijayawada. (Transferor)

- (2) (i) Tandapu Venkata Hanumantha Rao.
 - (ii) T. Suguna Suscela Bharathi, (iii) T. Ratna Srcenivas, (iv) T. Rama Rao,
 - (v) T. Ramakrishna, (iii) to (v) miners by guardian T. V. Hanumantha Rao, 192 Vastralatha, Vijayawada.

(Transferee)

(3) Dr. Y. Madhusudhana Rao
(Person in occupation o fthe property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule of the property as per the registered Document No. 4804 dated July 1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1980

Ref. No. 1010.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 20-16-20 situated at Ward No. 16 Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vijayawada in July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri S. B. P. V. Chalapathi Rao, 12, Rutland Gate, 4th Street, Catherdral, Madras-6.

(Transferor)

(2) Sri Chukkapalli Venkateswara Rao, Sanyasiraju Street, Gandhinagar, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 4910/79 dated July 1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1980

Ref. No. 1011.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 11-49-311 situated at Sivalayam St., Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 4-7-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Chintha Chittemma, W/o Sri C. Somaraju, Kattavari Street, Narsimharaopeta, Eluru.

(Transferor)

- (2) Smt. Sukhi Jethmalji, W/o Jethmal, Pawn Broker and Banker, Ramgopal Street, Vijoyawada-1.

 (Transferee)
- (3) S/Shri Sukhi Jethmalji, Daima, (ii) Shantilal Maganlal & (iii) Pilla Pharasramaiah. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 4724 & 4583 dated 4-7-1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-2-1980

(1) Smt. S. Audilaxmi W/o Sri Venkatachalam, Premnagar, Near Masab Tank, Hyderabad. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri N. Thammayya, 47-1-3. Dwarakanagar, Visakhapatnam.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

Hyderobad, the 11th February 1980

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Ref. No. 1012.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. 47-1-3 situated at Dwarakanagar, Visakhapatnam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 18-7-1979,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 5616/79 registered before the S.R.O. Visakhanathem.

> K. K. VEER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-2-1980

(1) Smt. Rukhibai, W/o Abdul Wahab, 75th Road, Visakhapatnam-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1980

Ref. No. 1013.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 30-8-20 situated at Allipuram, Visakhapatnam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 27-7-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—27—36GI/80

(2) Smt. Manam Tayaramma, W/o M. V. Krishna Rao, D. No. 30-8-20, Dabagardens, Visakhapatnam-20. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 5146 dated 27-7-79 registered before the S.R.O. Visakhapatnam.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-2-1980

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sunkara Satyanarayanamma, W/o Veerraju, Kommireddywari Lane, Kakinada.

(1) Smt. Abbireddy Sarojini, W/o Nagaveerabhadrarao, 25-3-10 Kommireddywari Lane, Kakinada.

(Transferce)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1980

Ref. No. 1014.--Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25-3-10 situated at Kommireddywari Lane, Kakinada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 26-7-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth -tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 5603 dated 26-7-1979 registered before the S.R.O. Kakinada,

> K. K. VEER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-2-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1980

Ref. No. 1015.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23-7-28 situated at Duggiralavari St. Kakinada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the soid instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. P. Laxmi, W/o Prathiwadi Govindakumar, Advocate, Kakinada.

(Transferor)

(2) Nagam China Veerraju, S/o Koudaiah 23-1-28, Duggiralavari Street, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 5007 dated July 1979 registered before the S.R.O. Kakingda.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1980

Ref. No. 1016.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Station Road, Tenali

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Tenali on July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri C. Jaganmohana Rao, Managing Director, M/s The Tenali Sri Rama Lingeswara Rice Factory Ltd., Tenali.

(Transferor)

(2) Shri G. Viswanath, Managing Director, M/8 The Poorna Cine Theatres (P) Ltd., D. No. 27-9-9, 9/1, Ramarao Street, Gandhinagar, Vijayawada. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 2166/79 registered before the S.R.O. Tenali.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1980

Ref. No. 1017.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 9-10-6 situated at Rasoolpeta, Guntur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur in August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Gummadi Nagendramma, W/o Veeraiah, Shyamaladas Agraharam, Guntur.

 (Transferor)
- (1) (i) Alla Satyanarayana Reddy, Nallapadu,
 - (ii) Kallam Haranadha Reddy, Guntur,
 - (iii) Alla Sundara Rami Reddy, Guntur.
 - (iv) S. Lakshmi Narayana, LIC Colony, Guntur.
 - (v) Kallam Venkateswara Reddy, Guntur.
 - (vi) Kusam Anki Reddy, Syamalanagar, Guntur.
 - (vii) Poluri Venkateswara Reddy, Syamalanagar, Guntur.
 - (viii) Gurram Seshagiri Rao, Syamalanagar, Guntur.
 - (ix) Bhavanam Pothi Reddy, A.T. Agraharam, Guntur.
 - (x) Devarapalli Venkata Subbarao, LIC Colony, Guntur.
 - (xi) Kallam Venkata Subbayamma, Guntur.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered Document No. 4898 dated August 1979 registered before the S.R.O. Guntur.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-2-1980

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 18th March 1980

Notice No. 268/79-80.—Whereas, I, H. TIMMAIAH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

CTS No. 998 and CTS No. 997 (only west side open site) situated at Mahalingapur, Tal: Mudhol Dist. Bijapur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mudhol under document number 587 on 17-7-1979,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shrimati Sunderabai W/o Maniram Belgaonkar.
 - 2. Shri Manikalal Maniram Belgaonkar.
 3. Shri Hiralal Maniram Belgaonkar.
 4. Shri Madanalal Maniram Belgaonkar,
 Agriculturists, R/o Mahalingapur, Tq. Mudhol Dist. Bijapur.

(Transferor)

Shri Basappa Ittappa Koligudd,
 Shri Mahalingappa Ittappa Koligudd,
 Commission Agents, Mahalingapur Tal, Mudhol Dist: Bijapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 587, dated 17-7-1979)

Open site bearing CTS. No. 998 measuring 5260.86 Sq. Yards, and CTS. No. 997 (only west side open site). Total area of both sites measuring 76000 Sq. feets situated at Mahalingapur, Tq. Mudhol, Dist. Bijapur.

H. TIMMAIAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-term
Acquisition Range, Bangalore

Date: 18-3-1980,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 25th January 1980

C.R. No. 62/24251/79-80/ACQ/B.—Whereas, I. P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalorc, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 823, situated at IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore, (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jayanagar, Bangalore, Doc. No. 877/79-80 on 5-7-1979,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri D. K. Satyanarayana Setty, No. 912, Behind Sandle Kote, K.R. Puram, Hassan.
 - (Transferor)
- (2) Shri K. S. Balaji, No. 17, 19th Cross, Rangaswamy Temple Street, Bangalore-53.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 877/79-80, dated 5-7-79) Premises No. 823, Division No. 35, IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore-11.

Boundaries:

East by site No. 824. West by site No. 822. North by Road. South by site No. 846.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Date: 25-1-1980,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 29th January 1980

C.R. No. 62/24873/79-80/ACO/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. New No. 110, situated at Sampangi Tank Road, Fort Road, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar Bangalore Doct. No. 1540/79-80 on 9-8-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Shrimathi C. A. Ponnappa, (1) 1,1, Brunton Road

Cross, Bengalore.
Dr. (Mrs.) P. Minnie Uttappa,
Miss. P. Bala Uttappa,
Master P. Ponnappa-Uttappa, Sol. No. 2 to 4
residing at No. 90, III Main Road, Jayamahal Extension, Bangalore-6.

(Transferor)

(2) Shri M. D. Shetty S/o Puttanna Shetty, No. 1064, 5th Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1540/79-80, dated 9-8-1979) Premises with building bearing No. New 10, Sampangi Tank Road, Fort Road, Division No. 43, Bangalore. Boundaries:

North by Sampangi Tank Road and Fort Road. South by New Road laid by C.I.T.B. East by New Road laid by C.I.T.B. West by Property of Sanyasi and Bros.

> P. RANGANATHAN Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Date: 29-1-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMT-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Gangalore, the 23rd January 1980

Ref. C.R. No. 62/24765/79-80/ACQ/B,-Whereas, I, P. RANGANATHAN

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 7 situated at Mysore Road, Chamrajpet, Bangalore-18, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Basavanagudi, Bangalore, Document No. 1484/79-80 on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-28-36GI/80

 Master K. M. Shuaibkhan (Minor) Reptd. by his father and Guardian Sri C. M. Khalimullakhan, r/o 3/2, Berli street cross, Longford town, Bangalore-25.

(Transferor)

- Sri G. Devendra Setty, 2. Sri G. C. Prabhakar, No. 406, V Block, Rajajinagar, Bangalore-10. (Transferee)
- (3) Karnatak Electricity Board. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days iro mthe date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1484/79-80, dated 31-8-79)

Premises bearing No. 7, Mysore Road, Chamrajpet, Bangalore-18.

Bonded on:

East: by Property of Sri B. R. Mohamed Shafiulla.

West: by Vacant land of Shah.

North: by Foot path and Bangalore Mysore Road, South: by Private property.

P. RANGANATHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 23-1-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-1, the 18th February 1980

C.R. No. 62/24457/79-80/Acg/B.—Whereas, 1, H. THIMMAIAH Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 447/1B T.S. situated at Casaba Bozar village, Mongalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore Doc. No. 294/79-80 on 28-7-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act. or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri K. Ramachandra Nayak S/o K. Venkappa Nayak, Agriculturist, Pane Bantwal Taluk. Mangalore Kasba,

(Transferor)

- (2) M/s Guruprasad Traders, Rep. by Partner Shrl G. Viswanath Kamath, Bunder, Mangalore,
- (3) 1. M/s Sevgoor Madhana Kamath & Sons.
 2. M/s U. Narayana Mallya & Co.
 [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by env other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Doc. No. 294/79-80, dated 29-1-1980) House property No. T.S. 447/1B, Casaba Bazar, Mangalore.

Bounded by:

North: Lane South: L.D. Lane. East: P.o.d. West: TS No. 447/1A.

H. THIMMAIAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 18-2-1980,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 19th February 1980

C.R. No. 62/24128/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'saki Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 14, situated at 10th Cross, Cubbonpet, Bangalore, (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Bangalore, Doc. No. 861/79-80 on 1-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Puttamma, Shri B. H. Subbaiah, No. 15, 10th Cross, Cubbonpet, Bangalore. (Transferors)

(2) Shri Lakshminarayana, No. 6, Siddanna Galli, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 861/79-80, dated 1-7-1979)
House property No. 14, 10th Cross, Cubbonpet, Bangalore.

H. THIMMAIAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 19-2-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 19th February 1980

C.R. No. 52/24520/79-80/Acq/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12 situated at 37th Road Cross, 8th Block, Jayanagar, Bangalore-11,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore, Doc. No. 1152/79-80 on 31-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. V. Anasuyadevi No. 39, Masilamani Mudaliar Road, Balajinagar, Rayapettah, Madras-600014.

(Transferor)

(2) 1. Sri S. N. Bheemananda.

S. N. Arjuna.
 S. N. Bharat Kumar.

S. N. Ananthapadamanabha.
 S. N. Ravisankar.

6. Smt. S. N. Parijatham, No. 43, Sulthanpet, Bangalore-53.

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1152/79-80, dated 31-7-79) Vacant site bearing No. 12, 37th Road Cross, 8th Plock, Jayanagar, Bangalore-11.

H. THIMMAIAH

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 19-2-1980.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 20th February 1980

C.R. No. 62/24392/79-80/Acq/B.-Whereus, I. H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 34 situated at I Cross Road, Nehrunagar, Bangalore, situated at Model House, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Bangalore Doc. No. 1059/79-80 on 21-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Shrimathi M. G. Nirmala.

- Sni M. G. Jayathilak Singh.
 Smt. M. G. Sulekha.
 Smt. B. Sushma.
 Miss. M. G. Shubhaprabha, r/o No. 497/1, Model Colony, Yeshwantpur, Bangalore-560022. (Transferors)
- (2) Shri M. Raya Manickam, S/o Sri T. S. Manickam, No. 17, II Floor, 21st Cross, Cubbonpet, Bangalore-560002. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1059/79-80, dated 21-7-1979)

House premises No. 34, I Cross, Nehrunagar, Sheshadripuram, Bangalore-560020. Boundaries :

On Fast by Ist Cross Road

On West by Conservency.

On North by Property No. 35. On South by Property No. 33.

H. THIMMAIAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 20-2-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 20th February 1980

C.R. No. 62/24417/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commiss Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, Commissioner of being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2128 & 2129/ Municipal No. 47 situated at II Stage, 8'th Main D Block, Rajajinagar, Bangelore. (and more fully described in the Schedule Annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar Bangalore Doc. No. 1422/79-80 on 9-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesail exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and/or

transfer with the object of :-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Shri H. K. Bharadwaja Iyanger, No. 47, II Stage Rajajinagar, D'Block 8th Main, Bangalore. (Transferors)
- (2) Shri K. N. Shyamasundar, No. 102, Margosa Road, Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1422/79-80, dated 9-7-1979) House Property No. 47, Rajajinagar, II Stage, 8th Main, Bangalore-10.

Bounded by:

North: Site No. 2129. South: Site No. 2127. East: Site No. 2283A

& 2284.

West: Site No. Road.

H. THIMMAIAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560001.

Date: 20-2-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

BANGALORE

Bangalore-560001, the 26th February 1980 C.R. No. 62/138/1/80/79-80/ACQ/B.—Whereas, J. H. THIMMAIAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. Nos. 18-B, 19A/2 & 20, situated at Mariyana Thimmasagar, Hubli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hubli, Doc. No. 1020/79-80 on 30-7-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Venkatarao, Ramarao Deshpande, Thimmasagar Oni, Hubli. (Transferor)
- (2) Shri Sidhalingeshwar Co-operative Housing Society Ltd. Hubli, Rep. by its Chairman Sri N. G. Kulkarni, Vidyanagar, Hubli. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persoes within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Non Agricultural land in S. Nos. 18-B, 19A/2, & 20 situated in Mariyana Thimmasagar, Hubli 1/5th share in the above property. Total area of the land is 10 acres, 17 guntas.

H. THIMMAIAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-2-1980.

Thimmasagar

(Transferor)

FORM IT'NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Shri Sidhalingeshwar Co-operative Housing Society Ltd. Vidyanagar, Hubli, Rep. by Shri N. G. Kulkarni, Chairman. (Transferee)

Venkatarao Deshpande,

(1) Dr. Suresh

Oni, Hubli.

TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560001, the 26th February 1980

C.R. No. 62/138A/1/80/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/cond bearing

Sy. No. 18-B. 19A|2 & 20, situated at Mariyana Thimmasagar, Hubti,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hubli, Doc. No. 1021/79-80 on 30-7-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1021/79-80 dated 30-7-1979]

Non Agricultural land in Sy. Nos. 18-B, 19A/2 & 20, situated in Mariyana Thimmasagar, Hubli, 1/5th share in the above property, Total area of the land is 10 acres, 17 guntas.

H. THIMMAIAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 26th February 1980

C.R. No. 62/138-B/1/80/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. 18-B. 19.4/2 & 20 situated at Mariyana Thimmasagar, Hubli.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli Dec. No. 1022/79-80 on 30-7-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—29—36GI/80

(1) Srl Ramesh Venkatarao Deshpande, Thimmasagar, Oni, Hubli.

(Transferor)

(2) Sri N. G. Kulkarni, Chairman, Sri Sidhalingeshwar Co-operative Housing Society Ltd. Vidyanagar, Hubli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1022/79-80, dated 30-7-1979)

Non agricultural lands in Sy. Nos. 18.B 19A/2 and 20 situated at Mariyana Thimmasagar, Hubli, 1/5th share in the above property. Total area of the land is 10 acres, 17 gunthas.

H. THIMMAIAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-2-1980.

(1) Shri Prakash Venkatrao, Deshpande Thimmasagar, Oni, Hubli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri N. G. Kulkarni, Chalrman, Sri Sidhlingeswara Co-operative Housing Society, Vidyanagar, Hubli. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 26th February 1980

C.R. No. 62/138C/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. 18-B, 19A/2 & 20 situated at Mariyana Thimma-sagar, Hubli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hubli Doc. No. 1023/79-80 on 30-7-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1023/79-80 dated 30-7-1979)

Non Agricultural Lands in Sy. No. 18-B 19A/2 and 20 situated at Mariyana Thimmasagar Hubli.

The total area of the land is 10 acres 17 Gunthas 1/5th share in the above property.

H. THIMMAIAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 26-2-1980

(1) Shri Bimesh Venkatrao Deshpande Thimmasagar, Hubli.

(2) Shri N. G. Kulkarni Chairman, Sri Sidlingeswara

(Transferor)

Vidyanagar,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560001, the 26th February 1980

C.R. No. 62/138-D|1|80|79-80/ACQ/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Sy. Nos. 18-B, 19A/2 & 20.

situated at Mariyana Thimmasagar, Hubli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Hubli Doc. No. 1024/79-80 on 30-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afoesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(Iransferee)

Co-operative Housing Society Limited,

Hubli.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1024/79-80, dated 30-7-1979)

Non agricultural lands in Sy. Nos. 18-B, 19A/2, and 20 situated at Mariyana Thimmasagar, Hubli, 1/5th Share in the above property. Total area of the land is 10 acres 17 Gunthas.

H. THIMMAIAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, PATNA, BIHAR

Patna, the 1st March 1980

Ref. No. III-377/Acq/79-80.—Whereas I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Fadge, Patna, Bihar

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Thana No. 4, Touzi No. 438, Ward No. 11, Survey Plot No. 665 & 666, Khata No. 98, Plot No. 25, Holding No. 108/A. situated at Kazipur, Rajendra Nagar (near water Tonki)), Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 7-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following perpersons, namely:—

 Shri Subash Chandra Mehta alias Hanuman Das Mehta, s/o Late Mangel Das Mehta Road No. 1, Rajendra Nagar, Patna.

(Transferor)

(2) Smt. Raju Devi Bothra w/o Sri Raj Karan Bothra Road No. 3, Rajendity Nagar, Patna-16.

(Transferee)

(3) M/s Mahabir Industries.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuing 3 Kathas 11 Dhurs with building, situated at near Pani Tanki, Road No. 1 Rajendra Nagar, Patna, morefully described in deed No. 4382 dated 7-7-79 registered at District Sub Registrar, Patna.

Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna, Bihar.

Date: 1-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

PATNA, BIHAR

Patna, the 1st March 1980

Ref. No. III-378/Acq/79-80.—Whereas I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Touzi No. 5292, Thana No. 23, Katha No. 56 & 78, Khesra No. 85 & 86 situated at Mainpur Saguna, P.S. Danapur, Dist-Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Danapur on 9-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the tranfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 10 Kathas at Mainpur Saguna, Danapur, District-Patna morefully described in deed 3324 dated 9-7-79 registered at Sub-Registrar, Danapur.

THE SCHEDULE

I. NATH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna, Bihar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Bangali Singh s/o Sri Sant Lal Singh, At Rukunpura, P.O. Bihar Vetnary College, P.S. Danapur, District Patna.

(Transferor)

(2) Shri S. N. Singh s/o Sri Suraj Prasad Singh, for and on behalf of M/s Bihar Weel Point System and Fabricators E/50 Peoples Co-operative Colony, Kankarbagh, Patna-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Date: 1-3-1980 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PATNA, BIHAR

Patna, the 1st March 1980

Ref. No. III-379/Acq/79-80.—Whereas I, J. NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Rs. 25,000/- and bearing

Touzi No. 5292, Thana No. 23, Katha No. 56 & 78, Khesra No. 85, 86 & 89,

situated at Mainpur Saguna, P.S. Danapur, District Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Danapur on 9-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any lacome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Ashok Kumar Sinha s/o Sri Bangali Singh At Rukunpura, P.O. Bihar Vetnary College, P.S. Danapur, District Patna.

(Transferor)

(2) Shri S. N. Singh s/o Sri Suraj Prastad Singh for and on behalf of M/s Bihar Weel Point System and Fabricators, E/50 Peoples Co-operative Colony, Kankarbagh, Patna-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 Kathas at Mainpur Saguna, P.S. Danapur, District Patna morefully described in deed No. 3323 dated 9-7-79 registered at Sub Registrar, Danapur.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date: 1-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
PATNA, BIHAR

Patna, the 1st March 1980

Ref. No. III-382/Acq/79-80.—Whereas I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward No. 17 (Old) 25 (New), Holding No. 166-26, Plot No. 1553/K, 1553/KH, 1554, 1555, situated at Alamganj (Khuskibagh), Purnea

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purnea on 3-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Santosh Kumar Pal and Prantosh Kumar Pal Both sons of Sri Gayanath Pal At Khuskibagh, P.O. Purnea City, Dist. Purnea.

(Transfenor)

(2) Shri Maheswar Prasad Singh s/o Sri Bateshwar Prasad Singh, r/o Madhubani, P.O./Dist. Purnea.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha 12 Kathas 16‡ Dhurs at mouza Alamganj (Khuskibagh) District Purnea with Mango, Jack and Litchi trees, morefully described in deed No. 11849 dated 3-7-79 registered at District Sub Registrar, Purnea.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date: 1-3-1980

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA, BIHAR

Patna, the 10th March 1980

Ref. No. III-383/Acq/79-80.—Whereas I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna, Bihar

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 80, Khata No. 83, Ranchi P.S. No. 188, situated at Kanke Road, Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 24-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons (namely:—

 Shrimati Vidyawati Devi Johar, w/o Shri G. L. Johar, Mugma P. S. Nirshachatti, Dist. Dhanbad, At Present Nagra Toli, P.S. Lalpur, Dt. Ranchi.

(Transferor)

(2) Shri Shyam Behari Tripathy, s/o Shri Ramdhari Tripathy, Kanke Road, Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichevery period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

44 Kennal of land with building at Kanke Road, Ranchi more fully described in deed No. 7825 dated 24-9-1979.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Petna, Bihar

Date: 10-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Ambikeshwar Bux Rai, s/o Late Nageshwar Bux Rai Mohl. Abadhganj, P.S. Daltonganj, Dt. Palamau, At present Hesal, Ranchi.

(Transferor)

(2) Shri Gajendra Nath Tripathy, 8/0 Shri Shyam Bihari Tripathy, Ratu Road, Ranchi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA, BIHAR

Patna, the 10th March 1980

Ref. No. III-384/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna, Bihar

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

R.S. Plot No. 877, Khata No. 9 etc. situated at Ratu Road, Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 20-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
30—36G1/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 Kathas 9 Chataks 34 sq. ft. land with a building thereon, situated at Ratu Road, Ranchi more fully described in deed No. 9416 dt. 20-12-1979.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date: 10-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, PATNA, BIHAR

Patna, the 21st March 1980

Ref. No. III-380/Acq/79-80/6499.—Whereas I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna, Bihar

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Holding No. 391 (Old) 625 (New) Ward No. 1, Plot No. 9, 10, 11, 15, 16, 6, 7, 8 Khata No. 11, 14, and 16 situated at Barahmasia, P.S. Giridih

- ' (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27 October, 1979
- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shree Krishna Investment Company Ltd. At 13 Old Court house Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Sanjib Samanta s/o Sri Tarashankar Samanta, at Makatpur, Dist. Giridih.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of vacant land measuring .87 Dec. situated at Mouza Barahmasia, Dist. Giridih and more fully described in deed No. I-5578 dated 27 October, 1979 registered at Sub-Registrar of Assurances Calcutta.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Patna, Bihar.

Date: 21-3-1980

(NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 21st March 1980

Ref. No III-385/Acq/79-80/6500.—Whereas I, J. NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceedings Rs. 25,000/- and bearing

Khata No. 165, Khesra No. 2507, 2515, 2508 etc. situated at Mouza Daharia, Dt. Katihar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Katihar on 24-7-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gopi Krishna Agrawalla, s/o Shri Prabhu Dayal Agrawalla, Smt. Bimla Dovi. d/o Sita Ram Agrawalla of Bara Bazar, P.O. & Dt. Katihar.

(2) Shri Ajoy Kumar Agrawalla s/o Sri Chhedi Lal Agrawalla, r/o Binodpur, P.O. & Dt. Katihar.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing in the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 Katha land with a building thereon, situated at Mouza Daharia, Katihar bearing Khata No. 165, Khesra No. 2507, 2515, 2508 etc. more fully described in deed No. 9816 dt. 24-7-1979 registered with the district Sub-Registrar, Katihar.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date: 21-3-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTIOIN RANGE, PATNA

Patna, the 21st March 1980

Ref. No. III-386/Acq/79-80.—Whereas I, J. NATH, belog-the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Ward No. 5, New 11, Holding No. 95, Plot No. 101, situated at Madhubani, Dist. Purnea

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Purnea on 21-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sorendra Nath Ganguli s/o Bhupendra Mohan Ganguli, r/o Nauratanhata, P.S.K. Hat, P.O. & Dt. Purnea.

(Transferor)

(2) Shri Ajit Kumar Roy Shri Ashit Kumar Roy, ss/o Abhani Mohan Roy, r/o Nauratanhata, P.O. & Dt. Purnea.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9 Kethas 1 Dhur land with building, situated at Mouza Madhubani, District Purnea, Mohalla Nauratanhatta, Ward No. 5 New H. No. 95 more fully described in deed No. 12589 dated 21-7-1979 registered with the District Sub-Registrar, Purnea.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date: 21-3-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 21st March 1980

Ref. No. III-387/Acq/79-80.—Whereas I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 579 Khuta No. 29 etc.

situated at Dhanbad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 20-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the the sconcealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (1) 1. Shri Amar Nath Singh s/o Tara Singh,

 - Smt. Rampiyari Devi w/o Amar Nath Singh,
 Kuldip Singh s/o Amar Nath Singh, Seoti Bari, P.S. Chirkunda Dhanbad,

(Transferors)

(2) Smt. Santi Debi, w/o Khajam Singh, At Joridih Bazar, P.S. Bermo, Distt. Giridih.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the relyice of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

12 Katha 6 Chataks land with a double storeyed building on plot No. 579, Khata, No. 29 more fully described in deed No. 5808 dated 20-7-1979 registered with the District Sub-Registrar, Dhanbad.

> J. NATH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna Bihar

Date: 21-3-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 26th February 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/642.—Whereas I, M. I.. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural Land, situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 18-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ramchander, Giraj, Mukhram, s/o Shri Chhanga Ram, r/o 3-E Chhoti, Teh. & Distt. Sriganganagar. (Transferor)
- (2) Shri Nishith Pareek s/o Shri Madan Kumar Pareek, 112-N Block, Sriganganagar.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesnid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Murba No. 516 & Kila No. 14 measuring 1 bigha located at Chak 3-E Chhoti of Teh. Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by S.R. Sriganganagar vide registration No. 1941 dated 18-7-1979.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 26-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 26th February 1980

Ref. No. Raj/AC(Acq.)/643.—Whereas I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural Land, situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sringanganagar on 7-7-1979

for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ramchander, Giraj, Mukhram, s/o Shri Chhanga Ram, r/o 3-E Chhoti, Teh. & Distt. Sriganganagar. (Transferor)
- (2) Shri Nishith Pareek s/o Shri Madan Kumar Pareek, 112-N Block, Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Murba No. 516 & Kila No. 14 measuring 1 bigha located at Chak 3-E Chhoti of Teh. Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by S. R. Sriganganagar vide registration No. 1896 dated 7-7-1979.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 26-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 26th February 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/644.—Whereas I, M. L. CHAUHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural Land, situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 17-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ramchander, Giraj, Mukhram, s/o Shri Chhanga Ram, r/o 3-E Chhoti, Teh. & Distt. Sriganganagar. (Transferor)
- (2) Shri Nishith Parcek s/o Shri Madan Kumar Parcek, 112-N Block, Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATAON:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Murba No. 516 & Kila No. 14 measuring 1 bigha located at Chak 3-E Chhoti of Teh. Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by S. R. Sriganganagar vide registration No. 1913 date. 17-7-1979.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 26-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, **JAIPUR**

Jaipur, the 4th March 1980

M T. No. Raj/IAC(Acq.)/645.—Whereas I, CHAUHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Agricultural Land, situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 9-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / OΓ
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-31-36GI/80

(1) Shri Ram Chander, Gir Raj and Mukhram, s/o Shri Chhoga Ram, r/o 3-E Chhoti, Teh. & Distt. Sriganganagar. (Transferor)

(2) Shri Ripudan Singh s/o Bhoop Singh Bisnoi, R/o 112-N Block, Sriganganagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Murba No. 516 & Kila No. 14 measuring 1 bigha situated at Chak 3-E Chhoti of Teh. Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by S.R. Sriganganagar vide registration No. 1914 dated 9-7-1979.

M. L. CHAUHAN Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 4-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THI INCOME-TAK ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 3rd March 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/648.—Whereas I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, land, situated at Beawar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Beawar on 24-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Mukat Beharilal Bhargava, s/o Sh. Vinodilal Bhargava r/o Beawar, At present at Sardar Patel Marg, Jaipur.

(Transferor)

(2) M/s. Mathaveer & Co., Beawar Through Shri Mohan Singh Lodha and Shri Lal Chand Sindhi, Beawar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Khasra No. 1179 & 1448 measuring 4 bigha located at Naya Nagar, Beawar and more fully described in the sale deed registered by S.R. Beawar Vide registration, No. 2463 dated 24-10-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 3-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
LAIPUR

Jaipur, the 26th February 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/649.—Whereas I, M. L. CHAUHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred ot as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land, situated at Beawar

tand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Beawar on 24-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mukat Beharilal Bhargava, s/o Sh. Vinodilal Bhargava r/o Beawar, At present at Sardar Patel Marg, Jaiour.

(Transferor)

(2) M/s. Mahaveer & Co., Beawar Through Shri Mohan Singh Lodha and Lal Chand Sindhi, Beawar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days (from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Khasara No. 1449 & 1450 measuring 3 bigha 14 biswa & 5 Biswansi located at Naya Nagar Beawar and more fully described in the sale deed registered by S. R. Beawar vide registration No. 2462 dated 24-10-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 3-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 4th March 1980

Raj/IAC, Acq.)/641.—Whereas I, CHAUHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land, situated at Raipur

(and more fully described in the Echeduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 29-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) M/s. Golcha Farms, A registered partnership firm Maries Goicha Farms, A registered partnershithrough its partners Svs (1) Motichand, (2) Kishan Chand, (3) Nemi Chand & (4) Chetan Mal Ss/o Shri Manohar Mal, r/o Ajmer Road, Beawar.

(Transferor)

(2) Shri Prabhulai s/o Shri Ram Skuh Mali Ghelot, r/o Delwara Road, Beawar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing khasra No. 14, 22 & 23 measuragricultural land bearing khasta No. 14, 22 & 25 measuring 69 bigha including well fitted with electric motor and engine house, situated at village Bali Teh. Ralpur, Distt. Pali and more fully described in the sale deed registered by S.R. Ralpur vide registration No. 294 dated 29-10-79.

> M. L. CHAUHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 4-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 3rd March 1980

Rai/LAC (Acq.).—Whereas I, M. L. Ref. No.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land, situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 30-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Brij Narain s/o Shri Shiv Narain Nerula, through G.P.A. holder Shri Ram Laxman s/o Shri Bali Ram Gupta r/o Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Khubilal 8/0 Sh. Vardichand Parmar, Smt. Ladkanwar w/0 Basantilel Badala and Shri Laxmilal 8/0 Kanhiyalal Bagrecha, Kali Bawadi, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Khasra No. 955, and measuring 6 bighas and 8 Biswas located at Vill. Bedwas, Tehsil Girwa, near Debari Road, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Udaipur vide registration No. 2106 dated 30-7-1979.

M. L. CHAUHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 3-3-1980

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jahrur, the 26th Pebruary 1980

Ref No. Raj/IAC (Acq.).—Whereas I, M. L. CHAUHAN,

tieing the Competent Authority under Section 269B of the linconnectax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. A-3(F), situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 10-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly traited in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concelment o fany mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bheskar Chowdhary 8/0 Shri Mangal Chand Choudhary, 12, Dhuleshwar Garden, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Radha Ballabh Gupta, 8/o Gopi Pd. Ji Gupta Motor Centre, M.I. Road, Jainur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in 'Chapter XXA of the said Act, 'shall there the same meeting to given in that 'Chapter.

THE SCHEDULE

Eastern half porton of plot No. Λ-3(F), stuated at Sundar Path Bani Park, Jaipur and much more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 1596 dated 10-7-1979.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 26-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Johnse, the 26th February 1980:

Ref. No. Raj/IAC (Acq.).—Whereas I, M. L. CHAUHIAN,

being the Computent Authorty under Sector 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reference to as the 'said Act'), have remon to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. A-3(F), situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 10-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concentration of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhaskar Chowdhary s/o Shri Mangal Chand Choudhary 12, Dhuleshwar Garden, Jajour.

(Transferor)

(2) Shri Makhan Lak Gupta, s/o Gopi Pd. Ji Gupta Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in welding by the understand:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imerovable property, within 45 days from the date of publication of this natice in the Official Cumsta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as any defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Western half portion of plot No. A-3(F), situated at Sundar Path Bani Park, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 1595 dated 10-7-1979.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 24-2-1989

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

JAJPUR

Jaipur, the 3rd March 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/651.—Whereas I, M. L.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registation Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 18-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hemandes s/o Lakhumal Sindhi r/o Plot No. 432 Near Bees Dukan Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Ruddi w/o Sh. Raja Ram Agarwal, r/o Village Meeda, Teh. Nawa, Distt. Nagaur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property bearing plot No. 432 (constructed portion at ground floor with open land) and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 1627 dated 18-7-1979.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 3-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 3rd March 1980

Ref. No. Raj/IAC (Acq.)/652.—Whereas I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shops, situated at Jaipur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 10-7-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
32—36GI/80

 Hemandas s/o Lakhumal Sindhi r/o Plot No. 432 Near Bees Dukan, Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Ganga Devi w/o Shri Radhey Shyam Agarwal, r/o Village Meeda, Tch. Nawa, Distt. Nagaur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property bearing plot No. 432 (5 shops at ground floor facing south) and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jespur vide registration No. 1582 dated 10-7-1979.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 3-3-1980

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas I, M. L. CHAUHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 172-B, situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jodhpur on 20-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

 Shri Puranraj 5/0 Shri Jorawarmalji Nehru, Park Scheme, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Chander Singh s/o Shri Roop Singh and Smt. Bhanwari Bai w/o Shri Chander Singh, Opp. Satsang Bhawan, 5th Road, Sardarpura, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 172-B, situated on 5th Road, Opp. Satsang Bhawan, Sardarpura, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 1290 dated 20-7-1979.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
LAIPUR

Jaipur, the 17th March 1980

Ref. No. Ref./IAC(Λ cq.)/654.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Jahazpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jahazpur on 16-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

(1) Shri Prakash Chand 8/0 Shri Shiv Raj and Shri Naval Kishore and Seshe Karan Sons of Shri Shivraj Malpani, R/0 Deoli.

(Transferor)

(2) Shri Mahaveer Parsad s/o Shri Govind Ram Saraff R/o Deoli and Shri Gulabchand s/o Shri Chouthmal Mumia, R/o Bundi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property named 'Ganesh Dal Mill' situated at Village Kucchelwada Tch, Jahazpur Distt. Bhilwara and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jahazpur vide registration No. 319/343 dated 16-7-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-3-1980

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Chopasani Road, Jodhpur.

(1) Shri Tilak Kak s/o Jainath Kak

Through GPA holder

Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Shiv Lal s/o Dhanraj Goyal,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, **JAIPUR**

Jaipur, the 17th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/658.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering at Jodhpur on 16-7-1979

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

Hazi Mohmad Ramzan s/o Hazi Abdul Rahman Kharadiyon ka Mohalla Hazi Building,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated at Dharam Narainji ka Ahata, Mandore Road, Pasta Jodhpur and more fully described in the sale deed, registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1297 dated 16-7-79.

M. L. CHAUHAN Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-3-80

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 17th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/659.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot situated at Johnur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 12-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Tilak Kak s/o Jainath Kak through GFA holder Hazi Mohmad Ramzan s/o Hazi Abdul Rahman Kharadiyon ka Mohalla Hazi Building, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shrì Prem Raj s/o Shrì Dhanraj Goyal, Chopasni Road, Jodhpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated at Dharam Narainji ka Ahata, Mandore Road, Paota Jodhpur and more fully decribed in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1293 dated 12-7-1979.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-3-80

FORM ITNS----

(1) Smt. Prem Sudha Parekh, 5-Jh-8, Jawahar Nagar, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Girdharilal Advani, 8-Sindhi Colony, Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/656.—Whereas, I, M. 1.. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-42 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 25-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of plot No. D-42 situated at Bani Park, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1710 dated 25-7-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-3-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 56 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jappur on 5-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe tha the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Tilli Bai w/o Shri Moolchand, 102 Kanwar Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Kumar s/o Shri Kishanchand, Plot No. 30 Kanwar Nagar Jaipur and Shri Decpak Kanwar Minor son of Shri Kanhyalal Through legal heir Shri Kanhyalal, 30-Kanwar Nagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 56 situated at Nehru Bazar, Jaipur and more fully describe. In the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1497 dated 5-7-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Dat: 17-3-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Kanhyalal s/o Ram Narain Khandelwal, Village Papad, Teh. Jamwa Ramgarh. 2. Shri Badri Narain s/o Shri Bhourilal, Village Nandpura, Teh. Iamwa, Ramgarh.

(Transferor)

(2) M/s. Diamond Carpets, Reg. Firm Through Partner Shri Dharamchand Jain Ramganj Bazar, Jaipur.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, **JATPUR**

Jaipur, the 17th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).-Whereas, I, M. J., CHAUHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule nanexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 26-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeside exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Purani Amer Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1802 dated 26-7-79.

> M. L. CHAUHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-3-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. D-115 situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jaipur on 28-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

33-36GI/80

- (1) Dr. D. P. Datta s/o Shri Sita Ram Datta, 125 Vidya Bihar, Pilani (Raj.)
- (2) Shri Ishwardass Gadi so late Lala Narain Dass Gidarvaha Mandi, Distt. Faridkot.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D-115 situated at Amba Badi Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1854 dated 28-7-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-3-80

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/660.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. D-2 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the libility
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Tilak Raj s/o Shri Jainath Kak Through GPA holder Hazi Mohmad Ramzan S/o Hazi Abdul Rahman, Kharadiyon ka Mohalla, Hazi Building, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Smt. Chotta Devi w/o Shri Jethmal, 807-B, Paota, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D-2 Dharam Narain ka Ahata, Mandore Road, lodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1390 dated 18-8-79. 18-8-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalpur

Date: 17-3180

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 17th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/661.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1-B situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 6-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market vaue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) Shri Chattar Singh s/o Champakmal Bhandarl, Jata Bas, Power of attorney holder S/Shri Shiv Ram and Manhar Sons of Shri Laduramji Vyas, Sandoon Ki Pole, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Munnilal Garg s/o Pannalal, R/o Karanpur at present Near Balniketan, Jodhpur.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever: period oxpires lates.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1-B, Dharam Narain Ji ka Ahata, Mandor Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1367 dated 6-8-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-3-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th March 1980

Ref. No. Req/IAC(Acq.-/657.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 27 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 27-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269O of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Smt. Ram Kanwari w/o Shri Ganga Bishan Shir, Om Prakash and Shri Shiv Prakash Sons of Shri Ganga Bishan and Smt. Amar Kanwar d/o Shri Ganga Bishan, Jodhpur. (Transferor)
- (2) Shri Govind Ram s/o Shri Gurmukh Dass Sindhi Lohana, B-Road, Sardarpura Jodhpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property on plot No. 27 Sardarpura, B-Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur vide registration No. 1653 dated the 27-9-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-3-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 30-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Chhibadmal, Moolchand Sons of Shri Lekhumal, Khawasji-ka-rasta, Jaipur.

(Transferor)

(2) S/Shri Shankerlal, Ishwarlal, Sons of Kewalram, Kanwarnagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 day₈ from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated at Brahmpuri, Jogeshwar Mahadeo Sitaram Bazar in khasra No. 51/3, 51/4 and 48/10 and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1877 dated 30-7-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 18th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 8 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Japur on 18-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Basanti Devi w/o Dr. Ranjit Kumar, Ganguli Alaknanda, C-Scheme, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Manju Devi w/o Shri Kamal Kumar, Gomti Bhawan, Jamli Gali, Brivli West, Bombay-92.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B, Alaknanda, Chitranjan I.anc, C-Sheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jaipur vide registration No. 1641 dated 18-7-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Dute: 18-3-1980

FURM ITNS

NOTIGE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jalpur, the 13th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).--:Wherett, 1, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One show room situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Japan on 28-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-the Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shii Krishna Kumar s/o late Shri Gulab Rai Agarwal, Self & Shri Amin Khetan and Anamika minor son & daughter of Shri Krishna Kumar Through Guardian Shri Krishna Kumar R/o of Khetan Bhawan, M. I. Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Sanwarmal s/o Shri Uma Dutt Saraff, Hawa Sadak, Ready Cut House, Jaipur.

(Transferée)

Objections, if any; to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other period interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One show room at Khetan Bhawan, M.I. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 1858 dated 28-7-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 13-8-80

Scal:

FORM ITNS----

 Shri Deo Karan s/o Shri Ghevarchand, 111, Atish Market, Jaipur.

Bhagat Vatika, Civil Lines, Jaipur.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 13th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/655.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 27-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(2) Shri Subhash Taneja s/o Shri Gordhanlal Taneja,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of agricultural land measuring 667 sq. yds. situated in Civil Lines, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 1828 dated 27-7-1979.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 13-3-1980

Scal:

(1) Shri Mohanlal Sachdev. B-21 Raja Park, Jaipur-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Minor through legal guardian and father Shri Chandramohan Kachhawa,

Plot No. 26 Ramgali No. 8 Raja Park, Jaipur,

(2) Kumari Deepa Kachhawa & Kumari Sima Kachhawa,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, **JAIPUR**

Jaipur, the 20th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/668.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 26 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 5-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respec tof any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--34-36G180

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of plot No. 26 Ramgali No. 8, Raja Park, Jaipur and much more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 1499 dated 5-7-79.

> M. I., CHAUHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-3-80

(1) Shri Mohanlal Sachdev, B-21, Raja Park, Jaipur-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Vimla Kachhawa, 26, Ramgali No. 8, Raja Park, Jaipur,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/669.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 26 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 5-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of plot No. 26 Ramgali No. 8, Raja Park, Jaipur and much more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 1484 dated 5-7-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 21st March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 218-A situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Japper on 10-7-79

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dalpat Singh s/o Shri Shiv Singh Rajput, D-218-B Bhaskar Marg, Bani Park, Jaiour.

(Transferor)

(2) Shri Jagmal Singh s/o Thakur Jodh Singhji Rajput, Dy. S.P. Chittorgarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from a service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 218-A, Bhaskar Marg Bani Park, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide registration No. 1536 dated 10-7-1979.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 21-3-80

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 20th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. R-14 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 31-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Anand Kumar Kaushik s/o Shri Mahavir Pd. Kaushik and Shri Shiv Kumar Kaushik, J-35 Kishna Marg C-Scheme, Jaipur.

(Transferor)

(2) Chandra Prakash Sharma S/o Shri R. K. Sharma, Suraj Cinema Ghassa Road, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. R-14, Jamnalal Bajaj Marg C. Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide registration No. 1926 dated the 31-7-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Japur

Date: 26-3-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 26th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agri. land situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 27-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Chand Behari Sawodiya S/o Shri Bhanwarlal Sawodiya, Khetri House Road, Outside Chandpole Gate, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Kanaram, Laxminarain, Kajod and Ramchandra sons of Jagan Yadav, Chak Pithawas alias Badarama, Teh. Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in agricultural land measuring 10 blghas 14 biswa and well with pump set situated at Village Pithawas, Alias Badarama, Teh. Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 1813 dated 27-7-1979.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 26-3-80

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 26th March 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agril, land situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 27-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Chand Behari Sawodiya s/o Bhanwarlal Khetri House Road, Outside Chandpole Gate, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Gopal, Birdhi Chand, Mohanlal Narsilal Sons of Shri Jagan Yadav, Chak Pithawas alias Badarama, Teh. Jajpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in agricultural land measuring 19 bighas 14 biswa and well with pump set situated at Village Pithawas, Alias Badarama Teh. Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 1814 dated 27-7-1979.

M. L. CHAUHAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jaipur

Date: 26-3-80

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SION ER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 29th February 1980

Ref. No. BGR/10/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 15 kanal 11 Marla situated at Villa Palla (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabhgarh in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

- (1) Shri Ram Kishan Devi Singh sons of Shri Shiv Dayal R/O Palla Teh. Ballabhgarh. (Transferor)
- (2) M/S Greater Delhi Planner (Ltd.) 3, Shanker Market Connaught Circus, New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 15 kanal 11 marlas situated at Vill. Palla and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 3141 dated 18-7-79 with the Sub Registrar, Ballabhgarh.

> G. S. GOPALA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date: 29-2-1980

 Shri Nathu S/O Shri Kallu R/O Sarai Khawaja.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/S Greater Delhi Planner, 3-Shanker Market, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 29th February 1980

Ref. No. BGR/12/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 17 kanal 15 marla, situated at Sarai Khawaja, (Ballabhgarh)

(and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ballabhgarh in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 17 kanals 15 marlas situated at Saraikhawaja (Ballabhgarh) and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 3411 dated 31-7-1979 with the Sub Registrar, Ballabhgarh.

G. S. GOPALA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date: 29-2-1980

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 29th February 1980

Ref. No. AMB/19/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 0 kanal 14 marlas situated at village Singhanwala (Ambala)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ambala in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
35—36GI/80

(1) Shri Surjit Singh S/O Shri Inder Singh of Vill. Singhanwala Teh. Ambala.

(Transferor)

(2) Shri Lal Chand, Ramji Lal, and Banarsi Dass sons of Shri Budh Ram, Ambala City Sh. Som Noth S/O Sardha Ram R/O Kalibari Chowk. Ambala Cantt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 9 kanal 14 marlas situated in Village Singhanwala Teh. Ambala and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 1484 dated 14-7-1979 with the Sub-Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 29-2-1980

Soul :

FORM ITNS----

(1) Sh. Ramesh Kumar S/O Shiv Lal Sethi c/o M/S Shiv Lal Krishan Lal, Anaj Mandi, Ambala City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ravish Kumar S/O Pt. Shadi Lal, House No. 5565-66 Ward No. 3 Ambala City. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Rohtak, the 29th February 1980

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AMB/20/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

> EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in

> > that Chapter.

Shop No. 5395-W-3/2192-B-II, Anaj Mandi situated at Ambala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in August, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act.

1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Property being shop No. 5395-W-3/2192-B-II, situated in Anaj Mandi, Ambala and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 1748 dated 7-8-1979 with the Sub-Registrar, Ambala.

> G. S. GOPALA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sail Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 29-2-80

(1) Shri Ramditta Mal S/O Shri Madia Ram R/O Karnal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Gopal Dass S/O Sh. Jai Ram House No. MC/XIV-160 (E-110) Mohalla Mughlan, Subhash Gate Karnal-132001.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 29th February 1980

Ref. No. KNL/31/79-80.—Whereas 1, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. E-110, Moh. Mughlan, Karnal situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karnal in Aug. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. E/110, Moh. Mughlan, Karnal and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 3412 dated 6-8-1979 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 29-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

Rohtak, the 3rd March 1980

ROHTAK

Ref. No. AMB/21/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House No. 320-B, Model Town, situated at Ambala City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ambala in Aug., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kasturi Lal, Suraj Parkash sons of Shri Mulakh Raj R/O 320-B, Model Town, Ambala City.

(Transferors)

(2) Shri Baldev Raj S/O Mulakh Raj, R/O 320-B, Model Town, Ambala City. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 320-B situated at Model Town, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2010 dated 13-8-1979 with the Sub Registrar, Ambala City.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Rohtak.

Date: 3-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th March 1980

Ref. No. JDR/6/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House bearing two shops and courtyard situated at Hamida Colony, Yamunanagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jagadhari in July. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Harbans Singh, Joginder Singh S/O Shri Maiya Singh House No. 537, near Khalsa College, Hamida Colony, Yamunanagar. (Transferors)
- (2) S/Sh. Jagat Jit Singh, Balwant Singh, Shri Manster Singh, Baldev Singh S/O Jagatjit Singh House No. 239, Bhatia Nagar, Yamunanagar. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 239 situated at Bhatla Nagar, Yamunanagar and us more mentioned in the sale deed registered at No. 1712 dated 2-7-1979 with the Sub Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Rohtak.

Date: 5-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-STONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, ROHTAK

Rohtak, the 11th March 1980

Ref. No. SRS/29/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-tand bearing No.

Agricultural land measuring 231 kanal situated at Kotli (Sirsa)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirsa on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay this under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following peersons, namely:—

(1) Shri Rajha Ram, Bagh Ram S/O Baghela Ram, Sh. Darshan Ram, Krishan Ram S/O Bagh Ram, Lachhman Dass, Lal Chand, Arjani Dass, Kalu Ram, Madha Ram S/O Shri Vasaka Ram, Suchan,

(Transferor)

(2) Sh. Dhamu Ram, Munshi Ram, Karam Chand S/O Shri Pallu Ram, R/O Radho Luhari.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being agricultural land measuring 231 kanal situated in Village Kotli and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 2178 dated 12-7-1979 with the Sub Registrar, Shsa.

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 11-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 5th March 1980

Ref. No. 27/JULY/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 26, situated at Krishnappa Naicken Tank Street, Madras-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Madras North (Doc. No. 2828/79) on July 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri P. Purushotham Pillal, 19, Paddunaicken Street, Kondithope, Madras-1.

(Transferor)

(2) Smt. Rajeswari, 77, Tiruppalli Strect, Madras-600 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 2828/79 JSR, Madras North.
I and & Buildings at Door No. 26, Krishnappa Naicken.
Tank Street, Madras-600 001.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
MADRAS-600 006.

Date: 5-3-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 5th March 1980

Ref. No. 110/JULY/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

New Door No. 43, situated at Panthcon Road, Egmore, Madras-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

SRO Periamet, Madras (Doc. No. 752/79) on July 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri A. P. Chandrasekar, New Door No. 43, Pantheon Road, Madras-8.

(Transferor)

(2) Shri Amarlal Kishindas, 118, Purasawalkam High Road, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Pocument No. 752/79 SRO, Periamet, Madras, Land at Door No. 43, Pantheon Road, Egmore, Madras-8.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
MADRAS-600 006,

Date: 5-3-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri A. M. Ponnappan, 43, Pantheon Road, Madras-8.

(Transferor)

(2) Smt. Mohini Amarlal, 118, Purasawalkam Road, Madras-10.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADRAS

Madras-600 006. the 5th March 1980

Ref. No. 109/JULY/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

New No. 43, situated at Pantheon Road, Egmore, Madras- $600\,008$

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of

1908), in the office of the Registering Officer at

SRO Periamet. Madras (Doc. No. 751/79) on July 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:——36—36GI/80

Objections if any, to the acqueistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 751/79 SRO, Periamet, Madras. Land & Buildings at Door No. 43, Pantheon Road, Egmore, Madras-600 008.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
MADRAS 600 006.

Date: 5-3-1980.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADRAS

Madras, the 5th March 1980

Ref. No. 15/AUG/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Now No. 22, situated at III Lane, Senniamman Koil Street, Tondimpet, Madras-21

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Royapuram, Madras (Doc. No. 1149/79) on August 79 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri M. Sathanantham & Others. New No. 22, IIIrd Lane, Senniamman Koil Street, Tondiarpet, Madras-21.

(Transferor)

(2) Shri G. Kamaleeswaran represented by Power Agent Shri M. Raman, New No. 22, III Lane, Sennlamman Koil Street, Tondiarpet, Madras-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1149/79 SRO, Royapuram, Madras.
Land & Ruddings at Door No. (New) 22, III Lane, Senniamman Koil Street, Tondiarpet, Madras-21.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600006.

Date: 5-3-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 36/JULY/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Res. 25,000/-and bearing

No. 37, situated at East Chitrai Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at SRO Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 1117/79) on Juiy 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri H. S. Munda Sait, 16, Chairman Muthuramier Road, Madurai.

(Transferor)

(2) Shri K. G. Ramasamy, 54, Eluthanikara Street, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1117/79 SRO Pudumandapam, Madurai.

Land & Buildings at Door No. 37, East Chitrai Street, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range-I,
Madras-600006.

Date: 7-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, MADRAS

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 43/JULY/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 9/2 (2 W/5), situated at Kuruvikaran Salai I Street, Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

SRO Tallakulam, Madurai (Doc. No. 2743/79) on July 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri W. G. Napler, 27/1125, Vanchiyur, Trivandrum-695 001.

(Transferor)

Shri E. John Rupkumar Samuel.
 Asha Kasturi Rupkumar,
 No. 9/2 (2 W/5) Kuruvikaran Chalai I Street,
 Madural-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 2743/79 SRO, Tallakulam, Madurai.

Land & Buildings at Door No. 9/2 (2 W/5) Kuruvikaram Salai I Street, Madural-20.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
MADRAS-600 006.

Date: 7-3-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 23/JULY/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 39, situated at Arathoon Road, Royapuram, Madras-13 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer JSRO Madras North (Doc. No. 2739/79) on July 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Smt. Sayar Bai, No. 72, Arathoon Road, Royapuram, Madras-13.

(Transferor)

(2) Shri G. Raman, No. 104, Rama Naicken Street, Royapuram, Madras-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 2739/79 ISRO Madras North.

Land & Buildings at Door No. 39, Arathoon Road, Floyapuram, Madras-13.

> O. ANANDARAM, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner Acquisition Range-I, MADRAS 600 006

Date: 7-3-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, MADRAS

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 49/JULY/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 9, situated at Amman Saunadhi, Madural (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO Madural (Doc. No. 2359/79) on July 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Snt. S. R. Rathinam Anmal, No. 21, Krishnapuram 2nd Cross Street, Madurai.

(Transferor)

(2) Minor K. Naganathan, by father & guardian Shri Kathan Chettiar, North Car Street, Nainarkoil, Paramakudi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 2359/79 JSRO, Madural.

Land & Buildings at Door No. 9, Amman Sannadhi, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
MADRAS-600 006.

Date: 7-3-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 50/JULY/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9, situated at Amman Sannadhi Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO Madural (Doc. No. 2360/79) on July 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. S. R. Rathinam Ammel, No. 21, Krishnapuram 2nd Cross Street, Madurai.

(Transferor)

(2) Minor K. Naganathan, by father & guardian Shri Kathan Chettiar, North Car Street, Nainarkoil, Paramakudi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 2360/79 JSRO, Madural.

Land & Buildings at Door No. 9, Amman Sannadhi Street, Madurai.

O. ANANDARAM, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. MADRAS-600 006.

Date: 7-3-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 67/JULY/79.—Whereas, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 59, situated at South Pandian Agil Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO I Madurai (Doc. No. 2743/79) on July 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. G. Rajammal &
 Smt. V. Sundari.
 No. 48, Mela Pandian Agil Street, Madural.
 (Transferor)
- Shri S. Kathiresau Chettiar &
 Smt. K. Anusia Devi,
 No. 41, Lakshmipuram 7th Street, Madurai.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 2743/79 JSRO I, Madural.

Land & Buildings at Door No. 59, South Pandian Agil-Street, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range-I,
MADRAS-600 006.

Date : 7-3-1980.

(1) Shri R. Pratap, C-88, Panch Sheel Enclave, New Delhi-110 017.

(Transferor)

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 (2) (Shri) Dr. L. M. Sakthivel & Mrs. Swathanthra Sakthivel,
 60, Appaswami Mudali Street, Harrington Road, Chetput, Madras-31.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 102/JULY/79,-Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 60, situated at Appaswami Mudali St., Harrington Road, Chetput Madras-31

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Periamet, Madras (Doc. No. 821/79) on July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under

section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-37-36GI/80

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver. in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 821/79 SRO, Perlamet, Madras.

Land & Buildings at Door No. 66, Appaswami Mudali Street, Harrington Road, Chetput, Madras-31.

> O. ANANDARAM, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, MADRAS-600 006

Date: 7-3-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 112/JULY/79,-Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 193, situated at Poonamallee High Road, Madras-84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Periamet, Madras (Doc. No. 888/79) on July 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

(1) Smt. Rajeswari Banerji, No. 193, Poonamallee High Road, Madras-600 084,

(Transferor)

I. Shri M. Vishnudas,
 Shri M. Kimat Rai,
 Shri M. Ashok,
 No. 35, Avadhanam Pappier Road 2nd Lane,
 Choolai, Madras-600 007.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 888/79 SRO, Periamet, Madras,

Land & Buildings at Door No. 193, Poonamallee High Road, Madres-600 084.

> O. ANANDARAM, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, MADRAS-600 006.

Date: 7-3-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 11th March 1980

Ref. No. 74/JULY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 24, situated at Kakka Thoppu Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 1222/79) on July 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri N. Ramavarier, 24, Kakka Thope Street, Madurai-1.

(Transferor)

(2) M/s. Illahi (Firm) No. 10, Mohideen Andavarpuram, CUMBAM, Madurai Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1222/79 S.R.O. Pudumandapam, Madurai.

Land & Buildings at Door No. 24, Kakka Thoppu Street, Madural.

O. ANANDARAM, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, MADRAS-600 006.

Date: 11-3-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1,

MADRAS

Madras-600 006, the 11th March 1980

Ref. No. 92/JULY/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 13/68B, situated at Observatory Road, Kodaikanal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO Kodaikanal (Doc. No. 256/79) on July 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Louis C. Pals, Advocate, Margesero, Observatory Road, Kodaikanal.

(Transferor)

(2) Shri V. R. M. V. Sankaranarayana Mudaliar Physical & Cultural Society Trust, Ambasamudram.

(Transferee)

Objections, if any, to be acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 256/79 S.R.O. Kodatkanal. Land & Buildings—29.8 Cents. Marbasero—13/68B, Observatory Road, Kodatkanal.

> O. ANANDARAM, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, MADRAS-600 006.

Date: 11-3-1980.

(1) P. Shanmugham, 86, Bazaar St., Panrutti S.A. Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kavitha Rani, C. 179, 10th Cross, Tiruchi-18.

(Transferces)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 7389.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 28, Boag Road, T. Nagar, situated at T. Nagar Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar (Doc. 940/79) on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 28. New Boag Road, T. Nugar, Madras-17. (Doc. 940/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 7-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 7474.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. 870. Poonamallee High Road, situated at Madras (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 2713/79) on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:--

- (1)Vijayaletchumi Sundaram, S. M. Mohanavel. S. M. Shanmughavel Pramila Rathnaswami, Geetha Dhandapani, Latha Vasanthan, Padmini Murugavel, 144, Gollawar Agraharam Road, Madras-21. (Transferor)
- (2) P. N. Arumugham, P. N. Shanmugham, P. N. Chandran,

P. N. Thyagarajan, P. N. Subramanian,

A. K. Selvaraja Mudaliar.

Sundararajan,

S. Radha Bal.

Saroja,

Dhanammal,

Krishnan Koil St.,

Madras-600 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 870, Poonamallee High Road, Madras 22.5 grounds in extent. (Doc. 2713/79).

> RADHA BALAKRISHNAN Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-3-1980

(1) Shri Dharmambal, 9, First Main Road, Madras-28.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Vaidyanathan (A) Govindan, for Jeebuthi Nother Murath Bharah 285, Sri Subramania Bharathi St., Karailkkal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 8626.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 285, Sri Subramonia Bharathi situated at St., Karaikkal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Karaikkal (Doc. 390/79) on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evaston of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons (namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 285, Sri Subramania Bharathi St., Karaikkal.

(Doc. 390/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 7-3-1980

FORM ITNS ___

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 8642.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 20, Veerabadra Swamy Koil, situated at St., Chidambaram (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chidambaram (Doc. 1803/79) on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 K. Balasubramania Pillai, S/o Shri Kunjithapadam Pillai, Vizhalkatti Pillayar Koil St., Chidambaram.

(Transferor)

(2) Shri Muthulakshmi Ammal, W/o Manicka Mudaliar, Veerabadraswami Koil St., Chidambaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 20, Veerabadraswamy Koil St., Kaspa Chidambaram. (Doc. 1803/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.
Madras-600 006

Date: 7-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 8643.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. 65, Kizha St., situated at Chidambaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Chidambaram (Doc. 1761/79) on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have person to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more thn fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

38--36GI/80

 Shri Devakumar S/o Shri Kavarapattu Seetharama Iyer, No. 56, Kizha St., Chidambaram.

(Transferor)

Shri Gandhimathi Ammal,
 W/o Shri Ramaseshan,
 No. 11, Kizha Sannathi, Chidambaram,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 65, Kizha St., Chidambaram. (Doc. 1761/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 7-3-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 8646.—Whereas, I, RADHA BAI AKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 28, R.A.I., St., situated at Karaikudi (and more fully described in the Cahedula annexed leveto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Karaikudi (Doc. 841/79) on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proper'y by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Valliammai Arhi, W/o Sri Veerappa Chettiar, AR, A. RM. St., Karaikudi.

(Transferor)

(2) V. RM. Viswanathan and R.M. Chockalingam S/o Ramaswamy Chettiar, 28, P.Al, St., Karaikudi.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 28, P.Al. St., Karaikudi. (Doc. 841/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madray-600 006

Date: 7-3-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 8741.—Whereas, 1, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 112, Chettipattu situated at S. No. 310, and 311, Sriper-umbadur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer

at Sriperumbadur (Doc. 1616/79) on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this natice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Indian value Corporation, Chettipattu Village, Sriperumbadur TK. (Transferor)
- (2) Sri Ram Chemical Complex, Chettipattu Village Sriperumbadur TK. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Chettipattu Village in S. No. 310 and 311, Sriperumbadur TK.
(Doc. 1616/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-11,
Madray-600 006

Data : 7-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 10276.—Whereas, 1, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 397/1, Sanganur situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gandhipuram (Doc. 2193/79) on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri T. R. Venkatraman, 15/12, Krishnaswamy Naidu Lay Out, Ramalinga Nagar, Colmbatore.

(Transferor)

(2) Shri N. V. Venugopala Pal, 174A, Diwan Bahadur Road, R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 15/12, Ramalinga Nagar, Krishnaswamy Naidu Layout, Coimbatore-11. (Doc. 2193/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 7-3-1980

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II.
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 10297. Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32/163, Karuppa Gounder situated at St., Coimbatore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3329/79) on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Gnanasoundari, 9A, No. 1, Othachakkara St., Coimbator.

(Transferor)

(2) Shri Subbalakshmi, 154, Karuppa Gounder St, Colmbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 32/163, Karuppa Gounder St., Coimbatore.
(Doc. 3329/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 7-3-1980

Scal:

 Smt. Gnana Soundari W/o Shri V. Rajappen Achari, 9A, No. 1, Othachakkara St., Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 10297.--: Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32/163, Katuppa Gounder situated at St., Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3327/79) on July 1979 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestrid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri G. Pethuraj, 154, Karuppa Gounder St., Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 32/163, Karuppa Gounder St., Colmbatore.
(Doc. 3327/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 7-3-1980

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) C. V. Zuhara D/o Shri Ayichi Chandroth, Shri Voonalakath Pudiya Purai, Azhiyur, Yadakaroi TK. Kozhikode Dt. Kerala.

(Transferor)

(2) Shri T. K. Raman, S/o Itha Kela Magdoor C. Estate, Sundacuppa, N. Coorg, Karnataka State.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 10298.—Whereas, I. RADHA BALANRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19/48, Big Bazaar situated at Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3285/79) on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 19/48, Big Bazaar St., Coimbatore. (Doc. 3285/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 7-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th March 1980

Ref. No. 10301.-Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 13/364, situated at Thadagam Road, Coimbetore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 1973/79 in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in resect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

at Coimbatore (Doc. 1973/79) on July 1979

Shri N. Mangalam, Shri S. Sankaramahadevan,

Shri S. Jayaraman, Shri S. Balasubramanian, Shri S. Gobalakrishnan,

Shri S. Ramanarayadan,

Shri S. Remakrishnan,

13/363, 364, Thadagam Road, Coimbatore.

(Transferors)

(2) Shri Doulatram Tahalram, 16/5, Thiagaraya New St., No. 3, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and and building at 13/364, Thadagam Road, Coimbatore. (Doc, 1973/79)

> RADHA BALAKRISHNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madrus-600 006

Date: 12-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGF-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th March 1980

Ref. No. 10301.—Whereas, J. RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 13/364, situated at Thadogam Road, Combatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) In the office of the Registering Officer at Colmbatore (Do. 1974/79) on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---39-36GI/80

(1) Shri N. Mangalam Shri S. Sankarama

Sankaramahadevan,

Shri S. Jayaraman,

Shri S. Balasubramanian,

Shri S. Gopalakrishman. Shri S. Ramanarayanan,

Shri S. Ramakrishnan,

13/363, 364, Thadagam Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shrimati N. Rajkumari, W/o Shri Doulatram Tabaltam. 16/5, Thiagaraya New St., No. 3, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and and building at 13/364, Thadagam Road, Coimbatore. (Doc. 1974/79)

> RADHA BALAKRISHNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date 12-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II.

Madras-600 006, the 7th March 1980

MADRAS-600 006

Ref. No. 10304.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Thangam Theatre situated at Kolappalur Village Gobi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gobichettipalayam (Doc. 1849/79) on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri S. Chennimalai Gounder, Pallipalayam, Shri Kuppanna Gounder, Pallipalayam, Shri Arunachala Gr. S/o Perumal Gounder, Oonjapalayam, Shri Kuzhandai Gounder S/o Shri Marappa Gr. Chokmaripalayam, Mariappan K. S. Komaraswamy, Kolapalur.
 (Transferor)
- (2) The Coimbatore Diocese Society, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Kolapalur Gobi (Thangam Theatre). (Doc. 1849/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority.
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.
Makra-600 006

Date: 7-3-1980

Scal:

(1) Shri Ramachandran, Cholamadevi, Udumalpet Tk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1AX AC1, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Krishnaswamy Gounder, Shri Ræthinaswamy Gounder, S/o Shri Pavalamuthu Gounder, Vedapatti, Udumalpet Tk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 10315.—Whereas, I. RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. K.S. No. 158/2E and 158/2C, situated at Vedapatti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Udumalpet (Doz. 2297/79) on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at S. No. 158/2E and 158/2C, Vadapatti. (Doc. 2297/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madray-600 006

Date: 7-3-1980

[PART HI--SEC. 1

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th March 1980

Ref. No. 10319.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 417, Thadagam Road situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 4566/79) on September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. K. V. Elzy Chakko W/o Shri M. I. Chakko, 24/4, Ponnia Rajapuram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri S. Mani S/o Shri R. Subramaniam Chettiar 51, Vaniar Lane, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land knd building at 417, Thadagam Road, Colimbatore. (Doc. 4566/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 7-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th March 1980

Ref. No. 8736.—Whereas, I. RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 57, South Alangam St., situated at Tanjore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Tanjore (Doc. 2358/79) on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Masayanadas, Shri Kesayadas, Shri Krishnadas and Shri Damodaradas, 1495, South Alangam St., Tanjore.

(Transferor)

(2) Shri Nataraja Gopalar, 5, Sivajinagar, Thanjavur-613 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable , property, within 45 days from the date of the publication of this publication of the pu

EXPLANATION:—The terms and expressions used beroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 57, South Alangam St., Tanjore. (Doc. 2358/79)

RAPHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 19-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th March 1980

Ref. No. 7475.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 870, Poonamallee High Road, situated at Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 2878/79) on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Shri P. N. Arumugham, Shri P. N. Shanmugham, Shri P. N. Chandran, Shri P. N. Thyagarajan, Shri P. N. Subramanian, Shri A. L. Selvaraja Mudaliar. Shri A. L. Sundararajan, Shri S. Radha Bai, Shri S. Saroja, L. Dhanammal, 39, Iyengar Palayam St., Kancheepuram.

(Transferor)

(2) Shri C. T. Ramanathan, Shri RM Meenakshi, Mcenakshi Achi, Shri R. M. Chockalingam, Shri N. K. S. Sundaram Achi, Shi A. Nuchammal,
Shri K. Y. R. M. Sethuchettiar,
RM. Sethuraman Chettiar 20, College Road, Madras.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 870, Poonamallee High Road, (Doc. 2778/79)

> RADHA BALAKRISHNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 19-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Medras-600 006, the 19th March 1980

Ref. No. 8652.—Whereas, I. RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Fort Station Road situated at Chinthamani, Thillainagar, Trichy

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Trichy (Doc. 1861/79) on July '79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income avising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-lax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. Sivakami Ammal W/o Shri Ganapathy Iyer, 11, Rathinaswamy Nadar Road, Madural.

(Transferor)

(2) Smt. Soundiram Achi W/o Shri Adaikalam Chettiar, Vrachilai, Tirumayam Tk. Pudukottai Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and and building at C-92, Fort Station Road Thillainagar, Trichy-18, (Doc. 1861/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Vincome-tax
Acquisition Range-11,
Madras-600 006

Date: 19-3-1980

FORMS TINES

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th March 1980

Ref. No. 7343.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot Nos. 16, 17, 18 and 20A situated at Industrial Estate, Guindy, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offise of the Registering Officer at Saidapet (Doc. 1777/79) on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri V. Krishnamurthy, Shri D. V. Jagadeeswari, Vijaya Industries, 92, Pudupalayam Main Road, Cuddalore.

(Transferor)

(2) Shri S. Annamalai, Shri S. Maheswaran, Shri A. Jeyzing, Shri A. Jeyzing, Shri S. Ashok, Ashok Matches & Timber Industries, Virudhungar Road, Sivakasi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Nos. 16, 17, 18 and 20A, Industrial Estate Gujndy, Madras.
(Doc. 1777/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 096

Date: 19-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th March 1980

Ref. No. 7479.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 848, Mount Road, situated at Madras-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane (Doc. 576/79) on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
40—36GI/80

(1) Arya Mata Sabha, 189, St. Mary's Road, Madras.

(Transferor)

(2) Shri B. Ramadas, Surya Bai. 42, Oil Monger St., Madras-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 848, Mount Road, Madras-2. (Doc. 576/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 19-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th March 1980

Ref. No. 7396.—Whereas, J. RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot 13E, Greams Road situated at Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 1002/79) on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri P. S. Dhanalekshmi, 33, Krishnan Koil St., Madras-1.

(Transferor)

(2) Mrs. Noorjehan Jaffardeen, Minor Razi Farced Jaffardeen, Minor Casim Farced Jaffardeen, Rep. by AV.M. Jaffardeen, 5A, Kamalia St., Koothanallur, Tanjore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building (Half share) at Plot 13E, Madras-6. (Doc. 1002/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 19-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th March 1980

Ref. No. 7396.-Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot 13D situated at Greams Road, Madras-6 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 1001/79) on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri P. N. Arumugham, Shri P. N. Thiyagarajan, Shri P. N. Subramanian, 33, Krishnan Koil St., Madras-1.

(Transferor)

(2) Mrs. Noorjehan Jaffardeen, Minor Razik Farced Jaffardeen, Minor Cassim Farced Jaffardeen 5A, Kamalia St., Koothanallur, Tanjore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building (5/40 share) Plot 13D, Greams Road, Madras-6. (Doc. 1001/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Madres-600 006

Date: 19-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th March 1980

Ref. No. 7396.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot 13F, situated at Greams Road, Madras-6,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at T. Nagar (Doc. 1000/79) on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri P. S. Palani, 33, Krishnan Koil St., Madras,

(Transferor)

(2) Mrs. Noorjehan Jaffardeen,
 Minor Razik Fareed Jaffardeen,
 Minor Casim Fareed Jaffardeen,
 4. Muthupandian Avenue, Madras-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 13F, Greams Road, Madras-6, (1/3rd share).
(Doc. 1000/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madrae-600 006

Date: 19-3-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th March 1980

Ref. No. 7396.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot 13E, situated at Greams Road, Madras-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 999/79) on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri P. N. Surya, Shri P. N. Lakshmi, Shri P. N. Saraswathi, 33, Krishnan Koil St., Madras.

(Transferor)

(2) Mrs. Noorjchan Jaffardeen, Minor Razik Fareed Jaffardeen, Minor Casim Fareed Jaffardeen, 5A, Kamalia Street, Koothanallur, Tanjore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot 13E, Greams Road, Madras-6. (5/40 share). (Doc. 999/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 19-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1I, MADRAS-600 006

Medras-600 006, the 19th March 1980

Ref. No. 7396.—Whereus, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot 13F situated at Greams Road, Madras-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 998/79) on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri P. R. Vijayakumar, 33, Krishnan Koil St., Madras-1.

(Transferor)

(2) Mrs. Noorjehan Jaffardeen,
 Minor Razik Fareed Jaffardeen,
 Cassim Fareed Jaffardeen,
 4. Muthupandian Avenue, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot 13F, Greams Road, Madras, (1/3rd share).
(Dog. 998/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 19-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Medras-600 006, the 19th March 1980

Ref. No. 7396.—Whereas, I. RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot 13F situated at Greams Road, Madras-6.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 997/79) on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri P. T. Sampathkumar, 33, Krishnan Koil St., Madras.

(Transferor)

 Mrs. Noorjehan Jaffardeen, Minor Razik Farced Jaffardeen, Cassim Farced Jaffardeen,
 Muthupandian Avenue, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 13/F, Greams Road, Madras-6, (1/3rd share).
(Doc. 997/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madres-600 006

Date: 19-3-1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th March 1980

Ref. No. 7396.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot 13E, situated at Greams Road, Madras-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 996/79) on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri P. A. Seethalakshmi, 33, Krishnan Koil St., Madras-1.

(Transferor)

(2) Mrs. Noorjehan Jaffardeen, Minor Razik Fareed Jaffardeen & Minor Casim Fareed Jaffardeen, Rep. by AV. M. Jaffardeen, 5A, Kamalia St., Koothanallur, Tanjore

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot 13E, Greams Road, Madras-6, (1/3rd share).

(Doc. 996/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 19-3-1980

 Smt. Deivayanai Ammal, W/o Ayyavu 3/31, Bazaar St., Avanashi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Saraswathi W/o Angappan, 40, Rajaji St., Avanashl-638654.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS

Madras-600 006, the 20th March 1980

Ref. No. 10267.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 30, Madras Calicut Road situated at Avanashi, Coimbatore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Avanashi (Doc. 1192/79) in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
36GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 30, Madras Calicut Road, Avanashi (Doc. No. 1192/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madrae-600 006

Date: 20-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 21st January 1980

Ref. No. AR-I/4226-3/July '79.-Whereas, I, V. S. SESHADRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 84/6 situated at Sion Division

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 19-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

1. Sh. K. N. Bhatia 2. N. R. Ranganathan 3. S. Ramakrishnan 4. A. R. Gulshan 5. C. L. Velacha 6. Virumal Mohandas 7. K. T. Bijlaney.

(Transferors)

- (2) Rameshwar Bhavan Coop-Hsg. Soc. Ltd. (Transferee)
- (3) 1. Smt. Maya N. Lakhani
 2. Smt. Meenakumari B. Soni
 3. Shri Shamji Varjang
 4. Shri Mulji Valji Haria

- Shri S. Ramakrishnan
 Shri Brijlal Hirachand Chhablani
- 6. Shri Brijiai ritiacinaia Cin. 7-11. Shri A. R. Gulshan 12. Shri Niranjan R. Chawla 12A. Smt. Radhibai G. Chainani 13. Smt. Aasha Lelaram Chawla 14. Shri Noor Mohamed 15. Smt. Lakshmibai G. Ahula
- - 16. Shri N. R. Ranganathan
 17. Shri Khairam Naraindas Bhatla
 18. Shri Ramchand K. Radhakrishnanl
 19. Shri B. V. Suryanarayana
 20. Shri B. Raghayan

- Smt. Saraswatibei Shanbhag Smt. Menghabal Kishinchand Bhatla
- Shri A. H. Gulshan Shri M. R. Asrani Smt. Bhagibai R. Asrani
- 26. Shri Mahesh G. Chetnani 27. Shri Bindu R. Asrani
- 28. Smt. Lakshmi P. Khilnani 29. Shri Lakhmichand Narumal 30. Shri Navalrai I. Tahallani

- 31-32, Smt. Indira Kannan 33, Shri M. K. Parikh 34, Smt. G. K. Sharada 35, Smt. Parpathibai Hariram Khilnani
 - Shri Kishenchand R. Nattan

 - 37. Shri L. N. Kinger 38. Shri Sundara Pandian 39. Shri Motllel Rochlram Jaisinghant

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice In the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 772/61 (Rom) and registered on 19-7-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

> V. S. SESHADRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 21-1-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 28th January 1980

Ref. No. J.R.1/4228-11/July 79.—Whereas, I, V. S. SESHADRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C. S. No. 518/10 situated at Matunga Division (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 20-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mrs. Parinbanoo Rustomjee Jamasjee.

(Transferor)

(2) 1. Minochar Pestonji Dordi 2. Mrs. Aloo Minochar Dordi 3. Mrs. Previn Behram Kayarana.

(Transferee)

(3) 1. Shri J. C. Doctor 2. Shri E. F. Tarapore 3. Mrs. K. J. Baxter 4. Shri P. K. Shroff

Mrs. D. K. Safar 5. Mrs. C. V. Daruwala 6. Shri J. R. Jamasji

6. Shri J. R. Jamasji
7. Shri A. M. Gandhi
8. Shri L. C. Hansotia
9. Shri K. H. Barucha
10. Shri P. M. Gandhi
11. Shri T. D. Dahiwala
12. Mrs. F. B. Karanjwala
13. Shri S. N. Rana
14. Shri N. R. Jamasji

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or to period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 109/78 (Bom) and as registered on 20-7-79 with the Sub-registrar of Bambay.

> V. S. SESHADRI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 28-1-1980

Scal:

(1) Shri Yeshwant Singh Vijaysingh Dossa (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kishore Kanungo

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 29th January 1980

Ref. No. A.R. III/AP. 345/79-80.—Whereas I, V. S. SHESHADRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 54 (Falni) 53 (plot No. 12 and Falni No. 3 & 4), 55 (Falni-6), 76 (Falni 1 and 4), 77 (Plot No. 3, 4, 5) Falni No. 1, 78 (Plot No. 1, 79A) (Falni No. 1 and Sr. No. 1). situated at Gundavli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 18-7-79 (*)

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2092/78 and registered on 18-7-1979 with the sub. Registrar, Bombay.

V. S. SHESHADRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date 29-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1

Bombay, the 6th February 1980

Ref. No. AP-I/4224-7/79.—Whereas, I P. L. ROONGTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. C.S. No. 98B of Worli Division

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay 20-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afroesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Sumatibai Marotirao Dhanwaty

(Transferor)

(2) Kalpana Mautic Gandhi

(Transferee)

(3) 1. M/8 CR-WO Pvt. Ltd.

2. M/s Mehta Carpet Showroom
3. M/s Motor Industries Co. Ltd.
4. M/s J. L. Morison Son and Jones (India) Ltd.

5. M/s Textiles Committee

6. M/s Bradsa of India Ltd.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevabe property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 2023/73 and as registered on 20-7-79 with the Sub-registrar, Bombay.

> P. L. ROONGTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acqusition Range-1, Bombay.

Date 6-2-80 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE THAKHAR'S BUNGLOW, GIRIPETH, NAGPUR

Nagpur, the 18th January 1980

No. IAC/ACQ/111/79-80.—Whereas, I, S. K BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House No. 651/O+8,

situated at Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Nagpur on 25-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shripad Dinkar Apate,

(2) Shri Charudatta Shripad Apate,
 (3) Shri Chandrashekhar Dinkar Apate,
 All resident of Giripeth, Agrasent Road, Nagpur.
 (Transferor)

 (4) Shri Ramdas Ramkrishna Guiki, Modi Line No. 2 Sitabuldi, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 651/O+8, Circle No. 20, Ward No. 70, Agrasen Road, Giripeth, Nagpur.

S. K. BILLAIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 18-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, THAKKAR'S BUNGLOW, GIRIPETH, NAGPUR

Nagpur, the 19th January 1980

No. IAC/ACQ/112/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 37, Mouja Pala Tah. Morshi, situated at Pala (Tah. Morshi) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Morshi on 11-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sumanbai Ajabrao Kale & Others.
 (2) Smt. Sushilabai Chakradhar Rasse & Others.
 Both resident of Morshi Dist. Amravati.
 (Transferors)
- (1) Smt. Nalini Narayanrao Dhole,
 (2) Shri Narayan Shamrao Dhole,
 (3)) Shri Namdeo Narayanrao Dhole,
 (4) Shri Sahebrao Narayanrao Dhole,
 All resident of Dist. Amrayati.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

11.1 Acres of Agricultural land bearing Survey No. 37, Mouja Pala Tah. Morshi, Dist. Amrayati.

S. K. BILLAIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date 19-1-1980 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, THAKKAR'S BUNGLOW, GIRIPETH, NAGPUR

Nagpur, the 19th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/113/79-80.—Whereas I, S. K. BILLAIYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 681 Plot No. 39-B situated at Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 4-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of an yincome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri G. S. Mishra C/o Ashok Dresses, Gole, Bazar, Bilaspur.

(Transferor)

 Shrimati Madhubala K. Chandok, Nagpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 39-B, House No. 681, Ward No. 70, Tilak Nagar, Nagpur.

S. K. BILLAIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 19-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,THAKKAR'S BUNGLOW, GIRIPETH, NAGPUR-10

Nagpur, the 23rd January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/115/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 171, Municipal No. 201/O+3, Ward No. 73, situated at Nagpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nagpur on 30th July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

-36GI/80

Shri Rambhau Pandurang Rahagude and
 Smt. Shakuntalabai Rambhau Rahagude,
 Dharampeth Extn., Nagpur.

(Transferors)

(2) 1. Smt Jayshree Hemchand Shah,
2. Smt. Kumud Madhusudan Shah,
171, Dharampeth Extn., Nagpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 17, Municipal No. 201/O+3, Ward No. 73, D.W. 8, Dharampeth Extension Scheme, Nagpur.

S. K. BILLAIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 23-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Bachhraj Factories Ltd., Through Shri Jivraj Jiwandas, Amravatl.

(Transferor)

(2) Trust Satyam Shivam Sundaram, Through President, Trustee: Ramdeo Jagannathji Tripathi, Amrayati.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, THAKKAR'S BUNGLOW,

Nagpur, the 24th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/116/79-80.—Whereas, I. S. K. BILLAIYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 22 Sheet No. 56-C, situated at Mouja Tarkheda, (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amarvati Town on 27-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of an yincome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 22, Sheet No. 56-C, Mouja Tarkheda, near old cotton market, Amravati,

S K. BILLAIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 24-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, THAKKAR'S BUNGLOW, GIRIPETH, NAGPUR-10

Nagpur-10, the 30th January 1980

Ref. No. IAC/ACO/117/79-80.—Whereas, I, S. K. BIL'LAIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Sheet No. 55-C Plot No. 23, situated at Rajapeth, Amravati (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amravati on 12-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Ahillybai
 W/o Shri Shivnarayan Saraya,
 Near Railway Station, Amravati.

(Transferor)

(2) Shri Shiwaji Shikshan Sanstha, Amravati.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

17,742.81 Sq. ft. area out of Plot No. 23, Sheet No. 55-C, near Railway Station, Amravati.

S. K. BILLAIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 30-1-1980

(1) Sh. Priya Bala Saha.

(2) Nurul Haque & another.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OME

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Calcutta, the 19th January 1980

Ref. Sl. 528/TR-51/C-42/Cal-1/79-80.—Whereas, I, I, V.S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 14/7, situated at Syed Sally Lane, Cal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storied building together with land measuring 5 cottahs 10 chittacks 5 sq. ft. being premises No. 14/1, Syed Sally Lane, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta being No. I-4032 dated 25-7-79.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range: IV: Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 19-1-80

(1) Sri Rathindra Nath Ghosh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I

Calcutta, the 18th January 1980

Ref. No. AC-54/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 230/1, situated at Ramkrishna Sarani, P.S. Behala Dt. 24-Prgns.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 23-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

dilla Tell

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, hereby initiate proceedings fo rthe acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Ajanta Co-coperative Housing Society Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7K. situated at 230/1, Ramkrishna Sarani under P.S. Behala.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 18-1-1980

(1) Sri Ranendra Nath Ghosh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI, CALCUTTA

Calcutta, the 18th January 1980

Ref.No . AC-55/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

situated at Ramkrishna Sarani

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 23-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Ajanta Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7K situated at Ramkrishna Sarani under P.S. Behala.

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 18-1-1980

FORM ITNS-----

(1) Sri Soumendra Nath Ghosh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Ajanta Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 18th January 1980

Ref. No. AC-56/A-II/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 230/10, situated at Ramkrishna Sarani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 23-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under ub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, ot the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7K. situated at 230/10, Ramkrishna Sarani under P.S. Behala.

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquistion Range-II, Calcutta.

Date: 18-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 18th January 1980

Ref. Ac-57/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 230/9, situated at Ramkrishna Sarani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 23-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transferor;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Mamata Ghosh, and Dipak Ghosh.

(Transferor)

(2) Ajanta Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6K-9Ch-28Sq. ft. situated at 230/9, Rum-krishna Sarani under P.S. Behala.

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquistion Range-II, Calcutta
54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 18-1-1980

(1) Smt. Ashima Mitra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Ajanta Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 18th January 1980

Ref. AC-58/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 230/4, situated at Ramkrishna Sarani (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 23-7-79

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—43—36GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7K-3Ch-23Sq, ft. situated at 230/4, Ram-krishna Sarani under P.S. Behala.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-II, Calcutta
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 18-1-1980

(1) Sri Shew Ratan Singh Rathore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Jiblal Shaw, Narayan Shaw, Sitaram Shaw, Nathladevi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 3rd January 1980

Ref. 667/Acq. R-JΠ/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 2/2, situated at Panditia Road, Calcutta and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (160f 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 23-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that partly two storied and partly three storied building containing an area of 3 cottans of land situated at 2/2, Panditia Road, Calcutta.

L. V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range-IV, Calcutta.

Date: 3-3-1980.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd March 1980

Ref. No. Ac-108/R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

49 and 49/1, situated at Kali Banerjee Lane, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 2-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Soumendra Nath Banerjee & Sri Ramendra Nath Banerjee
 and 49/1, Kali Banerjee Lane, Howrah.

(Transferors)

(2) Sri Chatur Bhuj Agarwalla, 49 and 49/1, Kali Banerjee Lane, Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 7-K, 4-Ch. & 44-Sft. with building situated at 49 & 49/1, Kali Banerjee Lane, Dt. Howrah, more particularly as per deed No. 1041 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutts

Date: 3-3-1980

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 3rd March 1980

Ref. No. Ac-109/R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

49 and 49/1, situated at Kali Banerjee Lane, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Howrah on 2-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for one purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Soumendra Nath Banerjee & Shri Ramendra Nath Banerjee
 and 49/1, Kali Banerjee Lane, Howrah.

(Transferor)

(2) Smt. Aachi Devi Agarwalla, 49 and 49/1, Kali Banerjee Lane, Howrah.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5-K, 12-Ch, & 38-Sft. situated at 49 and 49/1, Kali Banerjee Lane, Dt. Howrah, more particularly as per deed No. 1042 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 3-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE-IV CALCUITA

Calcutta, the 3rd March 1980

Ref. No. 679/Acq.R-1II/79-80/Cal.—Whereas, I, I, V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. B-6 situated at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore on 12-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Himalayan Co-operative Housing Society Limited.

(Transferor)

(2) Sri Chanchal Kr. Bhattacharyya,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. B-6 on the 6th floor situated at 178A, S.P. Mukherjee Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 3-3-1980

M/s. Himalayan Co-operative Housing Society (1) Limited. (Transferor)

(2) Sri Subrata Roy Chowdhury.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd March 1980

Ref. No. 678/Acq.R-III/79-79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Flat No. A-4 situated at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 12-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat No. A-4 on the 4th floor situated at 178, S. P. Mukheriee Road, Calcutta.

> I. V. S. JUNEJA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range-IV, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 3-3-1980

(1) M/s. Himalayan Co-operative Housing Society Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Dipak Ranjan Banerjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 3rd March 1980

Rcf. No. 677/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. A-3 at

178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Alipore on 12-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. A-3 on the 3rd floor situated at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 3-3-1980

(1) M/s. Himalayan Co-operative Housing Society Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Prasanta Kumar Dutta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 3rd March 1980

Ref. No. 676/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat Nos. C-8 & C-9 situated at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore on 12-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the days of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat Nos. C-8 & C-9 on th 8th and 9th floor situated at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta,

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 3-3-1980

(1) M/s. Himalayan Co-operative Housing Society Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Bholanath Mukherjee.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 3rd March 1980

Ref. No. 675/Acq.R-III/79-80/Cal.-Whereas I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. B-2 situated at

178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed nereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Alipore on 12-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--44--36GL/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. B-2 on the 2nd floor eituated at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta,

> I. V. S. JUNEJA Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-IV, Calcutta

Date: 3-3-1980

(1) M/s. Himalayan Co-operative Housing Society Limited.

(Transferor)

(2) Sri Bishnu Pada Chatterjee and Smt. Namita Chatterjee.

(Transferos)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 3rd March 1980

Ref. No. 674/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. A-5 situated at

178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 12-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. A-5 on the 5th floor situated at 178A, S.P. Mukherjee Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date: 3-3-1980

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 15th March 1980

Ref. No. 673/Acq.R-III/79-80/Cal.--Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. C-4 situated at

178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Alipore on 12-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely;—

- M/s. Himalayan Co-operative Housing Society Limited.
 - (Transferor)
- (2) Shri Saradindu Narayan Dutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. C-4 on the 4th floor situated at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date: 3-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Hindusthan Co-operative Housing Society Limited.

(Transferor)

(2) Shri Debabrata Bhattacharyya.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-16, the 3rd March 1980

Ref. No. 672/Acq.R-III/79-80/Cal.--Whereas, I I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. B-3 situated at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Alipore on 12-7-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat No. B-3 on the 3rd floor situated at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-iax Acquistion Range-III 54 Rafi Ahmed Kidwal Road (3rd floor), Calcutta-16

Date: 3-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Himalayan Co-operative Housing Society Limited. 178A, S.P. Mukherjee Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Sri Radha Raman Das, 178A, S.P. Mukherjee Road, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-16, the 3rd March 1980

Ref. No. 671/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. C-2 situated at

178A, S. M. Mukherjee Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Alipore on 12-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. C-2 on the 2nd floor situated at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta.

> I. V. S. JUNEJA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III 54 Rafi Ahmed Kidwal Road (3rd floor), Calcutta-16

Date: 3-3-1980

[PART III—SEC. 1

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, 3RD FLOOR CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 3rd March 1980

Ref. No. 670/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. B-9 situated at

178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore on 12-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. Himalayan Co-operative Housing Society, Limited.
 178A, S.P. Mukherjee Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Subhendu Mohan Ghosh, 178A, S.P. Mukherjee Road, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. B-9 on the 9th Floor of the bldg. situated at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwal Road (3rd floor),
Calcutta-16

Date: 3-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III
> 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 3rd March 1980

Ref. No. 669/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. B-10 situated at

178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Alipore on 12-7-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

M/s. Himalayan Co-operative Housing Society, Limited. 178A, S.P. Mukherjee Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Partha Sarathi Basu, 178A, S.P. Mukherjee Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. B-10 on the 10th floor situated at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta.

> I. V. S. JUNEJA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 3-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) M/s. Himalayan Co-operative Housing Society Limited.
 178A, S.P. Mukherjee Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Bimal Kumar Ghosh, 178A S. P. Mukherjee Road, Calcutta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 3rd March 1980

Ref. No. 668/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I. I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. B-4 situated at

178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Alipore on 12-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein essare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. B-4 on the 4th floor situated at 178A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 3-3-1980

FORM ITNS

(1) Lake Apartments Co-operative Housing Society Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Probal Chatterjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 5th March 1980

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

North West Flat situated at 102, Southern Avenue, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 20-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire north west flat on the 5th floor situated at 102. Southern Avenu'e, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act' I hereby initiate proceeding; for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

45-36GI/80

Date: 15-3-1980

Sent ·

FORM ITNS

JTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shei S. D. Abhaankan

(Transferor)

(2) Shri S. B. Abhqankar

Limited.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 5th March 1980

ing the Competent Authority under Section 269B of the come-tax Act, 1961 (43 of 1961)

pereinafter referred to as the 'said Act'),

we reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. buth West Flat situated at 12, Southern Avenue, Calcutta

and more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act, 1908 (16

. 1908) in the office of the Registering Officer

Calcutta on 20-7-1979

r an apparent consideration

hich is less than the fair market value of the aforesaid operty, and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent ensideration therefor by more than fifteen per cent of ich apparent consideration and that the consideration for ich transfer as agreed to between the parties has not been ally stated in the said instrument of transfer with the riect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following ersons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

(1) Lake Apartments Co-operative Housing Society

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ENPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire south west flat on the first floor situated at 102, Southern Avenue, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 5-3-1980

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 11th March 1980

Ref. No. Ac-112/R-IV/Cul/79-80.—Whereas I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Touji No. 203, situated at Dt. Jalpaiguri, Pargana Changmari, P.S. Nagra-kuta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 190) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 6-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Rameshwar Prosad Plantation & Engineering Industries Ltd.,
 India Exchange Place (2nd floor), Calcutta,

(Tansferor)

(2) M/s. Teesta Valley Teta Co. Ltd., 5 & 7, N. S. Road, Calcutta-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1436.91 acres with structures and building, situated at Pargana Changmari, P.S. Nagrakata, Dt. Jalpaiguri Touzi No. 203 more particularly as per deed No. 3693 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 11-3-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th March 1980

Ref. No. Ac-113/R-IV/Cal/79-80.—Whereas I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

38/9, situated at Kshetra Mitra Lane, P.S. Golabari, Dist. Howrah

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Howrah on 12-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Nanda Rani Bose and Sri Hiralal Bose, 38/9, Kshetra Mitra Lane, Howrah,

(Tansferor)

 Sri Shrish Chandra Dutta, 38/9, Kshetra Mitra Lane, Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 4-K., 1-CH. & 11-Sft. with building, situated at 38/9, Kshetra Mitra Lane, Salkia, Howrah, more particularly as per deed No. 2041 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,

CALCUTTA

Calcutta, the 12th March 1980

Ref. Nο. Ac-114/R-IV/Cal/79-80.—Whereas I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

(S Plots 701, 702 & 705,

situated at Tagore Road, Ushagram, Asansol

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Asansol on 7-7-1979

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Sri Onkar Singh. Link Road, Cuttak, Orissa.

(Transferor)

(2) M/s. Kachhi Patel Saw Mills, Ushagram, Astrosol,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 13-Khs. with building, situated at Tagore Road, Ushagram, Asansol, Burdwan, more particularly as per Deed No. 4033 of 1979.

K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACr, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUITA

Calcutto, the 12th Morch 1980

Ref. No. Ac-115/R-IV/Cal/79-80.—Whereas I, K. SINHA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 30 situated at New Tollygunj P.O. Purba Putiari, 24-Prgns.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore on 20-7-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Hashi Rani Bose 30, Purba Putjary, 24-Parganas, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Lily Atorthy, 197/1/1, Netaji Subhas Road, Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Chief 1 Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 24-Khs, with building, situated at 30. New Tollyguni, Purba Putiyari, P. S. Regent Park, 24-Parganas, more particularly as per Deed No. 3283 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-3-1980

(1) Shrimati S. Achterya,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Tenants.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

[Person in occupation of the property]

(2) M/s, S, R, M. Investment Pvt. Ltd.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMPLIAN.

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th March 1980

Ref. No. Sl. 536/TR-44/C-39/Cal-1/79 80.—Whereas I, I. V. S. JUNFJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), character referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

46, situated at B. B. Ganguly St., Calcutta (and more fully described in the Schodule annexed her.to) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I

have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not be no truly stated in the said instrument of transfer with the object of t---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth fax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the solid Act, I hereby initiate proceedings for the arguisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building partly one and partly two storied on land measuring an area of 14 cottahs 4 chittacks being premises No. 46, B. B. Gonguly Street, Calcutta, vide Deed No. 3669 dated 5-7-79.

I. V. S. JUNEJA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-3-1980

(1) Sri Sunity Ghosh.

(Tansferor)

(2) Sri Prodosh Kr. Ghosh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 13th March 1980

Ref. No. 686/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3D, situated at Baishnabghata Bye Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that two storied building erected on a land of area 5 cottahs 10 chittacks, situated at 3D, Baishnabghata Bye Lane, Calcutta-47

I. V. S. JUNEJA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 13-3-1980

(1) Saliman Bibi & Others.

(Tansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Aswini Blawas.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-IV. CALCUTTA

Calcutta the 15th March 1980

Ref. No. Ac-61/R-II/Cal/79-80.—Whereas I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

231/A, situated at Maniktala Main Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-7-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--46--GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2-Ks. 14-Chs. & 39-Sft., situated at 231/ A, Maniktala Main Road, under P.S. Narkeldanga.

> K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 15-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 15th March 1980

Ref. No. Ac-62/R-II/Cal/79-80.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

P-276, situated at Maniktola,

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Ramendra Nath Dey.

(Transferor)

(2) Sri Dulal Kanti Saha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1-K, 8-Chs. with building, situated at P-276, C.I.T. Scheme No. VI-M, Maniktola, Oelcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 15-3-1980

(1) Sri Gopal Roy Chowdhury.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Joyantta Kr. Saha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUITA

Calcutta, the 15th March 1980

Ref. No. Ac/63/R-II/Cal/79-80.—Whereas I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P-276, situated at Maniktola

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 30-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13-Chs. & 35-Sft. with building, situated at P-276, C.I.T. Scheme VI-M, Maniktola, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 15-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 17th March 1980

Ref. No. Ac/116/R-IV/Cal/79-80.—Whereas I. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 61/5, situated at Dhakuria Station Road, P.S. Kosba (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 20-7-1979

for an apparent consideration which less than İs the fair market value of the aforesaid property, and reason to believe that the fair market I have valuo of the property 88 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Sri Pratap Ch. Banerjee,
 - 2. Smt. Lakshmi Banerjee, 3. Smt. Manjula Banerjee &

 - Smt. Santi Banerjee, all of 56/1, Station Road, P.S. Kasba, (Transferors)
- (2) Smt. Lekha Dasgupta, Nazir Bagan, Haltu, P.S. Kasba, Calcutta-31. Calcutta-31.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2-Ks., E-Chs. & 12-Sft., situated at P.S. Kasba, Mouza Dhakuria, 61/5, Dhakuria Station Road, more particularly as per deed no. 3259 of 1979.

> K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 17-3-1980

SeaI:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 17th March 1980

Rof. No. Ac-117/R-IV/Cal/79-80.—Whereas I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 61/4, situated at Station Road, Dhakuria

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 20-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Pratap Chandra Banerjee,
 2. Smt. Lakshmi Banerjee,
 3. Smt. Manjula Banerjee &
 4. Smt. Santi Banerjee,
 all of 56/1, Station Road, P.S. Kasba,
 Calcutta-31.
- (2) Smt. Lekha Dasgupta, Nazir Bagan, Haltu, P.S. Kasba, Calcutta-31.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2-Ks., 7-Chs. & 35-Sft. situated at P.S. Kasba, Mouza Dhakuria, 61/4, Station Road, more particularly as per deed No. 4749 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 17-3-1980

FORM ITNS ----

(1) Shri Dipak Chowdhury.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kumaresh Chowdhury.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 19th March 1980

Ref. No. 687/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. 1, situated at Kripanath Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 7-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share of property at 1, Kripanath Lane, Calcutta, which was registered under Deed No. 3712 of 1979

I. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-16

Date: 19-3-1980

 Sishumati Mnadal, 43A, Ultadanga Main Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Sri Niranjan Mandal, 43A, Ultadanga Main Road, Calcutta-4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE IV, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 20th March 1980

Ref. No. Ac-122/R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Dag Nos. 641 & 642, situated at Beliator, Gauria, Dt. Bankura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5.65 acres with structure situated at Distt. & P. S. Bankura, Garia, Beliator, Dag Nos. 641 & 642, more particularly as per Deed No. 3867 of 1979.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

Date: 20-3-1980

(1) Smt. Kum Kum Nessa Begum, Bhawanipur, P.S. & P.O. Kharagpur, Dt. Midnapur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Kharida Main Road. Khaagpur, Dt. Midnapur.

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Mahindra Kumra Jain,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

(Transferee)

ACQUISITION RANGE IV,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Calcutta, the 20th March 1980

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. Ac-121/R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. Plot No. 1543 situated at Kharida Main Road, Kharagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Midnapur on 2-7-1979

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the con-

sideration for such transfer, as agreed, to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 51 sataks situated at Kharagpur, Vill. Jangal, P.O. & P.S. Kharagpur, Dt. Midnapur, more particularly as per deed No. 1812 of

K. SINHA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Administration Range IV, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 20-3-1980.

(1) Smt. Seohalata Ghosh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Suvendu Chatterjee.

may be made in writing to the undersigned-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE IV, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,

Calcutta, the 24th March 1980

Ref. No. Ac-69/R-II/Cal/79-80.—Whreas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 25/7, situated at Garpar Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
47—36 GI/80

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13-chs. & 30-sft. with building situated at 25/7, Garpar Road, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Administration Range IV,
Calcutta-16

Date: 24-3-1980

FORM ITNS----

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Seohalata Ghosh.

(Transferor)

(2) Sri Suvendu Chatterjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV.

Calcutta, the 24th March 1980

Ref. No. Ac-68/R-II/Cal/79-80,—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25/5A, situated at Garpar Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth -tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11-chs. & 7-sft, with building situated at premises No. 25/5A, Garpar Road, Calcutta.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Administration Range IV,
Calcutta-16

Date: 24-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

Ntw Dtlhi, the 16th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIV/7-79/1088.—Whereas I, G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Khasra No. 652/153 on Plot situated at No. 126, Azad Nagar West, Village Ghondli Illaqa Shahdara Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 6-7-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

- (1) Shri Harnam Singh S/o Gopel Singh, R/o 126, West Azad Nagar Delhi-51,
- (Transferor) (2) Shri Devinder Mohan alias Man Mohan (HUF) S/o Arjun Dev Anand R/o 651/23A, near D.A.V. School Gandhi Nagar, Dclhi Now R/o House, on plot No. 126, Khasra No. 652/153, West Azad Nagar, Shahdara Delhi. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed House, built on Central portion of plot No. 126, area 168 sq. yds. part of Khasra No. 652/153 situated at Azad Nagar West in the area of village Ghaundli, Illaqa Shahdara, Delhi-51 bounded as under:

North—Portion of Plot No. 126
South—Road 15 ft.

East—Remaining portion of plot No. 126 West—Remaining portion of plot No. 126

G. C. AGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Delhi/New Delhi

Date: 16-4-1980

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-I **NEW DELHI-110002** 4/14A, ASAF ALI ROAD,

New Delhi-110002, the 5th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/7-79/275.—Whereas I, G. C. AGARWAL.

being the Competent Authorty under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-469 situated at Greater Kailash II New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 9-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Pran Nath Sharma S/o late Shri Sardari Lal Sharma R/o Qr. No. 572, Sector-VI, R.K. Puram, New Delhi.

(Transferor)

Smt. Swarna Sehgal W/o M. R. Sehgal R/o D-289, Defence Colony, New Delhi & Mrs. Sangeeta Chopra W/o Shri Rajesh Chopra R/o 22-Central Lane, Bengali Market, New Delhi. (2) Smt. Swarna Sehgal W/o M. R.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold plot of land bearing plot No. 469, Block No. "E" measuring 248 sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash No. II situated at village Bahapur, New Delhi bounded as under :-

East: Plot No. E-467. West: Plot No. E-471. North: Service Lane. South: Road.

G. C. AGARWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 5-4-1980

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

ASSISTANTS' GRADE EXAMINATION, 1980

No. F.10/5/79-EI(B)

New Delhi, the 26th April, 1980

A competitive examination for recruitment to vacancies in the Services/posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUITA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, JAMMU, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATIALA, PATNA, PORT BLAIR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR, TRIVANDRUM, and at selected Indian Missions abroad commencing on 28th September, 1980 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated the 26th April, 1980.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCE-MENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DIS-CRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE IN-FORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure I para 11)).

- 2. The Services/posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various Services/posts are given below:—
 - (i) Grade IV Assistants of the General Cadre of the Indian Foreign Service (B)-50 **
 - (ii) Grade IV (Assistants) of the Railway Board Secretariat Service-*
 - (iii) Assistants' Grade of the Central Secretariat Service—*
 - (iv) Assistants' Grade of the Armed Forces Headquarters Civil Service—103 (includes 15 vacancies reserved for Scheduled Castes candidates and 8 vacancies reserved for Scheduled Tribes candidates).
 - (v) Posts of Assistant in other departments/organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the I.F.S. (B)/Railway Board Secretariat Service/Central Secretariat Service/Armed Forces Headquarters Civil Service—*

The number of vacancies mentioned above are liable to alteration.

- *Vacancies not intimated by Government.
- **Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.
- 3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/posts mentioned in para 2 above.

If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Para 6 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the Services/posts for which he applies.

N.B.—A candidate is required to specify clearly in the Application form the Services/posts for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preference when making appointments.

No request for alteration in the order of preferences for the Services/Posts for which he is competing, would be considered unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of declaration of the results of the examination.

- 4. A candidate seeking admission in the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Publi Service Commission, at New Delhi General Post Office, Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rv. 2.00 will in no case be refunded.
- NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE ASSISTANT' GRADE EXAMINATION, 1980 APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE ASSISTANTS GRADE EXAMINATION, 1980 WILL NOT BE ENTERTAINED.
- 5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, N. Delhi-110011, by post or by personal delivery at the counter on or before the 16th June 1980 (30th June 1980) in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 16th June 1980) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 16th June 1980.

6. Candidates seeking admission to the exmination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) throught crossed Indian Postal Orders payable to the Sceretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambasador or Representative abroad, as the case may be, for credit to the account head "051 Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS RE QUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of India origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee or is an exserviceman as defined below.

"Ex-Serviceman" means a person who has served in any rank (whether as a combatant or as non-combatant) in the Armed Forces of the Union (viz. Naval, Military or Air Force of the Union) including the Armed Forces of the former Indian States but excluding the Assam Rifes, Defence Security Corps. General Reserve Engineer Force, Jammu and Kashmir Militia, Lok Sahayak Sena and Territorial Army for a continous period of not less than six months after aftestation as on 16th June, 1980

(i) has been released otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or in-

- efficiency, or has been transferred to the reserve pending such release, or
- (ii) has to serve for not more than six months as on 16th June, 1980, for completing the period of service requisite for being entitled to be released or transferred to the reserve as aforesaid.
- 8. A refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above not can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

- 9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 10. The question papers in English Part I, Arithmetic and General Knowledge, including Geography of India, as indicated in the scheme of examination at Appendix 1 to the Rules will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Tests including sample questions, reference may be made to "Candidates' Information Manual" at Annexure II.

R. S. AHLUWALIA,
Deputy Secretary,
Union Public Service Commission

ANNEXURE 1

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH. 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION ORDINARILY NUREQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

- 2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.
- All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and reaches the Union Public Service Commission late the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily rated employees are, however required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
 - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee, or attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission. (See paras 6 and 7 of the Notice and para 6 below).
 - (ii) Attested/certified copy of the Certificate of age.
 - (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational qualification.

- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate, one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided for it.
- (v) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (see para 5 below).
- (vii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled in.
- (viii) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. \times 27.5 cms.

Note: Candidates are required to submit along with their applications only copies of certificates mentioned in Items (i), (ii) (iii), (v) and (vi) above, attested by a gazetted officers of government or certified by candidates themselves as correct. Candidates who qualify on the results of the examination will be required to submit the originals of the certificates mentioned above soon after the declaration of the results are likely to be declared in the month of march, 1981 candidates should keep these certificates in readiness and submit them to the commission soon after the declaration of the result of the examination. The candidature of candidaes who fail to submit the required certificates in original at that time will be cancelled and the candidates will, have no claim for further consideration.

- 4. Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4 and 5.
- (i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee-

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or multilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee -

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Unio. Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Draft will also not be accepted.

(ii) Certificate of Age.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian Univertity as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit

an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate,

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidates must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Eaxamination Certificate an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Cerificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

Note 2.—CANDIDATE SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Certificate of Educational Qualification.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of qualification prescribed in Rule 7. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e., University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence, and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

NOTE.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them eligible to appear at the Commission's examination but have not been informed to the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

(iv) Two copies of Photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately photograph one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the attendance sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii), 3(iv), 3(v) and 3(vi) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by cheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari*of village/town* — in District/Division* — belongs to the State/Union Territory* — which is recognised as of village/town*--a Scheduled Caste/Scheduled Tribe * under :the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950* the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950* the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories Order, 1951.* the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951.* las amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.] the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1956*. the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976*. the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*. the Constitution Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*. the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*. the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*. the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*. the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*. the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*. 2. Shri/Shrimati/Kumari* and/or* his/her* family ordinarily reside(s) in village*/town
of District*/Division of the District*/Division of the State*/Union Territory of -Signature-**Designation_ (With seal of office) Date... State*/Union Territory

*Please delete the words which are not applicable.

Note.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector 1st Class Stinendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Fxecutive Magistrate/Fxtra Assistant Commissioner.

innot below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
 - (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep,
- (5) (a) LDCs/UDCs/Stenographers Grade D claiming age concession under rule 6(b) should submit a certificate in original from the Head of the Department/Office in the following form:—

Signature
Designation
Ministry / Office
Office Stamp

*Strike out whichever is not applicable.

- (b) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 6(c)(ii) or 6(c)(iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971:—
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
 - (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
 - (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge.
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.
- (c) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 6(c) (iv) or 6(c) (v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certifled copy of a certificate from High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964.
- (d) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 6(c)(vi) or 6(c)(vii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- (e) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethopia claiming age concession under Rule 6(c)(viii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a bonafide migrant from the countries mentioned above.
- (f) A candidate disabled while in the Defence Services claiming aga concession under Rule 6(c)(ix) or 6(c)(x) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled

while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate:

Signature.....
Designation.....
Date.....

*Strike out whichever is not applicable.

(g) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 6(c)(xi) or 6(c) (xii) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Force, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate

Signature.....
Designation.....
Date.....

- (h) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 6(c) (xili) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.
- (i) An ex-serviceman seeking remission of fee under para 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of the Discharge Certificate issued to him by the Army/Air Force/Naval authorities, as proof of his being an exserviceman. The certificate must indicate the exact date of his joining the Armed Forces and the date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces, or the anticipated date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces.
- 6. A candidate belonging to any of the categories referred to in paras 5(b), (c) and (d) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India.
- 8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more, such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *lpso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

- 10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.
- 11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date, of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with the provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054, and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against, cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building "Block, Baba Kharg Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale Counter of the Publications Branch, Udyog Bhavan, New Delhi-110001 and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at arious mofussil towns.
- 13. Communications regarding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
 - (1) NAME OF EXAMINATION.
 - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

14. Change in Address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13, ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE II CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as

responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

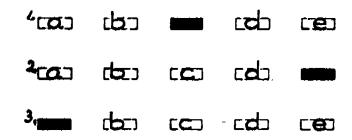
B. NATURE OF THE TEST

The Question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3,... etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best response. (see "sample items" at the end.). In any case, in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklet or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'parts'. Against each item, responses, a, b, c, d, e, are printed. After you have read, each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.



It is, important that-

- You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also;
- Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- You are required to enter the examination halt twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- 2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.

- 5. Write clearly in ink the name of the examination/ test, your koll No., Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the rest booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the mitractions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bling with you a clip-board of a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination had as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your koll rio, and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this, the navigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number and it is scribed, otherwise get it changed. After you have done this, you snotted write the serial number of your Test booklet on the relevant column of the Answer Sheet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked to do so by the supervisor.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too dimends for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking,

G. CONCLUSIONS OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and sheets for rough work, out of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESIIONS)

- 1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down tall of the Mauryan dynasty?
 - (a) the successors of Ashoka were all weak.
 - (b) there was partition of the Empire after Ashoka.
 - (c) the northern frontier was not guarded effectively.
 - (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era.
 - 2. In a parliamentary form of Government,
 - (a) the Legislature is responsible to the judiciary.
 - (b) the Legislature is responsible to the Executive.
 - (c) the Executive is responsible to the Legislature.
 - (d) the Judiciary is responsible to the Legislature.

- 3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to
 - (a) facilitate development.
 - (b) prevent disciplinary problems.
 - (c) provide relief from the usual classroom work.
 - (d) allow choice in the educational programme.
 - 4. The nearest planet to the Sun is
 - (a) Venus
 - (b) Mars
 - (c) Jupiter
 - (d) Mercury
- 5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods?
 - (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
 - (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
 - (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
 - (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.

STAFF SELECTION COMMISSION SHORT NOTICE

UPPER DIVISION GRADE LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1980

New Delhi, the 26th April 1980

No. 1/8/2/79-Coord-II(Trs.).—Staff Selection Commission, New Delhi, will hold on 22nd and 23rd September, 1980 at Bombay, Calcutta, Delhi, Madras, Nagpur and at selected Indian Missions Abroad, a limited departmental competitive examination for making additions to the select list of the Central Secretariat Clerical Service and Railway Board Secretariat Clerical Service.

- 2. Conditions of Eligibility.—Must be a permanent or temporary regularly appointed officer of the Central Secretariat Clerical Service/Railway Board Secretariat Clerical Service satisfying the following conditions:—
 - (a) Length of Service.—Must have, on 1st August, 1980 rendered not less than 5 years approved and continuous service in the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service/Railway Board Secretariat Clerical Service.
 - (b) Age.—Not more than 50 years on 1st August, 1980. Upper age limit relaxable for Scheduled Castes/ Scheduled Tribes and certain other specified categories.
 - (c) Typewriting Test.—Unless exempted, he should have passed the Monthly/Quarterly typewriting Test held by the UPSC/STS/ISTM (Examination Wing)/Subordinate Services Commission/Staff Selection Commission on or before issue of Notice of this examination for the purpose of confirmation in the Lower Division Grade.
 - 3. Fee.—Rs. 12/- (Rs. 3/- for S.Cs/S.Ts.).
- 4. Full particulars and application forms are obtainable from the Regional Director (N.R.), Staff Selection Commission, Lok Nayak Bhavan, 2nd Floor, Khan Market, New Delhi-110003, by remitting Re. 1/- by means of crossed (A/C Payee) Indian Postal Orders payable to the Staff Selection Commission at Lodi Road, New Delhi or on cash payment at the sale counter in Commission's Office.
- 5. Completed application forms must reach the Regional Director (N.R.), on or before 27-5-80 (10th June, 1980 for candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshdweep).

G. N. KHANNA Under Secretary (Coord.)



PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1980